हिन्दी विश्वविद्यालय परीक्षाओं की

विवरण पत्रिका

संवत् २०१५ के लिए

हिन्दी साहित्य सम्मेलन के हिन्दी विश्वविद्यालय की सम्पूर्ण परीक्षाओं के नियमों, उपनियमों तथा पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों का पूर्ण विवरण

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

विषय-सूची

अध्याय १

उपनियम

परीक्षाएँ

१. हिन्दी विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित परीक्षाएँ ली जायेंगी —

(क) प्रथमा, मध्यमा, उत्तमा, साहित्य महोपाध्याय, वैद्य विशारद, उपवैद्य, कृषि विशारद, सम्पादनकला विशारद, शीघ्रलिपि विशारद, शिक्षा विशारद तथा लिपिक।

(ख) राष्ट्रभाषा प्रारंभिक, राष्ट्रभाषा प्रवेश, राष्ट्रभाषा परिचय, राष्ट्रभाषा कोविद, राष्ट्रभाषा रत्न, हिन्दी कोविद तथा हिन्दी परिचय इन सब परीक्षाओं की व्यवस्था राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा करती है। इस संबंध में सारा पत्र-व्यवहार उक्त समिति के मंत्री से ही करना चाहिए।

२. हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के स्थान, तिथि तथा समय प्रति वर्ष परीक्षा समिति द्वारा निश्चित किए जायेंगे।

हिन्दी विश्वविद्यालय की सम्वत् २०१५, शाके १८८०, सन् १९५८ की परीक्षाएँ शुक्रवार ता० २६ दिसम्बर १९५८ से आरंभ होंगी।

३. इन परीक्षाओं में लिखित और आवश्यकतानुसार मौखिक दोनों प्रकार से परीक्षार्थियों की परीक्षा ली जायगी। समस्त परीक्षाओं के लिए माध्यम हिन्दी भाषा और लिपि देवनागरी होगी। परन्तु इतर भाषाओं के प्रश्नपत्रों में उन भाषाओं की लिपियों का भी व्यवहार होगा।

४. हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को—

(क) ३१ अगस्त १९५८ तक आवेदन-पत्र केन्द्र व्यवस्थापक को दे देना चाहिए। किन्तु केन्द्र व्यवस्थापक १ रुपया अतिरिक्त शुल्क के साथ ५ सितम्बर तक आवेदन-पत्र ले सकते हैं। जो आवेदन-पत्र केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा प्राप्त नहीं होंगे अथवा ठीक तरह नहीं भरे होंगे, उन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। केन्द्र व्यवस्थापक का कर्त्तव्य होगा कि वह आवेदनपत्रों को भली भांति जांच कर १० सितम्बर १९५८ तक परीक्षायोजक, हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन, प्रयाग को भेज दें।

(ख) परीक्षार्थी को परीक्षा शुल्क मनिआर्डर से सीधे हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग को भेज कर पोस्ट आफिस से प्राप्त रसीद आवेदन-पत्र पर चिपका देनी चाहिए।

जिस परीक्षार्थी की मनिआर्डर रसीद आवेदनपत्र के साथ नहीं आयेगी उसके आवेदनपत्र पर कोई विचार नहीं किया जायगा। योग्यता के अभाव में जो आवेदनपत्र अस्वीकृत होंगे उनकी सूचना रजिस्ट्री से परीक्षार्थी के पते पर भेज दी जायगी और परीक्षार्थी से प्रार्थनापत्र प्राप्त होने पर आधा शुल्क लौटाया जायगा।

(ग) जो वैकल्पिक विषय अथवा विषय समूह परीक्षार्थी लेना चाहें उनका स्पष्ट ब्यौरा आवेदन-पत्र में होना चाहिए। परीक्षार्थी आवेदनपत्र में जो विषय लिख देगा उसे परिवर्तन करने का कोई अधिकार नहीं है। विशेष परिस्थिति में परीक्षायोजक की स्वीकृति पर ५) अतिरिक्त शुल्क देकर ३० नवम्बर तक विषय बदले जा सकेंगे।

(घ) आवेदन-पत्र का मूल्य १९ नये पैसे है। आवेदन-पत्र मूल्य देकर निकटतम केन्द्र व्यवस्थापक से प्राप्त कर लेना चाहिए। पते सहित केन्द्रों की तालिका ५० नये पैसे भेजने पर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

(ङ) उत्तमा का आवेदन-पत्र उत्तमा तथा मध्यमा के केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा ही स्वीकार किया जायगा। प्रथमा के केन्द्र व्यवस्थापक प्रथमा तथा मध्यमा के आवेदन-पत्र भेज सकते हैं, उत्तमा के नहीं।

शुल्क

५. (क) हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के लिए निम्नलिखित शुल्क "अंक शुल्क सहित" नियत हैं —

प्रथमा	९ रुपये
मध्यमा	१३ रु०
उत्तमा (प्रथम खंड)	१३ रु०
उत्तमा (द्वितीय खंड)	१४ रु०
साहित्य महोपाध्याय	५० रु०
वैद्य विशारद (प्रति खंड)	९ रु०
उपवैद्य	९ रु०
कृपि विशारद	१३ रु०
सम्पादनकला विशारद	१३ रु०
शीघ्रलिपि विशारद	१३ रु०
शिक्षा विशारद	१३ रु०
लिपिक	४ रु०

परीक्षार्थियों को अंक भेजने के लिए केन्द्र को अतिरिक्त शुल्क तथा डाक व्यय नहीं देना होगा।

अस्थायी प्रमाणपत्र के लिए	५० नये पैसे
नाम परिवर्तन के लिए	५ रुपये

अंकानुसंधान शुल्क—

प्रथमा तथा उपवैद्य	२ रु० प्रति प्रश्नपत्र
उत्तमा, मध्यमा और अन्य विशारद	३ रु० प्रति प्रश्नपत्र

(ख) जो परीक्षार्थी अध्याय २ नियम ३ तथा अध्याय ३ नियम ५ के अनुसार केवल साहित्य विषय में परीक्षा देंगे उन्हें क्रमशः ९ रुपये और १३ रुपये शुल्क देना होगा।

(ग) जो परीक्षार्थी अध्याय १ उपनियम ११ (ग) या अध्याय ३

नियम ५ के अनुसार परीक्षा देंगे उन्हें प्रथमा परीक्षा के लिए ९ रुपये और मध्यमा परीक्षा के लिये १३ रुपये शुल्क देना होगा।

६. (अ) प्राप्तांक परीक्षाफल के साथ केन्द्रों को भेजे जायंगे। परीक्षार्थियों को अपने प्राप्तांक केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा प्राप्त होंगे। प्राप्तांक की दूसरी प्रति प्राप्त करने के लिए पांच वर्ष तक १ रु० और उसके पश्चात् २ रु० शुल्क देना होगा।

(ब) जो परीक्षार्थी अपना मध्यमा तथा अन्य विशारद परीक्षाओं का उपाधिपत्र अथवा प्रथमा, उपवैद्य आदि का प्रमाण पत्र कार्यालय से सीधा मंगवाना चाहें वह ३० जून तक १ रु० ५० नये पैसे शुल्क कार्यालय को भेज दें। मनिआर्डर कूपन पर परीक्षार्थी को परीक्षा का नाम, अपना नाम, क्रम संख्या, केन्द्र का नाम तथा पता स्पष्ट लिख देना चाहिए।

(स) मध्यमा तथा प्रथमा के उपाधिपत्र और प्रमाणपत्र, परीक्षाफल घोषित होने के एक वर्ष के भीतर केन्द्र से प्राप्त कर लेने चाहिए। यदि इस अवधि के भीतर प्राप्त करने में कठिनाई पड़े तो हमें रजिस्ट्री से सूचना देनी चाहिए। अन्यथा कार्यालय का कोई उत्तरदायित्व न रह जायगा।

७. प्रमाणपत्र अथवा उपाधिपत्र पाने के ५ वर्ष के भीतर खो जाने या नष्ट हो जाने पर प्रमाणपत्र के लिए २ रु० और उपाधिपत्र के लिए ५ रु० शुल्क तथा इसके बाद १० रु० शुल्क देने पर उसकी प्रतिलिपि प्राप्त हो सकेगी।

८. यदि कोई परीक्षार्थी अपना अंकानुसंधान कराना चाहता है तो वह प्रथमा तथा उपवैद्य के लिए २ रु० प्रति प्रश्नपत्र तथा मध्यमा, वैद्य विशारदादि एवं उत्तमा के लिए ३ रु० प्रति प्रश्नपत्र का मनिआर्डर सम्मेलन कार्यालय, प्रयाग को भेजे और प्रार्थना-पत्र के साथ मनिआर्डर की रसीद लगा कर प्रार्थना-पत्र परीक्षायोजक, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग को भेजना होगा।

यह प्रार्थना-पत्र परीक्षा परिणाम घोषित होने के एक मास के भीतर कार्यालय में आ जाना चाहिए। जिस प्रार्थना-पत्र के साथ मनिआर्डर रसीद

नहीं होगी या प्रार्थना-पत्र में परीक्षा सम्बन्धी पूर्ण विवरण नहीं होगा उस पर कोई कार्यवाई नहीं की जायगी और न शुल्क ही लौटाया जायगा।

यदि परीक्षार्थी इस अंकानुसंधान के कारण परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाता है तो उसे तत्काल सूचना दी जायगी।

यह ध्यान देने की बात है कि इस अंकानुसंधान का अर्थ केवल पूर्व परीक्षक के द्वारा जांची गई उत्तर पुस्तकों के अंकों के जोड़ से है। उत्तर पुस्तकों का पुनर्निरीक्षण नहीं होगा।

९. (क) यदि कोई परीक्षार्थी अस्वस्थता या अन्य ऐसे ही किसी विशेप कारण से परीक्षा में न बैठ पावे, तो उसका शुल्क नहीं लौटाया जायगा परन्तु परीक्षा समिति को अधिकार होगा कि विशेप परिस्थिति में, और परीक्षारम्भ से दो सप्ताह पश्चात् तक, केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा प्रमाणित किसी परीक्षार्थी का प्रार्थना-पत्र आने पर, उसे आगामी वर्ष की परीक्षा में आधा शुल्क लेकर बैठने की आज्ञा दे दे। यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में कुछ दिनों उपस्थित रह कर किन्हीं कारणों से पूरी परीक्षा में न बैठ सका हो तो उसे बिना पूरा शुल्क दिये आगामी परीक्षा में बैठने की आज्ञा नहीं दी जायगी। परीक्षार्थी को अस्वस्थता की दशा में डाक्टर अथवा प्रमाणित वैद्य का प्रमाण-पत्र भेजना चाहिए।

(ख) जो परीक्षार्थी केवल परीक्षा शुल्क भेज देंगे पर आवेदन-पत्र न भेजेंगे, उनका शुल्क लौटाया नहीं जायगा, अपितु उन्हें उसी शुल्क पर केवल आगामी वर्ष परीक्षा देने का अधिकार दिया जायगा। एक वर्ष के पश्चात् ऐसा शुल्क निरस्त समझा जायगा।

१०. (क) केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा आवेदनपत्र पर हस्ताक्षर करके कार्यालय में भेज देने से ही परीक्षार्थी परीक्षा में बैठने का अधिकारी नहीं माना जा सकता। केन्द्र द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्रों की कार्यालय द्वारा जांच की जाती है और यदि आवेदनपत्र में कोई त्रुटि रहती है तो तुरन्त परीक्षार्थी को सूचित

किया जाता है। जब तक परीक्षार्थी अपनी त्रुटियों का समुचित समाधान नहीं करा लेता, आवेदनपत्र स्वीकृत नहीं किया जाता है।

(ख) इस बात पर पूर्ण रूप से संतोष कर लेने पर कि परीक्षार्थी ने परीक्षा प्रवेश संबंधी प्रत्येक नियम का यथोचित पालन किया है, परीक्षायोजक प्रत्येक ऐसे परीक्षार्थी का प्रवेश-पत्र उसके निश्चित किए हुए केन्द्र के व्यवस्थापक के पास भेज देंगे। यह प्रवेशपत्र परीक्षारम्भ की तिथि से एक सप्ताह पूर्व परीक्षार्थियों को केन्द्र व्यवस्थापक से मिल कर ले लेना चाहिए। बिना इस प्रवेश पत्र को प्राप्त किये कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट न हो सकेगा। प्रवेश पत्र व्यक्तिगत पते पर भेजने का नियम नहीं है।

११. (क) विभाजित प्रणाली का नियम तोड़ दिया गया है। अतएव विभाजित प्रणाली के अनुसार कोई भी परीक्षा नहीं होगी।

(ख) वैद्य विशारद तथा उत्तमा की परीक्षाएँ खण्ड प्रणाली से ली जायंगी।

(ग) यदि कोई परीक्षार्थी प्रथमा, मध्यमा में से किसी में उत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् उस परीक्षा के अन्य वैकल्पिक विषय में जिसमें उसने परीक्षा न दी हो, परीक्षा देना चाहे अथवा जो परीक्षार्थी केवल साहित्य की परीक्षा में बैठने का अधिकारी होने पर उत्तीर्ण हो, वह अगले वर्ष उसी परीक्षा के किसी भी अन्य विषय में परीक्षा दे सकता है; ऐसे परीक्षार्थियों को, उत्तीर्ण हो जाने पर, उस विषय में उत्तीर्ण होने का एक अलग प्रमाणपत्र दिया जायगा।

१२. जो परीक्षार्थी अध्याय २ नियम ३ तथा अध्याय ३ नियम ५ के अनुसार किसी परीक्षा के केवल साहित्य विषय में परीक्षा देगा, उसे उत्तीर्ण होने पर कोई श्रेणी नहीं दी जायगी। उसके प्रमाणपत्र अथवा उपाधि-पत्र पर यह उल्लेख होगा—"केवल हिन्दी साहित्य में उत्तीर्ण हुए।"

१३. (क) उत्तमा तथा वैद्य विशारद, उपवैद्य, कृषि विशारद, सम्पादनकला विशारद, शीघ्रलिपि विशारद, शिक्षा विशारद के परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अन्य परीक्षार्थियों को उसी केन्द्र से परीक्षा देनी होगी जिसके

व्यवस्थापक द्वारा उसका आवेदनपत्र कार्यालय में प्राप्त हुआ हो। किन्तु परीक्षायोजक को अधिकार होगा कि विशेष दशा में ३० नवम्बर तक किसी परीक्षार्थी का केन्द्र परिवर्तन कर दें।

(ख) जिन परीक्षार्थियों का केन्द्र परिवर्तन विशेष परिस्थिति में (३० नवम्बर तक) किया जायगा उनको ५) अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा।

१४. हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का परीक्षाफल नियत परीक्षा तिथि से यथासंभव तीन मास के भीतर प्रकाशित कर दिया जायगा।

१५. परीक्षाफल प्रकाशित होने के पश्चात् केन्द्र व्यवस्थापकों के पास भेज दिया जायगा। परीक्षार्थी को प्राप्तांक उसी केन्द्र से प्राप्त होगा जहां से उसने परीक्षा दी होगी। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के प्रमाणपत्र तथा उपाधिपत्र समावर्तन समारोह होने के पश्चात् केन्द्र व्यवस्थापकों के पास भेज दिए जायंगे। व्यवस्थापकों को चाहिए कि वे वितरित किये गये उपाधिपत्रों की सूची तथा शेष उपाधिपत्रों को कार्यालय में एक वर्ष के भीतर लौटा दें।

१६. (क) प्रथमा, उपवैद्य, हिन्दी परिचय, राष्ट्रभाषा प्रारम्भिक, राष्ट्रभाषा प्रवेश, राष्ट्रभाषा परिचय तथा लिपिक परीक्षाओं में से किसी भी परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को प्रमाणपत्र दिये जावेंगे। मध्यमा, उत्तमा, साहित्य महोपाध्याय, वैद्य विशारद, कृषि विशारद, शिक्षा विशारद, शिक्षारत्न, हिन्दी कोविद, राष्ट्रभाषा कोविद, राष्ट्रभाषा रत्न, शीघ्रलिपि विशारद और सम्पादनकला विशारद परीक्षोत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उपाधिपत्र दिये जायेंगे।

(ख) पदक तथा उपाधिपत्रों का वितरण समावर्तन समारोह के अवसर पर होगा।

केन्द्र

१७. (क) उत्तमा परीक्षाओं के केन्द्र साधारणतः डिग्री कालेजों और प्रतिष्ठित संस्थाओं में ही रहेंगे। अन्य परीक्षाओं के केन्द्र साधारणतः

प्रतिष्ठित हाईस्कूलों, कालेजों तथा राष्ट्रीय विद्यालयों में ही रहेंगे और प्रायः इनके प्रधानाध्यापक ही इन केन्द्रों के व्यवस्थापक रहेंगे।

(ख) परीक्षा केन्द्र उन्हीं स्थानों में हो सकेंगे जहां डाकघर हों, जो रेलवे स्टेशन से बहुत दूर न हों और जहां से परीक्षा देने के लिए कम से कम ४० परीक्षार्थियों के आवेदन-पत्र प्राप्त हों। अहिन्दी भाषा-भाषी प्रान्तों के लिए इस नियम में अपवाद किया जा सकता है।

(ग) जो संस्थाएँ केन्द्र स्थापित कराना चाहें उनको केन्द्र स्थापनार्थ आवेदन-पत्र मँगा कर ३१ मार्च सन् १९५८ तक कार्यालय को भेज देना चाहिए। कम से कम ४० परीक्षार्थियों पर ही केन्द्र दिया जायगा। प्रथमा तथा मध्यमा के परीक्षार्थियों का योग ४० होने पर भी यह आवश्यक है कि किसी एक परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या १० से कम न हो। जिस परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या १० से कम होगी उस परीक्षा की व्यवस्था सम्मेलन विश्वविद्यालय के किसी अन्य केन्द्र से, जो उस केन्द्र के निकट ही होगा, की जावेगी।

१८. इन उपनियमों का समय समय पर संशोधन हो सकता है। इसकी सूचना समाचारपत्रों द्वारा दी जायगी।

आवश्यक सूचनाएँ

१. सम्मेलन कार्यालय से अथवा उसके किसी विभाग से यदि पत्र व्यवहार करना हो तो उत्तर के लिए डाकखाने का लिफाफा या कार्ड अवश्य भेजना चाहिए, टिकट नहीं भेजना चाहिए।

२. यदि किसी कार्य के लिए मनिआर्डर द्वारा कोई द्रव्य भेजा जाय तो उसकी सूचना पत्र द्वारा कार्यालय को अवश्य देनी चाहिए। पत्र में जिस कार्य के लिये द्रव्य भेजा गया है, उसका पूरा विवरण होना चाहिए अन्यथा कार्य के सम्पादन में विलम्ब हो जायगा।

केन्द्र व्यवस्था सम्बन्धी पुरस्कार

१. केन्द्र व्यवस्थापकों को:—

२६ से १०० परीक्षार्थी तक	१०) रु०
१०० से अधिक परीक्षार्थियों पर	५) रु० प्रति शत परीक्षार्थी

२. निरीक्षकों को:—

दिन में एक समय का	१) रु०
दिन में दोनों समय का	२) रु०

३. लिपिक के कार्य के लिए:—

२६ से ५० परीक्षार्थियों तक	५) रु०
५१ से १०० परीक्षार्थियों तक	८) रु०
१०० परीक्षार्थियों से अधिक पर	२) प्रति शत परीक्षार्थी

४. चपरासी के कार्य के लिए:—

१०० परीक्षार्थियों तक	५ रु०
१०० से अधिक परीक्षार्थियों पर	१ रु० प्रति शत परीक्षार्थी

५. प्राप्तांक भेजने के लिए:—

परीक्षार्थियों को प्राप्तांक भेजने का पुरस्कार २० नये पैसे प्रति परीक्षार्थी डाक व्यय सहित

टिप्पणी—(१) जितने परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे केवल उनकी ही गणना होगी।

(२) जहां २५ से कम परीक्षार्थी हों वहां निरीक्षक तथा लिपिक का पुरस्कार नहीं दिया जायगा। केवल केन्द्र व्यवस्थापक का पुरस्कार १०) दिया जायगा किन्तु १० से कम परीक्षार्थियों पर व्यवस्थापक पुरस्कार भी नहीं दिया जायगा।

(३) नये केन्द्रों को आवश्यक परीक्षा व्यय के अतिरिक्त किसी प्रकार का पुरस्कार नहीं दिया जायगा।

अध्याय २

प्रथमा परीक्षा

१—हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा निम्नलिखित विषयों में देनी होगी—

अनिवार्य विषय

(१) हिन्दी साहित्य, (२) इतिहास, (३) भूगोल, (४) गणित या (महिलाओं के लिए) गार्हस्थ्य शास्त्र, तथा निम्नलिखित वैकल्पिक विषयों में से कोई एक विषय—

(१) स्वास्थ्य रक्षा, (२) अंग्रेजी, (३) कला, (४) संस्कृत, (५) पालि, (६) सामान्य विज्ञान, (७) धर्मशास्त्र, (८) अर्थशास्त्र, (९) नागरिक शास्त्र, (१०) कृषिशास्त्र, (११) संगीत।

सूचना १—हिन्दी साहित्य विषय के लिए तीन प्रश्नपत्र होंगे। अन्य तीन अनिवार्य विषयों के लिए १००-१०० अंकों का एक-एक प्रश्नपत्र और प्रत्येक वैकल्पिक विषय के लिए ५०-५० अंकों के दो-दो प्रश्नपत्र होंगे।

२—महिलायें यदि चाह तो गणित के स्थान पर गार्हस्थ्य-शास्त्र विषय ले सकती हैं।

३—जिन परीक्षार्थियों की मातृभाषा हिन्दी नहीं है अथवा जो हाई-स्कूल या उसके समकक्ष किसी परीक्षा में उत्तीर्ण हों किन्तु उसमें हिन्दी विषय न लिए रहे हों या सम्मेलन की उपवैद्य उत्तीर्ण परीक्षार्थी, प्रथमा के केवल साहित्य विषय में सम्मिलित हो सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण होने पर केवल साहित्य में उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र दिया जायगा।

४—प्रथमा परीक्षा के विषयों के पूर्णांक तथा उत्तीर्णांक इस प्रकार होंगे—

(क) पूर्णांक—हिन्दी साहित्य के लिए ३००, प्रत्येक अन्य विषय में १००; उत्तीर्णांक—हिन्दी साहित्य में १०० तथा प्रत्येक अन्य विषय के लिए ३३। संगीत में प्रायोगिक परीक्षा के लिए ४० अंक और लिखित परीक्षा के लिए ६० अंक होंगे।

(ख) ६० प्रतिशत या उससे अधिक प्राप्त करनेवाला प्रथम श्रेणी में, ४५ प्रतिशत से ५९ प्रतिशत अंक प्राप्त करनेवाला द्वितीय श्रेणी में तथा ३३ प्रतिशत से ४४ प्रतिशत अंक प्राप्त करनेवाला तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण समझा जायगा।

किसी विषय में ७५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले को विशेष योग्यता का प्रमाण दिया जायगा।

५—प्रत्येक प्रश्नपत्र ३ घंटे का होगा।

प्रथमा परीक्षा—पाठ्यक्रम

अनिवार्य विषय

हिन्दी साहित्य

इस विषय में तीन प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—पठित, पद्य, पिंगल और अलंकार

प्राचीन पद्य ४० अंक, नवीन पद्य ४० अंक, अलंकार १० अंक, पिंगल १० अंक = १०० अंक।

अलंकार—उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अनुप्रास और उनके भेद, विभावन, श्लेष, अपह्नुति, यमक और अर्थान्तरन्यास।

पिंगल—पाठ्य ग्रन्थों में आए हुए छन्दों के नाम, लक्षण, यति ज्ञान तथा गणभेद का ज्ञान।

पाठ्य ग्रन्थ—

काव्य संग्रह : भाग १ हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
काव्य संग्रह : भाग २ „ „ „
काव्यांग कल्पद्रुम „ „ „
सहायक ग्रन्थ—
अलंकार प्रकाश : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

प्रश्नपत्र २—पठित गद्य और नाटक

पठित गद्य ६० अंक, नाटक ४० अंक = १०० अंक
पाठ्य-ग्रन्थ—
साहित्य प्रवेश : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

हिन्दी भाषासार (रानी केतकी की कहानी, स्यमन्तकमणि की कथा, नासिकेतोपाख्यान, एक अद्‌भुत्‌ अपूर्व स्वप्न, चन्द्रोदय, आंसू, आभूषण का श्लेष, पान का श्लेष, वस्त्र का श्लेष, फलों का श्लेष, चौसर का श्लेष, अखबार, हिन्दी क्या है) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

प्रश्नपत्र ३—हिन्दी साहित्य का इतिहास, रचना, व्याकरण तथा निबन्ध

साहित्य का इतिहास ३५ अंक, निबन्ध २५ अंक, रचना २० अंक, व्याकरण २० अंक = १०० अंक।

सहायक ग्रन्थ—

(क)

हिन्दी साहित्य परिचय—हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
संक्षिप्त हिन्दी साहित्य—हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
हिन्दी साहित्य की रूपरेखा—हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

(ख)

सम्मेलन निबन्ध माला (भाग २)—हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
रचना तथा व्याकरण—हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

इतिहास

इस विषय में १०० अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा।

भारतवर्ष के इतिहास (वैदिक काल से अब तक के इतिहास) का साधारण ज्ञान। घटनाओं तथा कालों का आलोचनात्मक विवेचन होना चाहिए। सन् सम्वतों के रटने की अधिक आवश्यकता न होगी, साधारण ज्ञान अपेक्षित है।

पाठ्य-ग्रन्थ—

भारतवर्ष का इतिहास—अवधबिहारी पाण्डेय—(नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, काशी)।

लघु इतिहास-प्रवेश—जयचन्द्र विद्यालंकार (हिन्दी-भवन, प्रयाग)

भूगोल

इस विषय में १०० अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा।

भूगोल के सिद्धान्तों का पूरा पूरा ज्ञान—पृथ्वी, पृथ्वी और सूर्य के सम्बन्ध, अक्षांश व देशान्तर-रेखाएँ, मानचित्र, वायुमंडल, जल-वायु, पृथ्वी के जल-वायुवीय विभाग, भू-पटल, जल-भाग, वनस्पति, प्रधान प्राकृतिक खण्ड, संसार के राजनीतिक प्रदेश, मानवजातियां, जनसंख्या और व्यवसाय।

भारतवर्ष के प्रादेशिक भूगोल का संक्षिप्त अध्ययन।

पाठ्य-ग्रन्थ—

भू परिचय—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भारतवर्ष का भूगोल—रामनारायण मिश्र—(भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भूगोल-सार—रामनाथ दुबे (राय साहब रामदयाल अग्रवाल, प्रयाग)

गणित

इस विषय में १०० अंकों का केवल एक प्रश्नपत्र होगा।

अंकगणित—

साधारण और दशमलव-भिन्न, महत्तम समापवर्त्तक, लघुत्तम समापवर्त्य, साधारण और चक्रवृद्धि व्याज, अनुपात तथा समानुपात, दस्तूरी, ऐकिक नियम, वर्गमूल, काम इत्यादि के प्रश्न, समय और दूरी-सम्बन्धी प्रश्न। समकोण, चतुर्भुजाकार क्षेत्रों के क्षेत्रफल-सम्बन्धी प्रश्न, आयताकार पिंडों का घन-फल।

बीजगणित—जोड़, बाकी, गुणा, भाग, भिन्न, सरल युगपत् (दो अव्यक्त राशियों के) समीकरण तथा इनसे हल होने वाले प्रश्न और वर्ग समीकरण, गुणन-खंड, महत्तम समापवर्त्तक, लघुत्तम समापवर्त्तक तथा सरल रेखाचित्र।

रेखागणित—सरल रेखा, त्रिभुज, वृत्त, निधि तथा क्षेत्रफल-सम्बन्धी प्रमेय और निर्मेय।

उपर्युक्त गणित, बीजगणित और रेखागणित के पाठ्यक्रम के अनुसार कोई भी पुस्तक उपयोग में लाई जा सकती है।

सूचना—अंकगणित में ४० अंक होंगे और बीजगणित तथा ज्यामिति में से प्रत्येक में ३०-३० अंकों के प्रश्न होंगे।

गार्हस्थ्य-शास्त्र (केवल महिलाओं के लिए)

इस विषय में १०० अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा।

प्रश्नपत्र १—स्वास्थ्य-परिचर्या, गृहप्रबन्ध एवं नारी जीवन

स्वास्थ्य—व्यक्तिगत स्वच्छता, जलवायु इत्यादि की स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन, स्नान, भोजन, निद्रा, व्यायाम इत्यादि का सम्यक् सन्तुलन।

परिचर्या—प्रारम्भिक चिकित्सा, प्रारम्भिक चिकित्सा के गुण और कर्त्तव्य, घाव और उनका उपचार, पट्टियों का उपयोग, जलने, कटने तथा बिच्छू, सर्प, भिड़ इत्यादि के दंश का प्रतिकार, मूर्च्छा और उसका उपचार, रोगी की परिचर्या, शरीर का तापमान देखना, नाड़ी की गणना, सेंक, मिट्टी की पट्टी, एनीमा, पथ्य आदि का ज्ञान।

गृहप्रबंध—घर के कार्यों के अनुकूल स्थान का विभाजन, कमरों की स्वच्छता तथा सजावट, रसोई-घर तथा भण्डार का समुचित प्रबन्ध, पाक-शास्त्र, वस्त्रों की धुलाई और रंगाई, व्रत-त्यौहार इत्यादि।

नारी-जीवन—नारी-जीवन की विशेषता, समाज में उसका विशेष स्थान, पतिगृह में नारी, नारी और गृह, गृहस्थ जीवन को सुखी बनाने के उपाय इत्यादि।

मातृत्वकाल—मातृत्व का महत्व एवं समाज के विकास में उसका योग, स्वस्थ एवं उत्तम सन्तान समाज को सर्वोत्तम भेंट, गर्भिणी का स्वास्थ्य, खान-पान, रहन-सहन तथा प्रसव-सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

सरल शरीर विज्ञान—जे० एस० वर्मा (रामनारायण लाल, प्रयाग)

तीमारदारी—एस० एन० श्रीवास्तव (रामनारायण लाल, प्रयाग)

परिचर्या और गृह प्रबन्ध—रानी टन्डन (कुमार प्रकाशन समिति, प्रयाग)

सरस भोजन कैसे बनावें—श्रीमती विन्देश्वरी भार्गव (अपर इण्डिया पब्लिशिंग हाउस लि०, लखनऊ)

गार्हस्थ्य शास्त्र—(तरुण भारत ग्रंथावली, प्रयाग)

मातृकला—मुकुन्द स्वरूप वर्मा (रामनारायण लाल, प्रयाग)

स्वास्थ्य-रक्षा

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

(१) शरीर-विज्ञान—शरीर की बनावट, अस्थि-संस्थान, मांस-संस्थान, रक्त-संस्थान, उत्पादन-संस्थान, श्वासोच्छ्वास-संस्थान, विसर्जन-पाचन-संस्थान, वात-संस्थान, उत्पादन-संस्थान, ज्ञानेन्द्रिय और उनके कार्य।

(२) रोग, उनके कारण और बचने के उपाय-संक्रामकता, रोग क्षमता तथा रोगों से बचने के उपाय।

वायु से फैलनेवाले रोग—चेचक, छोटी माता, खसरा, कुकुर खाँसी या काली खांसी, डिप्थीरिया, इन्फ्लुएंजा, कर्णफेर, तपेदिक।

पानी, दूध और भोजन से फैलने वाले रोग—हैज़ा, मोतीझरा या टायफायड, पेचिश, अतिसार।

कीड़ों व जीव-जन्तुओं-द्वारा फैलनेवाले रोग—मलेरिया, प्लेग, काला अजार, कुष्टरोग, आंख उठना, खुजली, टिटनस।

सहायक-ग्रन्थ—

शरीर-विज्ञान और स्वास्थ्य—रानी टण्डन (कुमार प्रकाशन समिति, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

व्यक्तिगत स्वास्थ्य-संरक्षण—शरीर, घर और वस्त्रों की स्वच्छता, नगर और देश का स्वास्थ्य, नगर की स्वच्छता, निवास-स्थान, जल, वायु, प्रकाश, आहार-विहार-सम्बन्धी विषयों का परिचय, मादक-द्रव्यों और उत्तेजक पदार्थों के सेवन का परिणाम।

निद्रा, विश्राम, व्यायाम, ब्रह्मचर्य, रहन-सहन, दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या का महत्व और स्वास्थ्य से सम्बन्ध।

सहायक-ग्रन्थ—

आरोग्य-विधान (सुधानिधि-कार्यालय, प्रयाग)

स्वास्थ्य-विधान (तीनों भाग)—(सरस्वती पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग)

स्वास्थ्य प्रदीपिका—डाक्टर मुकुन्द स्वरूप वर्मा (रामनारायण लाल, प्रयाग)

आदर्श भोजन—(छात्र-हितकारी-पुस्तकमाला, प्रयाग)

अंग्रेजी

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंग।

प्रश्नपत्र १

यह प्रश्नपत्र पाठ्य-ग्रन्थ और व्याकरण पर होगा। पाठ्य-ग्रन्थ हैं—

(क) गद्य—

Ideal Prose Selection (Indian Press, Allahabad)

Men of Thought and Action—K. K. Sukhia (Shiksha Pustak Bhawan, Allahabad)

(ख) पद्य—

Examples of Verses No. I—Shrishta and Rao (Macmillan & Co., Calcutta)

पाठ्य-ग्रन्थों पर ४० अंकों के प्रश्न होंगे।

व्याकरण में Parsing, Analysis, Direct and Indirect Narration पर १० अंकों के प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र २

इस प्रश्नपत्र में अनुवाद, निबन्ध, अपठित गद्य तथा मुहावरों का प्रयोग अन्तर्हित होगा। अपठित गद्य के लिए निम्नलिखित ग्रन्थ पढ़े जा सकते हैं—

(क) Selection from Mahatma Gandhi (रामनारायण-लाल, कटरा, इलाहाबाद)

(ख) Letters from a Father to his Daughter by Jawaharlal Nehru (आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कलकत्ता)

निबन्ध के लिये कोई भी पुस्तक पढ़ी जा सकती है।

अंकों का विभाजन इस प्रकार रहेगा—

हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद	१० अंक
अंग्रेजी में निबन्ध	२५ अंक
अपठित गद्य	१० अंक
मुहावरे (इडियम्स)	५ अंक

कला

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

(क) कला का इतिहास—प्रागैतिहासिक तथा आधुनिक, कला के मुख्य तत्वों तथा कला-निर्माण के सिद्धान्तों का साधारण ज्ञान—रेखा, आकार, बल, रंग तथा संयोजन के सिद्धान्त।

(ख) रूपण (डिजाइन)—किसी दिए हुए आकार में प्राकृतिक फूल, फल, पत्ते आदि अथवा प्रचलित अलंकृत रूपण (डिजाइन); रूपण (डिजाइन) में उचित रंगों का प्रयोग।

नोट—डिजाइन का प्रयोग दरवाजों के पर्दों के लिए, मेजपोश के लिए, पलंग की चादर या फर्श आदि के लिए उपयोगी हो।

पाठ्य-ग्रन्थ—

चित्र कला—अवध उपाध्याय (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्राइमर आफ आर्ट (हिन्दी)—श्री मनोहरलाल (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

अथवा

कला के मुख्य तत्व तथा हिस्ट्री आफ आर्ट (गुप्ता ब्रादर्स, खुरजा)

अंकों का क्रम—

कला के मुख्य तत्व तथा कला-निर्माण के सिद्धान्त	१५ अंक
रूपण (डिजाइन)	३५ अंक

प्रश्नपत्र २

(क) मुक्तहस्त रेखाचित्र (फ्री हैण्ड ड्राइंग)—दिए हुए सरल रेखाचित्र को घटा-बढ़ा कर बनाना।

(ख) स्मृति-चित्रण (मेमरी ड्राइंग)—नित्यप्रति के व्यवहार में आनेवाली वस्तुओं का और पशु, पक्षियों का क्रियात्मक सरल रेखाओं में पेन्सिल से स्मृति की सहायता से चित्रण।

सूचना—परीक्षार्थियों से केवल एक वस्तु का चित्रण कराया जाय।

पाठ्य-ग्रन्थ—

एलीमेन्टरी डिजाइन—श्रीकृष्ण देवसरे (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

फ्री हैण्ड ड्राइंग और डिजाइन—(गुप्ता ब्रादर्स, पब्लिशर्स, खुरजा)

अंकों का क्रम—

(अ) फ्री हैण्ड ड्राइंग (मुक्तहस्त रेखा-चित्रण) ३५ अंक

(ब) मेमरी ड्राइंग (स्मृति-चित्रण) १५ अंक

सहायक-ग्रन्थ—

सकसेस इन आर्ट—(रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

अथवा

कला और हस्त कार्य, भाग ३ और ४—(नेशनल प्रेस, प्रयाग)

संस्कृत

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

पाठ्य-ग्रन्थ—

(१) मित्रलाभ (हितोपदेश से) ३० अंक

(२) नीतिशतक—भर्तृहरि २० अंक

प्रश्नपत्र २

संस्कृत से हिन्दी और हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद — ४० अंक

व्याकरण-सम्बन्धी ज्ञान— — १० अंक

व्याकरण का ज्ञान किसी भी पुस्तक से प्राप्त किया जा सकता है।

यथा— प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण—बाबूराम सक्सेना (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

व्याकरण नवनीतम्—गोविन्द प्रसाद हटकाल शास्त्री (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

पालि

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

पाठ्य-ग्रन्थ—

जातक-संग्रह—(मास्टर खिलाड़ीलाल एण्ड सन्स, कचौड़ीगली, काशी)

प्रश्नपत्र २

पालि से हिन्दी और हिन्दी से पालि में अनुवाद

व्याकरण

सहायक-ग्रन्थ—

पालि प्रबोध—आद्यादत्त ठाकुर (गंगा पुस्तकमाला कार्यालय, लखनऊ)

सरल पालि व्याकरण—(महाबोधि सोसायटी, सारनाथ)

सामान्य विज्ञान

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

जन्तु-विज्ञान--मेढक की निम्नलिखित बातों का अध्ययन—

शरीर के बाह्य अंग तथा उनके कार्य। शरीर के भीतर के अंग तथा उनके कार्य। पाचन-संस्थान के अंग तथा उनके कार्य। रक्त-संचार के विभिन्न भाग तथा उनके कार्य। रक्त की बनावट, श्वास-क्रिया के अंग और उनके कार्य। विसर्जन-संस्थान के अंग तथा उनके कार्य। वात-संस्थान के विभिन्न भाग तथा उसके कार्य। ज्ञानेन्द्रियों के कार्य। मांसपेशियों तथा हड्डियों का महत्व। उत्पादक-संस्थान तथा जीवन-इतिहास।

मेढक तथा मनुष्य के बाह्य और भीतरी अंगों की बनावट तथा उनके कार्य।

मेढक और मनुष्य की परस्पर तुलना। जन्तु-संसार का साधारण ज्ञान।

वनस्पति-विज्ञान—

सेम की बेल के आधार पर पेड़ के भागों तथा कार्यों का ज्ञान। जड़, तना, पत्तियां, फूल, फल के भाग, फल तथा इन सब के कार्य। सेम के बीज से सम्पूर्ण पौधे का विकास। दो प्रकार की जड़ें, पेड़ के प्रकार—तने के पेड़ तथा लतर—धरती तथा पानी के पेड़, परायजीवी पेड़, पेड़ों की उत्पत्ति—बीज द्वारा तथा वनस्पतिक उत्पादन द्वारा।

वनस्पति-संसार का साधारण ज्ञान—

पेड़ों के जीवन कार्य—श्वास, भोजन, संश्लेषण, स्वेदन-क्रिया तथा उसके लाभ, पेड़ों की गति।

जीवाणु का महत्व

पेड़ों तथा जन्तुओं से मनुष्य को लाभ—खाना, ईंधन, कपड़े, शक्ति, मकान बनाने के साधन, औषधियां, मुख तथा गन्दगियों की सफाई (कुत्ते, स्यार के काटने तथा विषैले कीटाणुओं से रक्षा।)

पेड़ों तथा जन्तुओं से मनुष्यों की हानियां—

१—मलेरिया, पेट के कीड़े, हैजा, प्लेग तथा तपेदिक।

२—चूहे, दीमक इत्यादि से हानि।

३—कीड़ों-द्वारा पेड़ों को हानि।

४—पेड़ों द्वारा पेड़ों को हानि। अमरबेल।

अंकों का क्रम—

जन्तु-विज्ञान—२५

वनस्पति-विज्ञान—२५

सहायक-ग्रन्थ—

वनस्पति-विज्ञान—संत प्रसाद टंडन (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

जीव-विज्ञान की प्रारंभिक पुस्तक—बांकेबिहारी श्रीवास्तव (नंद-किशोर ब्रदर्स, बनारस)

सरल सामान्य विज्ञान—कैलास किशोर वर्मा (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

प्रारंभिक जीव-विज्ञान—संतप्रसाद टंडन (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

जीवन की कहानी—कृष्णानंद गुप्त (वैज्ञानिक साहित्य मंदिर, जार्ज टाउन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २ भौतिक और रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान—

द्रव की अवस्थाएँ, वाष्पीकरण, स्रावण, ऊर्ध्वपातन, घुलन-शीलता, रवा बनाना, भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, तत्व, साधारण और रासायनिक मिश्रण, वायु मण्डल, आक्सीजन, नाइट्रोजन, मंद और तीव्र जलन, लौ, जल, अमोनिया, चूना, सोडियम कर्बोनेट, कॉस्टिक सोडा, भारी तथा हल्के तत्वों का वर्गीकरण, रासायनिक संकेत, अम्ल, क्षार,

लवण, धातु और अधातु के गुण, नीचे लिखे हुए पदार्थों के गुण तथा कार्बन, गंधक, क्लोरीन, फासफोरस और इनसे संबंधित पदार्थ, कार्बन डाइक्साइड, कोयले की गैस, नमक, दियासलाई।

भौतिक विज्ञान—

भिन्न-भिन्न गहराइयों पर द्रव का दबाव, घनत्व, आपेक्षिक घनत्व, अर्कमदिस का सिद्धान्त तथा उसके प्रयोग, तैरना, वायु का दबाव तथा उसका प्रभाव, पिचकारी, पानी निकालने का साधारण पम्प, वायु का दबाव, नापने की विधियां, बैरोमिटर, साइकिल में वायु भरने का पम्प तथा बाल्व, पतंग।

प्रकाश का सीधा चलाव, बलाबल, समतल दर्पण-परावर्तन और आवर्जन के नियम, गोलाय दर्पण के बिम्ब, अभिवर्द्धक लैन्स, कैमरा का प्रयोग तथा साधारण सिद्धांत, वर्णविश्लेषण, किरण चित्र।

अवर्षण, विद्युद्दर्शक, चालक और रोधक, चुम्बक तथा उसके ध्रुव, पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति, दिक-सूचक, विद्युत्-घट और उनके समूह, विद्युत्-चुम्बक, तार और विद्युत्-घटों का सिद्धांत, साधारण-धारा-दर्शक, विद्युत्-धारा के तापक तथा रासायनिक प्रभाव।

ताप के उद्गम, ठोस द्रवों तथा गैसों का प्रसारण, प्रसरण के प्रभाव, प्लैटीनम तथा कांच, तापमापक, शरीर-तापमापक, गैस-तापमापक, हिम-मिश्रण, ताप का स्थानान्तरण, डैवी का अभय दीप, हवाएँ, मेघशून्य आकाश की शीतल रातें, थर्मस फ्लास्क, ताप की इकाई, गुप्त ताप, आपेक्षिक ताप, दबाव के ताप की उत्पत्ति, वाष्पीभवन से शीत की उत्पत्ति, आर्द्रता, द्रवीकरण से आयतन में परिवर्तन, द्रवों का उबाल, वाष्प-दबाव, वाष्प-इंजन।

अंकों का क्रम—

रसायन-विज्ञान—२५

भौतिक-विज्ञान—२५

सहायक ग्रन्थ—

रसायन-प्रवेशिका—फूलदेवसहाय वर्मा (नन्दकिशोर ब्रादर्स, काशी)

सामान्य भौतिक तथा रसायन-विज्ञान—सत्यप्रकाश और गोपाल-स्वरूप भार्गव—(नेशनल प्रेस, प्रयाग)

प्रारंभिक रसायन—अमीचन्द्र विद्यालंकार—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रारंभिक भौतिकी—डा० निहालकरण सेठी (जयकृष्णदास हरिदास, काशी)

सरल सामान्य विज्ञान—गुप्ता और सिंह (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

धर्मशास्त्र

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

श्रीमद्भागवत-संग्रह—चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

धर्मशिक्षा, खण्ड १, २, ३—लक्ष्मीधर वाजपेयी (तरुण भारत ग्रन्थावली, दारागंज, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

पाठ्य-ग्रन्थ—

मनुस्मृति, हिन्दी अनुवाद (अध्याय १, २)

भारतीय संस्कृति—गोपाल शास्त्री (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दुओं की पोथी—देवीदत्त शुक्ल (चंडी कार्यालय, प्रयाग)

सदाचार और नीति—लक्ष्मीधर वाजपेयी (तरुण भारत ग्रंथावली, दारागंज, प्रयाग)

अर्थशास्त्र

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

अर्थशास्त्र के अध्ययन की आवश्यकता, अर्थशास्त्र के मुख्य अंग, उत्पादन, उपभोग, माँग तथा पूर्ति।

उत्पादन—उत्पादन का अर्थ, उत्पत्ति के प्रधान साधन, भूमि (प्रकृति), श्रम (मनुष्य) और पूँजी की आवश्यकता, उनका उत्पादन और संचालन, उनका उत्पादन में स्थान, अधिक परिमाण में उत्पादन, क्रमागत ह्रास तथा बृद्धि के नियमों का साधारण ज्ञान।

उपभोग—उपभोग का अर्थ, आवश्यकता और उत्पादन का सम्बन्ध, आवश्यकता के प्रकार, उपयोगिता-सम्बन्धी नियम, आवश्यक, कौशल, सुविधा तथा विलास की वस्तुओं के भेद।

माँग की पूर्ति—माँग का नियम, माँग का उतार-चढ़ाव, पूर्ति का नियम, बाजार का क्षेत्र, मूल्य-निर्धारण का साधारण ज्ञान।

प्रश्नपत्र २

वितरण—श्रमजीवी तथा पूँजीपतियों की आय अर्थात् लगान, मजदूरी तथा ब्याज, संचालकों का मुनाफा (लाभ), उनके भागों के निर्धारण के नियम का साधारण ज्ञान।

विनिमय—द्रव्य का ज्ञान, बाजार, मूल्य की वृद्धि तथा मशीनों की उपयोगिता।

सूचना—परीक्षार्थियों को अर्थशास्त्र समझने के लिए भारतीय परिस्थितियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। (विशेषतः उन प्रान्तों की अवस्था का जिनमें वे रहते हैं।)

सहायक-ग्रन्थ—

अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्त—भगवानदास अवस्थी (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

प्रारंभिक अर्थशास्त्र—पृथ्वीनाथ तिवारी (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

भारतीय अर्थशास्त्र की सरल रूपरेखा—प्रकाशवती सक्सेना (रीगल इंडस्ट्रीज, इंदौर)

भारतीय अर्थशास्त्र—सी० एम० मालवीय एवं एल० सी० जैन (स्वरूप ब्रदर्स, इंदौर)

नागरिक शास्त्र

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

(क) नागरिक शास्त्र—अधिकार तथा कर्तव्य, स्वतंत्रता, समानता, नागरिकता तथा आदर्श नागरिक जीवन।

(ख) राज्य, कानून, सरकार की उत्पत्ति और उसके अंग, शक्ति-विभाजन सिद्धान्त तथा संप्रभुता की साधारण जानकारी , राज्य के कर्तव्य तथा उद्देश्य।

नागरिक शिक्षा (नवीन संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, दारागंज, प्रयाग)

नागरिक शास्त्र के सिद्धान्त—बी० एस० मेहता (लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा)

प्रश्नपत्र २

(क) भारतवर्ष की नवीन शासन-पद्धति का साधारण ज्ञान, नगर-पालिका, जिला परिषद् तथा ग्राम-पंचायतों की जानकारी।

(ख) भारतवर्ष की नवीन आर्थिक व्यवस्थाएँ, सामाजिक उत्थान के

नवीन कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यापार-सम्बन्धी नवीन आन्दोलनों की जानकारी।

सहायक-ग्रन्थ—

हाईस्कूल नागरिक शास्त्र—कन्हैयालाल (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

भारतीय संविधान—सत्यनारायण दुबे (शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा)

कृषि शास्त्र

इस विषय में ५०-५० अंकों के दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

१—भूमि—भूमि की बनावट और उसका वर्गीकरण (कंकरीली, बलुई, वलुई दोमट, दोमट, मटियार दोमट, मटियार), ऊसर भूमि और उसका सुधार, जीव अंश।

२—खाद—गोबर की खाद, घूर, कम्पोस्ट, हरी-खाद, विष्ठा और मूत्र की खाद, खली और रासायनिक खादों का साधारण ज्ञान।

३—सिचाई—सिंचाई की रीति, कुआं, तालाब और नहर की सिंचाई, सिंचाई में प्रयुक्त यन्त्रों का ज्ञान, ढेंकली, दोगला या दौरी, रहट, चरसा, चैन-पम्प, बलदेव बाल्टी।

पाठ्य-ग्रन्थ—

कृषि विज्ञान, भाग १ व २—सुदर्शन देव (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

ग्रामीण ज्ञानोदय—दयाशंकर दुबे और ओंकारनाथ मिश्र (छात्र हितकारी पुस्तकमाला, दारागंज, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

१—पौदा—पौदे के अंग, उनके कार्य, जड़, तना-पत्ती, फूल और फल, बीज बोने योग्य अच्छे बीज के लक्षण।

२—फस्लें—गेहूँ, चना, धान, मक्का, ज्वार, अरहर, कपास, ईख और आलू, फस्लों की बुआई, सिंचाई, निराई, कटाई आदि तथा उनकी उन्नतिशील किस्मों का ज्ञान।

३—कृषि के यंत्र, उनके मिलने का स्थान तथा उपयोग।

हल, हैरो, कल्टीवेटर, बुआई, कटाई और मड़ाई की मशीनें।

४—लेखपाल, कागजात, नकशा, खसरा, खतौनी, खेवट, सियाहा।

पाठ्य-ग्रन्थ—

कृषि प्रवेशिका—शीतलप्रसाद तिवारी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रारम्भिक कृषि-विज्ञान, भाग १, २ और ३—शिवदयाल सक्सेना (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

संगीत

संगीत की परीक्षा सम्मेलन द्वारा निर्धारित केवल विशिष्ट केन्द्रों में होगी।

इस विषय में ६० अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा और ४० अंकों में प्रायोगिक परीक्षा ली जायगी।

प्रायोगिक परीक्षा—(१) स्वरों का शुद्ध उच्चारण तथा उनकी पहचान और १० अलंकारों का ज्ञान।

(२) राग की पहचान तथा रागों में संक्षिप्त आलाप तानों का अभ्यास।

(३) निम्नलिखित १६ रागों का एक सरगम, एक लक्षण-गीत और एक छोटा-ख्याल जानना चाहिए—

बिलावल, खमाज, यवन, काफी, आसावरी, भैरवी, विहाग, मालकोस, देश, भीमपलासी, पीलू, बागेश्री, भूपाली, सारंग, भैरव और हमीर।

(अलाप जाननेवाले के लिए लक्षण गीत अनिवार्य नहीं है। किसी एक राग का एक ध्रुपद भी जानना चाहिए।)

(४) निम्नलिखित तालों तथा उनकी दून का ज्ञान—तीन ताल, झपताल, दादरा, कहरवा, चारताल, एकताल, तीवरा, दीपचंदी और धमार।

शास्त्र

(१) प्रयोग के पाठ्यक्रम में दिए हुए रागों का पूर्ण विस्तृत वर्णन लिखना, जैसे स्वर, थाट, आरोहावरोह, पकड़, वादी, संवादी, समय और कुछ अलाप।

(२) प्रयोग के पाठ्यक्रम में दिए हुए तालों की मात्रा, सम, ताली, खाली, विभाग आदि दिखाते हुए ठेके सहित लिखना और उनकी दुगुन भी लिखना।

(३) गीतों की स्वरलिपि लिखना, लिखित स्वर-समूहों-द्वारा राग पहचानना, समप्रकृति रागों की तुलना करना और कुछ लेख, जैसे गायन-वादन में अभ्यास का महत्व या उसका क्रम, संगीत का जीवन पर प्रभाव आदि।

(४) निम्नलिखित शीर्षकों तथा पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान—ध्वनि, नाद, श्रुति, स्वर, स्थान, सप्तक, शुद्ध, विकृत लय, माया, ताल, संगीत (हिन्दुस्तानी या कर्नाटकी), थाट, आरोह, अवरोह, अलंकार, वर्ण, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग, वक्रराग, सम्पूर्ण, षाडव, ओड़व जाति, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, पूर्व-उत्तर राग, ध्रुपद, ठुमरी, टप्पा, सन्धि-प्रकाश-राग।

(५) थाट और राग में भेद, थाट और सप्तक में भेद, संगीत कला और शास्त्र का परस्पर सम्बन्ध, विष्णु दिगंबर और भातखंडे की स्वरलिपि पद्धतियां आदि विषयों का संक्षिप्त परिचय, कुछ लेख जैसे संगीत और साहित्य, राग और रस, संगीत का भाव और कलापक्ष, गायन-वादन में अभ्यास का महत्व, उसका क्रम आदि।

सूचना—वाद्य-संगीत का पाठ्यक्रम भी उपर्युक्त ही है, केवल गीतों के

स्थान पर प्रत्येक राग में एक बिलंबित मसीतखानी गत और एक-एक रजाखानी द्रुतगत सीखनी होगी। कुछ अन्य पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान जसे जमजाम, मींड, गमक, मुरकी, झाला, गत आदि। वाद्य के विभिन्न अंगों के नाम और उसे मिलाने की रीति का भी ज्ञान आवश्यक है। तबला विषय लेने वाले को प्रायोगिक पाठ्यक्रम में दिए तालों को तबले पर उनके ठेके टुकड़े परन, कायदे, पलटे, रेले, तीहे, मुखड़े आदि सहित बजाने का अभ्यास होना चाहिए और इन शब्दों की परिभाषाएँ भी जाननी चाहिए।

सहायक-ग्रन्थ—

संगीत रागदर्शन, भाग १ और २ (गान्धर्व महाविद्यालय मंडल, प्रयाग)

संगीत-शास्त्र, भाग १ और २ श्री महेशनारायण सक्सेना (संगीत समिति, प्रयाग)

हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति, भाग १, २, ३, ४ (मैरिस म्यूजिक कालेज, लखनऊ)

राग-विज्ञान, भाग १, २, ३ (संगीत-समिति, प्रयाग)

संगीत-कौमुदी, भाग १, २, ३ विक्रमादित्य सिंह (मैरिस म्यूजिक कालेज, लखनऊ)

अध्याय ३

मध्यमा परीक्षा

१. हिन्दी विश्वविद्यालय की मध्यमा परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा या उसके समान समझी जाने वाली किसी परीक्षा में उतीर्ण होना आवश्यक होगा।

२. निम्नलिखित परीक्षायें हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा के समान समझी जावेंगी।

(अ) भारत के सभी राज्यों के बोर्डों द्वारा संचालित मैट्रिकुलेशन या हाईस्कूल परीक्षा (हिन्दी लेकर) अथवा इनके समकक्ष स्वीकृत भारत सरकार की इंडियन आर्मी सर्टीफिकेट आफ इजुकेशन परीक्षा तथा ऐसी अन्य कोई परीक्षा।

वर्नाक्युलर टीचर्स सर्टीफिकेट परीक्षा (हिन्दी लेकर), हिन्दुस्तानी टीचर्स सर्टिफिकेट, जूनियर टीचर्स सर्टिफिकेट या इनके समकक्ष कोई अन्य परीक्षा।

कर्वे महिला विश्वविद्यालय पूना की गृहीतागमा परीक्षा, एयर फोर्स की आर० आई० ए० एफ० टेस्ट परीक्षा, गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेज काशी की पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित), सेन्ट जेवियर हाई स्कूल जयपुर की जूनियर केम्ब्रिज परीक्षा, हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयाग की प्रथमा, प्रयाग महिला विद्यापीठ की विद्याविनोदिनी परीक्षा (एडवांस अंग्रेजी सहित), हिन्दू विश्वविद्यालय काशी की एडमीशन परीक्षा, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की विद्याधिकारी परीक्षा, गुरुकुल विद्यालय वृन्दावन की अधिकारी परीक्षा (अंग्रेजी विषय के साथ), भारत

के सभी राज्यों के गवर्नमेंट संस्कृत कालेजों द्वारा ली गई वे परीक्षायें जिनको मैट्रिकुलेशन के समकक्ष स्वीकृति मिल चुकी हो।

(ब) निम्नलिखित परीक्षाओं में उत्तीर्ण अहिन्दी भाषी मध्यमा परीक्षा में बैठने के अधिकारी होंगे।

सागर विश्वविद्यालय की प्राज्ञ परीक्षा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा की हिन्दी कोविद परीक्षा, पंजाब की हिन्दी भूषण परीक्षा, उत्तर प्रदेशीय शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कोविद परीक्षा, राष्ट्रभाषा कोविद परीक्षा, देवघर की प्रवेशिका परीक्षा, हिन्दी विद्यापीठ बम्बई की राष्ट्रभाषा रत्न परीक्षा, बम्बई भारतीय विद्यापीठ की राष्ट्रभाषा रत्न परीक्षा, तिरुवितांकूर हिन्दी प्रचार सभा तिरुवन्तपुरम की हिन्दी भूषण, हैदराबाद राज्य हिन्दी प्रचार सभा की हिन्दी भूषण, महिलाश्रम वर्धा की विनीता परीक्षा, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास की राष्ट्रभाषा विशारद परीक्षा।

३—(क) मध्यमा परीक्षा के प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए हिन्दी साहित्य विषय लेना अनिवार्य होगा और निम्नलिखित वैकल्पिक विषयों के दो समूहों में से प्रत्येक समूह से एक विषय लेना होगा—

(१) गणित, इतिहास, वैद्यक, अंग्रेजी, कृषि, दर्शन, धर्मशास्त्र, मनोविज्ञान तथा केवल महिलाओं के लिए गार्हस्थ्य-शास्त्र।

(२) संस्कृत, पाली, विज्ञान, भूगोल, राजनीति, अर्थशास्त्र, ज्योतिष, मराठी, बंगला, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, सिन्धी, उड़िया तथा संगीत कला।

(ख) मध्यमा परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को 'विशारद' की उपाधि दी जायगी।

४—परीक्षार्थियों को केवल दो वैकल्पिक विषय लेने होंगे। मध्यमा परीक्षा का कोई परीक्षार्थी दो से अधिक वैकल्पिक विषय लेकर परीक्षा न दे सकेगा।

जो परीक्षार्थी वैकल्पिक विषय लेकर मध्यमा परीक्षा उत्तीर्ण हो गए हों या जो परीक्षार्थी नियम के अनुसार वैकल्पिक विषयों में परीक्षा देने

से मुक्त कर दिए गए हों वे भी कोई वैकल्पिक विषय लेकर किसी अगले वर्ष परीक्षा में बैठ सकते हैं। ऐसे परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण हो जाने पर उन्हें इन वैकल्पिक विषयों में उत्तीर्ण होने का एक अलग प्रमाणपत्र दिया जायगा।

५—निम्नलिखित परीक्षार्थियों को मध्यमा के केवल साहित्य विषय में उत्तीर्ण हो जाने पर 'विशारद' की उपाधि दी जायगी—

(१) हिन्दी विश्वविद्यालय की वैद्य-विशारद, कृषि-विशारद, शीघ्रलिपि-विशारद, शिक्षा-विशारद तथा सम्पादनकला-विशारद परीक्षाओं में उत्तीर्ण परीक्षार्थी।

(२) भारत के किसी भी राज्य द्वारा स्वीकृत इण्टरमीडिएट परीक्षा (हिन्दी लेकर) उत्तीर्ण या हिन्दी विश्वविद्यालय परिषद् द्वारा स्वीकृत विद्यापीठ के उपाधिधारी ग्रेजुएट, शास्त्री, तीर्थ या आचार्य या गोविन्दराम सेक्सरिया कालेज आफ कामर्स, वर्धा की 'शीघ्रलिपि-विशारद' परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी।

(३) हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा अथवा हाई स्कूल (हिन्दी लेकर) उत्तीर्ण अहिन्दी भाषा-भाषी परीक्षार्थी।

६—मध्यमा परीक्षा में विभिन्न विषयों के पूर्णांक तथा उत्तीर्णांक इस प्रकार होंगे—

(क) पूर्णांक—हिन्दी साहित्य में ४०० तथा प्रत्येक वैकल्पिक विषय में २००।

उत्तीर्णांक—हिन्दी साहित्य में १४० तथा प्रत्येक वैकल्पिक विषय में ६६।

(ख) प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय श्रेणी के लिए ४५ से ५९ प्रतिशत तथा तृतीय श्रेणी के लिए साहित्य में ३५ तथा अन्य विषयों में ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त करने चाहिए।

किसी विषय में विशेष योग्यता के लिए ७५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

मध्यमा परीक्षा—पाठ्यक्रम

साहित्य

इस विषय में ४ प्रश्नपत्र होंगे

प्रश्नपत्र १—पठित तथा अपठित पद्य, रस, अलंकार और पिंगल

मध्यकालीन काव्य ३० अंक, उत्तरकालीन काव्य २० अंक, नवीन काव्य २० अंक, अपठित काव्य १० अंक, रस अलंकार तथा पिंगल २० अंक=१०० अंक।

पाठ्य-ग्रन्थ—

बीसल देव रासो—नाल्ह (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

ब्रज-माधुरी-सार—(सूरदास, नंददास, हितहरिवंश, रसखान, आनन्दघन, नागरीदास, भारतेन्दु, देव, रत्नाकर (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

तुलसी संग्रह—डा० माताप्रसाद गुप्त (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सुदामा चरित—नरोत्तमदास

आधुनिक काव्य संग्रह—डा० रामकुमार वर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सहायक-ग्रन्थ—

संक्षिप्त अलंकार-मंजरी—कन्हैयालाल पोद्दार (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—पठित तथा अपठित गद्य और नाटक

गद्य ३० अंक, उपन्यास तथा कहानी २५ अंक, नाटक तथा एकांकी २५ अंक—आलोचना तथा नाट्य शास्त्र २० अंक=१०० अंक।

पाठ्य-ग्रन्थ—

(क) गद्य

हिन्दी गद्य पारिजात (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

(ख) उपन्यास तथा कहानी

मृगनयनी—वृन्दावनलाल वर्मा (मयूर प्रकाशन, झांसी)

हिन्दी कहानी संग्रह—भगवतीप्रसाद बाजपेयी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

(ग) नाटक तथा एकांकी

अभिज्ञान शाकुन्तल—लक्ष्मण सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ध्रुव स्वामिनी—जयशंकर प्रसाद (भारती भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग)

चारु मित्रा—रामकुमार वर्मा (साधना सदन, लूकरगंज, प्रयाग)

(घ) आलोचना तथा नाट्य शास्त्र

साहित्य का साथी—हजारीप्रसाद द्विवेदी (राष्ट्रभाषा प्रचार समति, वर्धा)

नाट्यशास्त्र—महावीर प्रसाद द्विवेदी (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३—हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी भाषा का विकास तथा देवनागरी लिपि और अंकों का विकास

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास ५० अंक

(ख) हिन्दी भाषा का विकास ३० अंक

(ग) देवनागरी लिपि तथा अंकों का विकास २० अंक = १०० अंक

क

हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास—गुलाबराय (साहित्यरत्न भण्डार, आगरा)

हिन्दी साहित्य समीक्षा—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामकुमार वर्मा (रामनारायणलाल, कटरा, प्रयाग)

हिन्दी साहित्य का इतिहास–लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (मालवीय पुस्तक भवन, लखनऊ)

साहित्य प्रवाह—कृष्णदेव प्रसाद गौड़ (कल्याण दास एण्ड ब्रादर्स, वाराणसी)

हिन्दी साहित्य और साहित्यकार—सुधाकर पाण्डेय (हिन्दी प्रचारक, वाराणसी)

हिन्दी भाषा तथा साहित्य—उदयनारायण तिवारी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

हिन्दी साहित्य की रूपरेखा—हरदेव बाहरी (मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी)

हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास—जगन्नाथप्रसाद शर्मा (हिन्दी भवन, प्रयाग)

ख

हिन्दी भाषा और लिपि—डा० धीरेन्द्र वर्मा (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

ग्रामीण हिन्दी—डा० धीरेन्द्र वर्मा (साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग)

ग

नागरी अंक और अक्षर—गौरीशंकर हीराचंद ओझा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ४—निबंध तथा रचना

निबन्ध ६० अंक, रचना ४० अंक = १०० अंक

सहायक ग्रन्थ—

भाग क

भट्ट निबन्धावली भाग १ (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)
जीवन यज्ञ—रामनाथ 'सुमन' (साधना सदन, प्रयाग)
प्रबन्ध प्रदीप—भटनागर (ग्रान्ड बुक डिपो, प्रयाग)

भाग ख

हिन्दी प्रयोग—रामचन्द्र वर्मा (साहित्य रत्नमाला कार्यालय, २० धर्मकूप, काशी)
निबन्ध कला—राजेन्द्रसिंह गौड़ (साधना सदन, प्रयाग)
राष्ट्रभाषा विचारसंग्रह—(अनाथ विद्यार्थी गृह प्रकाशन, पूना)

वैकल्पिक विषय

समूह १—प्रत्येक वैकल्पिक विषय में दो प्रश्न पत्र होंगे।

गणित

प्रश्नपत्र १

बीजगणित—दो या अधिक अव्यक्तों के वर्ग समीकरण, वर्ग-समीकरणों का सिद्धान्त, करणी, कल्पित राशियां समानान्तर, गुणोत्तर तथा व्युत्क्रम, समानान्तर श्रेणियां, घातकों और लघुगणकों का सिद्धान्त, द्विपद-सिद्धान्त, घातीय और लघुगणकीय श्रेणियां।

त्रिकोणमिति—त्रिभुजों के निर्धारण तथा अंतःवृत्त, परिवृत्त और वाह्यवृत्तों तक।

वैश्लेषिक ज्यामिति—समकोणाक्ष, सरल रेखावृत्त, पर-वलय और दीर्घवृत्त।

पिण्ड ज्यामिति—सरल पिंड-ज्यामिति। समानान्तर, षट्फलक, समपार्श्व सूचीस्तम्भ, वृत्ताधार बेलन, समशंकु और गोल, इनके छिन्न खंड।

सहायक-ग्रन्थ—

ठोस ज्यामिति—बृजमोहन (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ठोस ज्यामिति की कुंजी—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

नियामक ज्यामिति—गोरख प्रसाद और हरिश्चंद गुप्त (पोथीशाला, प्रयाग)

माध्यमिक बीज गणित—(नागपुर विश्वविद्यालय)

माध्यमिक त्रिकोणमिति—(नागपुर विश्वविद्यालय)

बीजगणित—झम्मनलाल शर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

स्थिति-विज्ञान—एक धरातल, गुरुत्वकेन्द्र, घर्षण, शक्ति, काम और सामर्थ्य, सरल यंत्र।

गति-विज्ञान—सरल रेखा में गति, न्यूटन के नियम, प्रक्षेप्य, आघात शक्ति और सामर्थ्य।

सहायक-ग्रन्थ—

गतिविज्ञान—गोरखप्रसाद (पोथीशाला, इलाहाबाद)

गति विज्ञान—पी० डी० शुक्ल (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

चलन-कलन—अवकलन, टलर का प्रमेय, अनिर्णीत रूप एवं चलराशि के फलों का महत्तम और लघुत्तम मान, स्पर्श-रेखा और अभिलंब।

चलराशि-कलन—सरल रीतियां, सरल वक्रों का क्षेत्रफल और उनकी लंबाई, भ्रमणलब्ध पिंडों का आयतन और क्षेत्रफल।

सहायक-ग्रंथ—

चलराशि-कलन—हरिश्चन्द्र गुप्त (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

चलन कलन और चल राशि कलन में केवल समकोणाक्ष नियामक उपयोग में लाये जायं।

सूचना—गणित विषय के लिए कोई पाठ्य ग्रन्थ निर्धारित नहीं है, उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षार्थी किन्हीं भी पुस्तकों से अध्ययन कर सकते हैं।

इतिहास

प्रश्नपत्र १—भारत का इतिहास (हिन्दू और मुस्लिम युग)

सहायक ग्रन्थ—

इतिहास प्रवेश—जयचन्द्र विद्यालंकार (हिन्दी-भवन, प्रयाग)

भारतीय इतिहास की रूपरेखा—श्रीराम त्यागी तथा गंगाप्रसाद पचौरी (गौतम बुक डिपो, मेरठ)

प्राचीन भारत का इतिहास—भगवतशरण उपाध्याय (ग्रन्थमाला कार्यालय, पटना ४)

प्राचीन भारत के हिन्दू काल का इतिहास—गंगाप्रसाद मेहता (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

अशोक—भगवतीप्रसाद पांथरी (किताब-महल, प्रयाग)

मौर्यकालीन भारत—कमलापति त्रिपाठी (नागरी-प्रचारिणी सभा, काशी)

गुप्त साम्राज्य का इतिहास—वासुदेव उपाध्याय (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

भारत में मुगल साम्राज्य—परमात्माशरण (हिन्दू विश्वविद्या लय काशी)

अकबर की राज्य-व्यवस्था—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हमारा राजस्थान—पृथ्वीसिंह मेहता (हिन्दी-भवन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—आधुनिक विश्व का इतिहास १७८९-१९५२

विदेश ६० अंक, भारत ४० अंक=१०० अंक।

सहायक-ग्रन्थ—

विश्व इतिहास की झलक—पं० नेहरू (सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली)

विश्व इतिहास की झांकी—महावीर सिंह त्यागी (रामनारायणलाल, कटरा, प्रयाग)

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य—गंगाशंकर मिश्र (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

विश्व की समस्याएँ—विमलचन्द्र पाण्डेय (नवभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अर्वाचीन यूरोप (तृतीय खण्ड)—(गोपाल प्रिंटिंग प्रेस, कानपुर)

आधुनिक यूरोप का इतिहास (हिन्दी)—फार्डिनेंड शेविल (सेंट्रल बुकडिपो, प्रयाग)

यूरोप का आधुनिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार (सरस्वती सदन, मंसूरी)

आउट लाइन आव हिस्ट्री—वैल्ज

आधुनिक भारत का इतिहास—काली किंकर दत्त (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

एशिया का आधुनिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार (सरस्वती सदन, मंसूरी)

नए एशिया के निर्माता (नया संस्करण)—(नवयुग ग्रन्थ कुटीर, बीकानेर)

वैद्यक

प्रश्नपत्र १—स्वास्थ्य विज्ञान

(क) शरीर-परिचय—मनुष्य शरीर की संक्षिप्त बनावट, अस्थियाँ, शरीर के अंग-प्रत्यंग और आशयों का संक्षिप्त ज्ञान तथा कार्य-पद्धति का संक्षिप्त परिचय।

सहायक ग्रन्थ—

सरल शरीर-विज्ञान—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सरल शरीर-विज्ञान—जानकीशरण वर्मा (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

शरीर और शरीर रक्षा—(इंडियन प्रेस, प्रयाग)

शरीर-परिचय—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

शरीर-विज्ञान और स्वास्थ्य—(कुमार प्रकाशन समिति, प्रयाग)

(ख) स्वास्थ्य-रक्षा—दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या, रोगीचर्या, सदाचार, प्रज्ञापराध, संक्रामक रोगों का परिचय, वेग-धारण, आहार-

विज्ञान, आरोग्य-रक्षक-उपाय, मिताहार, मिथ्याहार, वस्त्र-परिधान, निवास-स्थान, जलवायु, प्रकाश, व्यायाम, स्नान, निद्रा, ब्रह्मचर्य, मांस, मसाले और मादक द्रव्य-सेवन, पाठशाला, छात्रावास आदि सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता, रोग-प्रसारण कीटाणु, मक्खी आदि,व्यक्तिगत स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य और देहातों की स्वास्थ्य-रक्षा का विशद वर्णन।

सहायक-ग्रन्थ—

आरोग्य-विधान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

सरल-स्वास्थ्य-साधन—ब्रजभूषण मिश्र (साहित्य-सदन, अबोहर, पंजाब)

हम सौ वर्ष कैसे जिएँ—केदारनाथ गुप्त (छात्र-हितकारी पुस्तक-माला, प्रयाग)

(ग) नैसर्गिक आरोग्य—आकाश, पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि, सूर्य रश्मि आदि का विवरण और स्वास्थ्य-रक्षा के लिए उनका उपयोग,जलवायु परिवर्तन और आरोग्यप्रद स्थानों का परिचय।

सहायक-ग्रन्थ—

नैसर्गिक आरोग्य—(सुधानिधि-कार्यालय, प्रयाग)

(घ) व्यायाम, आसन तथा प्राणायाम।

स्वास्थ्य और प्राणायाम—(तरुण भारत-ग्रन्थावली, प्रयाग)

योगासन और अक्षय युवावस्था—(भारतवासी प्रेस, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—निघंटु इत्यादि

(क) निघंटु—इसमें नित्य उपयोग में आने वाले अन्न, फल, शाक, वनस्पति,औषधि तथा उपयोगी जड़ी-बूटियों का संक्षिप्त ज्ञान आवश्यक है।

सहायक-ग्रन्थ—

फल, उनके गुण और उपयोग (छात्र-हितकारी पुस्तकमाला, प्रयाग)

स्वास्थ्य के लिए शाक तरकारियां—महेन्द्रनाथ पाण्डेय (महेन्द्र रसायनशाला, प्रयाग)

(ख) औषधि-निर्माण, पथ्य-निर्माण, ओषधियों की तोल-नाप, औषधि ग्रहण-विचार, औषधि-काल तथा वैद्यक सम्बन्धी परिभाषाओं का ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

परिभाषा-प्रबोध—(सुधानिधि-कार्यालय, प्रयाग)

(ग) सम्पूर्ण रोगों पर पथ्यापथ्य और आहार-विहार-सम्बन्धी विषय का ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

पथ्यापथ्य-निरूपण—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

अंग्रेजी

प्रश्नपत्र १—गद्य और नाटक

पाठ्य-ग्रन्थ—

गद्य (क) A Book of English Essays in the Pelican Series, Edited by W. E. Williams.

निम्नलिखित पाठों पर ही प्रश्न पूछे जायंगे—(१) Charles-Lamb—Poor Relations (२) Hazlitt—On going a Journey (३) Light Hunt—Getting up on Cold mornings (४) Stevenson—Walking Tour (५) A. Milne—A Village Celebration (६) Harold Nicholson—A Defence of Shyness (७) J. B. Priestley—On Doing Nothing (८) Neville Garden–W. G. (९) Robert Lyud—On not Being a Philosopher (१०) E. V. Lucas—A Funeral

(ख) आलोचनात्मक अध्ययन

Dickens—Great Expectations (Abridged Edition)

इस ग्रन्थ से संदर्भ-प्रदर्शनपूर्वक व्याख्या नहीं पूछी जायगी।

सहायक-ग्रन्थ—

अंग्रेजी साहित्य का इतिहास (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

नाटक—शेक्सपीयर का Merchant of Venice—(ग्रान्ड

बुक डिपो—इलाहाबाद) इसमें आलोचनात्मक और व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायंगे।

अंकों का विभाजन—गद्य—५० अंक। आलोचनात्मक गद्य—१५ अंक। नाटक—३५ अंक।

प्रश्नपत्र २—पद्य, अनुवाद और निबन्ध

(क) Palgrave's Golden Treasury (मैकमिलन प्रेस, कलकत्ता) से निम्नलिखित कवियों की कविताओं तथा काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन आवश्यक होगा :

Gray—Elegy, Written in a Churchyard,
Wordsworth—Ode to Duty, Immortality Ode,
The Solitary Reaper,
Simen Lee, Skylarks,
I wandered Lonely as a cloud,
Shelley—Ode to West Wind, Skylark,
Flight of Love, Swiftly walk over
Keats—Nightingale Ode, Grecian
Urn, Autumn Ode
Tennyson—Tears, Idle Tears, Crossing the Bar,
Lotus Eaters
Bridges—Nightingales

(ख) Arnold—Sohrab & Rustam
(Grand Book Depot, Allahabad)

कवियों और कविताओं पर आलोचनात्मक तथा व्याख्यात्मक प्रश्न होंगे।

अंकों का विभाजन इस भांति होगा—

(क) विभाग के पद्यों में	५० अंक।
(ख) विभाग के पद्य में	१० अंक।
अनुवाद—१५ अंक, निबन्ध २५ अंक	१०० अंक।

कृषिशास्त्र

प्रश्नपत्र १—कृषिशास्त्र, जानवरों के रोग और उत्पत्ति

सहायक-ग्रन्थ—

कृषिशास्त्र—तेजशंकर कोचक (कृषिशास्त्र कार्यालय, बुलंदशहर)

युक्त प्रान्त में कृषि की उन्नति—एस० बी० सिंह, डाइरेक्टर कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

पशुओं का इलाज—परमेश्वरी प्रसाद गुप्त (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

फल-संरक्षण—गोरख प्रसाद (विज्ञान-परिषद्, प्रयाग)

शाक-भाजी—नारायण दुलीचंद व्यास (लीडर प्रेस, प्रयाग)

पैमाइश-प्रबोध—हजारी लाल पाण्डेय (मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर)

कृषि-कार्य—शीतला प्रसाद तिवारी (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसलें—दूधनाथ सिंह (साहित्य मन्दिर प्रेस लिमिटेड, लखनऊ)

प्रश्नपत्र २—ग्रामीण् अर्थशास्त्र और ग्राम सुधार

सहायक-ग्रन्थ—

हमारे गांव और किसान—मुख्तार सिंह (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

भारत में कृषि-सुधार—दयाशंकर दुबे (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, काशी)

ग्राम-आन्दोलन की आवश्यकता—जे० सी० कुमारप्पा (अखिल भारत ग्राम-उद्योग-संघ, वर्धा)

सहकारिता का उदय और विकास (हिन्दी प्रकाशन मंदिर, प्रयाग)

तेलघानी—झबेर भाई पटेल (अखिल भारत ग्राम-उद्योग-संघ, वर्धा)

कृषि-सुधार का मार्ग—बैजनाथ प्रसाद यादव (कृषि सुधार कार्यालय, गौरा, रायबरेली)

गांवों की समस्या—शंकरसहाय सक्सेना और प्रेमनारायण माथुर (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ग्राम्य-अर्थशास्त्र—दुबे और सक्सेना (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

कानून कब्जा आराजी, संयुक्त प्रान्त, १९३९ (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

यू० पी० पंचायत राज्य एक्ट—जयप्रकाश शर्मा (गौतम बुक डिपो, देहली)

यू० पी० जमींदारी उन्मूलन एक्ट

दर्शन शास्त्र

प्रश्नपत्र १—गद्य और नाटक

सहायक-ग्रंथ—

दर्शन का प्रयोजन—भगवानदास (ज्ञान मण्डल लिमिटेड, बनारस)

ईश्वर—महामना पं० मदनमोहन मालवीय (गीताप्रेस, गोरखपुर)

दर्शन की रूपरेखा—मेरठ हि० सा० स० के दर्शन परिषद् के सभापति उमेश मिश्र का अभिभाषण (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

पाश्चात्य तत्व विज्ञान परिचय—अशोक कुमार वर्मा (पुस्तक भंडार, पटना)

आत्मविद्या—माधवराव सप्रे (साहित्य-भवन लि०, प्रयाग)

श्री शंकराचार्य का आचार दर्शन—रामानन्द तिवारी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

द्रव्य-संग्रह—(हिन्दी अनुवाद) सूरजभान वकील (जैन साहित्य प्रसारक कार्यालय, हीराबाग, गिरगांव, बम्बई)

तर्क-संग्रह—(अन्नम् भट्ट) सं० रामदहिन मिश्र (ग्रन्थमाला कार्यालय, बाँकीपुर, पटना)।

श्रीमद्भगवद्गीता—अध्याय २, ३, ४ (महात्मा गांधी के अनासक्ति योग सहित (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

प्रश्नपत्र २—तर्कशास्त्र इत्यादि

सहायक ग्रन्थ—

भारतीय तर्कशास्त्र—उमेश मिश्र (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

तर्कशास्त्र (भाग १, २)—गुलावराय (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

जीवात्मा—गंगाप्रसाद उपाध्याय (कला प्रेस, प्रयाग)

भारतीय दर्शन का इतिहास—वलदेव उपाध्याय (शारदा मंदिर, बनारस)

धर्मशास्त्र

प्रश्नपत्र १

सहायक-ग्रन्थ—

मनुस्मृति—अध्याय १, २ तथा ७ का हिन्दी अनुवाद।

याज्ञवल्क्यस्मृति आचाराध्याय (हिन्दी अनुवाद)—भीमसेन शर्मा (ब्रह्म प्रेस, इटावा)

उपनिषदों की कहानियां (प्रथम भाग)—रामप्रताप त्रिपाठी (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

वैष्णव धर्म—परशुराम चतुर्वेदी (विवेक प्रकाशन, प्रयाग)

संक्षिप्त वाल्मीकि रामायण—ऋषिकेश शर्मा (मध्य प्रान्तीय रा० भा० प्रचार समिति, नागपुर)

प्रश्नपत्र २

सहायक-ग्रन्थ—

धर्मशिक्षा (४, ६ खण्ड)—लक्ष्मीधर बाजपेयी (तरुण भारत-ग्रंथावली, प्रयाग)

भगवद्गीता का अनुवाद—२, ३, ४, १६ तथा १८ अध्याय

उपनिषदों की कहानियां (द्वितीय भाग)—रामप्रताप त्रिपाठी (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

मनोविज्ञान

प्रश्नपत्र १

(१) मनोविज्ञान—परिभापा, व्याख्या, उद्देश्य, मूल सिद्धान्त, मन और मस्तिष्क, बालक की विभिन्न अवस्थाएँ, वातावरण और वंशपरम्परा, मूल प्रवृत्तियां, खेल, संवेदना, ज्ञान, परिज्ञान, रुचि, ध्यान, थकान, कल्पना, स्मृति, अंतर्क्षोभ, भावनाएं, मानसिक ग्रन्थियां, अभ्यास और उनके पड़ने के कारण, विचार और तर्क-शक्ति, इच्छाशक्ति और चरित्र-निर्माण, बुद्धि।

सहायक पुस्तकें—

बाल मनोविकास—लालजीराम शुक्ल (नन्दकिशोर ब्रदर्स, बनारस)

शिक्षा मनोविज्ञान और शिक्षा के सिद्धान्त तथा सरल मनोविज्ञान —लालजीराम शुक्ल (नन्दकिशोर ब्रदर्स, बनारस)

सरल मनोविज्ञान—हंसराज भाटिया (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

प्रश्नपत्र २

मनोविज्ञान का जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्ध—

(१) मनोविज्ञान का शिक्षा में महत्व और आवश्यकता, बुद्धि-परीक्षा की उपयोगिता, मन्दबुद्धि और तीव्रबुद्धिबालक, परीक्षा के प्रकार—सामूहिक, वैयक्तिक, बुद्धिमापक, योग्यता-मापक, चरित्रमापक, रुचिमापक आदि प्रश्नपत्र कैसे बनते हैं, परीक्षा कैसे ली जाती है, परीक्षाफल से निर्णय कैसे निकाले जाते हैं आदि।

(२) जीविका निर्धारित करने में मनोविज्ञान का महत्व।

(३) रोग और मनोवैज्ञानिक चिकित्सा।

सहायक-ग्रन्थ—

बुद्धिमापक परीक्षाएँ—(टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, काशी हिन्दू विश्व-विद्यालय)

शिक्षा और मनोविज्ञान—श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल (गुरुकुल कांगड़ी, सहारनपुर)

गार्हस्थ्य शास्त्र

(केवल महिलाओं के लिए)

इस विषय में दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—शरीर-विज्ञान और गृहकला

शरीर की बनावट और विभिन्न अंगों के कार्य, नारी के शरीर की विशेषताओं का विशेष रूप से अध्ययन।

गृहकला—गृह को सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाना, स्वच्छता, स्वास्थ्यकर एवं सुरुचिपूर्ण भोजन की तैयारी, गृह भण्डार का प्रबन्ध, आय-व्यय का संतुलन, उत्तम संस्कार युक्त वातावरण की सृष्टि, पति एवं पत्नी का परस्पर सम्बन्ध और उसे सुखी एवं सुसंस्कृत बनाने के साधन, उत्पादक व्यायाम —चक्की, बागवानी, फूलों के वृक्ष लगाना इत्यादि, पाक-शास्त्र।

सहायक-ग्रन्थ—

शरीर-विज्ञान और स्वास्थ्य—रानी टण्डन (कुमार प्रकाशन समिति, प्रयाग)

घर की लक्ष्मी (न्यू लिटरेचर, इलाहाबाद)

पाक विज्ञान (साहित्य-भवन, लिमिटेड प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—मातृकला एवं शिशु पालन

मातृकला—मातृत्व का गौरव, नारी-जीवन में मातृत्व, मातृरूप में

नारी की महत्ता, गर्भाधान, गर्भविकास, गर्भावस्था में रहन-सहन, खान-पान अध्ययन, मानसिक शुद्धता, व्यायाम, प्रसूति-गृह-सम्बन्धी ज्ञान, प्रसव के पूर्व एवं उसके पश्चात् ध्यान देने योग्य बातें।

शिशुपालन—बच्चे का जन्म, उसके अंगों की बनावट, उसकी तौल, उसका भोजन, नींद, स्नान, सफाई, उत्तम संस्कार डालने की विधि, बच्चे के स्वास्थ्य-सम्पादन के उपाय इत्यादि।

सहायक-ग्रन्थ—

मातृत्व—(अभ्युदय प्रेस, प्रयाग)

हमारे बच्चे स्वस्थ और दीर्घजीवी कैसे हों—(महेन्द्र रसायनशाला, कटरा, प्रयाग)

मातृकला—मुकुंद स्वरूप वर्मा (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

समूह २—प्रत्येक वैकल्पिक विषय में दो प्रश्नपत्र होंगे।

संस्कृत

प्रश्नपत्र १—साहित्य

कुमारसंभव—(पंचम सर्ग)—कालिदास

शिशुपाल वध—१, २ सर्ग (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हर्षचरितसार—(रामनारायण लाल, प्रयाग)

व्याकरण—प्रचलित शब्दों तथा धातुओं के रूप, संधि, समास, कृदन्त (शतृ, शानच्, वत्, तव्य, ल्यप्, ल्युट्, णिनि, क्तिन्) तद्धित (अण्, ष्यञ्, तल्, ङीप्)

सूचना—परीक्षार्थियों से संस्कृत साहित्य के इतिहास के साधारण ज्ञान की आशा की जायगी, विशेषतः पाठ्यक्रम में संकलित ग्रन्थकारों के विषय में। इसका ज्ञान बलदेव उपाध्याय कृत "संस्कृत साहित्य का इतिहास" (शारदा मन्दिर, बनारस) अथवा चन्द्रशेखर पाण्डेय-कृत "संस्कृत साहित्य की रूपरेखा" (साहित्य निकेतन, कानपुर) से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्नपत्र २—व्याकरण, अनुवाद, निबन्ध तथा

साधारण व्युत्पत्ति-प्रदर्शन

(१) संस्कृत अपठित गद्य और पद्य का हिन्दी में तथा हिन्दी गद्य का संस्कृत में अनुवाद।

(२) साधारण निबन्ध-रचना।

(३) संस्कृत-वाक्य-शुद्धि, साधारण वाक्य-रचना तथा व्युत्पत्ति-प्रदर्शन।

व्याकरण के अध्ययन के लिए परीक्षार्थी डाक्टर बाबूराम सक्सेना की 'संस्कृत व्याकरण-प्रवेशिका' (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग) अथवा 'सुबोध व्याकरण' (हिन्दी-भवन, जालंधर) से सहायता ले सकते हैं।

सहायक-ग्रन्थ—

संस्कृत व्याकरण बोध—रामबालक शास्त्री

संस्कृत प्रकाश—द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल (मालवीय पुस्तक भवन, लखनऊ)।

व्याकरण के प्रश्न बीस प्रतिशत अंकों से अधिक न होंगे।

इन प्रश्नों में परीक्षार्थी पंचतंत्र और भर्तृहरि के नीतिशतक इत्यादि से सहायता ले सकते हैं।

पालि

प्रश्नपत्र १—गद्य-पद्य

खुद्दक पाठ—(महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, बनारस)

सच्चसंगहो—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

धम्मपद—(महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, बनारस)

प्रश्नपत्र २—अनुवाद तथा व्याकरण

पालि से हिन्दी तथा हिन्दी से पालि में अनुवाद।

पालि-प्रबोध—आद्यादत्त ठक्कुर (गंगा पुस्तकालय, लखनऊ)

पालि-महाव्याकरण—जगदीश काश्यप (महाबोधि सोसाइटी, सारनाथ, बनारस)

विज्ञान

प्रश्नपत्र १—भौतिक विज्ञान

१—पदार्थों के गुण—मौलिक तथा व्युत्पन्न इकाइयाँ तथा उनकी नाप, वोयल का सिद्धांत, लचक की परिभाषा, हुक का नियम, यंग का लचक-गुणक निकालना, गैसों की लचक, गुरुत्वाकर्षण का नियम, गोलों और गोल शंखों के भीतरी और बाहरी बिन्दु पर आकर्षण, न्यूटन के गति-सम्बन्धी नियम तथा उनका उपयोग, सरल आवर्त्तगति और दोलक।

२—ध्वनि-विज्ञान—ध्वनि-तरंग, ध्वनि का वेग निकालने की विधियाँ, घनत्व और लचक के साथ वेग का सम्बन्ध, डाप्तलर का सिद्धांत, परिवर्तन और आवर्जन, शब्द-लहरों का संघट, स्वरों की लहर-लम्बाई और संख्या निकालना, वायु-स्तम्भ और तारों का झूलन, स्वर-कंपन।

३—माप—लम्ब-प्रसार-गुणक और इसका तापक्रम से सम्बन्ध, क्लॉरी, माप के प्रयोग, ताप-संचालन, संवाहन तथा विकिरण, ताप विकिरण के नियम, शोषण विसर्जन, गैस के दो आपेक्षिक ताप, काम और ताप में सम्बन्ध, तापगति विज्ञान के दो नियम, केलविन की तापक्रम की नाप।

४—प्रकाश—प्रकाश की गति निकालना, परावर्तन और आवर्जन सम्बन्धी साधारण सूत्र, दर्पण, विस्तरण, बिम्ब, नीरस, तालों का बनाना, वर्ण-विश्लेषण, वर्णपट, फानहोफर रेखाएं, किरचक का सिद्धान्त, दूरदर्शी यंत्र, अनुवीक्षण यंत्र, आँख और उसकी त्रुटियाँ तथा उन्हें लेन्स-द्वारा शुद्ध करना, प्रकाशमात्रा की नाप, प्रकाश का लहर-सिद्धान्त-परावर्तन और आवर्जन के नियमों को लहर-सिद्धान्त द्वारा सिद्ध करना।

५—चुम्बकत्व—चुम्बकीय रेखाएँ खींचने की विधियाँ, चुम्बकीय अवस्था, चौड़ाई और लम्बाई से रक्खे हुए चुम्बकों का पारस्परिक प्रभाव,

चुम्बकीय घूर्ण निकालना, दोलन, दोलन-चुम्बकत्व-मापक, विक्षेप-चुम्बकत्व मापक, पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति का क्षितिज, अवयव और झुकाव तथा उसका नापना, चुम्बकीय आवेश, प्रवेशता, द्विव चुम्बकत्व, लौह-चुम्बकत्व।

६—विद्युत्—विद्युत् निराकरण के नियमों के प्रमाण, माध्यमिक संख्या, टामसन चतुर्थांश, अनिरपेक्ष अवस्था-मापक, साधारण पिण्डों की अवस्था, समाई और सामर्थ्य निकालना, घर्षण और उत्पादन की मशीनें। विद्युत् धारा, धारा मापक वोल्ट तथा एंपिर-मापक बाधाओं का निकालना, ओह्म का नियम, ह्वीटस्टोन का जालजूल का नियम, फैरेडे के विद्युत-विच्छेदन-सम्बन्धी नियम, विद्युत् घंटों की विद्युत् संचालन-शक्ति और भीतरी बाधा निकालना, अवस्था-भेद मापक, विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रभाव, लेन्ज का सिद्धान्त, फैरेडे के नियम, आवेश-बेठन, आत्मोपपादकत्व, परोपपादकत्व, संचायक, विद्युत्गृह, साधारण डायनमो और मोटर, टेली-फोन, माइक्रोफोन, ताप-विद्युतपुंज, बेतार का तार, गैसों में विद्युत् प्रवाह, ऋणोद किरणें, घन किरणें, रौंजीन किरणें, अल्फा, बीटा और गामा किरणें तथा उनके गुण और उनके मुख्य यौगिक का अध्ययन।

प्रश्नपत्र २—रसायन विज्ञान

धातविक रसायन

हाइड्रोजन, आरगन, हीलियम, सोडियम, पोटैशियम, ताँबा, चाँदी, सोना, मैगनीशियम, कैलशियम, स्ट्रंशियम, बेरियम, पारा, बोरक एल्यू-मिनियम, कार्बन, राँगा, नाइट्रोजन, फासफोरस, ऑक्सिजन, गंधक, ब्रोमीन, क्लोरीन, आयोडीन, मैंगनीज, लोहा।

कार्बनिक रसायन—कार्बनिक पदार्थों का शोधन, स्रावण और स्फ-टिकीकरण, शुद्धता का मापदण्ड—द्रवणांक और क्वथनांक, कार्बनिक पदार्थों के विश्लेषण की विधियां, अणुवर्णक सूत्र (इम्पिरिकल फारमूला) और अणुसूत्र को ज्ञात करना, आकार सूत्र, तुल्यावयवता, साधारण और आकाशीय समावयवता।

निम्न पदार्थों के स्रोत बनाने की विधियां, उनके गुण और संघटन—मेमीथेन, एथेन, पेट्रोलियम, एथिलीन, एसीटिलीन, मेथिल तथा एथिल, क्लोराइड, ब्रोमाइड और आयोडाइड मेथिल और एथिल अल्कोहल, ईथर, फार्मेल्डिहाइड एसीटैल्डिहाइड और एसीटोन, फार्मिक तथा एसिटिक, एसिड और इनके क्लोराइड, एमाइड और एनहाइड्राइड, क्लोरोफार्म, आयडोफार्म, ग्लइकोल, ग्लिसरोल, तेल और चर्बी, साबुन, मेथिल और एथिलएमिन, यूरिया आक्जैलिक तथा मैलानिक एसिड, लैक्टिक, टारटरिक और साइटिक एसिड, गन्ने की चीनी, ग्लूकोज, फुकोज, स्टार्च, सेलूलोज-कागज।

ऐरोमैटिक और ऐलीफैटिक यौगिकों में अन्तर, बेनजीन, टौल्वीन, क्लोरीन का टौल्वीन पर प्रभाव, नाइट्रो-बेनजीन, एनीलीन, डायजोबेनजीन, क्लोराइ बेंजैल्डिहाइड और बैंजोइक एसिड, फीनोल, नेपथेलीन, पिरनडीन।

सहायक-ग्रन्थ—

भौतिक विज्ञान प्रवेशिका (दो भाग)—नन्दलाल सिंह (स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, प्रयाग)

साधारण रसायन (दो भाग)—फूलदेवसहाय वर्मा (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

अकार्बनिक रसायनशास्त्र—जिडल, कृष्णकुमार और रामकीर्ति शरण

सामान्य रसायन शास्त्र—सत्यप्रकाश (स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, प्रयाग)

कार्बनिक रसायन—सत्यप्रकाश (स्टूडेण्ट्स फ्रेण्ड्स, प्रयाग)

कार्बनिक रसायन—रामदास तिवारी और रामचरण मेहरोत्रा (श्रीराम मेहरा एण्ड कंपनी, आगरा)

भूगोल

प्रश्नपत्र १—भौतिक और प्रादेशिक भूगोल

१. भौतिक भूगोल के सिद्धान्त—स्थलमंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जीवधारीमंडल।

२. ऋतु-सम्बन्धी भविष्यवाणी (वेदर-फोरकास्टिंग)—भारत के जुलाई और जनवरी मास का ऋतु सम्बन्धी अध्ययन।

३. भारतवर्ष के किसी एक भाग के सर्वे मैप का अध्ययन जिसमें माप (स्केल) १ इंच १०० मील के बराबर हो।

४. संसार का प्रादेशिक भूगोल जिसमें एशिया, योरूप और उत्तरी अमेरिका के अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जाय।

सहायक-ग्रन्थ—

समुद्र-विज्ञान—(भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भूतत्व—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भू परिचय—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भूगोल-सार—रामनाथ दुबे (रामदयाल अग्रवाल, कटरा, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—आर्थिक भूगोल

संसार का आर्थिक भूगोल (कारबारी देशों के माल, आयात-निर्यात का विशेष अध्ययन)।

भारतवर्ष, विशेषतः उत्तर प्रदेश की खनिज सम्पत्ति का अध्ययन।

सहायक-ग्रन्थ—

व्यापारिक भूगोल—शंकरसहाय सक्सेना (रामनारायणलाल, कटरा, प्रयाग)

भारतवर्ष की खनिजात्मक सम्पत्ति—निरंजनलाल शर्मा (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भारतवर्ष का आर्थिक भूगोल—रामनाथ दुबे (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

उत्तर प्रदेश—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

राजनीति

प्रश्नपत्र १ (क)—हिन्दू राज्य-शासन

(ख) भारतीय शासन

भारतवर्ष के प्राचीन तथा अर्वाचीन शासन-पद्धति के विकास का इतिहास, भारतवर्ष का नया विधान और उसका आलोचनात्मक ज्ञान, वर्तमान भारतीय राजनीतिक संस्थाओं तथा दलों का परिचय, भारतीय स्वाधीनता के पूर्व देशी राज्यों की अवस्था और स्वाधीनता के पश्चात् भारतीय राज्य-संघ में उनके विलयन का संक्षिप्त परिचय।

सहायक-ग्रन्थ—

(क) हिन्दू राज्य-शास्त्र—अम्बिकाप्रसाद बाजपेयी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

कौटिल्य की शासन-पद्धति—भगवानदास केला (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

कौटिलीय अर्थशास्त्र-मीमांसा—(प्रथम खण्ड) गोपाल दामोदर तामस्कर (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

भारतीय विधान—हिन्दी संस्करण

राजनैतिक भारत—दामोदरस्वरूप गुप्ता (विश्वविद्यालय परीक्षा बुकडिपो, प्रयाग)

राजनीतिक भारत—कन्हैयालाल वर्मा (नन्दकिशोर एण्ड ब्रादर्स, बनारस)

भारतीय संविधान और नागरिक जीवन—ओम्प्रकाश केला (भारतीय प्रकाशन, प्रयाग)

आधुनिक भारतीय शासन (नवीन संस्करण)—गोरखनाथ चौबे (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

प्रान्तीय स्वायत्त-शासन—राजेश्वरप्रसाद अर्गल (साहित्य-भवन लि०, प्रयाग)

भारतीय संविधान तथा नागरिकता—अम्बादत्त पंत (सेंट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र २—राजनीति-विज्ञान

राजनीतिशास्त्र का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध। राज्योत्पत्ति के मध्यकालीन और अर्वाचीन सिद्धान्त।

प्रभुत्व-शक्ति, शक्ति-संविधान-सिद्धान्त, व्यक्तिवाद, नात्सीवाद, मुख्य साम्यवाद, गांधीवाद और उनके रूपान्तर, राजनीति शास्त्र की अन्य बातें।

ब्रिटिश साम्राज्य, जर्मनी, स्वित्जरलैण्ड, इतालिया, अमेरिका, रूस, जापान, और आस्ट्रेलिया की वर्तमान शासन-पद्धतियाँ।

सहायक-ग्रन्थ—

वीसवीं सदी की राजनैतिक विचारधाराएं (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएँ—गणेश प्रसाद (ओरियन्टल लौंगमेन्स, कलकत्ता)

राजनीति विज्ञान—आशाराम तथा श्रीवास्तव (बुकलैण्ड लिमिटेड, प्रयाग)

राजनीति-विज्ञान—जगन्नाथप्रसाद मिश्र (अजन्ता प्रेस लिमिटेड, नया टोला, पटना ४)

विदेशी राज्यों की शासन-विधि—सत्यकेतु विद्यालंकार (सरस्वती सदन, मसूरी)

संसार शासन—(नवीन संस्करण)—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

व्यक्ति और राज—सम्पूर्णानन्द (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, कलकत्ता)

गांधी-विचार-दोहन—मशरूवाला (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

नागरिक नीति—रामचन्द्र वर्मा (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

संसार के प्रमुख देशों की शासन प्रणालियाँ—बी० एम० शर्मा।

अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र १

अर्थशास्त्र की परिभाषा, उसकी उपयोगिता, उसके मुख्य भाग और उनका पारस्परिक संबंध।

उत्पत्ति—भूमि, पूँजी, श्रम-विभाग, अधिक परिमाण में उत्पत्ति, क्रमागत ह्रास तथा वृद्धि के नियम, प्रबन्ध या व्यवस्था, कंपनी का संघटन, दूकानों का संघटन और सम्बन्ध, साझेदारी, भारत के प्रधान उद्योग-धन्धे तथा कृषि की आर्थिक दशा।

उपभोग—उपयोगिता, सीमान्त उपयोगिता, उपयोगिता का क्रमागत ह्रास नियम, माँग का उतार-चढ़ाव, जीवन-रक्षक तथा कौशलदायक पदार्थ, सुविधा तथा विलासिता की वस्तुएँ, कृत्रिम आवश्यकता की वस्तुएँ, आय-व्यय करने के नियम, उपभोक्ता की बचत, मूल्य तथा उपयोगिता का पारस्परिक संबंध।

मूल्य—खपत का क्षेत्र, भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में मूल्य का निर्धारण, उत्पादन, व्यय और मूल्य का पारस्परिक सम्बन्ध।

वितरण—लगान, अत्यधिक लगान कब लिया जा सकता है, सूद, सहयोग समितियाँ, मजदूर सभाएँ, लाभ।

राजस्व—राष्ट्रीय व्यय तथा करों के सिद्धांत, प्रत्यक्ष तथा परोक्ष कर, भारतीय कर-प्रणाली, भारत की आर्थिक दुर्बलताएँ और उनके निवारण के साधन।

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय अर्थशास्त्र (नवीन संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय अर्थशास्त्र—जथार तथा बेरी—हिन्दी अनुवाद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

कौटिल्य के आर्थिक विचार—जगनलाल गुप्त और भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय राजस्व (नवीन संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

अर्थशास्त्र की रूपरेखा—दयाशंकर दुबे (साहित्य निकेतन, दारागंज, प्रयाग)

गांधीजी की आर्थिक योजना—श्रीमन्नारायण अग्रवाल (शिवलाल अग्रवाल एण्ड कं० लि०, आगरा)

सर्वोदय योजना—(सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

सर्वोदय अर्थशास्त्र—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

अर्थशास्त्र—मुरलीधर जोशी (अपर इंडिया पब्लिशर्स, लखनऊ)

सूचना—परीक्षार्थियों को उपर्युक्त पारिभाषिक शब्दों के उपयोग करने के संबंध में विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग द्वारा प्रकाशित अर्थशास्त्र शब्दावली (नवीन संस्करण) से सहायता ले सकते हैं।

प्रश्नपत्र २

ग्रामीण अर्थशास्त्र, ग्राम सुधार के व्यावहारिक उपाय, सहकारिता।

सहायक-ग्रन्थ—

भारत में कृषि-सुधार (नवीन संस्करण)—दयाशंकर दुबे (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

गांवों की समस्याएँ—शंकरसहाय सक्सेना (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ग्राम्य अर्थशास्त्र—दुबे और सक्सेना (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार—व्यौहार राजेन्द्र सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

भारतीय सहकारिता-आन्दोलन—शंकरसहाय सक्सेना (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय सहकारिता का इतिहास (हिन्दी प्रकाशन मंदिर, प्रयाग)

खादी-मीमांसा—बालूभाई मेहता (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

ग्राम आन्दोलन की आवश्यकता—जे० सी० कुमारप्पा (अखिल भारतीय ग्रामोद्योग-संघ, वर्धा)

तेलघानी—झबेरभाई पटेल (अखिल भारतीय ग्रामोद्योग-संघ, वर्धा)

भारतीय कृषि अर्थशास्त्र—हरिगोविन्द गुप्त (बुक लैण्ड, प्रयाग)

ज्योतिष

प्रश्नपत्र १—गणित ज्योतिष

ग्रह-लाघव—सूर्य ग्रहणाधिकारान्त (विक्रम-पंचांग प्रेस, काशी)

सूर्य सिद्धान्त—भूगोलाध्याय—दुर्गाप्रसाद द्विवेदी

सूर्य सिद्धान्त—महावीरप्रसाद श्रीवास्तव (विज्ञान परिषद्, प्रयाग)

सौर परिवार—गोरख प्रसाद (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—फलित ज्योतिष

लघु पाराशरी—(ऋषिकेश पंचांग कार्यालय, काशी)

षट् पंचाशिका—देशान्तर दशाध्याय

प्रश्न-शिरोमणि—(वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई)

भारतीय ज्योतिष—नेमिचन्द्र शास्त्री (भारतीय ज्ञानपीठ, काशी)

भारतीय कुण्डली विज्ञान—मीठा लाल हिमतराय ओझा (परमहंस संस्कृत पाठशाला, ३४।५१ लाहौरी टोला, बनारस)

मराठी

प्रश्नपत्र १—गद्य और पद्य

पाठ्य-ग्रन्थ—गद्य

श्यामची आई—साने गुरुजी (अनाथ विद्यार्थी गृह प्रकाशन, पूना)

उल्का (उपन्यास)—वि० स० खांडेकर (देशमुख आणि कम्पनी, १५१ शनिवार पेठ, पूना २)

पाठ्य-ग्रन्थ—पद्य

मधुघट—श्री निरन्तर (बेनस बुक स्टाल, पूना २)

रसवंती भाग ३—सम्पादक रानडे तथा खानोलकर (कर्नाटक प्रकाशन संस्था, बम्बई ४)

परीक्षार्थियों के लिए साधारण छन्दों तथा मराठी साहित्य की आधुनिक प्रगति से परिचित होना आवश्यक है।

सहायक-ग्रन्थ —

पद्य-प्रकाश—मा० अ० पटवर्धन (लोक-संग्रह छापाखाना, पूना २)

मराठी का संक्षिप्त इतिहास—प्रो० गोडबोले (गया प्रसाद एण्ड संस, आगरा)

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

(१) हिन्दी से मराठी में अनुवाद

(२) मराठी में निबन्ध

(३) मराठी-व्याकरण

बंगला

प्रश्नपत्र १

पाठ्य-ग्रन्थ—

आदर्श साहित्य-सुधा (सम्पूर्ण दोनों भाग)—उपेन्द्रनाथ दास (उपेन्द्रनाथ दास एण्ड सन्स, २५ बी विश्वास नर्सरी लेन, कलकत्ता १०)

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

(१) हिन्दी से बंगला में अनुवाद

(२) बंगला में निबन्ध

(३) बंगला-व्याकरण

व्याकरण के लिए श्री राधारमण चक्रवर्ती का व्याकरण-प्रवेश, द्वितीय, तृतीय खण्ड (कमला प्रेस, गोदौलिया, बनारस) से सहायता लेनी चाहिए।

गुजराती

प्रश्नपत्र १—गद्य और पद्य

पद्य—

काव्य मंगला—श्री सुन्दरम् (आर० आर० सेठ कं०, बम्बई २)

अथवा

नूपुर झंकार—नृसिंहराव दिवेटिया (गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद)

गद्य—

जय सोमनाथ—क० मा० मुंशी (गुर्जर ग्रंथ रत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद) अथवा

आम्र पाली—धूमकेतु (गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद)

आग गाड़ी—चन्द्रबदन चुन्नीलाल मेहता (गाण्डिव साहित्य मन्दिर, सूरत)

द्विरेफनी वातो भाग १—रामनारायण वि० पाठक (गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद)

सहायक-ग्रन्थ—

विवेचना—विष्णु प्रसाद त्रिवेदी (गुर्जर ग्रन्थ रत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद)

अथवा

साहित्य समीक्षा—वि० म० भट्ट (आर० आर० सेठ, प्रिंसेस स्ट्रीट, बम्बई २)

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

(१) हिन्दी से गुजराती में अनुवाद
(२) गुजराती में निबन्ध
(३) गुजराती व्याकरण

सहायक-ग्रन्थ—

गुजराती भाषानु मध्यम व्याकरण—के० पी० त्रिवेदी

तमिल

प्रश्नपत्र १—पद्य और गद्य

पद्य—

किन्हीं भी दो तमिल कवियों की दो-दो सरस प्रबन्ध रचनाएँ

गद्य—

१—कोई उपयुक्त तमिल उपन्यास
२—कोई उपयुक्त तमिल नाटक
३—कोई उपयुक्त तमिल कहानी-संग्रह
४—तमिल साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

१—हिन्दी से तमिल में अनुवाद
२—तमिल भापा में निबन्ध

तेलुगु

प्रश्नपत्र १–पद्य और गद्य

पद्य—

किन्हीं भी दो तेलुगु कवियों की दो-दो सरस प्रवन्ध रचनाएं

गद्य—

१—कोई उपयुक्त तेलुगु उपन्यास
२—कोई उपयुक्त तेलुगु नाटक
३—कोई उपयुक्त तेलुगु कहानी-संग्रह
४—तेलुगु साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

१—हिन्दी से तेलुगु में अनुवाद
२—तेलुगु भापा में निबन्ध

कन्नड़

प्रश्नपत्र १—पद्य और गद्य

पद्य—

किन्हीं भी दो कन्नड़ कवियों की दो-दो सरस उपयुक्त प्रवन्ध रचनाएँ

गद्य—

१—कोई उपयुक्त कन्नड़ उपन्यास
२—कोई उपयुक्त कन्नड़ नाटक
३—कोई उपयुक्त कन्नड़ कहानी-संग्रह
४—कन्नड़ साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

१—हिन्दी से कन्नड़ में अनुवाद

२—कन्नड़ भाषा में निबन्ध

मलयालम्

प्रश्नपत्र १—पद्य तथा गद्य

पद्य—

किन्हीं भी दो मलयालीय कवियों की दो-दो सरस उपयुक्त प्रबन्ध रचनाएं

गद्य—

१—मलयालम् भाषा का कोई उपयुक्त उपन्यास

२—मलयालम् भाषा का कोई उपयुक्त नाटक

३—मलयालम् भाषा का कोई उपयुक्त कहानी-संग्रह

४—मलयालीय साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, तथा निबन्ध व्याकरण

१—हिन्दी से मलयालम् में अनुवाद

२—मलयालम् में निबन्ध

सिन्धी

प्रश्नपत्र १—पद्य तथा गद्य

पद्य—

किन्हीं भी दो सिन्धी कवियों की दो-दो सरस उपयुक्त प्रवन्ध रचनाएँ

गद्य—

१—सिन्धी भाषा का कोई उपयुक्त उपन्यास

२—सिन्धी भाषा का कोई उपयुक्त नाटक

३—सिन्धी भाषा का कोई उपयुक्त कहानी-संग्रह

४—सिन्धी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र २—अनुवाद, निबन्ध तथा व्याकरण

१—हिन्दी से सिन्धी में अनुवाद

२—सिन्धी में निबन्ध

सङ्गीत

एक प्रायोगिक परीक्षा १०० अंकों की होगी और एक लिखित परीक्षा १०० अंकों की होगी। परीक्षार्थी गायन अथवा कोई एक वाद्यवादन विषय ले सकता है।

प्रश्नपत्र १—प्रायोगिक परीक्षा (लिखित प्रश्न पूछे जावेंगे)

१—निम्नलिखित १६ रागों का पूर्ण ज्ञान, उनकी पहिचान और उनमें मन से अलाप, तान, बोलतान आदि लेकर तबले से मिलाने का अभ्यास। इन रागों में एक-एक विलंबित ख्याल और एक-एक द्रुत खयाल। किसी एक राग में ध्रुवपद और एक में धमार—साधारण ढंग से करना चाहिए।

केदारा, तिलंग, कलिंगड़ा, तिलक कामोद, सोहनी पूर्वी, श्री, जौनपुरी, रामकली, तोड़ी, गौड़, सारंग, कामोद मारवा, देशकार, दुर्गा और बहार।

२—निम्नलिखित तालों तथा उनकी दून, तिगुन और चौगुन का ज्ञान—रूपक, तिलवाड़ा, विलंबित, एकताल, शूलताल, झमर, आड़ा चार ताल।

प्रथमा परीक्षा की सरल तालों की दून आदि का भी ज्ञान आवश्यक है।

३—निम्नलिखित १६ रागों में एक-एक विलंबित और एक-एक द्रुत खयाल। किसी राग में धमार और एक में ध्रुवपद वालों में विशेष तैयारी व गायकी और धमारध्रुवपद में विभिन्न लयकारियों का प्रदर्शन विस्तृत रूप से तैयार करना चाहिए।

शुद्ध कल्याण, छायानट, शंकरा, जयजयवंती, हिंडोला, रामकली, पूलरिया, घनाश्री, वसंत, परज, पूरिया, ललित, गौड़ मलार, मियां मलार, दरबारी कान्हड़ा, अड़ाना और मुलतानी।

४—निम्नलिखित तानों का पूर्ण ज्ञान—

जत, चाँचर, पंजाबी, ठेका, ठप्पा, सवारी, गजझंपा, मत और शिखर।

सहायक-ग्रन्थ—

"हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति"—भातखंडे कृत क्रमिक पुस्तकें, भाग १, २, ३, ४ (मैरिस कालेज, लखनऊ)

"राग-विज्ञान"—भाग १, २, ३, ४, ५—पटवर्धन कृत (प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद)

गायन शास्त्र—

"संगीतशास्त्र" भाग १, २—महेश नारायण सक्सेना (प्रयाग संगीत समिति, १०८ ह्विवेट रोड, प्रयाग)

"संगीत-कौमुदी" भाग १, २, ३—विक्रमादित्य सिंह निगम कृत (मैरिस कालिज, लखनऊ)

वाद्य

वाद्य प्रयोगात्मक—

सितारमार्ग—श्रीपद बैनर्जी (मैरिस कालिज, लखनऊ)

मृदंग-तवला-वाद्य-सुवोध (भाग १, २)—गोविन्दराव देवराव गुरुजी, बुरहानपुर, मध्यप्रदेश)

प्रश्नपत्र २—संगीत शास्त्र

१—प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम में दिये हुए (१ से १६) रागों का विस्तृत वर्णन, आलाप—तानों सहित लिखना।

२—प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम में दिए हुए (सं० २ के) तालों को ठाह, दून, तिगुन या चौगुन में पूर्ण स्वरलिपि सहित लिखना।

३—गीतों की स्वरलिपि लिखना, समप्रकृति रागों की तुलना करना, तथा ध्रुवपद-धमार के गीतों की दून आदि लिखना।

४—निम्नलिखित शब्दों तथा विषयों का ज्ञान—

नाद की ३ विशेषताएं; आन्दोलन-संख्या; श्रुति-स्वर-विभाजन की प्राचीन और अर्वाचीन प्रणालियां; उत्तर हिन्दुस्तानी तथा दक्षिण कर्नाटक पद्धतियों की तुलना—उनके स्वरों तथा थाटों के आधार पर; व्यंकटमुखी के ७२ थाटों तथा ४८४ रागों की गणित द्वारा रचना; स्वर और समय के आधार पर रागों के तीन वर्ग—संधिप्रकाश राग; पूर्व-उत्तर राग और समयचक्र; गायकों के गुण-अवगुण; शुद्ध, छायालग और संकीर्ण राग; ग्रह, अंश और न्यास के स्वर; गीतों के प्रकार और उनका विस्तृत वर्णन (ध्रुवपद, धमार, खयाल—बड़े और छोटे ठप्पा, ठुमरी आदि); गीत —गांधर्व और गान (मार्ग और देशी संगीत); निबद्ध अनिबद्ध गान; धातु, विदारी; रागालाप—रागलक्षण; न्यास, अपन्यास, सन्यास, विन्यास; अल्पत्व—बहुत्व; रूपकालाप और आलिप्तगान; आविर्भाव और तिरोभाव; दुगुन, तिगुन, चौगुन और आड़ की लयकारियाँ।

५—प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम ३ में दिये हुए १६ रागों का स्वरूप-वर्णन; उनमें अल्पत्व-बहुत्व, आविर्भाव-तिरोभाव दिखलाना; समप्रकृति रागों की तुलना और रागों में विस्तृत आलाप—तान लिखना, रागों की पहिचान।

६—प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम में दिए १ और २ के तालों का पूर्ण ज्ञान, उनकी दून आदि सहित।

७—निम्नलिखित विषयों का ज्ञान—

आविर्भाव-तिरोभाव के उदाहरण; स्वस्थान नियमों का आलाप, स्थाय, मुखचालन, आक्षिप्तिका, वाग्गेयकार, बानी, गीति, पंडित, नायकी आदि शब्दों की व्याख्या; मध्यकालीन श्रीनिवास के स्वरों की आधुनिक मंजरीकार के स्वरों के साथ तथा पाश्चात्य स्वरों के साथ तुलना (लंबाइयों और आन्दोलन-संख्याओं के आधार पर); संगीत का क्रमिक इतिहास; दक्षिण कर्नाटक ताल-पद्धति।

वाद्य

निम्नलिखित भेद के साथ वाद्य का पाठ्यक्रम भी यही होगा—

१—गीतों के स्थान पर प्रत्येक राग में एक-एक विलंबित मसीदखानी गत और एक-एक द्रुत रजाखानी गत जाननी चाहिए।

२—तोड़ों और झालों की विशेष तैयारी तथा अलाप-जोड़ के कामों में सुन्दरता।

३—इन पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान-गमक तथा उसके प्रकार (जैसे कंपित, स्फुरित, आन्दोलित आदि), अनुलोम-विलोम भेदों के साथ मीड़, जमजमा, मुर्की, गिटकिड़ी, झाला, गत-तोड़ा, जोड़—आलाप, ठाट (चल और अचल), आकर्ष-अपकर्ष, प्रहार, बाजे और घराने; वाद्यों के प्रकार (तत, वितत, घन, अनबद्ध, सुषर) वाद्यों का संक्षिप्त इतिहास।

सूचना—तबले के परीक्षार्थियों को क्रियात्मक पाठ्यक्रम में दिए तालों को तबले पर बजाना आवश्यक होगा और उनमें सुन्दर या कठिन टुकड़े परन, मुखड़े मोहरें, तीहें, कायदे, पलटे, रेले, लग्गी, बार लड़ी, पेशकारे आदि बजाना चाहिए। शास्त्र से इनकी परिभाषाएं और उदाहरण लिखना आवश्यक है। कुछ अन्य परिभाषाएं जैसे चक्करदार टुकड़ा, बाज, घराना आदि।

गायन क्रियात्मक—

शास्त्र—

संगीत शास्त्र भाग २—महेशनारायण सक्सेना (प्रयाग संगीत समिति, प्रयाग)

वेला-शिक्षक—प्रोफेसर जोग (मैरिस कालेज, लखनऊ)

अध्याय ४

वैद्य विशारद परीक्षा

१—वैद्य-विशारद परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रार्थी को निम्न-लिखित परीक्षाओं में से किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है—

(क) निखिल भारतीय वैद्य-सम्मेलन की भिषक् परीक्षा अथवा उसकी समकक्ष कोई आयुर्वेदिक परीक्षा।

(ख) हिन्दी-विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा, उपवैद्य परीक्षा, हिन्दी कोविद परीक्षा, राष्ट्रभाषा कोविद परीक्षा, हिन्दी प्रचारक या राष्ट्रभाषा विशारद अथवा इनके समकक्ष अन्य कोई परीक्षा।

(ग) महिला विद्यापीठ की विद्या-विनोदिनी परीक्षा।

२—वैद्य-विशारद परीक्षा दो खंडों में (प्रत्येक वर्ष एक खण्ड के हिसाब से) दो वर्षों में ली जायगी जिसमें निम्नलिखित आठ प्रश्नपत्र होंगे—

(१) स्वास्थ्य-विज्ञान, (२) द्रव्य-विज्ञान, (३) शरीर-रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान, (४) रसशास्त्र और रसायन बाजीकरण, (५) रोगविज्ञान और चिकित्सा, (६) ऊर्ध्वांग चिकित्सा, (७) प्रसूति-तंत्र और कौमार भृत्य, (८) शल्य तंत्र और अगदतंत्र।

ये प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त होंगे।

३—प्रथम खण्ड में प्रथम से लेकर चतुर्थ प्रश्नपत्र तक और द्वितीय खण्ड में पंचम प्रश्नपत्र से लेकर अष्टम प्रश्नपत्र तक के विषय रहेंगे।

४— प्रत्येक खण्ड में प्रत्यक्ष कर्माभ्यास की परीक्षा होगी और इसके लिए १०० अंक प्रत्येक खंड में रहेंगे।

५—प्रत्येक प्रश्नपत्र १०० अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में २५ प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक खंड में उत्तीर्ण होने के

लिए चारों प्रश्नपत्र तथा प्रत्यक्ष कर्माभ्यास में मिलाकर कम से कम १८० अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

६—उपाधि-पत्र दोनों खण्ड उत्तीर्ण करने पर प्राप्त होगा। ३६० से ४४९ तक तृतीय श्रेणी, ४५० से ५९९ तक द्वितीय श्रेणी और ६०० या ६०० से ऊपर प्रथम श्रेणी होगी। किसी प्रश्नपत्र में विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए ७५ या ७५ से अधिक अंक आने आवश्यक हैं।

७—प्रत्येक खण्ड का परीक्षा शुल्क ९ रुपये होगा।

८—वैद्य विशारद परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को आवेदनपत्र के साथ इस बात का प्रमाण भेजना होगा कि प्रत्यक्ष-कर्माभ्यास का ज्ञान उन्होंने किसी विद्यालय, औषधालय या किसी योग्य वैद्य के निरीक्षण में प्राप्त किया है।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—स्वास्थ्य-विज्ञान

(क) आरोग्य की व्याख्या—जीवन के साधन, आरोग्यता का महत्व, रोग और आरोग्य, शरीर की वृद्धि और क्षय, प्रकृति, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य-रक्षा की व्याख्या।

व्यक्तिगत आरोग्य—व्यक्ति और समष्टि, शौच कार्य, उषःपान, हस्तपाद-प्रक्षालन, मुख की सफाई, दन्त धावन, उत्तमांग की रक्षा, त्वक् संरक्षण, शरीर-संरक्षण, व्यायाम, स्नान विज्ञान, मानसिक व्यायाम, विविध व्यायाम विवरण, स्त्रियों के लिए व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य रक्षण, सौन्दर्य संरक्षण, वस्त्र परिधान, अलंकार, निद्रा, श्रम, विश्राम, सुखस्पृहा, दिन-चर्या, रात्रि-चर्या, ऋतु-चर्या, रोगी-चर्या, आहार-विधि, रोगानुत्पादन, वेगों का वर्णन, वेगविधारण, धारण योग्य वेग, प्रज्ञापराध का विवरण, योगापराध, वेगापराध, कालापराध, संक्रमणापराध आदि। सार्वजनिक आरोग्य, स्नान, जलाशयों की सफाई, पानीय जल विचार, जल दूषित होने के कारण और उसका प्रतिकार, जल-शोधन, वास-स्थान विचार,

गृहारोग्य, मकान की व्यवस्था और सजावट, नगर-निर्माण, नागरिक स्वच्छता, सार्वजनिक स्थानों का आरोग्य, मनोरंजक और व्यावसायिक स्थानों की व्यवस्था। वायुसंचार, प्रयोजन तथा आरोग्यरक्षणार्थ वायु-सम्बन्धी आवश्यक ज्ञान, मल-मूत्र सम्बन्धी आवश्यक जानकारी।

सार्वजनिक आरोग्य—सार्वजनिक आरोग्य की व्याख्या, रहने के मकान और उसके विविध विभाग एवं उसकी सफाई का वर्णन, नौकरों के स्थान, घर में जल की व्यवस्था, जल का निकास, शयनागार।

आहार-आरोग्य—आहार द्रव्यों के उपादान, जीवन-सत्व, आहार के अवयव, पाकसिद्धि, भोजन का समय, भोजन-विधि, आहार और रोग, भोजन के पश्चात् भोजन और जलपान।

जनपदोध्वंस विवरण—संक्रामक रोग, संक्रमण प्रकार, संक्रमण-प्रतिषोध उपाय, भाव विकृति, वायु विकृति, जल विकृति, भूमि विकृति, काल विकृति, औषधि सेवन का महत्व, विविध संक्रामक रोगों का विवरण और उनके निवारण के उपाय।

सदाचार—धर्म की व्याख्या, धार्मिक आचार, सामाजिक सदाचार, मार्ग सम्बन्धी सदाचार, व्यावहारिक सदाचार।

सहायक-ग्रन्थ—

आरोग्य-विधान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

स्वास्थ्य-विज्ञान—मुकुन्दस्वरूप वर्मा (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

आहार-शास्त्र—जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल (तरुण भारत ग्रंथावली, प्रयाग)

(ख) रोगोत्पत्ति, रोग भेद, रोगी के साथ व्यवहार, रोगी की संभाल, रोगी की सेवा, रोगी गृह, रोगी के बिस्तर, वस्त्र आदि, रोगी की स्वच्छता, रोगी के पात्र, भोजन, औषधि का निरीक्षण, परिचारक के गुण, परिचारक के कर्त्तव्य, वैद्य के कर्त्तव्य आदि।

पाठ्य-ग्रन्थ—

आरोग्यविधान रोगीचर्याध्याय—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

रोगी-चर्या—रामदयाल कपूर (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

(ग) नैसर्गिक आरोग्य—आकाश, वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी आदि के द्वारा स्वास्थ्य का सम्बन्ध और स्वास्थ्य-संरक्षण, जल, वायु, अग्नि, धूप और मिट्टी के प्रयोग द्वारा विविध प्रकार के स्वास्थ्य संरक्षण और रोग निवारण के प्रयोग, जल-वायु भेद, जलवायु-परिवर्तन तथा उत्तम जल-वायु के स्थानों का परिचय।

पाठ्य-ग्रन्थ—

नैसर्गिक आरोग्य—जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—द्रव्य गुण-विज्ञान और रस तंत्रोक्त द्रव्य-विज्ञान

(क) द्रव्य गुण—पदार्थ और द्रव्य की व्याख्या, द्रव्य की बनावट, द्रव्य के अवयव, द्रव्यों के गुण, द्रव्यगत रसों का वर्णन, द्रव्यों के वीर्य का वर्णन, द्रव्यगत रसों का विपाक, द्रव्यगत प्रभाव और प्रभाव की विशेषता, विचित्र प्रत्ययारब्धकारी पदार्थ आदि।

पाठ्य-ग्रन्थ—

रस-परिज्ञान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ख) द्रव द्रव्यों का वर्णन—जलवर्ग, दुग्धवर्ग, घृतवर्ग, तैलवर्ग, मधुवर्ग, इक्षुवर्ग, मद्यवर्ग आदि का वर्णन, उनके गुणावगुण का विवरण।

(ग) आहारीय द्रव्यों का वर्णन—शूकधान्यवर्ग, शमीधान्यवर्ग, मांसवर्ग, शाकवर्ग, पुष्पवर्ग, फलवर्ग, कंदवर्ग, लवणवर्ग, कृतान्नवर्ग, आहारोपयोगीवर्ग के द्रव्यों के विवरण और उनके गुणावगुण आदि के विवरण

पाठ्य-ग्रन्थ—

हरीतक्यादि निघण्टु

शाक-भाजी तरकारियां—महेन्द्रनाथ पाण्डेय (महेन्द्र रसायनशाला, प्रयाग)

फलाहार चिकित्सा—महेन्द्रनाथ पांडेय (महेन्द्र रसायनशाला, प्रयाग)

(घ) औद्भिदवर्ग, विषवर्ग, सुगन्ध वर्ग, जान्तववर्ग, पार्थिववर्ग (रसतन्त्रोक्त रस, उपरस, रत्न, उपरत्न, धातु, उपधातु आदि की पहिचान, भेद, उत्पत्ति और गुणावगुण सहित) तथा विषोपविष वर्णन और शोधन।

पाठ्य-ग्रन्थ—

हरीतक्यादि निघण्टु—

(ङ) प्राणिजवर्ग की औषधियां—विविध प्राणियों की अस्थियों का औषधोपयोग, चूहे की लेंडी, कबूतर की बीट, मुर्गे की बीट, गधे की लीद, घोड़े की लीद, ऊंट की लेंड़ी, बकरी की लेंड़ी का औषधोपयोग। गाय-भैंस-बकरी, भेंड़ी और स्त्री के दूध तथा दही, मट्ठा, मक्खन, घृत का औषधोपयोग, हाथी दांत तथा बकरे के दांत का औषधोपयोग। घोड़े के बाल, शेर के बाल, भेड़ के बाल का औषधोपयोग। मोरपंख, सांप की कांचली, बाघ की चर्बी, सुवर की चर्बी, समुद्रफेन, खरगोस का रक्त, हरिण और सांवर के सींगों का औषधोपयोग। गाय-बकरी-मनुष्य आदि के मूत्र का उपयोग। गोरोचन, कस्तूरी, पेदूबाजार (बकरे के पेट की गांठ), मत्स्यापत्त, बीरबहूटी, केचुवा, शहद, मोम आदि का औषधोपयोग।

पाठ्य-पुस्तक—प्राणिज औषधि—शंकरदास जी शास्त्री पदे (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

रसरत्नसमुच्चय का पूर्वार्ध

(च) परिभाषा—मागधमान, कलिंगमान, यूनानीमान, एलोपैथिक मान, वर्तमान समय का प्रचलित मान, शुष्कार्द्र भेद से द्रव्यमान, पंचविध कषायकल्पना, द्रव्यों के ग्रहणीय अंग, औषधिग्रहण क्रम, द्रव्य-संरक्षण विधि, क्षीरपाक, यवागु, अवलेह आदि के साधन की विधि, घृत, तेल, आसव

अरिष्ट, शर्बत, पाक, मोदक आदि के निर्माण की विधि तथा आयुर्वेदोक्त औषधिगुणों का वर्णन।

पाठ्य-ग्रन्थ—

परिभाषा प्रबोध—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (चिकित्सक कार्यालय, कानपुर)

प्रश्नपत्र ३—शरीर-रचना विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान

शरीरोत्पत्ति, शुद्धाशुद्ध शुक्रार्तव लक्षण, शरीरक्रिया ज्ञान प्रयोजन, शरीर-परिभाषा।

अस्थि-विवरण—अस्थियों का प्रयोजन, उपादन और भेद, अस्थि संख्या, नवीन और प्राचीन मत समन्वय, अस्थियों का स्थूल परिचय।

सन्धि विवरण—सन्धि-पदार्थ, सन्धि-भेद, सन्धियों के कार्य, श्लेष्म धराकला, सन्धि बन्धन, स्नायु तथा सन्धियों का स्थूल परिचय।

पेशी विवरण—पेशियों का स्वरूप, पेशियों के भेद और कंदराओं के स्वरूप, पेशियों के प्रभाव, निवेश कार्य आदि का स्थूल परिचय।

रक्त-संवहन विवरण—हृदय का स्थान, हृदय का स्वरूप, हृदय की क्रिया, हृदय सम्बन्धी शिरा और धमनी, शिरा, धमनी और रसायनी का सामान्य विवरण, रक्त-संवहन क्रिया, शोणित तथा लसीका का स्वरूप, लसीका-ग्रन्थि।

श्वास-यन्त्र विवरण—स्वर-यन्त्र, तालु गल, क्लोम फुफ्फुस आदि का विवरण, फुफ्फुसच्छदकला, उरोग्रह के भीतरी बाहरी स्वरूप तथा कार्यादि का विवरण, श्वास क्रिया का प्रयोजन, श्वास-संपादन प्रकारादि।

अन्नविपाक क्रिया का विवरण—मुख-विवर, जिह्वा, लाला ग्रंथि, दन्तवेष्ठ, अधिजिह्वा, उपजिह्वा, कौवा, अन्नमार्ग, आमाशय, क्षुद्रान्त्रग्रहणी, वृहदान्त्र, उण्डुक, आन्त्रधर, महाकला, वपा, अंत्रा-मलस्थ ग्रंथियां, यकृत। पित्त-प्रकोप, अग्न्याशय, प्लीहा आदि आशयों का स्थान संस्थान, कार्यादि विवरण तथा अन्नविपाक क्रिया-विज्ञान।

मूत्रयंत्रादि विवरण—वृक्क, गवीनी मूत्रस्रोतसी, मूत्राशय, मूत्रप्रेसक, शिश्न, पौरुषग्रंथि, शुक्रस्रोतसी, शुक्राधार, फलकोष, बीजकोष, बीजस्रोतसी, योनि, गर्भाशय—अपत्याशयादि का स्थान, संस्थानादि विज्ञान।

मस्तिष्क विज्ञान और नाड़ी विज्ञान—मस्तिष्क, मस्तिष्क का आवरण, कला, अनुमस्तिष्क, पृष्ठ वंश, सुषुम्नाकांडादि की भीतरी विशेषताएँ, नाड़ियों के स्वरूप, भेद तथा क्रिया विशेषता, इडापिंगला स्थान, नाड़ीग्रंथि तथा नाड़ी-चक्र का वर्णन।

इंद्रिय-विभाग-नेत्रगुहा, नेत्र गोलक, दृष्टिनाड़ी, नेत्रपेशी, अश्रुग्रंथि, अश्रु-मार्ग, घ्राणेन्द्रिय, घ्राण-मार्ग, श्रोतेन्द्रिय, श्रुति-मार्ग, श्रुतिपटह, श्रुति शम्बूक, श्रुतिनाड़ी आदि के स्थान, संस्थान, कार्यादि का विवरण तथा सम्पूर्ण संज्ञा और चेष्टाओं का विशेष विवरण।

आयुर्वेदिक मर्म स्थानों का विवरण।

पाठ्य-ग्रन्थ—

शारीर प्रदीपिका—मुकुन्दस्वरूप वर्मा (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

प्रत्यक्ष शारीर (हिन्दी अनुवाद) भाग दो—गणनाथ सेन (कल्पतरु पैलेस, चितरंजन एविन्यू, कलकत्ता)

शरीर परिचय—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

शरीर क्रिया विज्ञान—रणजीतराय पोद्दार (आयुर्वेद कालेज, बरली, बम्बई)

प्रश्नपत्र ४—रस-शास्त्र और रसायन बाजीकरण

(क) रस-शोधन प्रकार, हिंगूल से पारद निकालना, गन्धक-शोधन, कज्जली, रसपर्पटी, रससिंदूर, मकरध्वज, पारद में षड्गुण गंधक जारण, रसकपूर, लौह ताम्र, नाग वंग, सुवर्ण, रजत, यशद आदि का शोधन और मारण, अभ्रक-शोधन तथा अभ्रकमारण, हरताल तथा मैनसिल का शोधन

और मारण, रस-माणिक्य का बनाना, मण्डूर, सुवर्णमाक्षिक, खपरिया आदि का परिचय तथा शोधन-मारण, अंजन, तूतिया, हराकस आदि का शोधन।

(ख) साधारण पुटपाकार्थ त्रिफलादिगण, विशिष्ट पुटपाकार्थ एरण्डादिगण तथा किरातादिगण, सम्पूर्ण लौह के निरुत्थी-कारण के लिए मित्र-पंचक आदि का वर्णन, मुक्ता, प्रवाल, शंख, सूता, कपर्दी, गोदन्ती आदि का शोधन-मारण, आवश्यक गज-पुट का वर्णन, आवश्यक डमरूयंत्र, दोला-यंत्र, बालुका यन्त्र, पातालयन्त्र, वकायन्त्र आदि का वर्णन।

पाठ्य-ग्रन्थ—

रसरत्नसमुच्चय (श्री वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई)

(ग) सिद्धौषधकल्पना—कथित प्रसिद्ध औषधियों के निर्माण और उपयोग की विधि।

(घ) रसायन तन्त्र—रसायन लक्षण, रसायन फल, रसायन प्रयोग, रसायन महत्व, विविध रसायन द्रव्यों का विवरण आदि।

(ङ) बाजीकरण तन्त्र—बाजीकरण परिभाषा, क्लीव लक्षण, क्लीवता के भेद, साध्यासाध्य लक्षण, कर्तव्य चिकित्सा, बाजीकरण की आवश्यकता, बाजीकरण पदार्थ, बाजीकरण प्रयोग, वन्ध्यादोष, वन्ध्या लक्षण, वन्ध्या भेद, वन्ध्या चिकित्सा आदि।

पाठ्य-ग्रन्थ—

कामरोग-विज्ञान—जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

धातु रोग और उसका इलाज—महेन्द्रनाथ पाण्डेय (छात्र हितकारी पुस्तकमाला, दारागंज, प्रयाग)

रसरत्नसमुच्चय (श्री वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई)

वैद्य विशारद

द्वितीय खण्ड

प्रश्नपत्र ५—रोग विज्ञान और चिकित्सा

(क) वात, पित्त, कफ का विवरण, उनकी प्रकृति और अवस्थाओं का विवरण, उनका स्वरूप तथा स्थान और लक्षण, दूष्य विज्ञान, व्याधि-विज्ञान, निदान पंचक, रोग परीक्षा के उपाय, मल, मूत्र, नाड़ी, जिह्वा, नेत्र, हृदर, फुफ्फुस, उदर आदि की परीक्षा का स्थूल ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

शरीर परिचय—पृष्ठ ८१ से ९८ तक (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

पथ्यापथ्य निरूपण—आरंभ के आठ पृष्ठ (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

माधव निदान—आरम्भिक प्रथम अध्याय

बीसवें हिन्दी साहित्य सम्मेलन के विज्ञान परिषद् के सभापति का भाषण पृष्ठ ४२ से ७२ तक (सम्मेलन कार्यालय, प्रयाग)

मूत्र-परीक्षा—रामकृष्ण वर्मा (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

नाड़ी-परीक्षा—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ख) रोग-विज्ञान, सामान्य ज्वर-भेद, विषम ज्वर-भेद, सन्निपात ज्वर, प्लेग, न्यूमोनिया, इनफ्लुएंजा, मोतीझरा, डेंगू, बेरीबेरी आदि विशेष सन्निपातिक ज्वर, जीर्ण ज्वर, क्षय, राजयक्ष्मा, अतिसार, प्रवाहिका, संग्रहणी, अग्निमांद्य, अजीर्ण, अम्लपित्त, विसूचिका, कृमिरोग, शूल, उदावर्त, यकृत, प्लीहा, हिक्का, रक्तपित्त, छर्दि, दाह, तृष्णा आरोचक, वात-व्याधि, वातरक्त, कुष्ठ, उरुस्तम्भ, हृदययन्त्ररोग, वृक्करोग, शोध, मूत्रकृच्छ्र, मूत्राघात, पूयमेह, श्लीपद, गलगण्ड, गण्डमाल, अपची, मेदरोग, मसूरिका, विस्फोटक, शीतपित्त, उपदंश, फिरंग रोग, सुजाक आदि रोगों का ज्ञान चिकित्सा सहित।

पाठ्य-ग्रन्थ—

भावप्रकाश, चिकित्सा खण्ड

पथ्यापथ्य निरूपण (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ग) स्नेहन, स्वेदन, वमन, विरेचन नस्य (शिरोविरेचन), निरूपण वस्ति, अनुवासन वस्ति तथा उत्तरवस्ति, लंघन एवं वृहण विधि का वर्णन तथा चिकित्सा-विधि।

पंच-कर्म-विधान—जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(घ) अरिष्ट विज्ञान

पाठय-ग्रन्थ—

आयुर्विज्ञान—किशोरीदत्त शास्त्री (चिकित्सा कार्यालय, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ६—ऊर्ध्वांग चिकित्सा

कर्णरोग विज्ञान—कर्ण शारीर, वाह्य कर्ण, मध्यकर्ण, अन्तकर्ण की बनावट, कर्णवुहर, कर्णपटह, कर्णगुहा, कर्णास्थि, श्रुति शम्बूक, श्रुतिनाड़ी, स्वरादान यन्त्र आदि का विवरण, कर्णरोग भेद, कर्णशूल, कर्णनाद, वाग्धर्म, कर्णह्चेड, कर्णस्राव, कर्णकण्डू, कर्णगूथ, कृमिकर्ण, प्रतिवाह, कर्ण विदग्धि, कर्णपाक, पूतिकर्ण, कर्णार्शि, कर्णार्वूद, कर्ण शोथ, कूचिकर्ण, कर्णपिप्पली, विदारिका, कर्णशल्य, कर्णमूल, कर्णभंग, पालिगत रोग के निदान पूर्वरूप उपादाय-भेद लक्षण-सम्प्राप्ति चिकित्सा, पथ्यापथ्य और साध्यासाध्य का ज्ञान तथा कर्ण रोग में प्रयुक्त अस्त्रशस्त्रादि शलाका का ज्ञान।

नासारोग विज्ञान—नासा शरीर, नासागुहा, जनकास्थि, नासारन्ध्र, गन्धग्राही कक्ष, श्वासमार्ग, घ्राणेन्द्रिय, प्राणनाड़ी, शृंगारिका आदि का परिचय, नासा महत्व, नासा रोग भेद, प्रतिश्याय और उसके भेद, पीनस-अपीनस, अवीनस, पूतिनस्य, नासापाक, नासापिडिका, पूयशोणित, सवथु, भ्रंशथु, दीप्ति, प्रतिमाह, नासावरोध, परिस्रव, नासाशोष, नासापुटक, नासार्बूद, नासाश, नासाशोध, नकसीर फूटना, नासाभंग, छिन्न नासासन्थान,

नासाकण्डू, नासाशल्य आदि के निदान-पूर्वरूप, लक्षण, उपशय, सम्प्राप्ति चिकित्सा, पथ्यापथ्य, साध्यासाध्य का ज्ञान तथा नासा रोगों में प्रयुक्त होने वाले अस्त्रशस्त्रादि शलाका आदि का ज्ञान।

मुखरोग विज्ञान—मुख-ओष्ठ-जिह्वा, गला-तालु-अधिजिह्वा-अन्न-नलिका लालाग्रन्थि, दन्तमूल और दन्त आदि का परिचय। ओष्ठ रोग, मुख-मण्डल के वाह्य रोग, जिह्वगत रोग, तालुगत रोग, लालाग्रन्थि जन्य रोग, गलशुण्डी, तुण्डिकेरी, टानसिल, अध्रुव, मांसकच्छप, अर्बूद, मांस संधान, तालु पुप्पुट, तालुश्राव, तालु पाक, रोहिणी, कण्ठ शालूका, अधि-जिह्व, वलप, वलास, एकवृन्द, वृन्द, शतघ्नी, गिलायु, गलविद्रधि, गलौध, स्वरघ्न, स्वरभंग, मांसनान, विदारी, गलग्रन्थि शोध, काकलक, कण्ठ-पिंडिका, कण्ठशल्य, कण्ठशैथिल्य, कण्ठनलिका शोध, नलशोध, सर्वसर-मुखपाक, मुखस्राव, मुखदुर्गन्धि, गलगण्ड, शीनाद, दन्त पुप्पुतक, दन्तवेष्ठ, सौषिर, महाशौषिर, परिदर, उपकुश, वैदर्भ, खल्लीवर्धन, अधिमांस, दन्तवेष्ठ, विद्रधि, दन्तवेष्ठ नाड़ी व्रण, दालन, कृमिदन्त, भजनक, दन्तहर्ष, दन्त शर्करा, कपालिका, श्वावदन्तक, कराल, चलदन्त, अधिदन्त, दन्तशूल, वालदन्त, दन्तकण्डू, अदिति आदि के निदान, पूर्वरूप रूप उपशय सम्प्राप्ति और चिकित्सा, पथ्यापथ्य, साध्यासाध्य ज्ञान तथा मुखरोग में प्रयुक्त होने वाले अस्त्रशस्त्र शलाका आदि का ज्ञान।

शिरोरोग विज्ञान—शिरःशारीर, ललाटास्थि, सीमन्तास्थि, शिर-पृष्ठादि, हनुकूट कर्षिणी, ऐच्छिक अनैच्छिक मांसपेशी, केश, सुषुम्ना काण्ड, नाड़ी तन्त्र, पेशी नियमन केन्द्र, मस्तिष्क, मस्तिष्कावरण, मध्यम मस्तुलुंग, अनुमस्तिष्क, शीर्षस्थ पिण्ड, शिरोरोग प्रकार, वातज-पित्तज-कफज-त्रिदो-षज-रक्तज-क्षयज और कृमिजन्य शिरोरोग, सूर्यायवर्त, अर्धविभेदक, शंखक, अनन्तवात, शिरःकम्प आदि का निदान, पूर्वरूप-रूप-उपशय और सम्प्राप्ति साध्यासाध्य लक्षण तथा चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि का ज्ञान।

नेत्ररोग विज्ञान—नेत्रशारीर, नेत्र स्वरूप, दृष्टि वर्णन, नेत्र भाग, संधि, पटल, नेत्र गोलक, नेत्र बन्धन, नेत्रों के निदान, पूर्वरूप-लक्षण,

उपाय-सम्प्राप्ति, नेत्र रोग संस्था, वातज-पित्तज-कफज-रक्तज-सन्निपातज नेत्र रोग और उनकी साध्यासाध्यता, सन्धिगत रोग (श्यालस, उपनाह, स्राव, पर्वणिका, अलजी, कृमिगन्थि) के निदान-लक्षण-भेद, चिकित्सा, साध्यासाध्यता, पथ्यापथ्य आदि। वर्त्मगत रोग (उत्संगिनी, कुम्भीका, पोयको, वर्त्म शर्करा, अर्शोवर्त्म शुष्कार्श, अंजनम नामिका, वहुलवर्त्म, वार्त्मावबन्धक, क्लिष्टवर्त्म, कर्दमवर्त्म, श्यामवर्त्म, प्रकिलन्न अपरिक्लिन्न, वाताहृत वर्त्म, अर्बुद, निमिष, शोणितार्ध, लवण, विषनाम, पक्ष्यकोष), उनके कारण लक्षण-सम्प्राप्ति, चिकित्सा, साध्यासाध्य, पथ्यापथ्य आदि।

शुक्लगतरोग—उनकी संख्या, प्रस्तारि धर्म, शुक्लर्म, लोहनार्म, अधिमांसार्म, स्नायु-अर्म, शुक्तिका, अर्जुन, पिष्टक, शिलाजाल, शिर: पिंडिक वलासग्रथित के निदान, लक्षण, सम्प्राप्ति चिकित्सा, साध्यासाध्यता, पथ्यापथ्य आदि।

कृष्णगत रोग—प्रकार भेद, सव्रण शुक्र, अव्रण शुक्र, पाकात्यय, अजका ज़ात के निदान-लक्षण-सम्प्राप्ति, साध्यासाध्यता, चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि।

सर्वगत रोग—नाम संख्या, सब प्रकार के अभिष्यक, सब प्रकार के अधिमन्थ, नेत्रपाक, हताधिमन्य, वातपर्याय शुष्कात्सपाक, अन्यतोपात, अम्लाध्युषित, शिरोत्पात, शिरा हर्षनिदान-लक्षण-सम्प्राप्ति साध्यासाध्यता, चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि।

दृष्टिरोग—संख्या प्रकार. पटलगतदोष, सब प्रकार के तिमिर-परिम्लापि, लिंगनाथ, विदग्ध दृष्टि, धूम्रदर्शी, ह्स्वजात्य, नकुलान्ध्य, गम्भीरिका, वाह्यगत आगन्तुक रोगों का निदान-कारण-सम्प्राप्ति, साध्या-साध्यत्व, चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि।

चिकित्सा निर्देश, क्षय, रोग, लेख्य रोग, भेद्य रोग, शिरावेध साध्य रोग शस्त्रकर्मकजित नेत्र रोग, साध्यनेत्र रोग, असाध्य नेत्र रोग, सब प्रकार के अतिष्णोत, अन्यतोवान, वानविपर्यय आदि के निदान लक्षण, सम्प्राप्ति, चिकित्सा, नेत्र रोग में प्रयुक्त होने वाले अस्त्र-शस्त्र शलाका शिरावेध आदि का ज्ञान।

मस्तिष्क और नाड़ी सम्बन्धी विकार एवं उन्माद, मूर्छा, अपस्मार, उन्माद,. पक्षाघात, सन्यास, पानात्यय रोगों का निदान पूर्वरूप, रूप उपशय, सम्प्राप्ति, साध्यासाध्य रूप, चिकित्सा और पथ्यापथ्य ज्ञान।

पाठ्य-ग्रन्थ—

उर्ध्वांग-चिकित्सा—भाग १, २, ३, ४, ५ (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)।

शलाकातन्त्र—रमानाथ द्विवेदी (चौखम्भा संस्कृत पुस्तकालय, काशी)।

पथ्यापथ्य निरूपण—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)।

सहायक-ग्रन्थ—

आँख का अचूक इलाज (महेन्द्र रसायनशाला, कटरा, प्रयाग)।

प्रश्नपत्र ७—प्रसूति तन्त्र और कौमार भृत्य

(क) गर्भिणी चर्या, पुँसवनविधि, गर्भ लक्षण, गर्भिणी के रोग, गर्भ के मृत तथा अमृत की परीक्षा, मूढ़गर्भ परिज्ञान और इनकी चिकित्सा, गर्भ-स्राव तथा गर्भपात की चिकित्सा, सूतिका सन्निपात, खेड़ी न गिरने से होने वाली हानि, प्रसूतिका को होने वाले रोगों का वर्णन, निदान और चिकित्सा सहित, योनि के विकार निदान और चिकित्सा सहित, स्तन्य विकार, स्तन्य परीक्षा चिकित्सा सहित।

पाठ्य-ग्रन्थ—

प्रसूति-तन्त्र—काशीनाथ नारायण गोखले (चिकित्सा कार्यालय, कानपुर)।

प्रसूति-तन्त्र—रामदयाल कपूर (गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ)।

(ख) कौमारभृत्य अर्थात् बालसंगोपन और बालकों की बीमारी का निदान और चिकित्सा तथा स्तन्यदोषज रोग, बाल-शोध, अस्थिक्षय, बालयकृत, निदान और चिकित्सा सहित। गृह-विज्ञान, निदान और चिकित्सा

सहित तथा डब्बा और पसली चलने की बीमारी, निदान चिकित्सा सहित।

पाठ्य-ग्रन्थ—

कौमारभृत्य—रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी (चौखम्भा संस्कृत पुस्तकालय, काशी)

कौमारभृत्य—किशोरीदत्त शास्त्री (चिकित्सा कार्यालय, कानपुर)

सहायक-ग्रन्थ—

बच्चों के रोग और उनका इलाज (महेन्द्र रसायनशाला, प्रयाग)

बच्चों का पालन-पोषण (साधना सदन, प्रयाग)

(ग) स्त्री चिकित्सा अर्थात् सामान्य रोगों के अतिरिक्त विशेषकर स्त्रियों को ही होनेवाले रोग, रजोदोष, रक्तगुल्म, स्तनरोग, प्रदर, योनि-रोग, योषापस्मार आदि का निदान और चिकित्सा आदि।

पाठ्य-ग्रन्थ—

स्त्री विज्ञानम्—आयुर्वेदाचार्य अन्तूभाई (आयुर्वेद रिसर्च इंस्टीटयूट, फ्रिवर रोड, फोर्ट, बंबई १)

(घ) पथ्यापथ्य ज्ञान—ऊपर के विषयों का पथ्यापथ्य ज्ञान।

पाठ्य-ग्रन्थ—

पथ्यापथ्य निरूपण—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)।

प्रश्नपत्र ८—शल्य-तन्त्र और अगद-तन्त्र

(क) यन्त्रविधि और यन्त्रों का वर्णन।

(ख) शस्त्र विधि और शस्त्रों का वर्णन।

(ग) यन्त्र शास्त्र, पिचु, प्लेतादि की अग्नि, भाप आदि के संयोग से शोधन-विधि।

(घ) शिराव्यध विधि (फस्द खोलना)।

(ङ) शल्याहरण विधि।

(च) अग्रोपहरण, व्रणितोपासन और अष्टविध शस्त्र-कर्म का स्थूल परिचय।

(छ) सामान्य व्रण, सद्योव्रण तथा भग्नादि का ज्ञान और चिकित्सा, व्रण का आलोपन और बन्धन आदि का ज्ञान।

(ज) भगन्दर, ग्रन्थ्यर्बुद, श्लीपद, अपची आदि का वर्णन, निदान और चिकित्सा सहित।

(झ) जलौकावचरण, अग्नि-कर्म, क्षार कर्म, शृंगी, तुम्बी आदि प्रयोग एवं शोणित मोक्षण तथा क्षतज विसर्प और उसका उपक्रम।

पाठ्य-ग्रन्थ—

सौश्रुती—रमानाथ द्विवेदी (चौखम्भा संस्कृत सिरीज, वाराणसी।)

शल्यतन्त्र प्रथम भाग—बालकराम शुक्ल (राकेश कार्यालय, बरालोकपुर, इटावा)

अष्टांग हृदय, सूत्रस्थान के २५ से ३० अध्याय तक उत्तरतन्त्र अध्याय २५, २६, २७, २८, २९ और ३०।

अगद-तन्त्र

(क) विष की परिभाषा, विष की क्रिया और प्रभाव, विषभेद, पहिचान, भेदानुसार गुण-दोष, विष-दूषित अनुमान, मद्य, दूषी-विष, गर-विष आदि की परिभाषा, विष के लक्षण, विषदाता की पहिचान आदि।

(ख) वानस्पतिक विष—सिंगिया, सक्तुक, हलाहल, हारिद्रिक, वत्सनाभ आदि की पहिचान, अफीम, कुचिला, धतूरा, गांजा, कुनेर, जयपाल, थूहर, भिलावां, अर्क, घूँघची आदि का वर्णन, शोधन और चिकित्सा।

(ग) स्थावर विष—पारद, संखिया, अंजन, सीसा, ताम्र, हरताल, मैनसिल, रसकपूर, मुरदाशंख, सिन्दूर, तूतिया, हिंगुल, गन्धक, कैरोसिन तेल आदि की पहिचान, विष, लक्षण, शोधन और चिकित्सा।

(घ) जंगम विष—सर्पभेद, सर्पदंश लक्षण, सर्प दंश के वेग और

चिकित्सा, बिच्छू, पागल कुत्ता, पागल शृगाल, मकड़ी, चूहा, मधुमक्खी, बर्रे, विषखपरा, आदि के भेद, दंश लक्षण और चिकित्सा।

(ङ) कोकीन, गन्धकाम्ल, कारबोलिक ऐसिड, बेलाडोना, नाइट्रिक एसिड, क्लोरोफार्म, अलकोहल आदि का संक्षिप्त परिचय, उनका विष, प्रभाव और उपाय।

पाठ्य-ग्रन्थ—

वाग्भट उत्तर तन्त्र अध्याय ३५ से ३८ तक

आयुर्वेद व्यवहार—कृष्ण बलवंत रिसबूड (चिकित्सा कार्यालय, कानपुर)

विष और महाविष विज्ञान तथा परिशिष्ट विष विज्ञान (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास और मौखिक परीक्षा

प्रथम खंड मौखिक परीक्षा

१—जल परीक्षा, जल शुद्धीकरण, आहार द्रव्यों की परीक्षा और उनके जीवन सत्व और उनके उपादानों की पहिचान, वास स्थान, व्यायाम, घर, ग्राम और जलाशयों की सफाई और रोगी परिचर्या। २५ अंक

२—हरी वनस्पति, सूखी वनौषधि, खनिज द्रव्य, धातूपधातु की पहचान और प्रयोग। २५ अंक

३—अस्थि परिचय, सन्धि, आशय, यन्त्र और अंग विवरण अस्थि और चित्रों के द्वारा। २५ अंक

४—पुट, यंत्र, मित्रपंचक, निरुत्थीकरण, शोधनादिगण की पहिचान, रसोपरस की पहिचान और शोधन मारण विधि, विषोपविष की पहिचान और शोधन विधि। २५ अंक

द्वितीय खंड मौखिक परीक्षा

१—रोगी देख कर रोग की परीक्षा करना और निर्णय करना, नाड़ी-परीक्षा, मलमूत्र, कफ आदि अष्टविध परीक्षा द्वारा रोग निर्णय करना,

चिकित्सा और पथ्यापथ्य विवरण, थर्मामीटर, आकर्षणयन्त्र तथा विस्तयन्त्र प्रयोग का ज्ञान। १५ अंक

२—कान, आँख, नाक, मुँह, शिर और मस्तिष्क संबंधी रोगों का परिचय और ज्ञान, रोगी परीक्षादि। १५ अंक

३—धात्री विद्या, कौमारभृत्य, बालरोग तथा स्त्री रोगों का परिचय, रोगी परीक्षा, चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि का विवरण। १५ अंक

४—यंत्र, शस्त्र, जलौका, तुम्बी आदि का परिचय और ज्ञान प्रयोग विधि, व्रण चिकित्सा और व्रण बन्धन आदि का ज्ञान, विषोपविष परिचय और विष चिकित्सा। १५ अंक

५—अस्थि तथा शरीर चित्रों द्वारा ज्ञान परिचय तथा उनका क्रिया-विज्ञान। १५ अंक

६—प्रस्तुत सिद्धौषधियों का परिचय तथा प्रयोग। १५ अंक

७—मल, मूत्र तथा कफ की परीक्षा एवं थर्मामीटर, कर्णन-यन्त्र, वस्तियन्त्र के प्रयोग का ज्ञान। १० अंक।

अध्याय ५

कृषि विशारद परीक्षा

हिन्दी विश्वविद्यालय की कृषि-विशारद की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा में या उसके समान समझी जाने वाली किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

२—कृषि-विशारद परीक्षा में सम्मिलित होनेवाले प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए यह आवश्यक होगा कि वह कम से कम दो वर्ष तक स्वयं खेती का काम कर चुका हो। अपने आवेदन-पत्र के साथ उसको इस संबंध में किसी स्कूल के प्रधानाध्यापक या प्रतिष्ठित व्यक्ति का प्रमाणपत्र भेजना होगा।

३—कृषि-विशारद परीक्षा के प्रत्येक परीक्षार्थी को निम्नलिखित आठ विषयों में परीक्षा देनी होगी—

(१) कृषि-शास्त्र, (२) वनस्पति-विज्ञान, (३) बागवानी, (४) पशु-विज्ञान, (५) फसलों का विशेष अध्ययन, (६) पैमाइश और हिसाब, (७) अर्थशास्त्र और ग्रामसुधार, (८) भारतीय शासन, लगान कानून और पंचायत कानून।

४—कृषि-विशारद परीक्षा के प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक १०० और उत्तीर्णांक २५ होंगे किन्तु सम्पूर्णांक २६४ होने चाहिए।

५—प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय श्रेणी के लिए ४५ प्रतिशत या उससे अधिक और तृतीय श्रेणी के लिए ३३ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—कृषि शास्त्र

मिट्टी की बनावट, मिट्टी के भेद, जुताई, हेंगाई, साधारण खाद, वैज्ञानिक खाद, हैरोइंग, बुवाई, निराई, सिंचाई, कटाई, मड़ाई, फसल के शत्रुओं से बचाव।

सहायक-ग्रन्थ—

कृषिशास्त्र—तेजशंकर कोचक (कृषिशास्त्र कार्यालय, सन्दोहन धाम, चौपटियान, लखनऊ)

कृषि विज्ञान भाग १, २ और ३—शीतलप्रसाद तिवारी (रामदयाल अग्रवाल, प्रयाग)

किसान—एस० डी० दीक्षित (रामनारायणलाल, कटरा, प्रयाग)

कृषि कौमुदी—दुर्गासिंह (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

खाद—मुख्तारसिंह (हिंदी पुस्तक एजेंसी, काशी)

आधुनिक कृषि—सुरेन्द्रसिंह (अवधबख्श प्रकाशक मंडल, पैंसिया सिधौली, सीतापुर)

खेती—गोलोकबिहारी चौधरी (ग्रन्थमाला कार्यालय, पटना)

हाईस्कूल कृषिशास्त्र—चन्दूलाल वैश्य और शर्मा (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

युक्तप्रान्त की कृषि में उन्नति—संतबहादुर सिंह (डाइरेक्टर कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

कृषि हानिकारक कीट पतंग—मोतीलाल सेठ (देश सेवा मंडल, ५४ हिवेट रोड, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—वनस्पति विज्ञान

सहायक-ग्रन्थ—

वनस्पति शास्त्र—महेशचरण सिंह (महेशचरण सिंह, लखनऊ)

वनस्पति विज्ञान—सन्तप्रसाद टंडन (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

वनस्पति क्रिया विज्ञान—महेशचरण सिंह (महेशचरण सिंह, लखनऊ)

वनस्पति विज्ञान—शंकरराव जोशी (इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३—बागवानी

सहायक-ग्रन्थ—

बागबगीचा—कार्तिकेयचरण मुखोपाध्याय (हिन्दी पुस्तक एजसी, काशी)

उद्यानशास्त्र—शंकरराव जोशी (गंगा पुस्तकमाला, लखनऊ)

स्वास्थ्य के लिए शाक तरकारियां—महेन्द्रनाथ पांडय (महेन्द्र रसायनशाला, कटरा, प्रयाग)

तरकारी की खेती—(मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति, इन्दौर)

उद्यान—बैजनाथ प्रसाद यादव (कृषि सुधार कार्यालय, गौरा, रायबरेली)

शाकभाजी की खेती—नारायण दुलीचन्द व्यास (सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली)

फलों का व्यवसाय—नारायण दुलीचन्द व्यास (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

फलों की खेती तथा व्यवसाय (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

फल संरक्षण—गोरख प्रसाद (विज्ञान परिषद्, प्रयाग)

उद्यान विज्ञान भाग १ व २—के० एन० गुप्ता (राजा रामकुमार प्रेस बुक डिपो, लखनऊ)

फलों की जेली—बिदुरनारायण अग्निहोत्री (रामअवतार पांडे, रमाशंकर बाजपेयी लेन, नरही, लखनऊ)

प्रश्नपत्र ४—पशु विज्ञान

सहायक-ग्रन्थ—

विश्व-धाय—भगवानदास वर्मा (साहित्य सदन, अबोहर)

गोपालन—(इंडियन प्रेस, प्रयाग)

पशु चिकित्सा—राधोप्रसाद वर्मा (किसान हितकारी पुस्तकमाला प्रेस, छपरा)

पशुओं का इलाज—परमेश्वरी प्रसाद गुप्त. (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

गोरस और गोवर्द्धन शास्त्र—भास्कर काशीनाथ धारे (राजहंस प्रेस, कानपुर)

अनुभूत पशु चिकित्सा—कुंवर सुरेन्द्रसिंह 'इन्द्र' (शक्ति पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग)

हमारी गाएं—श्रीराम शर्मा (विशाल भारत बुकडिपो, कलकत्ता)

पशु पालन पोषण—भार्गव (अपर इंडिया पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ)

गोपालन शास्त्र और पशु रोगों की चिकित्सा—गिरीशचन्द्र जोशी (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, ज्ञानवापी, बनारस)

प्रश्नपत्र ५—फसल

निम्नलिखित फसलों का विशेष अध्ययन—

गेहूँ, कपास, ईख, धान, मक्का, आलू, तम्बाकू, बरसीम, रिजका, नैपियर घास, अरहर, मूँग, पटसन, जूट, सरसों, कुसुम, तिल और अंडी।

सहायक-ग्रन्थ—

उत्तर प्रदेश की मुख्य फसलें—दूधनाथ सिंह (साहित्य मंदिर प्रेस, लखनऊ)

सुलभ कृषिशास्त्र—सुखसंपत्तिराय भंडारी (किसान कार्यालय, इन्दौर)

कपास की खेती—गंगाशंकर पंचौली (रामनारायणलाल, कटरा, प्रयाग)

खेती, पौंड़ा, गन्ना, ऊख—रामनरेश सिंह (रामनारायणलाल, प्रयाग)

धान की खेती—रामनरेश सिंह (कृषि भवन, प्रयाग)

गेहूं की खेती—बी० एस० निगम (गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ)

कपास की खेती—रामप्रसाद (गंगा ग्रंथागार, लखनऊ)

मक्का की खेती—रामप्रसाद (गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ)

आलू की खेती—रामप्रसाद (गंगा ग्रन्थागार), लखनऊ)

प्रश्नपत्र ६—पैमाइश और हिसाब

सहायक-ग्रन्थ—

पैमाइश प्रबोध (मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर)

कृषि लेखा—तेजशंकर कोचक (कृषिशास्त्र आफिस, लखनऊ)

बहीखाता लेखन कला—गंगादत्त शर्मा

आदर्श पैमाइश—सियाप्रसाद शर्मा (शर्मा बुकडिपो, मुजफ्फरपुर)

आदर्श सर्वे कानून—तेजेन्द्र प्रसाद शर्मा (शर्मा बुकडिपो, मुजफ्फरपुर)

खेती और पशुपालन गणित—चतुरसेन जैन (जन इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इन्स्टीटयूट, नई दिल्ली)

प्रश्नपत्र ७—अर्थशास्त्र और ग्रामसुधार

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय अर्थशास्त्र, नया संस्करण—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारत का आर्थिक इतिहास (आधुनिक काल)—उमेश प्रसाद (जागरण साहित्य मन्दिर, कमच्छा, काशी)

भारत में कृषि सुधार—दयाशंकर दुबे (हिंदी पुस्तक एजेंसी, काशी)

सरल अर्थशास्त्र—दुबे और केला (रामनारायणलाल, प्रयाग)

ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार—व्यौहार राजेन्द्रसिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)।

गाँवों की समस्या—शंकरसहाय सक्सेना (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)।

ग्राम-सुधार—गणेशदत्त शर्मा गौड़ (नागरी भवन, आगर, मालवा)।

ग्राम्य अर्थशास्त्र—दुबे और सक्सेना (रामनारायण लाल, प्रयाग)

युक्त प्रान्त में कृषि सुधार—डाक्टर सिंह (कृषि सुधार कार्यालय, रायबरेली)।

विश्व संघ की ओर—सुन्दरलाल और भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय कृषि अर्थशास्त्र—हरगोविन्द गुप्त (बुकलैण्ड लि०, इलाहाबाद)

भारतीय सहकारिता का आन्दोलन—शंकरसहाय सक्सेना (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ८—भारतीय शासन और लगान कानून

सहायक ग्रन्थ—

यू० पी० जमींदारी उन्मूलन ऐक्ट

यू० पी० पंचायत राज ऐक्ट, नया संस्करण—जयप्रकाश शर्मा (गौतम बुक डिपो, दिल्ली)

भारतीय शासन, नया संस्करण—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

देशी राज्य शासन, प्रथम भाग—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय शासन-व्यवस्था—श्रीकान्त ठाकुर विद्यालंकार (पुस्तक मन्दिर, हरिसन रोड, कलकत्ता)

कानून कब्जा आराजी, संयुक्त प्रांत १९३९ (रामनारायणलाल, प्रयाग)

अध्याय ६

उपवैद्य परीक्षा

१—उपवैद्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षार्थी को किसी प्रतिष्ठित वैद्य द्वारा यह प्रमाणित कराना होगा कि वह उनकी संरक्षता में कार्य सीख रहा है।

२—उपवैद्य परीक्षा में निम्नलिखित छः प्रश्नपत्र होंगे—

(१) द्रव्य गुण परिचय, (२) परिभाषा और गुण परिचय, (३) आरोग्य शास्त्र और रोगी परिचर्या, (४) शरीर परिचय और प्रारम्भिक चिकित्सा, (५) शरीर शोधन पंच कर्मादि, (६) भेषज कल्पना।

इसके अतिरिक्त प्रत्यक्ष कर्माभ्यास में भी परीक्षा ली जायगी जिसमें द्रव्य परिचय, सिद्ध औषधि परिचय, पथ्य-निर्माण और प्रारम्भिक चिकित्सा सम्बन्धी योग्यता प्रत्यक्ष देखी जायगी।

३—जो परीक्षार्थी परीक्षा के सम्पूर्ण विषयों में सम्मिलित होकर कम-से-कम तीन विषयों में उत्तीर्ण हो जायँगे उन्हें अगले वर्ष अनुत्तीर्ण विषयों में परीक्षा देने का अधिकार होगा।

४—उपवैद्य परीक्षा का प्रत्येक प्रश्नपत्र १०० अंकों का होगा। प्रत्येक विषय में उत्तीर्ण होने के लिए ३३ प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

५—प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय श्रेणी के लिए ४५ प्रतिशत या उससे अधिक और तृतीय श्रेणी के लिए ३३ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

६—इस परीक्षा का शुल्क ९ रुपये होगा।

प्रश्नपत्र १—द्रव्य-गुण परिचय

इसमें निम्नलिखित भेषज द्रव्यों का परिचय, गुण-दोष ज्ञान, प्रयोग और मात्रा ज्ञान अपेक्षित होगा।

(क) औषधि वर्ग—आमलकी, हरीतकी, बहेड़ा, सोंठ, मिर्च, पीपर, पीपरामूल, चव्य, चित्रक, अजवायन, अजमोदा, सफेद जीरा, स्याह जीरा, सौंफ, मेथी, वायविडंग, वंशलोचन, समुद्रफेन, मुलेठी, अमिलतास, कुटकी, चिरायता, मैनफल, मकोय, कूट, काकड़ासिंगी, कायफल, रसवत, केंवाच, असगन्ध, सतावर, मुण्डी, अपामार्ग, हड़जोर, गुडूची, नीम, घृतकुमारी, पुनर्नवा, भृंगराज, अडूसा, काकजंघा, शंखपुष्पी, ब्राह्मी, आकाशवल्ली, द्रोणपुष्पी, छिकनी, गोजिह्वा, दुधिया, दोनों सेमर, सहजन, विधारा, अर्जुन, खैर, बबूल, रोहितक, रीठा, जियापोता।

(ख) क्षार वर्ग—सेंधा नमक, सोंचर नमक, विडनमक, समुद्र नमक, सांभर नमक, पापड़खार, सज्जी खार, जवाखार, अपामार्गक्षार, तिलक्षार, अडूसा क्षार, कंटकारीक्षार, शरपुंखाक्षार, नवसादर, कल्मी शोरा, सोहागा, फिटकिरी, रेह आदि का परिचय, बनाने की विधि, शोधन विधि, गुण-दोष, प्रयोग, मात्रा का ज्ञान।

(ग) सुगन्धि वर्ग—कपूर, कस्तूरी, केशर, खस, नागकेसर, लता कस्तूरी, पतंग, पद्माख, लाल चन्दन, अगर, तगर, हल्दी, दारु-हल्दी, देवदारु, शिलाजीत, छरीला, रालाधूप, लौंग, छोटी इलायची, बड़ी इलायची, तेजपात, दाल चीनी, गोरोचन, हींग, सुगन्धवाला कचूर, तालीसपत्र, कपूरकचरी, पोदीना, पान, तुलसी, वन तुलसी, देवमंजरी, दौना, मरुवा।

(घ) क्षीरी वर्ग—गूलर, पीपर, बरगद, पाकर, पलाश, पीपल, मन्दार, सेहुँड़, नागफली, अंजीर, महुवा, सीहोर।

(ङ) विषोपविष वर्ग—कलिहारी, कनेर, सींगिया, कोचिला, अहिफेन, धतूरा, सफेद घुँघची, भांग, गांजा, संखिया।

(च) पुष्प वर्ग—पलाश, नीम, बंकायन, कचनार, अपराजिता,

गुलाब, चमेली, मौलसिरी, कमल, कुमुदिनी, धव, कदम्ब, मुचुकुन्द, अगस्त्य, गुड़हर, सूर्यमुखी, गुलखैरू।

(छ) फल वर्ग—आम, जामुन, अमरूद, कटहल, लसोड़ा, केला, अनार, नारियल, कूष्माण्ड, ककड़ी, खीरा, खरबूजा, ताड़, खजूर, बेल, कपित्थ, नीबू, जम्बीरी नीबू, सन्तरा, मुसम्मी, अंगूर, सेब, नासपाती, फालसा, शहतूत, टमाटर, छुहारा, खिरनी, चिरौंजी, सिंघाड़ा, इमली, करौंदा, कमरख, बड़हर।

(ज) धान्य वर्ग—चावल, फसही चावल, कोदो, सावां, काकुन, गेहूँ, जव, उड़द, चौंरा, मटर, कुलथी, सोयाबीन।

(झ) तैल वर्ग—तिल, सरसों, राई, एरंड, अलसी, बादाम, शीतल-चीनी, कुसुम, मूँगफली, महुवा, बेला, गुलरोगन, पोस्त, काहू, लौंग, दाल चीनी, तारपीन, जेतून, इलायची आदि तैल।

(ञ) शाक वर्ग—चौराई, बथुवा, पालक, मरसा, मूली, गवारसेमी, सेम, परवल, आलू, फूल गोभी, बन्द गोभी, कन्द गोभी, कुलफा, ब्राह्मी, चचीड़ा, तरोई, घियातरोई, लौकी, चेंच, चूक, करेला, टिंडिस, कुँदरू, शकरकन्द, अरुई, रतालू, गाजर, बण्डा, मानकन्द, केवांच, मेथी, सोया-करेम्बुआ।

(ट) जल वर्ग—गाजरजल, वृष्टिजल, नदी-जल, तड़ाग-जल, चौंडय-जल, विकरजल, दूषितजल, उष्णजल, हंसोदक, क्वथित जल, बासी जल, जल शोधन।

(ठ) दुग्ध वर्ग—दूध के साधारण गुण, गाय, भैंस, बकरी, भेंड़, ऊँटनी, गदही, हथिनी, स्त्री के दूध के गुण, इनके दही तथा घी के गुण, मक्खन, रबड़ी, मलाई, खोवा, पीयूष, धारोष्ण दुग्ध, कच्चे दूध के गुण-दोष, पके दूध के गुण, क्षीर-पाक।

(ड) मधुर वर्ग—मधु, ऊख का रस, गुड़, खांड, चीनी, राब, सीरा, मिश्री, बतासा, पेड़ा, बरफी, जलेबी, गुलाबजामुन, खजूर, गुड़, ताड़ मिश्री।

(ढ) सन्धान वर्ग––सिरका, कांजी, रायता, मुरब्बा, मधुसुक्त, आसव, अरिष्ठ, मद्य।

(ण) प्राणिज वर्ग––हड्डी, मकड़ी का जाला, शेर की चर्बी, शूकर की चर्बी, बालमुर्गपुरीष, कबूतर की बीट, केचुवा, गधे की लीद, गौमूत्र, अजा-मूत्र, आविकमूत्र, खरमूत्र, उष्ट्रमूत्र, नर-मूत्र, हस्तिनी मूत्र, गोबर, घोड़े की लीद, वीर बहूटी, मोर पंखा, मोम, साँप की कांचली, शाबर श्रृंग, हरिण श्रृंग, हस्तिदन्त।

पाठ्य-ग्रन्थ–

हरीतक्यादि-निघण्टु

प्राणिज औषधि––(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

सहायक-ग्रन्थ––

शंकर निघण्टु––शंकरदत्त गौड़, वैद्यराज, जबलपुर।

प्रश्नपत्र २––परिभाषा और गुण परिचय

(क) मान-परिभाषा––कलिंगमान, मागधमान, रसतन्त्रोक्तमान, प्रचलित और बाजार-मान, यूनानीमान, एलोपैथिक मान, द्रव्यग्रहण विधि, औषधि संग्रहसूत्र अनुक्त वर्गादि, पुनरुक्त, औषधि उक्त द्रव्य ग्रहणविधि, नामकरण, ऋतु के अनुसार द्रव्यखनन, औषधि प्रतिनिधि।

(ख) गुण-क्रिया परिभाषा––अनुलोमन, दीपन, पाचन, दीपन-पाचन, प्रमाथी, भेदन, छेदन, लेखन, लंघन, गाही, मदकारी, अभिष्यन्दी, ओषधि भक्षण काल, अर्थ-कर्म, सर्मयोग, हीन-योग, मिथ्या योग, अतियोग, वमन, वयः संस्थापक, विरेचन, विकासी, व्यवायी, विशद, विष, विषद, विष्टम्भी, विश्राव्य, वृष्य, रसायन, वाजीकरण, व्यायाम, शमन, संशोधन, संस्कार, स्रंसन, संग्राही, स्तम्भन, स्तन्य, सद्यः प्राणहर, सन्तर्पण, सात्म्य, शुक्रल, धातुवर्धक, सूक्ष्म, त्रिदोष, रस-वीर्य-विपाक-प्रभाव, ऋतु-संचय, प्रकोप, प्रशमन, वर्ग रोपण, दारण, विवन्धकर, आनाहकर, विरुद्धाहार, ऋतुसन्धि, स्नेहन, रूक्षण की परिभाषा।

(ग) गुण-क्रियागण—जीवनीय, बृंहणीय, लेखनीय, भेदनीय, सन्धानीय, दीपनीय, बलकारक, वर्ण्य, कण्ठ्य, हृद्य, तृप्तिनाशक, अर्शघ्न, कुष्टघ्न, कंडुघ्न, कृमिघ्न, स्तन्यजनक, स्तन्यशोधक, शुक्रल, वीर्यशोधक, स्नेहोपनयन, स्वेदोपयोगी, वमनोपयोगी, विरेचनोपयोगी, स्थापनोपयोगी, अनुवासनोपयोगी, शिरोविरेचनीय, छर्दिनिग्रह, तृषानिग्रह, हिक्कानिवारक, पुरीष संग्राहक, मलशोधक, मलसंग्राहक, मूत्रशोधक, मूत्र विरेचनीय, कासहर, श्वासहर, शोथहर, ज्वरहर, श्रमहर, दाहनाशक, शीत-प्रशमन, उदर्द प्रशमन, अंगमर्द प्रशमन, शूलनाशक, शोणितस्थापन, वेदना-शामक, संज्ञास्थापक, प्रजास्थापन, वयः स्थापनगण के द्रव्यों का ज्ञान।

(घ) औषधिगण—विदारिगन्धादि, आरग्वदाधि, वरुणादि, वीरतर्वादि, सालसारादि, रोध्रादि, अर्कादि, सुरसादि, मुष्कादि, पिपल्यादि एलादि, बचादि, हरिद्रोदि, श्यामादि, बृहत्यादि, पटोलादि, काकोल्यादि, ऊषकादि, सारिवादि, अम्लानादि, पुरुषकादि, प्रियग्वादि, अम्वष्ठादि, न्यग्रोधादि, गुडूच्यादि, उत्पलादि, मुस्तादि, त्रिफला, त्रिकूट, आमलक्यादि, लाक्षादि, लघुपंचमूल, बृहत्पंचमूल, दशमूल, वलापंचमूल, कंटक पंचमूल, तृणपंचमूल, जीवनीय, चातुर्जाति, पंचकोल, षडूषण, मधुरवर्ग, आम्लवर्ग, तिक्तवर्ग, लवणवर्ग, कटुवर्ग, कषायवर्ग द्रव्यों का ज्ञान।

पाठ्य-ग्रन्थ—

परिभाषाप्रबोध—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (प्रकाश पुस्तकालय, कानपुर,

प्रश्नपत्र ३—आरोग्यशास्त्र और रोगी-परिचर्या

(क) व्यक्तिगत आरोग्य—आरोग्यता की व्याख्या, आरोग्यता का महत्व, ब्राह्ममुहूर्त, शौचविधि, दन्तशोधक, नेत्र-रक्षा, तैल मर्दन, स्नान, व्यायाम, परिधान, दिनचर्या, रात्रिचर्या, निद्रा, वेगविधारण, प्रज्ञापराध।

(ख) सार्वजनिक आरोग्य—मकान बनाना, मकान के भिन्न-भिन्न विभागों की व्यवस्था, किराये के मकान, वायु-संचालन, नागरिक स्वच्छता,

जलाशयों का प्रबन्ध, सार्वजनिक स्थानों का आरोग्य, व्यावसायिक स्थानों का आरोग्य।

(ग) आहार—आहार की आवश्यकता, आहार द्रव्यों का उत्पादन, जीवन-सत्व-विटामिन, पाकसिद्धि, भोजन का समय, आहार और रोग, भोजन के नियम, भोजन के पश्चात् कर्तव्य।

(घ) जनपदोध्वंस—भाव-विकृति, वायु-विकृति, जल-विकृति, भूमि-विकृति, काल-विकृति, रक्षा के उपाय।

(ङ) रोगी-परिचर्या—रोग परिचारक, औषधि और चिकित्सक के गुण, सुश्रूषा-महत्त्व, रोगी गृह, परिचारक के कर्तव्य, अवस्थाविधान सम्बन्धी परिचारक के कर्तव्य, रोगी विश्राम सम्बन्धी परिचारक कर्तव्य, रोगी सुश्रूषा सम्बन्धी चिकित्सक के प्रति परिचारक के कर्तव्य, रोगी के कुटुम्बी और मित्रों के प्रति, रोग विशेष के अनुसार परिचर्या विशेष, संक्रमण और उससे रक्षा, सूतिका-परिचर्या।

तीमारदारी—श्रीमन्नारायण श्रीवास्तव (रामनारायणलाल, प्रयाग)

रोगी परिचर्या—रामदयाल कपूर (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, ज्ञानवापी, बनारस)।

प्रश्नपत्र ४—शरीर परिचय और प्रारम्भिक चिकित्सा

(क) शरीर परिचय—मनुष्य-योनि, शरीर की उत्पत्ति, अंग-विभाग, शरीर का ढाँचा और अस्थि-वर्णन, त्वचा, कला, सन्धि, पेशी, स्नायु, कंडरा, सिरा, धमनी, मस्तिष्क, नाड़ी-चक्र, नेत्र, नाक, कान, मुख, जीभ, दाँत, रक्त, फुफ्फुस, हृदय, स्वर-यंत्र, अन्न-नलिका, आमाशय, ग्रहणी, छोटी आंत, यकृत, प्लीहा क्लोम, अग्नि आशय, स्रोतश, वृक्क, वस्ति, मूत्र-मार्ग, उत्पादन संस्थान का सामान्य परिचय और क्रिया परिचय।

(ख) शारीरिक शक्तियां—त्रिदोष, सप्तधातु, त्रिमल, शारीरिक अग्नि कोष्ट, प्रकृति, आरोग्य, रोग देश, भूमि देश।

(ग) प्रारम्भिक उपचार—आकस्मिक अपघात और उनका उपचार,

सहायता का रूप और उसका मूल तत्त्व, घावों की प्रारम्भिक चिकित्सा, कुचल जाने और कुचले स्थान के नीला पड़ जाने के उपाय, घाव का व्रण, खून बन्द करने के उपाय, सूक्ष्म नाड़ी—धर्म नाड़ी—नाक-मुख आदि से निकलते हुए रक्त को बन्द करना, आग से जलने, सूर्य-रश्मि या बर्फ से जलने, शीत से ठिठुर जाने, बेहोश होने, लू लगने या मस्तिष्क में गर्मी चढ़ जाने, पानी में डूबने, अस्थि भंग, मोच, दम घुटने, मूर्छा, कृत्रिम श्वास प्रचलित करने आदि का प्रारम्भिक उपचार और घायलों को वाहन में रख चिकित्सा-गृह तक ले जाने की पद्धति का ज्ञान, आकस्मिक घटना-सम्बन्धी तैयारी का ज्ञान।

(घ) व्रणोपचार—शल्यतन्त्रोक्त यन्त्र-शास्त्रों का परिचय, क्षार-कर्म, अग्नि कर्म शृंगी, तुम्बी और जलौकावचरण, रक्त मोक्षण, व्रणशोधन, शत धौतघृत, मल्हम, उपनाह और भिन्न-भिन्न व्रण बन्धनों का ज्ञान।

(ङ) अगदोपचार—विषदूषित अन्न-पान की परीक्षा, विषदूषित अन्न का निराकरण, विषदाता की पहिचान, विरुद्धाहार, भिन्न-भिन्न विषों के प्रभाव और उनका प्रारम्भिक उपचार, सर्प, बिच्छू, कनखजूरा, मधुमक्खी, मच्छड़, बर्रे, पागल कुत्ता, विषखपरा आदि के विष का वर्णन और प्रारम्भिक उपचार।

पाठ्य-ग्रन्थ—

शरीर परिचय—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)।

शरीर विज्ञान और तात्कालिक चिकित्सा (छात्र हितकारी कार्यालय, दारागंज, प्रयाग)

वाग्भट सूत्र स्थान ७, २५, २६, २७, २८, ३० अध्याय तथा उत्तर स्थान ३६, ३७, ३८।

प्रश्नपत्र ५—शरीर-शोधन, पंच कर्मादि

(क) स्नेह कर्म—स्नेह और लक्षण का स्वरूप, स्नेह द्रव्य और उनके गुण-भेद, यमक स्नेह, अच्छलेप, स्नेहन के योग्य, स्नेहन के अयोग्य, स्नेहन

काल, स्नेहन मात्रा, स्नेहन विधि, उपयुक्त स्नेहन फल, अनुपयुक्त स्नेहन, सद्यः स्नेहन के पश्चात् कर्म और पथ्यापथ्य।

(ख) स्वेदन कर्म—स्वेदन का परिचय, स्वेदन प्रकार, स्वेदन देश, व्याधि के अनुसार स्वेदन, स्वेदन विधि, स्वेदन का अतियोग, सम्यक् योग, हीन योग, स्वेदन के योग्य, स्वेदन के अयोग्य, अनाग्नय स्वेद, स्वेदन के पश्चात् कर्तव्य और पथ्यापथ्य।

(ग) वमन कर्म—वमन कर्म की व्याख्या, वमन योग्य द्रव्य, वमन के योग्य, वमन के अयोग्य, वमन-विधि, सम्यक् वमन, हीनयोग और अतियोग, वमन द्रव्यों की मात्रा, वमन वेग संख्या, वमन कर्म के पश्चात् कर्तव्य।

(घ) विरेचन कर्म—विरेचन कर्म की व्याख्या, विरेचन के योग्य, विरेचन के अयोग्य, विरेचन योग्य द्रव्य, विरेचन काल, विरेचन द्रव्यों की मात्रा, विरेचन विधि, सम्यक् विरेचन, हीन विरेचन, अति विरेचन का परिचय और उपचार, विरेचन के वेग, विरेचन के पहले और पीछे के कर्तव्य तथा आहार-विहार, संशुद्धि का फल।

(ङ) वस्ति कर्म—वस्ति यन्त्र का परिचय, वस्ति के भेद, वस्ति भेद से वस्ति के उपयुक्त व्यक्ति तथा अनुपयुक्त निरूपण, अनुवादन और उत्तर वस्ति की विधि, स्त्री-पुरुष भेद से वस्ति का परिचय, वस्ति योग्य द्रव्य, क्वाथ आदि का ज्ञान, सम्यक् वस्ति हीन और अतियोग का परिचय और उपाय, दोषानुसार वस्ति, मात्रा वस्ति, वस्ति के पूर्व कर्म, वस्ति के पश्चात् कर्म और आहार-विहार।

(च) नस्य विधि—नस्य का परिचय, नस्य की उपयोगिता, नस्य के प्रकार, नस्य के योग्य, नस्य के अयोग्य, नस्य काल, नस्य मात्रा, नस्य विधि, नस्य के पूर्व कर्म, नस्य पश्चात् कर्म, नस्य द्रव्य, नस्य योग्य तैलादि-निर्माण, नस्य कर्म के पश्चात् आहार-विहार।

(छ) धूम्र-पान विधि—धूम्रपान की व्याख्या, धूम्रपान की उपयोगिता, धूम्रपान के योग्य, धूम्रपान के अयोग्य व्यक्ति, रोग विशेष में धूम्र-

पान, धूम्रपान प्रकार, धूम्रपान विधि, सम्यक्, हीन और अतियोग धूम्रपान, धूम्रपान के द्रव्य, धूम्रपानोपविधिनिर्माण, धूम्रपान परिचर्या।

(ज) गण्डूष विधि—गण्डूष विधि परिचय, गण्डूष की उपयोगिता, गण्डूप प्रकार, गण्डूप योजना, रोग विशेष में गण्डूप-विधान, गण्डूष द्रव्य, गण्डूप ओपधि निर्माण, गण्डूष धारण प्रकार, गण्डूष-धारण काल, भिन्न भिन्न गण्डूष-विधि के लाभ, आहार-विहार।

(झ) लेप—शिरोवस्ति-अभ्यंगादि विधान, प्रतिसारण विधान, मुख लेप काल, लेप प्रयोजन, तैलाभ्यंग, शिरोवस्ति, स्नेह-सेचन, कर्म-पूर्व विधि, मूर्ध तैल विधि।

(ञ) आश्चोतन अंजन विधि—नेत्र परिषेक, आश्चोतन विधि, अंजन प्रयोग, अंजन प्रकार, अंजन-शलाका, अंजन विधि, नेत्र-शोधन, नेत्र-तर्पण, नेत्र तर्पण-विधान, पुटपाक प्रयोग, मात्रा आदि का ज्ञान।

पाठ्य-ग्रन्थ—

पंच कर्म विधान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)।

वाग्भट सूत्र स्थान—अध्याय २६ से ३५ तक।

प्रश्नपत्र ६—भेषज कल्पना

(क) क्वाथ और अनुपान निर्माण—स्वरस, कषाय, पुटपाक कल्क, क्वाथ, प्रमथ्या, हिमकपाय, फाण्ट, मन्थ, तण्डुलमण्ड, तन्दुलोदक, निर्माण विधि, गण्डूच्यादि, क्षुद्रादि, द्राक्षादि, अष्टादशांक, कटफलादि, देवदार्वादि, मुस्तकादि, पटोलादि, पुनर्नवादि, रास्नादि, न्यग्रोधादि, अमृतादि, बृहन्मंजिष्ठादि क्वाथ का निर्माण।

(ख) चूर्ण, वटिका, मोदक, मुरब्बा, गुलकन्द, शर्बत, अर्क, सत्व-निष्कासन, अर्क निष्कासन, क्षार-निर्माण, आसव-अरिष्ट-साधन, घृत-तेलपाक विधि का ज्ञान। विशेषकर त्रिफला चूर्ण, पंचगोल चूर्ण, सुदर्शन, गंगाधर तालीसादी, सितोपलादि, लवंगादि, नारायण चूर्ण, लवणभास्कर,

नवायस चूर्ण, व्योषादि, चन्द्रप्रभा, योगराज गुग्गुल, संजीवनी वटिका निर्माण, च्यवनप्राश, कुष्माण्डावलेह, त्रिफलादिघृत, लाक्षादि तैल, नारायण तैल, चन्दनादि तैल, मरिचादि तैल, कुमारी आसव, द्राक्षारिष्ट का निर्माण और अनुमान ज्ञान।

(ग) पथ्य निर्माण—उष्णोदक, क्षीरपाक, यूष, षडंगयूष, मुद्गयूष, यवागू, सप्तमूष्टिक यूप, पानक, अष्टगुणमण्ड, प्रमथ्या अन्नस्वरूप यवागू, विलेपी, लप्सिका, पेया साबूदाना, परवल, भात, दलिया, मुक्तमण्ड, वास्यमण्ड, लाजामण्ड, मुनक्का, दाल, खिचड़ी, मांसरस, सहकारस, पंसार, रागखाण्डव आदि की निर्माण विधि।

(घ) रसतन्त्रोक्त भेषज्यकल्पना, रस, उपरस, धातूपधातु की पहिचान और शोधन विधि, पारद शोधन, गन्धक शोधन, भावना, पुटपाक, अम्लवर्ग, अम्लपंचक, पंचामृत, पंचगव्य, द्राव के गुण, मित्रपंचक, धन्वन्तरि भाग, रुद्र भाग, गजपुट, महापुट, स्वर्ण, रौप्य, ताम्रनाग, वंग-लोह, स्वर्णमाक्षिक, प्रवाल,—तुथ्य—अभ्रक—मैनसिल——हरताल——खरपर—शिलाजीत—मंडूर की शोधन और मारण विधि, आनंद भैरव, ज्वरांकुश, लोकनाथ, नाराच, इच्छाभेदी, राजमृगांक, शूलगजकेशरी, अग्नितुण्डी ग्रहणीकपाट और लोह रसायन की निर्माण-विधि।

(ङ) ओपधि मिश्रण पद्धति—औषधि दान-व्यवस्था, सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान, नुसखे लिखने का ढंग, औषधि-दान व्यवस्था, औषधालय, आलमारी, यन्त्र शस्त्र और शीशियों के रखने, उनकी सफाई और उन्हें सजाने का ढंग।

पाठ्य-ग्रंथ—

६—भेषज कल्पना—धर्मदेव विद्यालंकार (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

परिभाषा प्रबोध

शार्ङ्गधर

गुरुपदेश

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास

निम्नांकित विषयों में प्रत्यक्ष कर्माभ्यास सम्बन्धी प्रत्यक्ष परीक्षा ली जायगी जिसमें पूर्णांक १०० और उत्तीर्णांक ३३ होंगे।

	पूर्णांक
१—द्रव्य परिचय	२०
२—परिभाषा	१६
३—प्रारम्भिक उपचार	१६
४—व्रणोपचार	१६
५—शरीर शोधन	१६
६—भेषज कल्पना	१६

अध्याय ७

सम्पादन कला विशारद परीक्षा

१—सम्पादन कला विशारद परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रार्थी को निम्नलिखित परीक्षाओं में से किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है :—

(क) हिन्दी विश्वविद्यालय की मध्यमा परीक्षा अथवा उसकी समकक्ष कोई परीक्षा।

(ख) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या सरकारी शिक्षा बोर्ड की इण्टरमीजिएट परीक्षा अथवा उसकी समकक्ष कोई परीक्षा।

२—सम्पादन कला विशारद परीक्षा में सौ-सौ अंकों के छः प्रश्नपत्र होंगे। उनमें उत्तीर्ण हो जाने पर परीक्षार्थी को परीक्षा-समिति द्वारा स्वीकृत किसी दैनिक पत्र कार्यालय में छः मास तक क्रियात्मक ज्ञान प्राप्त करना होगा। इस अवधि के पश्चात् उस दैनिक पत्र के सम्पादक के सिफारिश करने पर परीक्षार्थी को "सम्पादन कला विशारद" की उपाधि दी जायगी।

निम्नलिखित पत्र स्वीकृत किये गए हैं :—

अमृत पत्रिका, आज, सन्मार्ग, हिन्दुस्तान, विश्वमित्र, भारत, प्रदीप, जागृति, लोकमान्य, सैनिक, जय हिन्द, नवजीवन और नवभारत।

३—लिखित परीक्षा में तीन श्रेणियां होंगी। प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय श्रेणी के लिए ४५ प्रतिशत या उससे अधिक और तृतीय श्रेणी के लिए ३३ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—हिन्दी साहित्य

हिन्दी साहित्य का इतिहास, गद्य का विकास, आधुनिक गद्य-शैलियां, विभिन्न वाद की कविताएँ, कहानियां और एकांकी नाटक से पूर्ण परिचय, सभी प्रमुख आधुनिक लेखकों की रचनाएं एवं उनकी प्रगतियों का परिचय।

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल (ना० प्र० सभा, काशी)

हिन्दी साहित्य की भूमिका—हजारीप्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई)।

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास—चतुरसेन शास्त्री (गौतम बुक डिपो, दिल्ली)।

प्रश्नपत्र २—सम्पादन कला

विषय—समाचार संग्रह, समाचार लिखना, सम्वाद भेजना, भेंट अथवा इण्टरव्यू लिखना, रिपोर्ट लिखना, टिप्पणी करना, विवरण लिखना, समाचार सम्पादन, शीर्षक देना, अग्रलेख लिखना, आलोचना लिखना, आदि।

सहायक-ग्रन्थ—

पत्रकार-कला—विष्णुदत्त शुक्ल, (शुक्ल सदन, उन्नाव)।

पत्रकार-कला—पन्नालाल श्रीवास्तव (बुकलैण्ड लिमिटेड, प्रयाग)।

पत्र-सम्पादन-कला—नन्दकिशोर देव शर्मा (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, काशी)।

समाचार शब्द-कोष—सत्यप्रकाश (हिन्दी सा० स०, प्रयाग)।

न्यूज पेपर राइटिंग—डब्ल्यू० जी० ब्लेयर (पिटमैन एण्ड सन्स लिमिटेड, लन्दन)।

हाउ टु वी ए जर्नलिस्ट—एडौल्फ मेयर्स (टाइम्स आफ इण्डिया प्रेस, बम्बई)।

एन आउटलाइन सर्वे आफ जर्नलिज्म—जार्ज फाक्समोट।

प्रश्नपत्र ३—पत्रकार कला का इतिहास तथा प्रेस का संचालन

पत्रकार-कला, हिन्दी पत्रकार कला का इतिहास, कठिनाइयां, प्रेस का ज्ञान, प्रेस कानून, कापी राइट एक्ट, प्रूफ संशोधन, राजद्रोह तथा मान-हानि की कानूनी धाराएं, सामयिक आर्डिनेंसों और नियमों की जानकारी।

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दी समाचारपत्रों का इतिहास—राधाकृष्णदास (भारत जीवन प्रेस, काशी)

पत्र और पत्रकार—कमलापति त्रिपाठी, पुरुषोत्तमदास टण्डन, (ज्ञान मण्डल, काशी)

अच्छी हिन्दी—किशोरीदास वाजपेयी (हिमालय एजेंसी, कनखल, हरिद्वार)

अच्छी हिन्दी—रामचन्द्र वर्मा (साहित्य रत्नमाला, धर्मकूप, काशी)

आधुनिक छपाई—के० पी० दर (ला जर्नल प्रेस, प्रयाग)

मुद्रण-प्रवेश—शंकर रामचन्द्र दाते (लोक संग्रह छापाखाना, ६२५ सदाशिव पेठ, पूना २)

दि इण्डियन प्रेस—विश्वनाथ ऐय्यर (पद्मा पब्लिशिंग, फोर्ट, बम्बई)

प्रेस—विक्रम स्टीड (डी० वी० तारापोरवाला एण्ड कं०, बम्बई)

कापी एण्ड प्रूफ—के० पी० दर (ला जर्नल प्रेस, इलाहाबाद)

कापी राइट तथा प्रेस एक्ट।

हिन्दी सम्पादक सम्मेलन के अध्यक्ष पद से दिये गये श्री बाबूराव विष्णु पराडकर, श्री माखनलाल चतुर्वेदी श्री अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी के भाषण।

प्रश्नपत्र ४—सामाजिक विचार

सामाजिक विचार-धाराएं तथा विश्व की समस्याएं :—

(क) वर्ग—विभिन्न सामाजिक विचार-धाराओं का अध्ययन—

समाजवाद—सम्पूर्णानन्द (ज्ञान मण्डल, काशी)

वैज्ञानिक भौतिकवाद—राहुल सांकृत्यायन (किताब महल, प्रयाग)

समाजवाद की रूपरेखा—अमरनारायण अग्रवाल (विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा)

गांधीवाद की रूपरेखा—श्रीरामनाथ 'सुमन' (साधना सदन, प्रयाग)

गांधिज्म—पट्टाभि सीतारमय्या

विश्व संघ की ओर—सुन्दरलाल तथा केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

(ख) वर्ग—अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास, राजनीति, शासन आदि

विश्व-इतिहास की झलक—जवाहरलाल नेहरू (सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली)

संसार का संक्षिप्त इतिहास—एच० जी० वेल्स (मैकमिलन बुक कम्पनी, कलकत्ता)

अन्ताराष्ट्रिय विधान—सम्पूर्णानन्द (ज्ञान मण्डल, काशी)

साम्राज्यवाद—मुकुन्दीलाल (ज्ञान मण्डल, काशी)

मार्डन डिमोक्रसीज—ब्राइस (डी० वी० तारपोरवाला एण्ड को०, बम्बई)

सोवियत भूमि—राहुल सांकृत्यायन (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

नोट—प्रत्येक वर्ग में से ५०-५० अंक के प्रश्न आयेंगे।

प्रश्नपत्र ५—भारत-विषयक ज्ञान

भारतीय राजनीति के अस्सी वर्ष—चिन्तामणि (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

कांग्रेस का इतिहास—पट्टाभि सीतारमैया (सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली)

हमारे नेता तथा भारतीय राष्ट्रीयता के विकास की रूप-रेखा—श्री रामनाथ 'सुमन' (साधना सदन, प्रयाग)

भारतीय अर्थशास्त्र, भारतीय शासन, देशी राज्यशासन—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

आधुनिक भारत—जावडेकर (सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली)

भारत का आर्थिक भूगोल—दुबे और सक्सेना (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

हमारा हिन्दुस्तान—मीनू मसानी

विश्व-इतिहास की झलक—जवाहरलाल नेहरू (सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली)

विश्व संघ की ओर—सुन्दर लाल और भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

अन्ताराष्ट्रिय विधान—सम्पूर्णानन्द (ज्ञान मण्डल, काशी)

युद्धोत्तर भारत के निर्माण की पूँजीवादी और गांधीवादी योजनाएँ—

प्रश्नपत्र ६—अनुवाद तथा निबन्ध

(क) अंग्रेजी से हिन्दी, उर्दू से हिन्दी तथा किसी एक प्रान्तीय भाषा से हिन्दी; अनुवाद के लिए केवल मराठी, बंगला और गुजराती तीन प्रान्तीय भाषाएं निश्चित हुई हैं।

(ख) निबन्ध—किसी सामयिक समस्या पर निबन्ध, अग्रलेख, सम्पादकीय लेख लिखना।

अध्याय ८

शीघ्रलिपि विशारद परीक्षा

१—शीघ्रलिपि विशारद परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए यह आवश्यक होगा कि (१) परीक्षार्थी ने सम्मेलन की शीघ्रलिपि कक्षा में शिक्षा पाई हो और इस कक्षा में उसकी उपस्थिति कम से कम १२० दिन की रही हो; अथवा (२) ऋषि प्रणाली से उन स्थानों में शीघ्रलिपि की शिक्षा प्राप्त की हो, जो परीक्षा-समिति द्वारा इस कार्य के लिए स्वीकृत हो चुके हों।

२—शीघ्रलिपि विशारद परीक्षा साधारणतः वर्ष में दो बार हुआ करेगी।

३—शीघ्रलिपि-विशारद परीक्षा में तीन प्रश्नपत्र होंगे और इनके अतिरिक्त क्रियात्मक परीक्षा भी होगी। प्रमाणपत्र में क्रियात्मक परीक्षा तथा प्रश्नपत्रों द्वारा ली गई परीक्षा की श्रेणियों का अलग-अलग विवरण होगा।

४—शीघ्रलिपि-विशारद परीक्षा के प्रश्नपत्रों के पूर्णांक ३०० तथा उत्तीर्णांक १२० होंगे। क्रियात्मक परीक्षा का पूर्णांक १०० तथा उत्तीर्णांक ५० होगा।

५—प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय श्रेणी के लिए ५० प्रतिशत या उससे अधिक और तृतीय श्रेणी के लिए ४० प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए।

किसी विषय में विशेष योग्यता के लिए ७५ प्रतिशत या उससे अधिक प्राप्तांक होने चाहिए।

६—क्रियात्मक परीक्षा में हिन्दी शीघ्रलिपि द्वारा विभिन्न गति से लेख लिखाये जायेंगे। पहला लेख १३० शब्द प्रति मिनट की गति से, दूसरा लेख

११५ शब्द प्रति मिनट की गति से और तीसरा लेख १०० शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जायगा। लेख भिन्न-भिन्न विषयों पर होंगे। परीक्षार्थी को अधिकार होगा कि तीनों लेखों में से किसी एक लेख का लिप्यन्तर करे। लिप्यन्तर में केवल दस प्रतिशत तक अशुद्धियां हो सकती हैं। अधिक अशुद्धियां होने पर परीक्षार्थी क्रियात्मक परीक्षा में असफल समझा जायगा।

लिप्यन्तर के लिए ढाई घण्टे का समय दिया जायगा। लेख पांच मिनट तक लिखाया जायगा। क्रियात्मक परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जायगी। परीक्षार्थी ने जिस गति से परीक्षा उत्तीर्ण की है वह गति तथा उसमें प्राप्त अंकों का उल्लेख उपाधि-पत्र पर किया जायगा।

७—प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए यह आवश्यक है कि वह सैद्धान्तिक तथा क्रियात्मक दोनों परीक्षाओं में उत्तीर्ण हो। बिना दोनों परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थी को उपाधि-पत्र नहीं दिया जायगा। किन्तु दूसरी बार उसको केवल वही परीक्षा देनी होगी जिसमें वह असफल होगा।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—हिन्दी शीघ्रलिपि के मूल सिद्धांतों की विवेचना, उनके नियमों का पूर्ण ज्ञान, अक्षर-चिन्ह, शब्द चिन्ह, संक्षिप्त शब्द चिन्ह, विशेष शब्द चिन्ह, वाक्यांश आदि के बनाने के नियमों का पूर्ण ज्ञान तथा कृषि बैंकिंग, न्याय, विधान राज्य-नियम, पुलिस, सेना तथा अन्य राज्य शासन सम्बन्धी महकमों में प्रचलित विशेष शब्दों का ज्ञान पाठ्यग्रन्थ के आधार पर होना आवश्यक है।

पाठ्य-ग्रन्थ—

हिन्दी संकेत लिपि—ऋषिलाल अग्रवाल (विष्णु आर्ट प्रेस, ऋषि कुटी, जीरो रोड, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र २—छपी हुई हिन्दी शीघ्रलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर।

प्रश्नपत्र ३—राज्यशासन, समाचारपत्र-सम्पादन, समाचार-संग्रह आदि किसी विषय पर सरल तथा मुहावरेदार आधुनिक हिन्दी में निबन्ध।

अध्याय ९

शिक्षा विशारद परीक्षा

यह परीक्षा केवल उन व्यक्तियों के लिए है जो किसी सरकार से मान्य या राष्ट्रीय संस्था में अध्यापक हैं। इसका उद्देश्य यह है कि अध्यापकों को बालमनोविज्ञान, शिक्षा-सिद्धान्त, शिक्षण-विधान और शिक्षा के इतिहास का क्रमबद्ध ज्ञान हो जाय और संसार में शिक्षा-सम्बन्धी जो मुख्य प्रयोग वर्तमान शताब्दी में किये गये हैं उनसे वे परिचित हो जायें।

इस परीक्षा में निम्नलिखित योग्यता के परीक्षार्थी सम्मिलित हो सकेंगे :—

डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, म्यूनिसिपल बोर्ड और राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी माध्यमिक या सरकार से मान्य माध्यमिक संस्थाओं के अध्यापक। वे अध्यापक जो सम्मेलन की विशारद परीक्षा अथवा सम्मेलन द्वारा मान्य विशारद की समकक्ष किसी परीक्षा में उत्तीर्ण हों।

१. परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक परीक्षार्थी को कम से कम दो वर्ष का शिक्षण अनुभव आवश्यक है।

इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों पर पांच प्रश्नपत्र होंगे :—

(१) शिक्षा सिद्धान्त और बाल मनोविज्ञान।

(२) भारतीय शिक्षा का इतिहास।

(३) शिक्षणविधि तथा पाठशाला प्रबन्ध।

(४) छात्रों का स्वास्थ्य, प्रारम्भिक चिकित्सा तथा परिचर्या।

(५) देवनागरी लिपि, हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास।

इस परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को 'शिक्षा विशारद' की उपाधि दी जायगी। प्रत्येक प्रश्नपत्र में १०० अंक होंगे। उत्तीर्ण होने के लिए

सब प्रश्नपत्रों में मिलाकर ४० प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए ६० प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करना होगा।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—शिक्षा सिद्धांत और बाल मनोविज्ञान तथा उपयोगितावाद

मनोविज्ञान के मूलसिद्धांत, मनोविज्ञान का शिक्षा से सम्बन्ध, मस्तिष्क और मन, निर्विकल्प और सविकल्प प्रत्यक्षज्ञान, परम्परा और प्रतिवेश, वातावरण का प्रभाव, जन्मजात पितृज आदतें और प्रवृत्तियां, उनका निर्माण, मूल प्रवृत्ति और अन्तःक्षोभ, मनुष्य की मुख्य मूल प्रवृत्तियां, अन्तः क्षोभों का संगठन, व्यवसाय, चरित-निर्माण, अवधान, रुचि और थकान, विचार सम्बन्ध और स्मृति, स्मृति के भेद, कल्पना, कल्पना शक्ति और उसके भेद, बुद्धि और वुद्धि का अवस्थागत विकास, बुद्धिमाप और उसके उपयोग और उनके लक्षण, उनका शिक्षा प्रणाली पर प्रभाव, आदर्शवाद और उसका वातावरण से संघर्ष और एकीकरण, मनोविश्लेषण, भावना ग्रन्थियां, मनोविश्लेषण के सिद्धांत और उपयोग, सांस्कृतिक युगों का सिद्धान्त और उसका शिक्षा में उपयोग, समूह मनोविज्ञान, कमजोर, तेज तथा अपराधी बालक तथा उनका सुधार, शिक्षा-संक्रमण, शिक्षा में आदर्शवाद तथा उपयोगितावाद, शिक्षक का आदर्श, चरित्रगठन में पाठशाला का स्थान।

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय शिक्षा सिद्धान्त—सुबोध अदावाल (गर्ग ब्रदर्स, प्रयाग)

सरल मनोविज्ञान—हंसराज भाटिया (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

मनोविज्ञान और शिक्षाशास्त्र—भैरवनाथ झा (इण्डियन प्रेस, प्रयाग)

खेल द्वारा शिक्षा—कृष्ण प्यारेलाल (भारतवासी प्रेस, प्रयाग)

बच्चों की आदतों का विकास—राममूर्ति मेहरोत्रा (विद्यामन्दिर लिमिटेड, दिल्ली)

जीवन और शिक्षा—विनोबा भावे (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

शिक्षा मनोविज्ञान और शिक्षा के सिद्धान्त—श्रीमती रानी टण्डन (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

प्रश्नपत्र २—भारतीय शिक्षा का इतिहास

वैदिक काल से लेकर अब तक शिक्षा का अर्थ और उद्देश्य।

वर्ण और आश्रम, ब्रह्मचर्याश्रम, गुरु और शिष्य का सम्बन्ध, गुरु-दक्षिणा की रीतियां, गुरु-सेवा, शिक्षा-प्रणाली, प्रश्नोत्तर, श्रुति और स्मृति, स्वाध्याय, शास्त्रार्थ कथा और व्याख्यान, भ्रमण, शास्त्रों, कलाओं, धनुर्विद्या, आयुर्वेद आदि की शिक्षा, व्याकरण का स्थान, उस पर तत्कालीन पुस्तकें, प्रसिद्ध आचार्य, प्रसिद्ध विद्यापीठ, लिखित पुस्तकों का अभाव।

बौद्ध कालीन शिक्षा—संघ-जीवन, प्रसिद्ध विद्यापीठ, मुख्य बौद्ध आचार्य, शिक्षा के विषय और ग्रन्थ, कला का विकास, स्थापत्य और चित्र-कला, चीनी यात्रियों द्वारा विद्यापीठों और शिक्षा की दशा का वर्णन।

मुसलमान कालीन शिक्षा—पाठशाला, अक्षर अभ्यास, गणित, संस्कृत की शिक्षा, मन्दिरों से सम्बद्ध पाठशालाएँ, राजनीतिक उलटफेर का शिक्षा पर प्रभाव, मकतब, फारसी की शिक्षा-प्रणाली और पाठ्य विषय तथा ग्रन्थ, इब्नबतूता और अलबरूनी का शिक्षा-सम्बन्धी विवरण।

अंग्रेज कालीन शिक्षा—बंगाल की शिक्षा पर एडम की रिपोर्ट, पाश्चात्य और पूर्वी शिक्षा का संघर्ष, मैकाले और राजा राममोहनराय, अंग्रेजी विश्व-विद्यालयों का आविर्भाव, उत्तरप्रदेश में देशी भाषा की शिक्षा, मि० टाम्सन की योजना, शिक्षा-विभाग का आरम्भ, हलकाबन्दी स्कूल, तहसीली स्कूल, जिला और परगना विजिटर, शिक्षकों की ट्रेनिंग का आरम्भ, पाठ्यक्रम, इस शिक्षा के गुण और दोष, अंग्रेजी शिक्षा का भारतीय भाषाओं पर प्रभाव, शिक्षा में भाषामाध्यम का प्रश्न, अनिवार्य शिक्षा, बालिकाओं की परीक्षा प्रणाली, ब्रिटिशकाल में मातृभाषा की शिक्षा, हिन्दी की शिक्षा, राजा शिवप्रसाद और हिन्दी पुस्तकें, हिन्दी की उन्नति का स्कूली पुस्तकों

की हिन्दी पर प्रभाव, शिक्षा का निरीक्षण और शासन, स्थानीय स्वराज्य संस्थाएँ, सरकारी संस्थाएँ, गैर-सरकारी संस्थाएँ, उत्तरदायी शिक्षा-सदस्य, शिक्षा-विभाग का वर्तमान संगठन, वर्धा योजना तथा बेसिक शिक्षा, राष्ट्र भाषा और मातृभाषा का प्रस्तुत शिक्षा प्रणाली के भिन्न-भिन्न अंगों में स्थान, प्रौढ़ों की सामाजिक शिक्षा।

सहायक-ग्रन्थ—

ग्राम्य शिक्षा का इतिहास—श्रीनारायण चतुर्वेदी (सरस्वती पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग)

भारतीय शिक्षा का संक्षिप्त इतिहास—वासुदेव उपाध्याय (भारतवासी प्रेस, प्रयाग)

भारतीय शिक्षा का इतिहास (किताब महल, इलाहाबाद)

भारतीय शिक्षा विकास की कथा—अवधविहारी पाण्डेय (बाल साहित्य मन्दिर, लखनऊ)

प्रश्नपत्र ३—शिक्षण-विधि पाठशाला-प्रबन्ध

शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा के सामान्य सूत्र, शिक्षा की विश्लेषण संश्लेषण विधि, प्रयोग विधि, आगमन एवं निगमन विधि, व्यष्टि एवं समष्टि शिक्षण, किण्डर गार्टन, माण्टीसरी, डाल्टन योजना प्रणाली (प्रोजेक्ट मेथड), वर्धा शिक्षा प्रणाली, खेल के द्वारा शिक्षा, पाठ की तैयारी, हर्बर्ट के सिद्धांत, पाठ संकेत, श्यामपट का उपयोग, प्रश्न और उत्तर, चित्र तथा अन्य उपकरण, उदाहरण, व्याख्या, विविध विषयों की शिक्षा का समन्वय।

हिन्दी गणित, विज्ञान, भूगोल, इतिहास, नागरिकशास्त्र, कृषिकला, हस्त कौशल, संगीत की शिक्षण विधियां। कक्षा-प्रबन्ध के मूल सिद्धान्त, प्रधान अध्यापक और उसके कर्तव्य, कक्षा का शासन, दण्ड और पुरस्कार, बालकों की कापियां और उनका निरीक्षण, पाठशाला-प्रबन्ध, पाठशाला का समय-विभाग-चक्र, उसके बनाने के मूल सिद्धान्त, पाठशाला का वातावरण, खेल, स्काउटिंग तथा अन्य शिक्षोपयोगी कार्य, अच्छी पुस्तकों का चुनाव, उनके लक्षण, पाठशालाओं के पुस्तकालयों के योग्य हिन्दी साहित्य।

सहायक-ग्रन्थ—

शिक्षा विधान परिचय—श्रीनारायण चतुर्वेदी (इण्डियन प्रेस, प्रयाग)

भापा की शिक्षा—सीताराम चतुर्वेदी (साहित्य कुटीर, हाथी गली, बनारस)

शिक्षा में नवीन प्रयोग—दीनानाथ चतुर्वेदी (भारतवासी प्रेस, दारागंज, प्रयाग)

शिक्षण विधि—विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी (बाल साहित्य मन्दिर, लखनऊ)

अध्यापन कला—सीताराम चतुर्वेदी (साहित्य कुटीर, हाथी गली, बनारस)

शिक्षालय संगठन तथा स्वास्थ्य—अवधबिहारी पाण्डेय

वर्धा शिक्षा योजना—(हिन्दुस्तानी तालीमी संघ, वर्धा)

शिक्षण प्रविधि—(राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

प्रश्नपत्र ४—छात्रों का स्वास्थ्य, प्रारम्भिक चिकित्सा तथा परिचय

पाठशाला की स्थिति, कक्षा के कमरे, वायु और प्रकाश का सम्बन्ध, स्वच्छता, व्यायाम, प्रारम्भिक चिकित्सा की आवश्यकता, दुर्घटनाएं और उनके होने पर चिकित्सा, पट्टियों का उपयोग और बांधना, संक्रामक रोग, उनका निवारण, परिचर्या के महत्त्व, परिचारक के गुण और कर्तव्य, रोगी का कमरा, उनकी आवश्यकताएं, उसे औषधि व भोजन देना आदि।

सहायक-ग्रन्थ—

परिचर्या और गृह प्रबन्ध—रानी टण्डन (कुमार प्रकाशन समिति, प्रयाग)

शिक्षालय संगठन और स्वास्थ्य—अवधविहारी पाण्डेय (बाल साहित्य मन्दिर, लखनऊ)

प्रश्नपत्र ५—देवनागरी लिपि, हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

देवनागरी लिपि की उत्पत्ति और विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएं और उपयोगिता, हिन्दी का ध्वनितल, हिन्दी भापा और साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, हिन्दी का बालोपयोगी साहित्य।

सहायक-ग्रन्थ—

नागरी अंक और अक्षर—गौरीशंकर हीराचन्द ओझा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

हिन्दी भाषा का इतिहास—गोपाललाल खन्ना (इण्डियन प्रेस, प्रयाग)

हिन्दी भाषा और साहित्य—श्यामसुन्दरदास (इण्डियन प्रेस, प्रयाग)

अध्याय १०

उत्तमा परीक्षा

१. हिन्दी विश्वविद्यालय की उत्तमा परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये प्रत्येक परीक्षार्थी को हिन्दी विश्वविद्यालय की मध्यमा या उसके समान समझी जाने वाली किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

१. (अ) निम्नलिखित परीक्षायें हिन्दी विश्वविद्यालय की मध्यमा परीक्षा के समान समझी जावेंगी।

किसी भारतीय विश्वविद्यालय के बी० ए०, हिन्दी अथवा संस्कृत विषय लेकर। संस्कृत कालेज काशी के शास्त्री, विहार संस्कृत एसोसियेशन के शास्त्री, लखनऊ तथा काशी विश्वविद्यालय के शास्त्री, महाविद्यालय ज्वालापुर के विद्याभास्कर, दयानन्द विद्यालय गुरुकुल दौराला के स्नातक, प्रयाग महिला विद्यापीठ की विदुषी आनर्स, गुरुकुल महाविद्यालय अयोध्या के विद्यावारिधि, विद्या वागीश, विद्या मार्तण्ड, गुरुकुल कांगड़ी के विद्यालंकार तथा विद्यालंकृत, ऋषिकुल विश्वविद्यालय हरद्वार के विद्या कलानिधि तथा विश्वविद्यालयों द्वारा बी० ए० के समकक्ष स्वीकृत परीक्षाओं में उत्तीर्ण परीक्षार्थी।

(ब) निम्नलिखित परीक्षाओं में उत्तीर्ण अहिन्दी भाषी उत्तमा साहित्य परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं:—

आन्ध्र विश्वविद्यालय के भाषा प्रवीण, मद्रास विश्वविद्यालय के विद्वान, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के राष्ट्रभाषा रत्न, बम्बई हिन्दी विद्यापीठ के साहित्य सुधाकर, भारतीय विद्यापीठ बंबई के आचार्य, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास के राष्ट्रभाषा प्रवीण, पंजाब विश्वविद्यालय के हिन्दी

प्रभाकर, हिन्दी विद्यापीठ देवघर के साहित्य भूषण, मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद के हिन्दी रत्न, अध्याय ३, उपनियम ५ के अनुसार केवल मध्यमा साहित्य में उत्तीर्ण अहिन्दी भाषाभाषी परीक्षार्थी।

(स) बी० काम० उत्तीर्ण छात्र केवल अर्थशास्त्र विषय लेकर उत्तमा में सम्मिलित हो सकते हैं।

(द) बी० एस-सी० उत्तीर्ण छात्र केवल विज्ञान तथा कृषि विषय में सम्मिलित हो सकते हैं।

२—(क) प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के बी० ए० उत्तीर्ण परीक्षार्थी उन सभी विषयों में उत्तमा में सम्मिलित हो सकेंगे जिन विषयोंमें उन्होंने बी० ए० की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

(ख) सम्मेलन की मध्यमा परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी उन सब विषयों में भी उत्तमा में सम्मिलित हो सकेंगे जिन वैकल्पिक विषयों में उन्होंने मध्यमा परीक्षा उत्तीर्ण की है।

(ग) गवर्नमेन्ट संस्कृत कालेज, काशी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, बिहार संस्कृत एसोसियेशन, महाराज संस्कृत कालेज जयपुर के साहित्य या व्याकरण में शास्त्री और काशी विद्यापीठ के शास्त्री परीक्षोत्तीर्ण परीक्षार्थी भी हिन्दी या संस्कृत की रत्न परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेंगे।

३—हिन्दी विश्वविद्यालय की शिक्षा विशारद और सम्पादनकला विशारद परीक्षोत्तीर्ण परीक्षार्थी हिन्दी साहित्य विषय की रत्न परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

४—जो परीक्षार्थी हिन्दी विश्वविद्यालय की वैद्य विशारद परीक्षा, आयुर्वेद विद्यापीठ की आयुर्वेद विशारद परीक्षा, अथवा आयुर्वेद विशारद की समकक्ष कोई परीक्षा, बोर्ड आफ इंडियन मेडिसन की बी० आई० एम० एस० परीक्षा, हिन्दू विश्वविद्यालय या पटना गवर्नमेन्ट कालेज की या बम्बई, मद्रास या राजस्थान सरकार की आयुर्वेद की अन्तिम परीक्षाओं अथवा किसी भारतीय विश्वविद्यालय की एम० बी० बी० एस० परीक्षा में

उत्तीर्ण होंगे, वे आयुर्वेद विपय लेकर उत्तमा में सम्मिलित हो सकेंगे।

५—काशी राजकीय संस्कृत कालेज, वनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष (गणित और फलित) शास्त्र में शास्त्री परीक्षोत्तीर्ण विद्यार्थी केवल ज्योतिषशास्त्र की रत्न परीक्षा में बैठ सकेंगे।

६—काशी राजकीय संस्कृत कालेज या बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की साधारण दर्शनन्याय में शास्त्री परीक्षोत्तीर्ण परीक्षार्थी केवल दर्शन की रत्न परीक्षा में प्रविष्ट हो सकेंगे।

७—जो परीक्षार्थी हिन्दी विश्वविद्यालय प्रयाग की कृषि-विशारद परीक्षा या कृषि-शास्त्र में बी० एस-सी० एजी० परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे वे केवल कृषिशास्त्र विषय लेकर उत्तमा में सम्मिलित हो सकेंगे।

८—राजकीय संस्कृत कालेज काशी, बिहार संस्कृत एसोसियेशन, काशी विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय की आचार्य या किसी भारतीय विश्वविद्यालय की एम० ए० या एम० एस-सी० परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी किसी भी विषय की रत्न परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

९—जो परीक्षार्थी मध्यमा परीक्षा की विवरणपत्रिका के अध्याय ३ नियम ५ के अनुसार मध्यमा परीक्षा के केवल साहित्य विषय में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण होंगे वे उत्तमा परीक्षा में केवल हिन्दी साहित्य विषय लेकर सम्मिलित हो सकेंगे और उत्तीर्ण होने पर उन्हें भी 'साहित्यरत्न' की उपाधि दी जायगी।

१०—हिन्दी विश्वविद्यालय की उत्तमा परीक्षा निम्नलिखित विषयों से किसी एक विषय में देनी होगी—

(१) हिन्दी-साहित्य, (२) संस्कृत-साहित्य, (३) पालि (४) दर्शन-शास्त्र, (५) ज्योतिष, (६) पुरातत्व, (७) इतिहास (८) भूगोल (९) राजनीति, (१०) अर्थशास्त्र (११) कृषिशास्त्र (१२) आयुर्वेद, (१३) गणित, (१४) विज्ञान,

उत्तमा प्रथमखण्ड में इस वर्ष पालि, पुरातत्व, दर्शन, ज्योतिष, गणित, तथा विज्ञान विषय की परीक्षायें स्थगित कर दी गई हैं।

११—जो परीक्षार्थी कोई एक विषय लेकर उत्तमा परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुका हो, वह किसी भी अन्य विषय में फिर से परीक्षा दे सकता है और उत्तीर्ण होने पर उसे उस विषय की भी 'रत्न' की उपाधि दी जायगी।

१२—आयुर्वेद की परीक्षा लिखित तथा मौखिक दोनों प्रकार से होंगी।

१३—जो परीक्षार्थी आयुर्वेद, विज्ञान या कृषिशास्त्र विषय लेंगे, उन्हें इस बात का प्रमाण देना होगा कि उन्होंने किन संस्थाओं में इस विषय का क्रियात्मक ज्ञान प्राप्त किया है।

१४—हिन्दी साहित्य, इतिहास, भूगोल, राजनीति, संस्कृत साहित्य, पालि, पुरातत्व, अर्थशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र में उत्तीर्ण होनेवाले परीक्षार्थियों को 'साहित्यरत्न' और गणित, ज्योतिष, कृषिशास्त्र तथा विज्ञान में उत्तीर्ण होने वालों को 'विज्ञानरत्न' की उपाधि दी जायगी। आयुर्वेद में उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों को 'आयुर्वेदरत्न' की उपाधि दी जायगी।

१५—उत्तमा परीक्षा में सम्मिलित होनेवाले प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने आवेदन-पत्र के साथ सम्मेलन की किसी परीक्षा के किसी केन्द्र-व्यवस्थापक द्वारा प्रमाणित अपने चित्र (फोटो) को दो प्रतियाँ भेजनी होंगी, चित्र विना दफ्ती के और ३½—२½ नाप के होने चाहिए। महिलाओं के लिए चित्र भेजना आवश्यक न होगा।

१६—उत्तमा परीक्षा खण्डशः दो वर्षों में ली जायगी। प्रत्येक परीक्षार्थी को प्रथम वर्ष प्रथम खण्ड में सम्मिलित होना होगा। प्रथम खण्ड उत्तीर्ण होने के पश्चात् दूसरे वर्ष परीक्षार्थी द्वितीय खण्ड में सम्मिलित हो सकेगा।

प्रत्येक खण्ड में चार प्रश्नपत्र होंगे और प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक १०० होगा। हिन्दी साहित्य के द्वितीय खण्ड में पांच प्रश्नपत्र होंगे तथा आयुर्वेद रत्न परीक्षा के प्रत्येक खण्ड में चार प्रश्नपत्र के अतिरिक्त १०० अंकों की एक मौखिक परीक्षा भी होगी। आयुर्वेदरत्न परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक होगा कि वे प्रत्येक प्रश्नपत्र में कम से कम २५ गुणांक प्राप्त करें। इससे कम होने पर अनुत्तीर्ण प्रश्नपत्र या प्रश्नपत्रों में पुनः परीक्षा देनी होगी। उत्तमा परीक्षा के प्रत्येक परीक्षार्थी को प्रथम तथा द्वितीय खण्ड में

पृथक्-पृथक् ३६ प्रतिशत अंक प्राप्त करना उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक होगा।

प्रथम खण्ड में उत्तीर्ण होने पर कोई श्रेणी नहीं दी जायगी। द्वितीय खण्ड भी उत्तीर्ण हो जाने पर दोनों खण्डों के प्राप्तांकों के अनुसार ही श्रेणी दी जायगी।

उत्तमा परीक्षा में 'प्रथम', 'द्वितीय' तथा 'तृतीय' श्रेणियां होंगी। प्रथम श्रेणी के लिए ६० प्रतिशत या उससे अधिक और द्वितीय श्रेणी के लिये ४५ प्रतिशत या उससे अधिक तथा तृतीय श्रेणी के लिये ३६ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने चाहिए।

१७—उत्तमा साहित्य परीक्षा द्वितीय खण्ड के पाँचवें प्रश्नपत्र को 'आधुनिक प्रान्तीय भाषा' के प्रश्नपत्रों में विशिष्ट लिपियों का व्यवहार भी होगा।

१८—किसी भी विवरण, जिज्ञासा, असुविधा तथा आरोप के सम्बन्ध में निकटतम केन्द्र व्यवस्थापक से लिखा-पढ़ी कीजिए। यदि कोई शंका या जिज्ञासा ऐसी हो जिसका समाधान प्रयाग कार्यालय से ही हो सकता है तो उसके लिए अत्यन्त संक्षिप्त लिखिए तथा उसके उत्तर के लिए पन्द्रह नए पैसे का लिफाफा अथवा पाँच नये पैसे का कार्ड भी भेजिए।

उत्तमा प्रथम खण्ड

हिन्दी साहित्य

प्रश्नपत्र १

वीरकाव्य, सन्त काव्य तथा प्रेम काव्य

वीरकाव्य २५ अंक, सन्त काव्य ४० अंक, प्रेम काव्य ३५ अंक = १०० अंक।

पाठ्यक्रम—

क—वीरकाव्य

डिंगल में वीर रस : केवल पृथ्वीराज, बांकीदास, तथा कविराज सूर्यमल—मोतीलाल मेनारिया (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

वीरकाव्य : चंद नरपति, नाल्ह, भूषण, तथा भूमिका : उदयनारायण तिवारी (भारती भंडार, इलाहाबाद)।

ख—संत काव्य

सन्त काव्य—परशुराम चतुर्वेदी (किताब महल, प्रयाग)

निम्नांकित कवि :—

प्रारम्भिक युग—नामदेव, रैदास,

मध्ययुग (पूर्वार्द्ध)—नानक, दादू

मध्ययुग (उत्तरार्द्ध)—गुरुगोविन्द सिंह, दरिया साहब

आधुनिक युग—पलटू साहब,

कबीर संग्रह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ग—प्रेम गाथा

सूफी काव्यसंग्रह—सम्पादक—परशुराम चतुर्वेदी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सहायक-ग्रन्थ—

क—वीर काव्य

राजस्थानी भाषा और साहित्य—मोतीलाल मेनारिया (हि० सा० सम्मेलन, प्रयाग)

चंद बरदाई—विपिन बिहारी त्रिवेदी (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

ख—संत काव्य

उत्तर भारत की संत परम्परा—परशुराम चतुर्वेदी (भारती भंडार, इलाहाबाद)

कबीर—हजारीप्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, वम्बई)

ग—प्रेम काव्य

तसब्बुफ और सूफीमत—चंद्रबली पांडेय (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

जायसी ग्रन्थावली (केवल भूमिका भाग) रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

अनुराग बांसुरी (केवल भूमिका भाग) (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

भक्तिकाव्य, रीतिकाव्य तथा नीतिकाव्य

भक्तिकाव्य ५० अंक, रीतिकाव्य ३० अंक, तथा नीति काव्य २० अंक =१०० अंक

क—भक्तिकाव्य

विनयपत्रिका—(स्तोत्रों अर्थात् प्रारम्भ के ६४ पद्यों को छोड़कर)

मीराबाई की पदावली—परशुराम चतुर्वेदी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

भँवरगीत सार : सूरदास—रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

ख—रीति काव्य

केशव कौमुदी भाग १ (आरम्भ के ५ प्रकाश)—केशवदास—लाला भागवानदीन (रामनारायणलाल कटरा, प्रयाग)

बिहारी सतसई (प्रारंभ के चार सौ दोहे) भारतवासी प्रेस, दारागंज, प्रयाग)

काव्य-निर्णय—भिखारीदास (भारत जीवन प्रेस, वाराणसी)

ग—नीति काव्य

रहीम सतसई

वृन्द सतसई
वीर सतसई—वियोगी हरि
सहायक-ग्रन्थ—

क—भक्ति काव्य

गोस्वामी तुलसीदास—रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

तुलसी—माताप्रसाद गुप्त (साहित्य कुटीर, प्रयाग)

सूरदास—ब्रजेश्वर वर्मा (हिन्दी परिषद्, विश्वविद्यालय, प्रयाग)

सूर और उनका साहित्य—हरवंश लाल शर्मा (भारतीय प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़)

मीराबाई—(हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

मीरा : एक अध्ययन—पद्मावती शबनम (लोक सेवक प्रकाशन, काशी)

ख—रीति काव्य

बिहारी की वाग्विभूति—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (हिन्दी साहित्य कुटीर, काशी)

केशव की काव्य कला—कृष्णशंकर शुक्ल (सीताराम प्रेस काशी)

देव और उनकी कविता—नगेन्द्र (गौतम बुकडिपो, दिल्ली)

हिन्दी रीति साहित्य—भगीरथ मिश्र (राजकमल प्रकाशन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३

आधुनिक काव्य

महाकाव्य ६० अंक, गीति काव्य ४० अंक=१०० अंक

क—महाकाव्य

प्रियप्रवास—अयोध्या सिंह उपाध्याय—एकादश सर्ग तक (हिन्दी साहित्य कुटीर, हाथी गली, वाराणसी)

साकेत—मैथिलीशरण गुप्त—नवम सर्गमात्र (साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी)

कामायनी—जयशंकर प्रसाद—आरम्भ से लज्जा तक (भारती भंडार, प्रयाग)

कुरुक्षेत्र—दिनकर (अजन्ता प्रेस, पटना—४)

ख—गीति काव्य

आधुनिक कवि—(भूमिका तथा आरम्भ के २० गीत) सुमित्रानंदन पंत (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

आधुनिक कवि—(भूमिका तथा आरम्भ के २० गीत) रामकुमार वर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

आधुनिक कवि—(भूमिका तथा आरम्भ के २० गीत)—महादेवी वर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सहायक-ग्रन्थ—

महाकवि हरिऔध—गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश' (रामनारायण लाल, प्रयाग)

कवि प्रसाद की काव्य साधना—श्रीरामनाथ 'सुमन' (छात्र हितकारी पुस्तक माला, प्रयाग)

कामायनी सौन्दर्य—फतेह सिंह (भारतेन्दु समिति, कोटा)

जयशंकर प्रसाद—नंददुलारे बाजपेयी (भारती भंडार, प्रयाग)

ज्योति विहग : शान्ति प्रिय द्विवेदी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

साकेत-एक अध्ययन—नगेन्द्र (साहित्यरत्न भंडार, आगरा)

गुप्त जी की काव्यधारा—गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश' (छात्र हितकारी पुस्तक माला, प्रयाग)

आधुनिक काव्यधारा—केशरीनारायण शुक्ल (सरस्वती मन्दिर, काशी)

कवि और काव्य—शान्ति प्रिय द्विवेदी, (इन्डियन प्रेस, प्रयाग)

साहित्य वार्त्ता—'गिरीश' (भारतीय साहित्य मन्दिर फव्वारा, दिल्ली)

प्रश्नपत्र ४

नाटक, कथा तथा निबन्ध

नाटक ३५ अंक, कथा ३५ अंक निवन्ध ३० अंक=१०० अंक
पाठयग्रन्थ—

क—नाटक

चन्द्रगुप्त—जयशंकर प्रसाद (भारती भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग)
चन्द्रावली—भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
दीपदान—रामकुमार वर्मा (लीडर प्रेस, प्रयाग)

ख—कथा

गोदान—प्रेमचन्द (हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग)
दिव्या—यशपाल (विप्लव कार्यालय, लखनऊ)
इक्कीस कहानियाँ—राय कृष्णदास (भारती भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग)
प्रतिनिधि कहानियाँ (केवल भूमिका भाग)—श्री 'पहाड़ी' (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

ग—निबन्ध

चिंतामणि—(पहला भाग) उत्साह, करुणा, क्रोध, भय, घृणा, कविता क्या है ? काव्य में लोक मंडल की साधनावस्था,साधारणीकरण और कवि, वैचित्र्यवाद, रसात्मक बोध के विविधरूप—रामचन्द्र शुक्ल (इंडियन, प्रेस, प्रयाग)

अशोक के फूल (घर जोड़ने की माया, मेरी जन्मभूमि, काव्यकला, एक कुत्ता और एक मैना, साहित्यकारों का दायित्व, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है) हजारीप्रसाद द्विवेदी (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

सहायक-ग्रन्थ—

विवेचना—इलाचन्द्र जोशी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

विचार विमर्श : चन्द्रबली पाण्डे (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास—सोमनाथ गुप्त (हिन्दी भवन, प्रयाग)

हिन्दी गद्य मीमांसा—रमाकान्त त्रिपाठी (हिन्दी साहित्य माला कार्यालय, कानपुर)

हिन्दी उपन्यास—शिवनारायण श्रीवास्तव (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

हिन्दी में निबन्ध साहित्य—जनार्दनस्वरूप अग्रवाल (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास—दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड सन्स, काश्मीरी गेट, दिल्ली)

समीक्षक प्रवर श्री रामचन्द्र शुक्ल—गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश' (रामनारायणलाल कटरा, प्रयाग)

एकता—चन्द्रबली पाण्डेय (हि० सा० सम्मेलन, प्रयाग)

उत्तमा द्वितीय खण्ड

प्रश्नपत्र १

विशेष कवि—१०० अंक

निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का विशेष अध्ययन :—

१. कबीर २. सूरदास, ३. तुलसीदास, ४. केशव, ५. देव, ६. हरिश्चन्द्र, ७. जयशंकर प्रसाद।

१—कबीर

पाठ्यग्रन्थ—

कबीर ग्रन्थावली साखी अंश—श्यामसुन्दरदास (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

कवीर वीजक—हंसदास शास्त्री, महावीर प्रसाद (कवीर ग्रन्थ प्रकाशन समिति मु० तथा पो० हरक, जिला बाराबंकी)

सहायकग्रन्थ—

हिन्दी काव्य में निर्गुणी संप्रदाय—पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल (अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ)

कबीर—हजारीप्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई)

कबीर का रहस्यवाद—रामकुमार वर्मा (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

कबीर की विचारधारा—गोविन्दशरण त्रिगुणायत (साहित्य निकेतन, कानपुर)

२—सूरदास

पाठ्यग्रन्थ

सूरसागर (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

सहायक-ग्रन्थ—

सूरदास—रामचन्द्र शुक्ल (सरस्वती मंदिर, काशी)

सूरदास—व्रजेश्वर वर्मा (हिन्दी परिषद्, विश्वविद्यालय, प्रयाग)

सूर सौरभ—मुंशीराम शर्मा (साहित्य सदन, कानपुर)

सूर और उनका साहित्य—हरवंशलाल (भारतीय प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़)

अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय—दीनदयाल गुप्त (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सूर निर्णय—प्रभुदयाल मित्तल (अग्रवाल प्रेस, मथुरा)

३—तुलसीदास

पाठ्यग्रन्थ

रामचरित मानस

तुलसी ग्रन्थावली दूसरा खंड (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

सहायक ग्रन्थ

गोस्वामी तुलसीदास—रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

तुलसी दर्शन—बलदेवप्रसाद मिश्र (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

तुलसीदास—माताप्रसाद गुप्त (हिन्दी परिषद्, विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

तुलसी—रामबहोरी शुक्ल (हिन्दी भवन, प्रयाग)

तुलसीदास—श्रीकृष्णलाल

४—केशवदास

पाठ्यग्रन्थ

रामचन्द्रिका, कवि प्रिया, रसिकप्रिया, विज्ञान गीता।

सहायक ग्रन्थ

केशव की काव्य कला—कृष्णशंकर शुक्ल (सीताराम प्रेस, काशी)

केशवदास—चन्द्रबली पांडेय (शक्ति कार्यालय, प्रयाग)

५—देव

पाठ्यग्रन्थ

देवसुधा, भावविलास, देवदर्शन, भवानीविलास, रसविलास।

सहायक ग्रन्थ

देव और उनकी कविता—नगेन्द्र (गौतम बुकडिपो, दिल्ली)

देव और बिहारी—कृष्णबिहारी मिश्र (गंगा पुस्तकमाला, लखनऊ)

देवशब्द रसायन-मनोज (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

६—हरिश्चन्द्र

पाठ्यग्रन्थ

भारतेन्दु नाटकावली—श्यामसुन्दरदास (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

सहायक ग्रन्थ

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र—लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (साहित्य भवन, इलाहाबाद)

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र—एक अध्ययन—रामरतन भटनागर (किताब महल, प्रयाग)

भारतेन्दु के निबन्ध—केशरीनारायण शुक्ल (सरस्वती मन्दिर, बनारस)

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र—ब्रजरत्नदास (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

भारतेन्दु की नाट्यकला—प्रेमनारायण शुक्ल (आचार्य शुक्ल साधना सदन, कानपुर)

भारतेन्दु कला—(बंगीय हिन्दी परिषद्, बंकिमचन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता)

भारतेन्दु का नाट्य साहित्य—वीरेन्द्र शुक्ल (रामनारायन लाल कटरा, प्रयाग)

७—जयशंकर प्रसाद

पाठ्यग्रन्थ—

उपन्यास और कहानियाँ

काव्य—झरना, लहर, आंसू, और कामायनी (भारती भंडार, प्रयाग)

नाटक—अजातशत्रु, जनमेजय का नागयज्ञ, स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त तथा ध्रुवस्वामिनी (भारती भंडार, प्रयाग)

निबन्ध—काव्य कला तथा अन्य निबन्ध

सहायक ग्रन्थ—

कवि प्रसाद की काव्य साधना—श्री रामनाथ सुमन (छात्र हितकारी पुस्तक माला, प्रयाग)

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन—जगन्नाथप्रसाद शर्मा (सरस्वती मन्दिर, काशी)

प्रसाद के नाटकीय पात्र—जगदीश नारायण दीक्षित (साहित्य निकेतन, कानपुर)

जयशंकर प्रसाद—नंददुलारे बाजपेयी (भारती भंडार, प्रयाग)

प्रसाद का काव्य—प्रेमचन्द (भारती भंडार, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २

भाषाविज्ञान तथा हिन्दी भाषा का इतिहास १०० अंक
५० अंक भाषा विज्ञान तथा ५० अंक हिन्दी भाषा के इतिहास में होंगे।

क—भाषा विज्ञान

सहायक ग्रन्थ—

सामान्य भाषा विज्ञान—बाबूराम सक्सेना (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

भाषा विज्ञान—भोलानाथ तिवारी (किताब महल, प्रयाग)

ख—हिन्दी भाषा का इतिहास

सहायक ग्रन्थ—

भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी—सुनीति कुमार चटर्जी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

हिन्दी भाषा का इतिहास—धीरेन्द्र वर्मा (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

हिन्दी भाषा का उद्गम तथा विकास—उदयनारायण तिवारी (लीडर प्रेस, इलाहाबाद)

दक्खिनी हिन्दी—बाबूराम सक्सेना (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

ब्रजभाषा का व्याकरण—किशोरीदास बाजपेयी (हिमाचल प्रकाशन, कनखल, सहारनपुर)

शब्द साधना—रामचन्द्र वर्मा (धर्म कूप, काशी)

प्रश्नपत्र ३

साहित्यालोचन, साहित्य का इतिहास तथा काव्यशास्त्र

अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा—

साहित्यालोचन ३० अंक साहित्य का इतिहास ४० अंक तथा काव्य शास्त्र ३० अंक=१०० अंक

क—साहित्यालोचन

सहायक-ग्रन्थ—

साहित्यालोचन—श्यामसुन्दरदास (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

साहित्य मीमांसा—सूर्यकान्त (हिन्दी भवन, प्रयाग)

समीक्षा शास्त्र—सीताराम चतुर्वेदी (अखिल भारतीय विक्रम परिषद, काशी)

आलोचना, इतिहास तथा सिद्धांत—एस० पी० खत्री (राजकमल प्रकाशन, प्रयाग)

ख—साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल (ना० प्र० स०, काशी)

हिन्दी साहित्य की भूमिका—हजारीप्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई)

आलोचनात्मक इतिहास—रामकुमार वर्मा (रामनारायण लाल, प्रयाग)

आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका—लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (हिन्दी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद)

हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास—रामबहोरी शुक्ल (हिन्दी भवन, प्रयाग)

ग—काव्य शास्त्र

काव्य दर्पण—रामदहिन मिश्र (ग्रन्थमाला कार्यालय, बांकीपुर, पटना)

रस मीमांसा—रामचन्द्र शुक्ल (ना० प्र० स० काशी)

काव्यशास्त्र—भागीरथ मिश्र (विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर)

प्रश्नपत्र ४

निबन्ध—१०० अंक

प्रश्नपत्र ५

प्राचीन भाषा, आधुनिक प्रान्तीय भाषा—१०० अंक

प्राचीन भाषा

संस्कृत, पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश में से एक विषय—५० अंक पाठ्यग्रन्थ—

संस्कृत

रघुवंश—१३ वाँ सर्ग

मित्रलाभ

पाली

सच्च संगहो (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

पालिप्रबोध व्याकरण—आद्यादत्त ठक्कुर (गंगा पुस्तक माला, लखनऊ)

प्राकृत

प्राकृत प्रवेशिका—(मोतीलाल बनारसीदास, काशी)

अपभ्रंश

अपभ्रंश प्रकाश—देवेन्द्र कुमार (बर्णी जैन ग्रन्थमाला, काशी)

आधुनिक प्रान्तीय भाषा

मराठी, गुजराती, बंगला, तेलुगु, मलयालम कन्नड़ तामिल, तथा सिन्धी में से एक विषय—५० अंक

मराठी

पद्य—

दैनिक स्वाध्याय—सं० श्री दाण्डेकर (अ० वि० गृह, पूना २)

गद्य—

प्रतिभा-साधन—नारायण सीताराम फड़के (अंजलि प्रकाशन, बम्बई १)

अथवा

स्वैर विचार—ग० त्र्यं० माडखोलकर (वीणा प्रकाशन, नागपुर)

परीक्षार्थियों के लिए मराठी व्याकरण तथा इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन अपेक्षित है।

सहायक-ग्रन्थ—

मराठी का संक्षिप्त इतिहास—प्रो० गोडबोले, (गयाप्रसाद एन्ड सन्स, आगरा)

इस प्रश्नपत्र में कम से कम दस अंक मराठी भाषा में ही उत्तर दिए जाने के लिए ही रक्खे जायँगे।

गुजराती

पद्य—

काव्य समुच्चय रामनारायण पाठक (गुर्जर ग्रन्थरत्न कार्यालय, गांधी मार्ग, अहमदाबाद)

गद्य—

जीवन नो आनन्द—काका साहब कालेलकर (नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, आश्रमरोड, अहमदाबाद १४)

सहायक-ग्रन्थ—

गुजराती अर्वाचीन साहित्य ना विकास नी रूपरेखा—धीरूभाई ठाकर (पोपुलर बुकस्टाल, सूरत)

गुजराती साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (राष्ट्रभाषा पुस्तकमाला, ग्वालियर टैंक, बम्बई)

नोट—

(अ) प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक गुजराती भाषा में ही उत्तर दिये जाने के लिये रखे जायेंगे।

(आ) पुस्तकों का अध्ययन भाषा और विषय की दृष्टि से विस्तृत रूप से होना आवश्यक है।

बंगला

१. साहित्य-संचयन—राधारमण चक्रवर्ती (स्टूण्डेटस् फ्रेण्ड्स, प्रयाग) नवीन संस्करण (मातृभाषा समादर, नेत्र परीक्षा, विराट पुरुष टाइटेनिकेर तिरोधान, खगिरांगार जातक, विद्यासागर चरित्रेर विशेषत्व, राजा राममोहन राय व दुइखानि छवि नामक निबन्धों को छोड़कर)

२. काव्य-प्रतिभा—किरणचन्द्र सिंह (पृष्ठ १–५८) (कमला प्रेस, गोधौलिया, काशी)

३. बंगला साहित्य की कथा—सुकुमार सेन (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक बंगला भाषा में ही उत्तर दिये जाने के लिए रखे जायँगे।

तेलुगु

गद्य-पद्य-संग्रहम-जनमंटि—सुब्रह्मण्यम शर्मा (वाविला रामस्वामी शास्त्रलु एण्ड संस, मद्रास)

आंध्र वांगमय-चरित्र-संग्रहम—कवित्व वेदी (वाविला प्रेस, मद्रास)

तेलुगु और उसका साहित्य—(राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

तेलुगु और उसका साहित्य—हनुमच्छा स्त्री "अमाचित"

प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक तेलुगु भाषा में उत्तर दिये जाने के लिये रखे जायँगे।

मलयालम्

पद्य—

चितायविष्टाय सीता—एन० कुमारनाथन्

गद्य—

तच्चोलि ओतेनन्—कढतानाट्ट० के० माधवी अम्मा
व्याकरण तथा साहित्य का इतिहास—
राजवर्म राजा—केरलपाणिनीयम
प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक मलयालम् भाषा में ही उत्तर दिए जाने के लिए रखे जायँगे।

कन्नड़

पद्य—

कन्नड बावुट—(मोदन तेने छोड़कर) (कर्णाटक साहित्य परिषद् मंदिर, चामराजपेट, बंगलौर)

गद्य—

कर्णाटक गत वैभव—श्री आ० वेंकट राव, (साधन केटि, धारवाड़)
पंचभारत सार, पूर्व भाग—जी० पी० राजरत्न (हिन्द किताब लि० बम्बई)

साहित्यमत्तु जीवन—श्री अ० न० कृष्णराव

सहायक-ग्रन्थ—

१—कर्णाटक कद कैपिडि—रूपा० श्री डी० डी० भारद्वाज

२—कन्नड़ कैपिडि—(मैसूर विश्वविद्यालय) केवल भाषा के इतिहास से सम्बन्ध रखने वाला भाग

३—कन्नड़ साहित्य—श्री वेंकटरामय्य

४—साहित्य शक्ति—डि० वि० गुण्डप्प (काव्यालय पब्लिशर्स, मैसूर)

प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक कन्नड़ भाषा में ही उत्तर दिये जाने के लिए रखे जायँगे।

तमिल

परिक्षार्थियों को तमिल साहित्य का ज्ञान होना आवश्यक है। तमिल साहित्य के इतिहास और आधुनिक गद्य तथा पद्य की प्रगति से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

सहायक-ग्रन्थ—

तमिल और उसका साहित्य—पूर्ण सोम सुन्दरम्

तमिल साहित्य का इतिहास (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक तमिल भाषा में ही उत्तर दिये जाने के लिए रखे जायँगे।

सिन्धी

परीक्षार्थियों को सिन्धी साहित्य का ज्ञान होना आवश्यक है। सिन्धी साहित्य के इतिहास और आधुनिक गद्य तथा पद्य की प्रगति से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायँगे।

इस प्रश्नपत्र में कम से कम १० अंक सिन्धी भाषा में ही उत्तर दिये जाने के लिए रखे जायगे।

संस्कृत साहित्य

प्रथम खण्ड

इस विषय में पांच प्रश्नपत्र होंगे जिनमें से कोई चार प्रश्नपत्र लेने होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र १०० अंकों का होगा। जहां स्पष्ट रूप से अन्यथा निर्दिष्ट न हो वहां प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में ही होने चाहिए।

प्रश्नपत्र १—वैदिक साहित्य

सहायक-ग्रन्थ—

वैदिक मंत्र संग्रह—मिटठूलाल शास्त्री (लीडर प्रेस, प्रयाग)

छान्दोग्य उपनिषद

ऐतरेय ब्राह्मण का शुनः शेप आख्यान

वैदिक साहित्य और संस्कृति—बलदेव उपाध्याय (शारदा मंदिर, बनारस)

परीक्षार्थियों से वैदिक व्याकरण, वैदिक साहित्य, मीमांसा तथा छन्द आदि पर भी प्रश्न पूछे जा सकेंगे। इनका ज्ञान नीचे लिखी पुस्तकों से संग्रह किया जा सकता है—

निरुक्त—१–२

सिद्धांत कौमुदी—वैदिकी प्रक्रिया

ऋग्वेद भाष्य भूमिका—सायण

प्रश्नपत्र २—रूपक तथा नाटच लक्षण

सहायक-ग्रन्थ—

दश रूपक-धनञ्जय—४० अंक

अभिज्ञान शाकुन्तल—कालिदास—२० अंक

उत्तररामचरित—२० अंक

रत्नावली—२० अंक

परीक्षार्थियों से प्रत्येक कवि के जीवन-वृत्त तथा उनकी विशेषताओं के संबंध में प्रश्न किये जा सकेंगे।

प्रश्नपत्र ३—गद्य

सहायक-ग्रन्थ—

कादम्बरी—पूर्वभाग—वाण भट्ट

शिवराज विजय १–५ निश्वास—अंबिकादत्त व्यास

नल चम्पू—त्रिविक्रम भट्ट—१–२ उच्छवास

परीक्षार्थियों से इन लेखकों के जीवन-वृत्त तथा उनकी विशेषताओं के संबंध में भी प्रश्न किये जा सकेंगे।

प्रश्नपत्र ४—व्याकरण

सहायक-ग्रन्थ—

लघु-सिद्धांत-कौमुदी—वरदराजाचार्य—६० अंक
पाणिनीय शिक्षा—पाणिनि—२० अंक
महाभाष्य—(प्रथम आह्निक) पतंजलि—२० अंक

प्रश्नपत्र ५—रस, अलंकार और छन्द-शास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

साहित्य-दर्पण—विश्वनाथ कविराज (मोतीलाल बनारसीलाल, हाथी गली, बनारस)

वृत्त-रत्नाकर—केदार भट्ट

संस्कृत आलोचना—बलदेव उपाध्याय (प्रकाशन ब्यूरो, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ)

संस्कृत साहित्य

द्वितीय खण्ड

इसमें चार प्रश्नपत्र होंगे और प्रत्येक प्रश्नपत्र १०० अंकों का होगा।

प्रश्नपत्र १—दर्शन और धर्म-शास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

तर्क-संग्रह—अन्नम्भट्ट—२५ अंक
वेदान्त-सार—सदानन्द—२५ अंक
श्रीमद्भगवद्गीता—२५ अंक
सांख्यकारिका

याज्ञवल्क्य-स्मृति—(आचाराध्याय)

भारतीय दर्शन—बलदेव उपाध्याय (शारदा मन्दिर, काशी)

प्रश्नपत्र २—पद्य

सहायक-ग्रन्थ—

किरातार्जुनीय, १ से ३ सर्ग तक—भारवि

शिशुपालवध, ११ से १४ सर्ग तक—माघ (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

नैषध चरित्र, १ से ५ सर्ग तक—श्री हर्ष

इसमें परीक्षार्थियों से रस, अलंकार, छन्द एवं अन्य काव्यसौन्दर्य संबंधी प्रश्न भी किये जा सकेंगे।

प्रश्नपत्र ३—संस्कृत-साहित्य का इतिहास

सहायक-ग्रन्थ—

संस्कृत साहित्य का इतिहास—सेठ कन्हैयालाल पोद्दार (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

संस्कृत साहित्य का इतिहास—बलदेव उपाध्याय, (शारदा मन्दिर, काशी)

संस्कृत-कवि-चर्चा—बलदेव उपाध्याय

संस्कृत साहित्य की रूपरेखा—चन्द्रशेखर पाण्डेय (साहित्य निकेतन, कानपुर)

संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास—हंसराज अग्रवाल (शक्ति प्रकाशन, माडल टाउन, लुधियाना)

सम्राट् विक्रमादित्य तथा उनके नवरत्न—ईशदत्त पाण्डेय 'श्रीश' (मातृभाषा मन्दिर, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध तथा पद्य रचना

पद्य-रचना के लिए निम्नलिखित छन्द नियत हैं—

उपजाति, द्रुतविलम्बित वंशस्थ, वसन्त-तिलका, मालिनी, शिखरिणी तथा आर्य्या।

टिप्पणी—पद्य-रचना के लिए केवल २० अंक हैं।

पालि साहित्य

प्रथम खण्ड

इस विषय में ४ प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १

(क) दीघनिकाय से (१) ब्रह्मबलसुत्त, (२) सिगालोवादसुत्त और (३) महापरि-निब्बानसुत्त।

(ख) मज्झिम निकाय से (१) मूलपरियायसुत्त, (२) सब्बासव-सुत्त, (३) सम्मादिट्ठितसुत्त, (४) रथविनीतसुत्त, महाराहुलोवादसुत्त।

(ग) संयुक्तनिकाय।

प्रश्नपत्र २

(१) उदान, (२) सुत्तनिपात के प्रथम दो वर्ग, (३) थेरगाथा, (४) थेरीगाथा।

प्रश्नपत्र ३

विनयपिटक से (क) महावग्ग, प्रथम पांच खन्धक, (ख) चुल्लवग्ग, खन्धक ५, ७, १०, ११, १२।

प्रश्नपत्र ४—दर्शन

(क) कथावत्थु का प्रथम वर्ग

(ख) अभिवम्मत्थ संगहो—धम्मानन्द जी कौशाम्बी

(ग) मिलिन्दपञ्हो से पुच्छविसज्जना तथा वर्ग २ व ३

पालि साहित्य

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—इतिहास

(क) महावंश—परिच्छेद १–३२
(ख) सासनवंस—परिच्छेद ३ व ६
(ग) अलोक के धर्मलेख (ना० प्र० सभा, काशी)

प्रश्नपत्र २

बौद्ध धर्म तथा साहित्य का इतिहास। बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदायों के सिद्धांतों के साधारण ज्ञान की आशा की जायगी।

निम्नलिखित ग्रन्थों से सहायता ली जा सकती है—

बौद्धधर्म दर्शन—आचार्य नरेन्द्र देव (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना–३)

हिस्ट्री ऑव पालि लिटरेचर—वी० सी० लॉ

मैन्युअल ऑव इन्डियन बुद्धिज्म—कर्ण

हिस्ट्री ऑव बुद्धिस्ट थॉट—टॉमस

सिस्टम ऑव बुद्धिस्टिक थॉट—यमकामी सोजन

दि डॉक्टिन ऑव दि बुद्ध—ग्रिम

बौद्ध संस्कृति—राहुल सांकृत्यायन (आधुनिक पुस्तक भवन, कलाकार स्ट्रीट, कलकत्ता–७)

तिब्बत में बौद्ध धर्म—राहुल सांस्कृत्यायन

पालि साहित्य का इतिहास—भरतसिंह उपाध्याय (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३—पालि व्याकरण

पालि भाषा के संस्कृत तथा प्राकृत भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन पर साधारण ज्ञान की आशा की जायगी। नीचे लिखे ग्रन्थों से सहायता ली जा सकती है—

पालि-व्याकरण—कच्चायन

पालि महाव्याकरण—जगदीश काश्यप (महाबोधि सोसायटी, सारनाथ, काशी)

प्राकृत-प्रवेश—बुलनर

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध और अनुवाद

(क) हिन्दी से पालि में अनुवाद

(ख) पालि में निबन्ध

दर्शन शास्त्र

प्रथम खण्ड

इस विषय में ५ प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षार्थियों को इन पाँचों प्रश्नपत्रों में से किन्हीं चार प्रश्नपत्रों को लेना होगा।

प्रश्नपत्र १—न्याय-वैशेषिक

सहायक-ग्रन्थ—

न्यायसिद्धान्त मुक्तावली—निर्मल साधु गोविंदसिंह कृत भाषा टीका (बम्बई)

न्याय दर्शनम्, वास्त्यायन भाष्य सहित—प्रभुदयाल—हिन्दी भाषानुवाद (बम्बई)

वैशेषिक-दर्शन—गंगानाथ झा (ना० प्र० सभा, काशी)

वैशेषिक-दर्शनम् तथा टीका—प्रभुदयाल (बम्बई)

भारतीय तर्कशास्त्र की रूपरेखा—उमेश मिश्र (रामनारायण लाल कटरा, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—सांख्ययोग

सहायक-ग्रन्थ—

सांख्यतत्त्वकौमुदी, भाषाटीका—वाचस्पति मिश्र (मेहरचन्द लक्ष्मण-दास संस्कृत पुस्तकालय, दिल्ली)

योग-दर्शनम् भोजवृत्ति सहित

सांख्य-सूत्र—भाषानुवाद (मुरादाबाद)

प्रश्नपत्र ३—वेदान्त

सहायक-ग्रन्थ—

ब्रह्मसूत्र—शाँकर भाष्य, अध्याय १, पाद १, सूत्र, १-४ तथा अध्याय २ पाद २ और अध्याय ३, पाद २ भाषानुवाद (भोले बाबा, अच्युत ग्रन्थ-माला कार्यालय, काशी)

विद्यारण्य—पंचदशी १-७ अध्याय, पं० मिहिरचन्द्र कृत भाषा टीका (बम्बई)

प्रश्नपत्र ४—षड् दर्शनेतर भारतीय दर्शन

सहायक-ग्रन्थ—

सर्वदर्शन संग्रह—राजाराम (चार्वाक, बौद्ध तथा जैन दर्शन)

मिलिन्द प्रश्न—हिन्दी अनुवाद (महाबोधि सोसायटी, सारनाथ)

उमास्वाति-तत्वार्थसूत्र—पं० सुखलालजी

प्रश्नपत्र ५—उपनिषत्

सहायक-ग्रन्थ—

छान्दोग्योपनिषद् (गीता प्रेस, गोरखपुर)

कठोपनिषद् (गीता प्रेस, गोरखपुर)

कंस्ट्रक्टिव सर्वे ऑव उपनिषदिक फिलौसफी—रानाडे

दर्शन शास्त्र

द्वितीय खण्ड

इस विषय में ६ प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षार्थियों को इन ६ प्रश्नपत्रों में से किन्हीं भी चार प्रश्नपत्रों को लेना होगा। छठा प्रश्नपत्र अनिवार्य है।

प्रश्नपत्र १—भारतीय दर्शनों का इतिहास

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय दर्शन—बलदेव उपाध्याय (शारदा मन्दिर, वाराणसी)

वेदान्त दर्शन भूमिका—गोपीनाथ कविराज (अच्युत-ग्रन्थमाला, कार्यालय, वाराणसी)

प्राचीन-वैष्णव संप्रदाय—उमेश मिश्र (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

भागवत संप्रदाय—बलदेव उपाध्याय (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

प्रश्नपत्र २—पाश्चात्य तर्क और ज्ञानमीमांसा

सहायक-ग्रन्थ—

पाश्चात्य तर्कशास्त्र (निगमन एवं व्याप्ति) भिक्षु जगदीश काश्यप (प्रेस बुकडिपो, काशी विश्वविद्यालय, वाराणसी)

इन्ट्रोडक्शन टु लॉजिक—जोअफ

नॉलेज एण्ड ट्रुथ—राइड

प्रश्नपत्र ३—पाश्चात्य दर्शन

सहायक-ग्रन्थ—

पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास—गुलाबराय (काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

बर्कले और कैण्ट (मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर)

दि ऐप्रोच टु फिलौसफी—पेरी

पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास—देवराज तथा जैतली (गौतम ब्रदर्स, कानपुर)

प्रश्नपत्र ४—मनोविज्ञान

पाठ्य-ग्रन्थ—

बालमनोविकास—लालजीराम शुक्ल (नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी)

सामान्य मनोविज्ञान—अर्जुन चौबे कश्यप (राजराजेश्वरी प्रेस, गया)

मैन्युअल ऑव साइकोलॉजी—स्टाउट

मनोविज्ञान—उडवर्थ और मार्क्युस (हिन्दी संस्करण) अपर इंडिया पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ)

प्रश्नपत्र ५—पश्चिमी आचार-शास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

रिपब्लिक तथा नेटलशिप्स लेक्चर्स—प्लेटो (हिन्दी संस्करण) (किताब महल, प्रयाग)

निकोमैशियन एथिक्स—पीटर्सन विलियम्स द्वारा अनुवादित एरिस्टोटिल—

कर्तव्यशास्त्र—(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

एलिमेण्टस ऑव एथिक्स—म्यूरहेड

नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक परिचय—(सेण्ट्रल बुक डिपो, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ६—निबन्ध

ज्योतिष शास्त्र

प्रथम खण्ड

प्रथम खण्ड में चार प्रश्नपत्र होंगे—

प्रश्नपत्र १—भारतीय ज्योतिष

भारतीय ज्योतिष सिद्धांत का तुलनात्मक अध्ययन

सहायक-ग्रन्थ—

सूर्यसिद्धान्त—इन्द्र नारायण द्विवेदी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

सूर्यसिद्धान्त का विज्ञान भाष्य—महावीरप्रसाद श्रीवास्तव (विज्ञान परिषद्, प्रयाग)

आर्यभटीय

ब्रह्म स्फुट सिद्धांत—सुधाकर

सिद्धांत शिरोमणि —(गोलाध्याय और गणिताध्याय)

सिद्धान्ततत्व विवेक—गंगाधर मिश्र (नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ)

प्रश्नपत्र २—वेदांग ज्योतिष, करण ग्रन्थ तथा सामुद्रिक

सहायक-ग्रन्थ—

आर्च और याजुष ज्योतिष—सुधाकर

अथर्व ज्योतिष

पंचसिद्धांतिका—सुधाकर

ग्रहलाघव—मल्लारि—विश्वनाथ तथा सुधाकर की टीका सहित

प्रश्नपत्र ३—जातक और ताजिक

सहायक-ग्रन्थ—

बृहज्जातक और नीलकण्ठी

जैमिनीसूत्र

फलित विकास—रामयत्न ओझा (ज्ञान मण्डल, काशी)

हायनरत्न

प्रश्नपत्र ४—मुहूर्त्त, संहिता और प्रश्न

सहायक-ग्रन्थ—

रत्नसार—हरिनन्दन मिश्र ज्योतिषाचार्य (श्रीराम संस्कृत विद्यालय, चटाई मोहाल, कानपुर)

मुहूर्त-चिंतामणि (पीयूषधारा टीका)

केरलीय प्रश्नोत्तरी

वृहत्संहिता

ज्योतिष शास्त्र

द्वितीय खण्ड

द्वितीय खण्ड में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—इतिहास

भारतीय ज्योतिष के विकास का इतिहास और मतमतान्तर

सहायक-ग्रन्थ—

मराठी का भारतीय ज्योतिषशास्त्र

महाराष्ट्री पंचांगैक्य मंडल, पूना के अधिवेशनों के वृत्तांत

प्रश्नपत्र २—अर्वाचीन ज्योतिष-सिद्धान्त

सहायक-ग्रन्थ—

ट्रीटाइज ऑन एस्ट्रानामी—गॉडफे

सौर जगत्—चन्द्रशेखर मिश्र

गोलीय त्रिकोणमिति

ज्योतिर्गणित—वेंकटेश वापू केतकर

प्रश्नपत्र ३—गणित

ज्योतिष संबंधी गणित और विज्ञान

सहायक-ग्रन्थ—

त्रिकोणमिति (विशेषकर घातप्रमाणक, संख्या, ऊंचाई और दूरी के प्रश्न)

बीजगणित—झम्मनलाल शर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

शंकु-ज्यामिति—परवलय और दीर्घवृत्त

बीजज्यामिति (सरल रेखा, वृत्त, दीर्घवृत्त, परवलय, समकोण और ध्रुवीय भुजयुग्म)

प्रकाशविज्ञान-रिफ्लेक्शन, रिफ्रैक्शन, प्रिज्म, लेन्सेज, सेक्सटेण्ट, टेलिसकोप, डिस्परेशन, स्पेकट्रम।

गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत—गति, गतिबुद्धि, गतियों का समानान्तर, चतुर्भुज, वक्रगति, नियत कालिक गति, न्यटन के गति के तीन नियम, न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत, कैविण्डशका प्रयोग, लोलक प्रयोग

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध

पुरातत्त्व

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—अशोक के धर्मलेख, उनकी भाषा और लिपि

सहायक-ग्रन्थ—

अशोक के धर्मलेख—जनार्दन भट्ट (ज्ञान मंडल का०, काशी)

पालि का संक्षिप्त व्याकरण—जनार्दन भट्ट (अ) का परिशिष्ट २—पृष्ठ ४१८–४७५

भारतीय तत्व—नगेन्द्रनाथ बसु अथवा हिन्दी विश्वकोष में 'अक्षर लिपि' शब्द

भारतीय प्राचीन लिपिमाला—गौरीशंकर हीराचन्द ओझा, पृष्ठ १–५० तथा लिपिपत्र, १-५, ६५

इन्सक्रिप्शनम् इन्डिकारम्, पहला भाग—एफ० हुलजेच

(क) इन्सक्रिप्शन्स का टेक्स्ट और अनुवाद

तथा

(ख) भूनिका से ग्रामर के अध्याय ६ से ११

अशोक—डी० आर० भंडारकर (कलकत्ता यूनिवर्सिटी प्रेस)

अशोक—वी० ए० स्मिथ (रूलर्स आफ इंडिया सीरीज)

इंडियन पालियोग्रेफी—रूलर

ओरिजिन ऑफ इंडियन अल्फावेट—शर्मा शास्त्री

(इंडियन इन्टीक्वेरी भाग × × ×)

दी ओरिजन ऑफ अल्फावेट (प्रोसिडिंग्स आव् फर्स्ट ओरियंटल कॉन्फरेंस पूना १९१९ भाग २, पृष्ठ ३०५-३१८ डी० आर० भंडारकर

दि ओरिजन आफ दि ब्राह्मी अल्फावेट (प्रोसिडिंग्स आव् फोर्थ ओरियंटल कॉन्फ्रेंस, इलाहाबाद, १९२६, भाग २) आई० जे० एस० तारापुरवाला)

आदि भारत—१२ वां अध्याय—अर्जुन चौवे काश्यप (वाणी विहार, काशी)

सम्राट् अशोक—श्री सम्पूर्णानन्द (काशी विद्यापीठ, काशी)

अशोक एण्ड हिज इन्स्क्रीप्शन्स—पार्ट १ व २—वसु

अशोक—राधामुकुन्द मुकर्जी

अशोक—मि० छैल

अशोक एण्ड बुद्ध—गोखले

प्रश्नपत्र २—लेख विशेष

चैत्रवंशीय श्री खारवेल महामेधवाहन का उदयगिरि (हाथी गुम्फा) लेख। शुंग आन्ध्र (शातवाहन) वंशियों, कुषाण और क्षत्रपों के लेख और उनकी भाषा तथा लिपि।

सहायक-ग्रन्थ—

जर्नल आव बिहार ऐंड उड़ीसा रिसर्च सोसाइटी, जिल्द ३, दिसंबर १९१७ (पृष्ठ ४२५-५०७)

इंडियन ऐण्टीक्वेरी—जिल्द १० पृष्ठ १५७, ३२४; जिल्द १२, पृष्ठ २७३; जिल्द १४, पृष्ठ १३८, ३३१; जिल्द २५, पृष्ठ २८

आर्कियोलाजिकल सर्वे ऑव वैस्टर्न इन्डिया—जिल्द ५ सं० १—२

एपिग्राफिका इंडिया—जिल्द १, २, ७, ११ तथा मुख्यतः जिल्द ८ के इस प्रश्नपत्र विषयक सब लेख।

भावनगर इन्सक्रिप्शन्स—रुद्रदामा का जूनागढ़वाला लेख तथा प्लेट १७-१९

भारतीय प्राचीन लिपिमाला—ओझा—पृष्ठ ५१—५९, १७—१२९ तथा लिपिपत्र ६—१०, ६६—६८

प्राकृत प्रकाश वररुचि—

जे० बी० एण्ड ओ०, रिसर्च सोसाइटी भाग ४ अध्याय, १ पृष्ठ संख्या ९९—१०० सितम्बर १९१८

जे० आर० ए० एस० बी० १९१०, पृष्ठ संख्या २४२-३४४ तथा ८२४-२८, इंडियन एण्टिक्वेरी १९१८, पृष्ठ २३३ तथा १९१९ पृष्ठ संख्या १८१-१८२

जे० आर० ए० एस० बी०, १८८०, भाग१ पृष्ठ संख्या २१-२२ २७-९० तक

जे० एण्ड प्र० ए० एस० बी० १९१२, पृष्ठ संख्या २७८

क्वाऐंस आफ ऐंशिएंट इंडिया संख्या ६६, ७४, ७९, ९३

—कनिंघम

कैटेलाग आफ क्वाऐंस आदि—रैपसन

प्रश्नपत्र ३—गुप्तवंशी लेख इत्यादि

गुप्तवंशीय और तत्समकालिक तथा तदनुकालीन राजाओं के लेख (संकलित)

सहायक-ग्रन्थ——

इन्सक्रिप्शनम् इंडिकारम् भाग ३ (गुप्त इन्सक्रिप्शन्)
जे० एफ० फ्लीट द्वारा सं० १, १३, १४, १५, १६, १७, १८
(प्राचीन लेखमाला अंक २६) २४, २५, २७, ३१, ३३
(प्राचीन लेखमाला २८) ३५
(प्राचीन लेखमाला २७) ३७, ४१, ४६, ५१, ७१
(प्राचीन लेखमाला ३१) ७९

(प्राचीन लेखमाला (निर्णयसागर प्रेस), भाग १—लेखांक २, १६, १७, ३५, ६०; भाग २—६४, ८५, ९१, ९२, ९६, ९७, १०२, १०५, १०७, १०८, १२०, १२४ (ये लेखांक अनुक्रमणिका के अनुसार दिये गये हैं)

भाग३—१२६, १२७, १३०, १५९, १६२, १७०
नागरी अंक और अक्षर —ओझा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

अन्य सहायक-ग्रन्थ—

कैटलाग आफ दि क्वाइन्स आफ दि गुप्ता डायनेस्टीज, इंट्रोडक्शन चैप्टर

हिस्ट्री एण्ड क्रॉनोलोजी—पृष्ठ संख्या १४ से ६४—जान एलन
इंडियन न्यूमिस्मेटिक्स—डी० आर० भंडारकर (कलकत्ता यूनिवर्सिटी)

आइडेण्टिफिकेशन आफ दि परसन्स एण्ड प्लेसेज इन दि इलाहाबाद पिलर इन्सक्रिप्शन—डी० आर० भंडारकर

इंडियन हिस्टारिकल क्वार्टरली, कलकत्ता; भाग १ नं० २, जून १९१५

भारतीय प्राचीन लिपिमाला, ओझा—पृष्ठ ६०–८३ लिपि-पत्र १६-४२

प्रश्नपत्र ४—प्राचीन भारतीय इतिहास

सहायक-ग्रन्थ—

अर्ली हिस्ट्री आफ इंडिया (नया एडिशन) —वी० ए० स्मिथ

अर्ली हिस्ट्री आफ इण्डिया—नगेन्द्रनाथ घोष

भारत का वृहत् इतिहास—श्री नेत्र पाण्डे (स्टूडेन्ट्स फ्रेंन्ड्स, प्रयाग)

प्राचीन भारत का इतिहास—भगवतशरण उपाध्याय (ग्रन्थमाला कार्यालय, बाँकीपुर, पटना)

आदि भारत—अर्जुन चौवे काश्यप (वाणी बिहार, वाराणसी)

भारतीय इतिहास की भूमिका—राजबली पाण्डेय (हिन्दू विश्व-विद्यालय, वाराणसी)

प्राचीन भारत का इतिहास—रमाशंकर त्रिपाठी (नन्दकिशोर ब्रदर्स, वाराणसी)

हिन्दू सभ्यता—राधा कुमुद मुकर्जी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

कारमाइकल लेक्चर्स फर्स्ट सीरीज १९१८—डी० आर० भंडारकर, कलकत्ता यूनिवर्सिटी)

इन्ट्रोडक्शन टू कल्हण्स राजतरंगिणी—स्टेन

पोलिटिकल हिस्ट्री आफ एंशिएंट इंडिया—हेमचन्द्र राय चौधरी (कलकत्ता यूनिवर्सिटी प्रेस)

ऐंशिएंट इंडिया—रैप्सन

कैम्ब्रिज हिस्ट्री आफ इंडिया भाग १ चैप्टर १—४, ८-४२, १९

कालिदास और उनका युग—भगवत शरण उपाध्याय (विद्याभवन, इलाहाबाद)

पुरातत्त्व

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—प्राचीन भूगोल और यात्राएँ

सहायक-ग्रन्थ—

मार्कण्डेयपुराण—भुवकेश

टोपोग्रैफिकल लिस्ट आफ दि वृहत्संहिता, (इंडिया एंटि० १८९३ पृष्ठ संख्या १६९, १९५)

मेगस्थनीज का भारतवर्ष—अवधविहारी शरण (नागरी प्रचारिणी सभा, आरा)

फाहियान—जगमोहन वर्मा (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

वेदिक इंडैक्स—मैकडानेल एण्ड कीथ (जागरिफिकल पोजिशन)

ऐंशिएंट जागरफी आफ इंडिया—कनिघम (रिवाइज्ड एडीशन)

ह्वनचांग—वट्स

सुंगयुन—जगन्मोहन वर्मा (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)

इत्सिग की भारत यात्रा—सन्तराम (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

अलवेरूनी (दोनों भाग) (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—प्राचीन शिल्प और कला

इस विषय का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है जिसके लिए निम्नलिखित पुस्तकों की सहायता ली जा सकती है—

इंट्रोडक्शन टू इंडियन आर्ट—कुमार स्वामी

एलीमेंट्स आफ हिन्दू आईकोनोग्रेफी—भरहूत इन्सक्रिप्शन्स—गोपीनाथ राव (कलकत्ता युनिवर्सिटी)

इंडियन स्कलपचर ऐंड पेंटिंग—हैवेल

ऐंशिएंट ऐंड मेडिवल आर्किटेक्चर आफ इंडिया—हैवेल

हिस्ट्री आफ इंडियन एण्ड ईस्टर्न आर्किटेक्चर, भाग १ व २—फार्गुसन विष्णुधर्मोत्तरम्।

गजेटियर आफ दि गया डिस्ट्रिक्ट (संशोधित संस्करण) विशेषत: गया के प्राचीन शिल्प, स्थापत्य एवं तक्षणकला-संबंधी लेख।

प्रश्नपत्र ३—प्रकीर्ण-विषय

सहायक-ग्रन्थ——

प्राचीन भारतीय लिपिमाला—ओझा पृष्ठ १२९–१९६

अर्थशास्त्र—कौटिल्य (हिन्दी अनुवाद)

प्राचीन भारतीय राजनीति—डा० आनन्द सदाशिव अलोकर (भारती भण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग)

इम्पीरियल गजेटियर, भाग १, अध्याय १ से ६

ऋग्वेदिक कल्चर—ए० सी० दास (कलकत्ता यूनिवर्सिटी प्रेस)

ऐशिएण्ट इंडियन हिस्टारिकल ट्रेडिशन—पारजिटर

दि इण्डो आर्यन्स—रामप्रसाद चंदा (व्रेरेण्डिर रिसर्च पब्लीकेशन)

फारेन एलिमेंट्स इन दि हिन्दू पापुलेशन (इंडियन ऐंसेण्ट १९११, पृष्ठ संख्या १–७७) डी० आर० भंडारकर

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध

इतिहास

प्रथम खण्ड

इस खण्ड में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—शासन विधान

इंगलैण्ड, सोवियत रूस, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, भारतवर्ष, और फ्रांस के शासन विभाग

सहायक-ग्रन्थ—

संसारशासन (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

सोवियत गणराज्य संघ तथा स्विटजरलैण्ड की शासन प्रणालियाँ—(चैतन्य पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग)

विदेशी राज्यों की शासन विधि—सत्यकेतु विद्यालंकार—(सरस्वती सदन, मंसूरी)

आधुनिक शासन प्रणालियां (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

भारतीय राजनीति तथा शासन-पद्धति—कन्हैयालाल वर्मा (एजुकेशनल पबलिशिंग हाउस, बनारस)

भारत का वैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास—गुरुमुख निहाल सिंह (आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली)

संयुक्त राज्य अमेरिका की शासन प्रणाली

२६ जनवरी १९५० से प्रचलित नवीन भारतीय गणतन्त्र विधान (सूचना विभाग, भारत सरकार)

प्रश्नपत्र २—अर्वाचीन योरोप का इतिहास १७८९-१९३९

सहायक-ग्रन्थ—

यूरोप का आधुनिक इतिहास—दोनों भाग (सरस्वती सदन, मंसूरी)

आधुनिक यूरोप का इतिहास—चौधरी और मिश्र (रमेश बुक-डिपो, जयपुर)

यूरोप का आधुनिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार (सरस्वती सदन, मंसूरी)

अर्वाचीन यूरोप (तृतीय खण्ड) १८७०-१९५० (गोपाल प्रिंटिग प्रेस, कानपुर)

बर्नस्—वेस्टर्न सिविलेजन्स

बार्नस्—वैस्टर्न सिविलेजन्स

प्रश्नपत्र ३—आधुनिक एशिया का इतिहास

सहायक-ग्रन्थ—

विनाके—फार ईस्ट

लातूरक—शॉर्ट हिस्ट्री आफ दि फार ईस्ट

कक—मिडिल ईस्ट

पं० नेहरू—विश्व इतिहास की झलक

एशिया का आधुनिक इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार (सरस्वती सदन, मंसूरी)

एशिया की क्रांति—सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली,

नये एशिया के निर्माता—नया संस्करण (नवयुग ग्रन्थ कुटीर, बीकानेर)

प्रश्नपत्र ४—भारतीय राजनीतिक संस्थाओं का विकास

सहायक-ग्रन्थ—

कारपोरेट लाइफ इन एंशिएंट इंडिया—आर० सी० मजूमदार

हिन्दू राजतंत्र—दोनों खंड—जायसवाल (काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

इंटर स्टेट रिलेशन्स इन एंशिएंट इंडिया—एन० एन० ला

मुगल ऐडमिनिस्ट्रेशन—जे० एन० सरकार

इंडियन कान्स्टीटच्यूशन—पी० मुकर्जी

भारतीय संविधान—

भारतीय शासन विधान—सतीश, उपाध्याय (बम्बई बुकडिपो १९५।१ हरीसन रोड, कलकत्ता)

राजनीतिक भारत (१९४०–१९५०) कन्हैयालाल वर्मा (नन्द-किशोर एण्ड ब्रादर्स, बनारस)

ग्रोथ आफ इंडियन कान्स्टीटच्यूशन—स्पेयर

इंडियन पालिटी—हौर्न

कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र का हिन्दी अनुवाद—उदयवीर (मेहरचन्द-लक्ष्मणदास संस्कृत पुस्तकालय, दिल्ली)

स्वाधीनता की चुनौती—नवयुग साहित्य सदन, इन्दौर

प्राचीन भारतीय शासन—आल्टेकर (लीडर प्रेस, प्रयाग)

इतिहास

द्वितीय खण्ड

इस विषय में पांच प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षार्थियों को इन पांचों प्रश्न पत्रों में से किन्हीं भी चार प्रश्नपत्रों को लेना होगा।

प्रश्नपत्र पांचवां अनिवार्य है।

प्रश्नपत्र १—भारतीय सभ्यता तथा प्राचीन भारत का इतिहास

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय इतिहास की रूपरेखा—जयचंद्र विद्यालंकार भाग १—२ (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

हिन्दू सभ्यता—राधाकुमुद मुकर्जी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

कारपोरेट लाइफ इन एंशिएन्ट इंडिया—आर० सी० मजूमदार

केम्ब्रिज हिस्ट्री आफ इंडिया, भाग १

पोलिटिकल हिस्ट्री आफ ऐंशिएंट इण्डिया—राय चौधरी

अन्धकारयुगीन भारत—(ना० प्र० सभा, काशी)

हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता—बेनीप्रसाद (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

गुप्त साम्राज्य का इतिहास—वासुदेव उपाध्याय (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

इण्डिन आर्किटेक्चर—पर्सी ब्राडर्न

इण्डियन एण्ड इण्डोनेशयन आर्ट—कुमार स्वामी

राजपूत चित्रकला—मेहता (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

भारत की चित्रकला—राय कृष्णदास (ना० प्र० स० काशी)

सूचना—इस प्रश्नपत्र में अंकों का क्रम इस प्रकार होगा।

भारतीय सभ्यता का इतिहास—५० अंक

प्राचीन भारत का इतिहास—५० अंक

प्रश्नपत्र २—मध्यकालीन भारत का इतिहास ६०८—१६०५ ई०

सहायक-ग्रन्थ—

मध्यकालीन भारतीय संस्कृति—गौरीशंकर हीराचन्द ओझा (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

मध्यकालीन भारत—अब्दुल्ला यूसुफ अली

मध्यकालीन भारत—गुप्त तथा शर्मा (राम प्रसाद एन्ड सन्स, आगरा)

अशरफ—लाइफ एण्ड कान्डिशन्स आफ दि पिउपुल आफ हिन्दुस्तान

केम्ब्रिज हिस्ट्री आफ इंडिया, भाग ३ और ४

अकबर दि ग्रेट मुगल—वी० स्मिथ

हुमायूँ—डा० एस० के० मुखर्जी

बाबर—रशब्रुक विलियम्स

शेरशाह—डा० के० आर० कानूनगो

प्रश्नपत्र ३—पूर्व आधुनिक कालीन भारत १६०६-१८१८

सहायक-ग्रन्थ—

इंडिया ऐट दि डेथ आफ अकबर—मूरलैण्ड

फ्रोम अकबर टु औरंगजेब—मूरलैण्ड

दि फाल आफ दि मुगल एम्पायर—सरकार

हिस्ट्री आफ इंडिया, भाग ५—कैम्ब्रिज

लेटर मुगल्स—इरविन

लार्ड हेस्टिंग्स पालिसी टुवर्डस इंडियन स्टेटस—मेहता

वेलेज्ली—रोबर्ट्स

हिस्ट्री आफ सिखस्—कनिंघम

बंदा—गंगासिंह

हिस्ट्री आफ दि मराठा पीपुल—पैरासनिस्

वारन् हेस्टिंग्स—द्वारिकाप्रसाद शर्मा (भारतवासी प्रेस, प्रयाग)

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य—गंगाशंकर मिश्र (हिंदू विश्वविद्यालय, काशी)

प्रश्नपत्र ४—अर्वाचीन भारत १८१९-१९४९

सहायक-ग्रन्थ—

भारत का वैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास—गुरुमुख निहालसिंह (आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली)

केम्ब्रिज हिस्ट्री आफ इण्डिया, भाग ५ और ६

पोलिटिकल हिस्ट्री आफ इंडिया—डाडवेल

इंडिया अन्डर दि विक्टोरियन एज—दत्त

इंडियन कांस्टीट्यूशनल हिस्ट्री—कीथ

कांग्रेस का इतिहास—पट्टाभि सीतारमैया (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

प्रश्नपत्र ५—निबन्ध

भूगोल

प्रथम खंड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—क्लाइमेटोलौजी

सहायक-ग्रन्थ—

क्लाइमेटोलाजी—कैन्ड्र (आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, बम्बई)

एलीमेन्टस् आफ वीदर ब्रण्ड क्लाइमेट—जी० टी० ट्रीवाथी (मैक-ग्राहिल)

जलवायु विज्ञान—(भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

वर्ल्ड वेदर—क्लेटन

हैंडवुक आफ क्लाइमेटालोजी—हन्न

प्रश्नपत्र २—जिऔ-मोरफोलौजी

सहायक-ग्रन्थ—

भूगोल के भौतिक आधार—रामनाथ दुबे (किताब महल प्रयाग)

फिजिकल बेसिस आफ ज्योग्रोफी—तूलरिज एण्ड मार्गन (लांगमैन्स)

फिजिग्रेफी—सैल्सबरी

कालेज फिज़ियोग्रेफी—टार एड मारटिन

ज्योमार्फालाजी—लोबैक

ज्योमार्फालाजी—काटन

ज्योमार्फालाजी—हिन्दस्

जिओलोजी आफ इंडिया—वाडिया

भारतवर्ष की खनिजात्मक संपत्ति—निरंजनलाल शर्मा—(भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३—एकनामिक ज्यागरफी

सहायक-ग्रन्थ—

आर्थिक भूगोल—शंकरसहाय सक्सेना (रामनारायण लाल, इलाहाबाद)

व्यापारिक भूगोल—शंकरसहाय सक्सेना (रामनारायण लाल, इलाहाबाद)

आर्थिक भूगोल—(हितैषी पुस्तक भंडार, उदयपुर)

प्रिंसिपिल्स आफ एकनामिक ज्यागरफी—रूडम्स ब्राउन

आर्थिक तथा वाणिज्य भूगोल—रामनाथ दुबे (किताब महल, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र ४—ह्यूमन ज्यागरफी

सहायक-ग्रन्थ—

अर्थ एण्ड मैन—डैविस

ह्यूमन ज्यागरफी—नहेस

प्रिंसिपिल्स आफ ह्यूमन ज्यागरफी—हन्टिंगटन

प्रिंसिपिल्स आफ ह्यूमन ज्यागरफी—ब्लाश

मानव भूगोल—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

मानव भूगोल के सिद्धान्त—विश्वनाथ, द्विवेदी और कन्नौजिया (किताब महल, प्रयाग)

भूगोल

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—रीजनल ज्यागरफी आफ एशिया एण्ड योरप

सहायक-ग्रन्थ—

एशियाज लैण्डस् एण्ड इट्स पीपुल—क्रैमी (मैक्ग्राहिल)

एशिया—स्टैम्प (डडले) (मेथ्युन)

एकानामिक ज्यागरफी आफ एशिया—वर्गस्मार्क

कांटिनेंट आफ एशिया—लाइड (मैकमिलन्स)

युरोप—वल्केनवर्ग एण्ड हन्टिंगटन

माध्यमिक प्राकृतिक और आर्थिक भूगोल—दुबे ओर सिंह (किताब महल, प्रयाग)

एकोनामिक ज्यागरफी आफ यूरोप—ब्लेनकर्ड

कांटिनेंट आफ योरप—लायड

रीजनल ज्यागरफी आफ योरप—मेमन एण्ड कास्टे

योरप एण्ड दि मैडिट्रेनियन—स्टैम्प (डडले)

प्रश्नपत्र २—राजनैतिक भूगोल

सहायक-ग्रन्थ—

राजनैतिक भूगोल—रामनारायण मिश्र, (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

पोलिटिकल ज्याग्रफी—ह्विटिलिसी

वर्ल्ड पोलिटिकल ज्याग्रफी—परसीफ इफिल्ड

पोलिटिकल ज्याग्रफी—वाल्केनबर्ग

प्रश्नपत्र ३—भारतवर्ष का भूगोल (विस्तृत अध्ययन)

सहायक-ग्रन्थ—

प्राकृतिक—इण्डिया पार्ट फर्स्ट (फीजिकल)—छिब्बर (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

जियालाजी आफ इण्डिया—वाडिया

भारत का आर्थिक भूगोल—रामनाथ दुबे (किताब महल, प्रयाग)

एकानामिक ज्याग्रफी आफ इंडिया—छिब्बर (हिन्दी विश्वविद्यालय, काशी)

कृषि भूगोल—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

प्रादेशिक—भारतवर्ष का भूगोल—रामनारायण मिश्र (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

भारतवर्ष का भूगोल—हिन्दी संस्करण (ड० स्टैम्प)

पंजाब प्रान्त (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध एवं भौगोलिक खोजों का इतिहास

ज्याग्रफी एण्ड ज्याग्रफर्स—रहमान शाह—

हिस्ट्री आफ ज्याग्रफिकल डिस्कवरीज एण्ड इन्वेस्टिगेशन्स—

भौगोलिक शब्दकोष और परिभाषाएँ : अमरनाथ कपूर (किताब महल, प्रयाग)

राजनीति

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—सिद्धान्त

सहायक-ग्रन्थ—

राजनीति शास्त्र के मूल सिद्धान्त (दोनों भाग)—बी० एम० शर्मा (भार्गव एण्ड सन्स, चन्दौसी)

राजनीति प्रवेशिका—एच० जे० लास्की (अनु० परिपूर्णानिन्द वर्मा) सस्ता सा० मंडल, दिल्ली

राज्य-विज्ञान (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

राजनीति-शास्त्र —प्राणनाथ विद्यालंकार (ज्ञान मंडल, काशी)

अन्ताराष्ट्रिय विधान—संपूर्णानन्द (ज्ञान मण्डल, काशी)

राजनीति के सिद्धान्त—महावीर प्रसाद शर्मा (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

आधुनिक राजनीति का क ख ग (रचना निकेतन, काशी)

समाजवाद—(नया संस्करण) संपूर्णानन्द (काशी विद्यापीठ)

प्रश्नपत्र २—प्राचीन भारतीय विचार

सहायक-ग्रन्थ—

कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र का हिन्दी अनुवाद—उदयवीर शास्त्री (मेहरचन्द लक्ष्मणदास संस्कृत पुस्तकालय, दिल्ली)

कौटिल्य की राज्य-शासन-व्यवस्था—गोपाल दामोदर तामस्कर (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

शासक—श्रीनारायण चतुर्वेदी (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

महाभारत (शान्ति पर्व)

प्राचीन भारतीय सभ्यता का इतिहास—रमेशचन्द्र दत्त (पुस्तक कार्यालय, वाराणसी)

हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता—बेनीप्रसाद (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

बौद्ध कालीन भारत—जनार्दन भट्ट (साहित्यरत्नमाला कार्यालय, वाराणसी)

प्राचीन भारत में स्वराज्य—धर्मदत्त विद्यालंकार (गुरुकुल कांगड़ी)

हिन्दू राजतन्त्र, दोनों भाग—काशीप्रसाद जायसवाल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

हिन्दू राज्यशास्त्र—अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

कौटिल्य की शासन पद्धति—भगवानदास केला (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

प्रश्नपत्र ३—आधुनिक विचार-धाराएँ

सहायक-ग्रन्थ—

गांधीवाद की रूपरेखा—सुमन (साधना-सदन, प्रयाग)

मानव-समाज—राहुल सांकृत्यायन (किताब महल, प्रयाग)

आधुनिक राजनीति के विभिन्नवाद—महादेव प्रसाद (चतन्य पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद)

विनोबा और उनके विचार (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

लड़खड़ाती दुनिया (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

अपराध और दण्ड—परमेश्वरीलाल गुप्त और धूमबिहारीलाल सक्सेना (ज्ञानमंडल, काशी)

अपराध-चिकित्सा—भगवानदास केला (भारतीय-ग्रन्थमाला, प्रयाग)

अपराध—मन्मथनाथ गुप्त (किताब महल, प्रयाग)

विश्व-संघ की ओर—सुन्दरलाल और भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

आधुनिक राजनीतिक विचार धाराएँ—गणेशप्रसाद (ओरियेंटल लांगमैन्स लि०, कलकत्ता)

मनुष्य जाति की प्रगति—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

बापू और मानवता—कमलापति त्रिपाठी (नंदकिशोर एण्ड ब्रदर्स, काशी)

महात्मा गांधी का समाजवाद—पट्टाभि सीतारमैया (मातृभाषा मन्दिर, दारागंज, प्रयाग)

आधुनिक राजनीति के मूल तत्व : विश्वनाथ राय (स्टूडेण्ट्स फ्रेन्ड्स, इलाहाबाद)

समाजवाद की रूपरेखा—अमरनारायण अग्रवाल (विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा)

प्रश्नपत्र ४—साम्राज्यवाद और विशाल-भारत

सहायक-ग्रन्थ—

प्रवासी भारतीयों की वर्तमान समस्या—प्रेमनारायण अग्रवाल (मानसरोवर-साहित्य-निकेतन, मुरादाबाद)

साम्राज्यवाद—मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव (ज्ञानमंडल काशी)

ब्रिटिश-राज-रहस्य—(भारतमित्र प्रेस, कलकत्ता)

प्रवासी भारतवासी (सरस्वती सदन, दिल्ली)

दक्षिण अफ्रीका के मेरे अनुभव—भवानीदयाल संन्यासी (चांद कार्यालय, प्रयाग)

फीजी की समस्या—बनारसीदास चतुर्वेदी

राष्ट्रसंघ और विश्वशांति—रामनारायण यादवेन्दु (मानसरोवर सा० निकेतन, मुरादाबाद)

पूर्व की राष्ट्रीय जागृति—शंकरसहाय सक्सेना (भा० ग्रंथमाला, प्रयाग)

साम्राज्यवाद और उसका पतन—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथ-माला, प्रयाग)

राजनीति

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—शासन

सहायक-ग्रंथ—

भारतीय गणतंत्र का संविधान—महादेव प्रसाद (किताब महल, प्रयाग)

संसार-शासन (भूगोल कार्यालय, प्रयाग)

संसार की संघ शासन प्रणालियाँ (मध्य भा० हि० सा० समिति, इंदौर)

साम्राज्य शासन—(भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

भारतीय संविधान तथा नागरिकता—अम्बादत्त पंत (सेंट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद)

नवीन भारतीय विधान—रामनारायण यादवेन्दु (हरप्रसाद भार्गव एजुकेशनल पब्लिशर, कचेहरीघाट, आगरा)

निर्वाचन पद्धति, नया संस्करण—दुबे और केला (भारतीय ग्रंथ-माला, प्रयाग)

हिन्दू पद पादशाही—विनायक दामोदर सावरकर (कलकत्ता पुस्तक भण्डार, कलकत्ता)

देशी राज्य शासन—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—संसार के राष्ट्रनिर्माता

सहायक-ग्रंथ—

नेपोलियन बोनापार्ट—इन्द्र विद्यावाचस्पति

नये एशिया के निर्माता—नया संस्करण (नवयुग ग्रंथ कुटीर, बीकानेर)

आत्मकथा—महात्मा गांधी—(सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

महात्मा गांधी और विश्वशांति—राममूर्तिसिंह (साहित्य-निकुंज प्रकाशन, प्रयाग)

मेरी कहानी—जवाहरलाल नेहरू (स० सा० मंडल, नई दिल्ली)

प्रश्नपत्र ३—भारतीय अर्थशास्त्र

सहायक-ग्रंथ—

भारतीय अर्थशास्त्र—(नया संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

भारत में कृषि सुधार (नया संस्करण)—दयाशंकर दुबे (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, कलकत्ता)

ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार—व्यौहार राजेन्द्र सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ग्रामीण अर्थशास्त्र—ब्रजगोपाल भटनागर (हि० एकेडेमी, प्रयाग)

भारतीय ग्राम्य अर्थशास्त्र—शंकरसहाय सक्सेना (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

ग्रामसुधार—गणेशदत्त शर्मा गौड़ (नागरी-भवन, आगर, मालवा)

ग्रामसुधार—गंगाप्रसाद पाण्डेय और रमेशचन्द्र पांडेय

सम्पत्ति का उपभोग—दुबे और जोशी (साहित्य-निकेतन, प्रयाग)

युक्तप्रांत का जमींदारी उन्मूलन कानून

भारत का आर्थिक शोषण—पटाभिसीतारमैया (मातृभाषा-मंदिर, प्रयाग)

नोट—परीक्षार्थी आधुनिक राजनीतिक साहित्य से यथासंभव परिचित हों।

प्रश्नपत्र ४—राजनीतिक विषयों पर निबन्ध

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दी में अर्थशास्त्र और राजनीतिक साहित्य—दुबे और केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

अर्थशास्त्र

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—प्राचीन अर्थशास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

कौटिल्य का अर्थशास्त्र (हिन्दी अनुवाद)—उदयवीर शास्त्री (मेहर-चंद लक्ष्मणदास संस्कृत पुस्तकालय, दिल्ली)

बार्हस्पत्य-अर्थशास्त्र (हिन्दी अनुवाद)—कन्नोमल (मेहरचन्द लक्ष्मण दास संस्कृत पुस्तकालय, दिल्ली)

कौटिल्य अर्थशास्त्र मीमांसा (प्रथम खंड)—गोपाल दामोदर तामस्कर (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

कौटलीय अर्थशास्त्र—देवदत्त शास्त्री (किताब महल, प्रयाग)

कौटिल्य के आर्थिक विचार—जगनलाल गुप्त और भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—अर्वाचीन-अर्थशास्त्र

आधुनिक तथा प्राचीन आर्थिक दशा को सामने रखते हुए अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

अर्थशास्त्र के मूलाधार—(पोथी शाला लिमिटेड, लाजपत राय रोड, इलाहाबाद)

सम्पत्ति का उपभोग—दयाशंकर दुबे और मुरलीधर जोशी (साहित्य निकेतन, प्रयाग)

धन की उत्पत्ति—दुबे और केला (रामनारायणलाल, प्रयाग)

आधुनिक अर्थशास्त्र—जैन और भार्गव (नन्दकिशोर ब्रदर्स, काशी)

आधुनिक अर्थशास्त्र—केदारनाथ प्रसाद (ग्रंथमाला का०, पटना)

अर्थशास्त्र—मुरलीधर जोशी और सेवाराम शर्मा (अपर इण्डिया पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ)

अर्थशास्त्र की रूपरेखा—पृथ्वीनाथ तिवारी (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

भारतीय राजस्व (नया संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

राष्ट्रीय आय व्यय शास्त्र (नया संस्करण)—प्राणनाथ (ज्ञान मंडल, काशी)

प्रिन्सिपिल्स आफ एकनामिक्स—मारशल

प्रिन्सिपिल्स आफ एकनामिक्स—टासिंग

एकनामिक्स आफ वेलफेयर—पिंग

एकनामिक्स—एनालिसिस एण्ड पालिसी—मीड

सार्वजनिक अर्थशास्त्र एवं आर्थिक पुनर्निर्माण—केदारनाथ प्रसाद (ग्रन्थमाला कार्यालय, पटना)

प्रश्नपत्र ३—करेंसी, बैंक स्टाक बाजार, विदेशी विनिमय, कम्पनी व्यापार, दूकानदारी पत्र-व्यवहार, बहीखाता, विज्ञापन इत्यादि

सहायक-ग्रन्थ—

बैंकिंग और करेंसी—गौरीशंकर शुक्ल (सरस्वती ग्रन्थमाला कार्यालय, आगरा)

कम्पनी व्यापार प्रवेशिका—कस्तूरमल बांठिया (मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर)

विदेशी विनिमय (नया संस्करण)—दयाशंकर दुबे (गंगा ग्रंथागार, लखनऊ)

मुद्रा की रूपरेखा—(दि वर्ल्ड प्रेस लिमिटेड, कलकत्ता)

मुद्रा विनिमय और अधिकोषण—रतन और गोलवलकर (रामप्रसाद एण्ड सन्स, आगरा)

मुद्रा (हिन्दी) डी० एच० राबर्ट्सन (एस० चन्द एण्ड कम्पनी, दिल्ली)

मुद्राशास्त्र—मुरलीधर जोशी (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

बैंकिंग—शंकरसहाय सक्सेना (रामनारायणलाल कटरा, प्रयाग)

व्यापारिक संगठन—केदारनाथ प्रसाद (ग्रन्थमाला का०, पटना)

व्यापारी पत्र व्यवहार—कस्तूरमल बांठिया (साहित्य भवन लि० प्रयाग)

दूकानदारी—नारायण प्रसाद (साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग)

व्यापार दर्पण—छविनाथ पांडेय (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, काशी)

नाम लेखा और मुनीमी—कस्तूरमल बांठिया (प्रियतम पुस्तक भंडार, पिलानी, जयपुर)

विज्ञापन विज्ञान—कन्हैयालाल शर्मा (हरिदास कम्पनी, मथुरा)

भारतीय बैंकिंग—द्वारकालाल गुप्त (रामदयाल अग्रवाल, प्रयाग)

हिन्दी बहीखाता लेखन पद्धति—अम्बाप्रसाद तिवारी (अम्बाप्रसाद तिवारी, उज्जैन)

उद्योग-धन्धा—सूर्यबली सिंह (काशी पुस्तक भण्डार, वाराणसी)

प्रश्नपत्र ४—भारतीय अर्थशास्त्र

भारत की प्राकृतिक, सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों के साथ-साथ आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन।

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय अर्थशास्त्र का विवेचन—ओमप्रकाश केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

भारतीय अर्थशास्त्र की समस्याएँ—पी० सी० जैन (चैतन्य प्रकाशन, इलाहाबाद)

भारतीय अर्थशास्त्र की रूपरेखा—शंकरसहाय सक्सेना (श्रीराम मेहरा एं० कं०, आगरा)

भारत की आर्थिक उन्नति की योजना—पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास (ज्ञान मंडल, काशी)

भारत की साम्पत्तिक अवस्था—राधाकृष्ण झा (हिन्दी-पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

भारत का औद्योगिक संगठन—महेशचन्द्र (प्राविंशियल बुकडिपो, प्रयाग)

भारतीय सम्पत्तिशास्त्र—प्राणनाथ विद्यालंकार (प्रताप पुस्तकालय, कानपुर)

भारत में दुर्भिक्ष—गणेशदत्त शर्मा (गांधी-हिन्दी-पुस्तक-भंडार, बम्बई)

भारत में रेलपथ—रामनिवास पोद्दार (आदर्श पुस्तकालय, आगरा)

देवदर्शन—शिवनंदन सिंह (हिन्दी ग्रन्थरत्नाकर कार्यालय, बम्बई)

भारत का आर्थिक भूगोल—दुबे और सक्सेना (रामनारायणलाल, प्रयाग)

इंडियन एकनामिक्स (दो भाग) नया संस्करण—जथार एण्ड बेरी—हिन्दी अनुवाद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

बेसेस आफ इंडियन एकानोमी—बी० जी० भटनागर

अर्थशास्त्र

द्वितीय खण्ड

इस विषय में ४ प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—आर्थिक इतिहास, साम्यवाद

साम्यवाद, बोलशेविज्म तथा अन्य आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक तथा धार्मिक मिश्रित सिद्धांत-मतों की उत्पत्ति।

सहायक-ग्रन्थ—

भारतवर्ष का आर्थिक इतिहास—श्री कृष्णदत्त भट्ट (जन साहित्य मन्दिर, काशी)

भारतीय व्यापार का इतिहास—श्री कृष्णदास वाजपेयी

भारतवर्ष का आर्थिक इतिहास—मोतीचन्द्र गोविल (अजन्ता प्रेस, पटना)

भारत का आर्थिक इतिहास—(ज्ञानमंडल, काशी)

साम्यवाद—रामचन्द्र वर्मा (साहित्य रत्नमाला कार्यालय, धर्मकूप, वाराणसी)

वर्तमान रूस—देवव्रत शास्त्री (सा० मन्दिर, प्रयाग)

बोलशेविज्म—विनायक सीताराम सर्वटे (हिन्दी साहित्य मन्दिर, आगरा)

बोलशेविक रूस—रमाशंकर अवस्थी (साहित्य-पुस्तक-भंडार, इटावा)।

मार्क्सवाद—यशपाल (विप्लव कार्यालय, लखनऊ)

सोवियत भूमि—राहुल सांकृत्यायन (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

सोवियट रूस—जवाहरलाल नेहरू (सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली)

समाजवाद की रूपरेखा—अमरनारायण अग्रवाल (विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा)

समाजवाद—सम्पूर्णानन्द (काशी विद्यापीठ, काशी)

मनुष्य जाति की प्रगति—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

समाजवाद, पूँजीवाद और सहकारिता—महेशचन्द्र (लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा)

गांधीवाद की रूपरेखा—श्रीरामनाथ सुमन (साधना सदन, लूकरगंज, प्रयाग)

दि केस फार सोशलिज्म—हिंडरसन

सोवियट कम्युनिज्म भाग २—वेब

लेबर प्राबलेम इन इंडिया—ब्राउटन

भारतीय मजदूर—शंकरसहाय सक्सेना (नवयुग साहित्य सदन, इन्दौर)

गाइड टु केपिटिलिज्म एण्ड सोशलिज्म—जी० बी० शॉ

प्रश्नपत्र २—राजनीति, भारतीय शासन इत्यादि

सहायक-ग्रन्थ—

राजनीति शास्त्र—प्राणनाथ विद्यालंकार (ज्ञान मंडल, काशी)

राजनीति विज्ञान—सुखसम्पत्तिराय भंडारी (हिन्दी-पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

हिन्द-स्वराज्य—महात्मा गांधी (नवयुग ग्रंथ मंदिर, लहेरियासराय, दरभंगा)

भारतीय संविधान तथा नागरिक जीवन—ओमप्रकाश केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

भारतीय संविधान तथा नागरिकता—अम्बादत्त पंत (सेन्ट्रल बुक डिपो, प्रयाग)

स्वाधीनता की चनौती—शान्तिप्रसाद वर्मा (नवयुग साहित्य सदन, इन्दौर)

ब्रिटिश साम्राज्य शासन (दूसरा संस्करण)—भगवानदास केला और दयाशंकर दुबे (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

अन्ताराष्ट्रिय विधान—सम्पूर्णानन्द (ज्ञानमंडल पुस्तक भंडार, काशी)

राजनीति प्रवेशिका—हेरेल्ड लास्की—हिन्दी अनुवाद, परिपूर्णानन्द (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

हमारे अधिकार और कर्तव्य—कृष्णचन्द्र विद्यालंकार (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

नागरिक शास्त्र—भगवानदास केला (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

विश्वसंघ की ओर—भगवानदास केला और सुन्दरलाल (भारतीय ग्रन्थमाला, प्रयाग)

कौटिल्य की शासन व्यवस्था—भगवानदास केला (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

राष्ट्रसंघ और विश्वशांति—रामनारायण यादवेन्दु (मानसरोवर प्रकाशन, मुरादाबाद)

प्रजातंत्र की ओर—गोरखनाथ चौबे (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

सूचना—इस प्रश्नपत्र के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने जिले की म्युनिसिपैलिटी, बोर्ड तथा पंचायतों की कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर लेना आवश्यक होगा।

प्रश्नपत्र ३—कृषि सुधार, ग्राम सुधार, घरेलू धन्धे, खद्दर, गोपालन आदि

सहायक-ग्रन्थ—

भारत में कृषि सुधार—(दूसरा संस्करण)—दयाशंकर दुबे (हिन्दी पुस्तक एजेंसी ज्ञानवापी, काशी)

फसल के शत्रु (विज्ञान परिषद, प्रयाग)

खाद—मुख्तारसिंह (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

गोरस और गोवर्धन शास्त्र—(भारतीय गोधन)—काशीनाथ-(कृषि विद्यालय, कानपुर)

रुई और उसका मिश्रण—कस्तूरमल बांठिया

खद्दर शिक्षक—भगवती सिंह (काशी विद्यापीठ, काशी)

ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार—व्यौहार राजेन्द्र सिंह (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

हाथ की कताई बुनाई—रामदास गौड़ (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

ग्राम्य अर्थशास्त्र—दुबे और सक्सेना (रामनारायणलाल, प्रयाग)

ग्राम सुधार—गणेशदत्त शर्मा गौड़ (नागरी भवन, आगर, मालवा)

चारा-दाना—परमेश्वरी प्रसाद गुप्त (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

ग्राम सुधार—गंगाप्रसाद पाण्डेय और रमेशचन्द्र पाण्डेय

मध्यम पिंजन—मथुरादास पुरुषोत्तमदास (अखिल भारतीय चर्खा संघ, अहमदाबाद)

देशी रंगाई और छपाई—वंशीधर जैन (अखिल भारत चर्खा संघ, अहमदाबाद)

हाथ का कागज बनाना—के० बी० जोशी (अखिल भारत ग्राम उद्योग संघ, वर्धा)

साबुनसाजी—के० बी० जोशी (अखिल भारत ग्राम उद्योग संघ, वर्धा)

इंडियन रूरल प्राब्लेम—नानावती और अन्जारिया

प्रश्नपत्र ४—अर्थशास्त्र सम्बन्धी किसी विषय पर निबन्ध

सूचना—प्रत्येक परीक्षार्थी को कम से कम एक ग्राम की दशा की जांच और किसानों के कम से कम दो कुटुम्बों की पारिवारिक आयव्यय की पूरी जांच करके अपनी विवरणी (रिपोर्ट) परीक्षा के पहिले परीक्षा-योजक के पास भेजनी होगी। इसमें उत्तीर्ण होना परीक्षा में बैठने के लिए आवश्यक है।

सूचना—परीक्षार्थी को हिन्दी में अर्थशास्त्र सम्बन्धी साहित्य का परिचय प्राप्त करना आवश्यक होगा। इसके लिए वे भगवानदास केला और दयाशंकर दुबे की हिन्दी में अर्थशास्त्र और राजनीति साहित्य की पुस्तकों से सहायता ले सकते हैं।

कृषिशास्त्र

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—कृषिशास्त्र

इस प्रश्नपत्र में निम्नलिखित विषयों पर प्रश्न होंगे—

(१) भूमि, (२) खाद, (३) सिचाई और पानी का निकास

सहायक-ग्रन्थ—

कृषिशास्त्र—तेजशंकर कोचक (कृषिशास्त्र कार्यालय, संदोहनधाम चौपटियान, लखनऊ)

कृषिशास्त्र—हरप्रसाद शर्मा और श्यामप्रसाद शर्मा (गौतम बुक डिपो, दिल्ली)

आधुनिक कृषि—सुरेन्द्रसिंह (अवधबख्श प्रकाशन मण्डल, पौसिया, सिधौली, सीतापुर)

आधुनिक कृषिशास्त्र—रामपालसिंह (गवर्नमेन्ट प्रेस, प्रयाग)

संयुक्तप्रान्त की खेती की उन्नति—सन्तबहादुर सिंह, (डाइरेक्टर कृषि विभाग, लखनऊ)

खाद—मुख्तार सिंह (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, कलकत्ता)

प्रिंसिपिल्स आफ कॉफ हसबेंडरी इन इण्डिया (इंग्लिश बुक डिपो, फिरोजपुर)

क्राप प्रोडक्शन इन इंडिया—प्यू एण्ड दत्त (किताब महल, प्रयाग)

खेती और पशुपालन सम्बन्धी मासिक पत्रिकायें कृषि सूचना एवं प्रचार विभाग, उत्तर प्रदेश तथा अन्य राज्यों द्वारा प्रकाशित

प्रश्नपत्र २—वनस्पति विज्ञान और बागवानी

सहायक-ग्रन्थ—

वनस्पति विज्ञान—संतप्रसाद टंडन (नेशनल प्रेस, प्रयाग)

वनस्पति शास्त्र—महेशचरण सिंह, (महेशचरण सिंह, लखनऊ)

उद्यान–विज्ञाग (भाग १ और २)—के० एन० गुप्त (राजा राम-कुमार प्रेस, लखनऊ)

वनस्पति-क्रिया-विज्ञान—महेशचरणसिंह (महेशचरणसिंह, लखनऊ)

उद्यान—शंकरराव जोशी (गंगा पुस्तकमाला, लखनऊ)

शाकभाजी की खेती—नारायण दुलीचंद व्यास (लीडर प्रेस, प्रयाग)

फलों का व्यवसाय—नारायण दुलीचंद व्यास (लीडर प्रेस, प्रयाग)

फल-संरक्षण—गोरखप्रसाद (विज्ञान परिषद्, प्रयाग)

स्वास्थ्य के लिए शाक तरकारियां—महेन्द्रनाथ पाण्डेय (महेन्द्र रसायनशाला, कटरा, प्रयाग)

फलों की खेली—विदुरनारायण अग्निहोत्री (रामावतार पाण्डेय, रमाशंकर बाजपेयी लेन, नरही, लखनऊ)

मुरब्बा, शरबत, चटनी और अचार—(सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ)

नये पौधे तैयार करने की विधियां—किसान बुलैटिन नं० २—कृषि सूचना विभाग, लखनऊ)

स्कूल में फलबाग—चन्द्रराज भंडारी (ज्ञान मंदिर, भानपुरा, इंदौर)

प्रश्नपत्र ३—गोपालन

सहायक-ग्रन्थ—

संतुलित गोपालन—रानी चन्द्रावती, पीलीभीत

गोपालन—(इंडियन प्रेस, प्रयाग)

पशुपालन-पोषण—भार्गव (जी० आर० भागर्व एण्ड सन्स, चन्दौसी)

भारत में गाय—दास एण्ड गुप्त (खादी प्रतिष्ठान, १५ कालेज स्क्वायर, कलकत्ता)

गोपालन शास्त्र और पशु रोगों की चिकित्सा—गिरीशचन्द्र जोशी (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, काशी)

चारा दाना—परमेश्वरीप्रसाद गुप्त (सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली)

पशु-चिकित्सा—राधेश्याम वर्मा (किसान हितकारी पुस्तकमाला, छपरा)

ढोरों की बीमारी का इलाज—रमेश वर्मा (साहित्यरत्न भंडार, आगरा)

कैटिल डेवलपमेण्ट इन यू० पी०—आर० एल० कौरा (डाइरेक्टर, एनिमल हसबेण्डरी, लखनऊ)

काऊ-कीपिंग इन इंडिया—टुविड (इंगलिश बुक डिपो, फिरोजाबाद)

प्रश्नपत्र ४—फसलों का विशेष अध्ययन

निम्नलिखित फसलों का विशेष अध्ययन—

गेहूँ, कपास, ईख, धान, मक्का, आलू, हल्दी, मूँगफली, ज्वार, बाजरा, जौ, जई, सनई, पटसन, जूट, अण्डी, तिल, अलसी, सरसों, लहटा, राई, कुसुम, उर्द, अरहर, मोठ, लोबिया, चना, मटर, हाथी घास, रिजका, बरसीन, और तम्बाकू।

सहायक-ग्रन्थ—

उत्तर प्रदेश की प्रमुख फसलें—दूधनाथ सिंह (साहित्य मन्दिर प्रेस, लखनऊ)

खेती की रीति भाग १, २—नारायण दुलीचंद व्यास (भारतीय भंडार, लीडर प्रेस, प्रयाग)

फसलों की प्रमुख बीमारियां—(अलीजाह दरबार प्रेस, ग्वालियर)

फसलों के प्रमुख कीड़े (अलीजाह दरबार प्रेस, ग्वालियर)

खेती—गोलोकविहारी चौधरी (ग्रंथमाला कार्यालय, पटना)

कृषिशास्त्र

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—पैमाइश, हिसाब और कृषिशास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

खेती और पशुपालन गणित—जैन (इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इन्सटीटयूट, नई दिल्ली)

कृषिलेखा—तेजशंकर कोचक (कृषि कार्यालय, संदोह्नधाम, चौपटियान, लखनऊ)

फील्डबुक—नजीरमोहम्मद खां अहमदी (रामनारायण लाल, प्रयाग)

बहीखाता प्रवेशिका—जीवराखनलाल (कैलाश प्रेस, प्रयाग)

हिन्दी बहीखाता—कस्तूरमल बांठिया (हरिदास एण्ड कम्पनी, कलकत्ता)

बहीखाता तथा महाजनी—लाड़लीदास

आदर्श पैमाइश—सियारामप्रसाद शर्मा (शर्मा बुकडिपो, मुजफ्फरपुर)

कृषि के उन्नतिशील औजार—(कृषि सूचना विभाग, लखनऊ)

आदर्श क्षेत्रमिति—सूर्यनारायण सिंह (शर्मा बुकडिपो, मुजफ्फरपुर)

प्रश्नपत्र २—ग्राम सुधार और लगान कानून

सहायक-ग्रन्थ—

भारतीय अर्थशास्त्र (नया संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

भारत में कृषिसुधार (नया संस्करण)—दयाशंकर दुबे (हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, कलकत्ता)

ग्रामीण अर्थशास्त्र—ब्रजगोपाल भटनागर (हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग)

ग्राम्य अर्थशास्त्र—दुबे और सक्सेना (रामनारायण लाल, कटरा, प्रयाग)

भारतीय कृषि अर्थशास्त्र—एच० जी० गुप्त (बुकलण्ड लिमिटेड, प्रयाग)

सहकारिता आन्दोलन—सक्सेना

जमींदारी उन्मूलन एक्ट

भारतीय अर्थशास्त्र (हिन्दी अनुवाद)—जथार और बेरी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इण्डियन एग्रिकल्चर—आर० डी० तिवारी (न्यू बुक एण्ड कं०, बम्बई)

प्रश्नपत्र ३—राजनीति, भारतीय शासन और नागरिक शास्त्र

सहायक-ग्रन्थ—

राजनीतिशास्त्र—प्राणनाथ विद्यालंकार (ज्ञान मंडल, काशी)

राजनीति विज्ञान—सुखसम्पत्ति राय भण्डारी (हिन्दी पुस्तक एजेंसी, कलकत्ता)

हिन्द-स्वराज्य—महात्मा गांधी (नवयुग ग्रंथ मन्दिर, लहेरिया-सराय, दरभंगा)

भारतीय शासन व्यवस्था—श्रीकान्त ठाकुर (पुस्तक मन्दिर, कलकत्ता)

भारतीय शासन (नया संस्करण)—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

राजनीतिक भारत (१९४०–१९५०) कन्हैयालाल वर्मा (नन्द-किशोर एण्ड ब्रदर्स, काशी)

ब्रिटिश साम्राज्य-शासन—दयाशंकर दुबे और भगवानदास केला—नया संस्करण—(भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

अन्ताराष्ट्रिय विधान—सम्पूर्णानन्द (ज्ञान मंडल पुस्तक भंडार, काशी)

कौटिल्य की शासन-पद्धति—भगवानदास केला (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

विश्व संघ की ओर—सुन्दर लाल और भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

प्रजातंत्र की ओर—गोरखनाथ चौबे (साहित्य भवन लि०, प्रयाग)

कौटिल्य अर्थशास्त्र की मीमांसा—प्रथम खण्ड—गोपाल दामोदर तामस्कर (इंडियन प्रेस, प्रयाग)

सरल नागरिक शास्त्र—भगवानदास केला (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

अपराध-चिकित्सा—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

राष्ट्रसंघ और विश्वशांति—रामनारायण यादवेन्दु (मानसरोवर साहित्य निकेतन, मुरादाबाद)

देशी राज्य शासन—भगवानदास केला (भारतीय ग्रंथमाला, प्रयाग)

भारतीय नवविधान

सूचना—राजनीति, भारतीय शासन और नागरिक शास्त्र के अतिरिक्त निम्नलिखित विषयों पर भी प्रश्न रहेंगे—

१—भारतीय तथा प्रान्तीय कृषि विभाग की रूप रेखा तथा शासन पद्धति। विद्यार्थियों को निम्नलिखित कृषि संस्थाओं का ज्ञान भी प्राप्त करना चाहिए (१) इण्डियन कौंसिल आफ एग्रिकल्चरल रिसर्च, (२) इण्डियन इन्स्टीटच्यूट आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, (३) सेण्ट्रल कॉटन कमेटी, (४) सेण्ट्रल सुगरकेन कमेटी, (५) सैण्ट्रल जूट कमेटी, (६) फुड एण्ड एग्रीकल्चरल ऑर्‌गनाइजेशन। पंचायत, जिला बोर्ड और नगरपालिका के बारे में भी जानना आवश्क है।

प्रश्नपत्र ४—कृषिशास्त्र सम्बन्धी किसी विषय पर निबन्ध

आयुर्वेद

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—रोगविज्ञान, विकृतिविज्ञान और चिकित्सा

(क) प्राकृत, वैकृत आदि वातादिक के स्वरूप, स्थान, लक्षण और शरीर समन्वय विषयक सूक्ष्म विवेचन दोष-दूष्य और धातु-विज्ञान, द्रव्य विज्ञान तथा त्रिदोष तत्व-विज्ञान।

(ख) व्याधि विज्ञान, निदानपंचक, रोगपरीक्षा, मल, मूत्र, नाड़ी, जिह्वा, नेत्र, हृदय, फुफ्फुस, उदर आदि की परीक्षा, प्राच्य-प्रतीच्य-शास्त्रा-

नुसार रोगोत्पत्ति के कारण, सम्प्राप्ति और रोगों का उपशम, विकृति-विज्ञान तथा चिकित्सा।

(ग) साध्यासाध्य लक्षण और असाध्यकारक उपद्रवों का ज्ञान तथा अरिष्ट विज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

(क) वाग्भट्ट सूत्रस्थान, अध्याय ४, ११, १२, १३, १४

चरक सूत्रस्थान, अध्याय १२, १८, १९, २० २१ विमानस्थान अध्याय ६६

सुश्रुतसंहिता सूत्रस्थान, अध्याय, ५, ६, ७, ८, (भिषक परीक्षा से लेकर)

शरीर परिचयान्तर्गत दोषविज्ञान—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

शरीर परिचयान्तर्गत धातु विज्ञान—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

जगन्नाथप्रसाद शुक्ल का विज्ञान परिषद का भाषण—पृष्ठ ४२ से ७२ तक (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

त्रिदोषतत्व विमर्श—रामरक्षा पाठक (श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन, पटना)

(ख) चरक सूत्रस्थान अध्याय १७

सुश्रुत सूत्रस्थान अध्याय १०, २०, २१

प्राचीन एवं अर्वाचीन अष्टविधि रोगपरीक्षा, ग्रन्थों और गुरुपदेश से

मूत्र-परीक्षा—रामकृष्ण वर्मा (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

नाड़ीदर्शन—आनन्द स्वामी (लीडर प्रेस, प्रयाग)

(ग) चक्रदत्त (श्री वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई)

(घ) जीवाणुशास्त्र—घाणेकर (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

औपसर्गिक रोग (दोनों भाग, घाणेकर (हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी)

(ङ) सामान्य रोग परीक्षा और चिकित्सा, विशेषकर निम्नलिखित संक्रामक तथा जटिल रोगों का प्राच्य और प्रतीच्य शास्त्रानुसार परिचय, निदान, पूर्वरूप, लक्षण, उपशम, सम्प्राप्ति, चिकित्सा, साध्यासाध्य लक्षण, अरिष्ट लक्षण तथा पथ्यापथ्य ज्ञान।

१—विषम ज्वर (Malaria)

२—ग्रन्थिक सन्निपात (Plague)

३—टाइफस (Typhus) और तन्द्रिक सन्निपात

४—मंथर ज्वर (Typhoid)

५—पुनरावर्तक ज्वर (Relapsing Fever)

६—कालज्वर (Kala Azar)

७—श्वसनक सन्निपात (Labor Pneumonia)

८—फुफ्फुसशोथ सन्निपात (Broncho Pneumonia)

९—कफज सन्निपात अथवा आक्षेपक ज्वर (Cerebro Spinal fever)

१०—श्लेष्मक ज्वर (Influenza)

११—सन्धिक ज्वर (Rheumatic fever)

१२—दण्डक ज्वर (Dengue)

१३—कर्णमूलिक ज्वर (Mumps)

१४—कर्णग्रन्थि ज्वर (Parotitis)

१५—बातबलासक ज्वर (Beri-Beri)

१६—हारिद्रक (यलो फीवर)

१७—फुफ्फुसावरण प्रदाह अथवा पार्श्वशूलाय उरस्ति (Pleurisy)

१८—कांस्यक्रोड (Pleurisy of Pleuritis)

१९—मस्तिष्कावरण-ज्वर अथवा पाकल-सन्निपात (Cerebral-menigitis) गर्दनतोड़ बुखार

२०—आतप ज्वर, लूक लगना (Heat-Stroke)

२१—श्लेष्मकास ज्वर (Bronchitis)

२२—विशूचिका (Cholera)

२३—लघुमसूरिका (Chicken pox)

२४—वृहन्मसूरिका (Small pox)

२५—रोमान्तिका, खसरा (Measles) मीजल्स)

२६—राज्यक्ष्मा (Tuberculosis of Lungs)

२७—अनुलोमक्षय, आन्त्रक्षय (Intestinal Tuberculosis)

२८—प्रतिलोमक्षय, क्षयजन्यशोथ (Tuberculous peritonitis)

२९—श्लैपदिक ज्वर (Filarial fever)

३०—प्रवाहिका (Dysentry)

३१—संग्रहणी (स्प्रू)

३२—लोमनाश (Alopaecia)

३३—कुष्ठ (Leprosy)

३४—पामा (Eczema)

३५—सन्धिवात ज्वर (Rheumatism,

३६—मुखश्लेष्मावरण (Diphtheria) रोहिणी

३७—धनुर्वात (Tetarus) हनुस्तम्भ

३८—फिरंगरोग (Syphilis)

३९—प्रमेह (Gonorrhoea)

४०—पाण्डु (Anaemia)

४१—कमल (Jaundice)

४२—यकृत (लीवर)

४३—बाल-यकृत (इनफैण्टाइल लीवर)

४४—यकृत शोथ (Hepatitis)

४५—हृद्रोग (Heart diseases—Erdocarditis, Pericarditis, Angina Pectoris हृच्छूल Mitral Regurgitation, Aortic Regurgitation)

४६—हृत्प्रसार और हृदयाभिवृद्धि (Dilation and Hypertrophy)

४७—हृत्कपाट रोग (Valvular diseases of heart)
४८—पित्ताश्मरी (Billiary calculus)
४९—वसामेह (Chylurea)
५०—इक्षुमेह (Diabetes mellitus)
५१—उदकमेह (Diabetes Insipidus)
५२—मधुमेह (Diabetes)
५३—रक्तमेह (Haematuria)
५४—उदरशूल (Intestinal Colic)
५५—आन्त्रपरिशिष्ट शोथ (Appendicitis)
५६—योषापस्मार (हिस्टीरिया)
५७—नाड़ीवातशूल (Neuritis)
५८—गठिया (Gout)
५९—जलोदर (Ascites)
६०—वृक्कशूल (Renal Colic)
६१—वृक्काश्मरी (Renal Calculus)
६२—वृक्कशोथ (Nephritis)
६३—गलशोथ (Pharyngitis)
६४—अजीर्ण और मन्दाग्नि (Dyspepsia)
६५—आमाशय व्रण (Gastric ulcer)
६६—कोष्ठवद्धता (Constipation)
६७—श्वास (Asthma)
६८—फुफ्फुसप्रसार (Emphysema)
६९—फुफ्फुस विद्रधि (Abcess of Lungs)
७०—स्कर्वी, रक्ताल्पता (Scurvy)
७१—रिकेट, अस्थिक्षय (Ricket)
७२—प्रलेपक-ज्वर (Hectic fever)
७३—रक्तचाप (Blood Pressure)

७४—घातक अर्बुद कैंसर (Cancer)

सहायक-ग्रन्थ—

औपसर्गिक रोग—घाणेकर, दोनों भाग (हिन्दू यूनिवर्सिटी, बनारस)

अपूर्व चिकित्सा विज्ञान—महेन्द्रनाथ पाण्डेय, (महेन्द्र रसायन शाला, कटरा, प्रयाग)

चरक, सुश्रूत, और वाग्भट के उत्तर रोगों के अंश

तपेदिक—महेन्द्रनाथ पाण्डेय, (महेन्द्र रसायनशाला, कटरा, प्रयाग)

चरक सूत्रस्थान, अध्याय १०, चरक इन्द्रिय स्थान सम्पूर्ण;

सुश्रुत सूत्रस्थान ३३वाँ अध्याय और रोग का अन्य ज्ञान, सुश्रुत सूत्रस्थान, अध्याय, २५, २८, २९, ३०, ३१, ३२

प्रश्नपत्र २—पदार्थ-विज्ञान और द्रव्य गुणशास्त्र तथा आधुनिक रसायन शास्त्र

(क) पदार्थ विज्ञान—आयुर्वेद, जीवन और पदार्थ विज्ञान की परिभाषा और पदार्थ विज्ञान का विवेचन, पदार्थ सामान्य विज्ञान, द्रव्य गुण-कर्म, पदार्थ, उत्क्षेपण, अवक्षेपण, आकुंचन, प्रसारण आदि का पदार्थ से सम्बन्ध, सामान्य का विवेचन, सामान्य और जाति, विशेष समवाय और अभाव का वर्णन।

(ख) द्रव्य विज्ञान—द्रव्यगुण-शास्त्र सम्बन्धी परिभाषाओं का ज्ञान, द्रव्य-परिचय, आकाश, वायु, तेज, जल, पृथ्वी, साधर्म्य, वैधर्म्य, भूत-प्रकृति, काल-निरूपण, दिक-निरूपण आदि का ज्ञान।

(ग) गुण-विज्ञान—गुण-विवरण, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गन्ध, गुरु लघु, मन्द, तीक्ष्ण, हिम, उष्ण, स्निग्ध, रूक्ष, श्लक्ष्ण, खर, सान्द्र, द्रव, मृदु, कठिन, स्थिर, सर, सूक्ष्म, स्थूल, विशद, पिच्छिल, सुगन्धि, दुर्गन्धि, व्यवायी, विकासी, आशुकारी, बुद्धि, स्मृति-चेतना, भूति, प्रज्ञा, अहंकार, प्रत्यभिज्ञा, धर्मार्थ, इच्छा, द्वेष, सुख, दुख, प्रयत्न, पर, अपर, युक्ति, संख्या

संयोग, विभाग पृथकत्व, परिमाण, संस्कार, अभ्यास, आदि गुण विज्ञान की पूर्ति का विवरण ।

(घ) द्रव्यगुण, रस, वीर्य, विपाक, प्रभावादि का ज्ञान ।

(ङ) द्रव-पदार्थों का गुण-दोष-ज्ञान प्रयोग वैज्ञानिक परिचय सहित।

(च) जान्तव पदार्थ, कस्तूरी, गोरोचन, मृगश्रृंग प्रभृति का गुण-दोष, स्वरूप ज्ञान और पर्याय।

(छ) पंचविधि कषाय कल्पना, द्रव्यों के ग्रहणीय अंश, ग्रहण-काल, विषोपविष शोधन, द्रव्यसंरक्षण विधि, क्षीरपाक विधि, यवागू, साबूदाना आदिक साधन, घृत, तैल, आसव, अरिष्ट, लेह, पाक, मोदक आदि की निर्माण-विधि ।

(ज) औषधिगण कल्पना वर्तमान विटामिन ज्ञान के समन्वय सहित।

(झ) वनस्पतिशास्त्र—(१) चेतनअचेतन पदार्थ, मूल, कांड, पत्र, पुष्प, फल और बीज का ज्ञान, बीज की रचना और स्फुटन, उनकी आवश्यक अवस्थाएं उदाहरण सहित (२) जड़-प्राकृतिक और अप्राकृतिक रूप, जड़ का कार्य, वृक्ष का स्तम्भ, शाखाएं, अंकुर, नीचे का जड़ों का स्तम्भ से भेद, स्तम्भ के भिन्न-भिन्न रूप, निघण्टुकथित द्रव्यों के उदाहरण सहित (३) पत्तों का वर्णन और उनके भिन्न-भिन्न भेद और कार्य, तथा स्वरूप (४) पुष्प, पुष्पक्रम, पुष्पका आकार, उसके भिन्न-भिन्न भागों की स्थिति तथा पुष्प व्याख्या (५) फल, फलों की जाति, और फलबीज और फलों का वर्णन (६) वृक्षक्रिया विज्ञान, श्वासक्रिया, भोजनका ग्रहण करना, जाति अवरोहण, प्रकाश का वृक्ष पर प्रभाव, कलम लगाना आदि।

(ञ) आधुनिक रसायन शास्त्र (१) जड़ पदार्थ का अविनाशित्व, (२) आक्सीजन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, क्लोरीन, कार्बन हैलीजन, कार-बानिक, अम्ल आदि गैसों का ज्ञान (३) मौलिक तथा संयोगिक पदार्थ, अणु-परमाणु के सिद्धांत तथा रसायनिक संयोजन के नियम (४) पाराफीन, अलकोहल, सुरा, आसव, अरिष्ट, ईथर, क्लोरोफार्म, एसेटिक अम्ल, आकजैलिक अम्ल, गन्धकाम्ल, शोरकाम्ल, लवणाम्ल, सिरका, तैल,

चर्बी, शर्करा, स्टार्च और टारटेरिट एसिड, गन्धक, हरिताल, टंकण पारद, ताम्र, स्वर्ण, लौह, रौप्य, सीसक, कैलसियम, आदि योगिक समूह का ज्ञान और वंगभस्म, लौहभस्म, रौप्यभस्म, यशदभस्म, ताम्रभस्म, तुत्थभस्म, हरिताल, मनःशिला, शिलाजीत, मुक्ताभस्म आदि यौगिक पदार्थों का परिचय।

सहायक-ग्रन्थ—

(क) पदार्थ-विज्ञान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

पदार्थ-विज्ञान—रामरक्षा पाठक आयुर्वेदाचार्य (श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन, पटना)

(ख) द्रव्य-विज्ञान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ग) गुण विज्ञान— ,, (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(घ) रसपरिज्ञान— ,, (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ङ) चरक सूत्रस्थान, अध्याय २७, वाग्भट सूत्रस्थान अध्याय ५. सुश्रुत सूत्रस्थान, अध्याय ४५

(च) गोरसादि औषधि (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(छ) प्राणिज औषधि (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ज) परिभाषा प्रबोध (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

शारंगधर २, ४ अध्याय

(झ) वाग्भट सूत्र स्थान, अध्याय १५ चरक संहिता सूत्रस्थान, अध्याय २, ४ सुश्रुत सूत्रस्थान, अध्याय ३६, ३७, ३८ ३९ चिकित्सास्थान, ३० अध्याय, हरित संहिता पंचम कल्पस्थान।

आरोग्य विधान का विटामिन-सम्बन्धी अध्याय

(ञ) प्रारंभिक उद्भिदशास्त्र—बलवन्त सिंह (चौखम्भा संस्कृत सीरीज, काशी)

(ट) प्रारम्भिक रसायन भाग १, २—फूलसहाय वर्मा (चौखम्भा संस्कृत सीरीज, काशी)

प्रश्नपत्र ३—शरीर क्रिया विज्ञान, अगद तन्त्र और व्यावहारायुर्वेद

१—शरीर क्रिया विज्ञान

(क) त्रिदोष तत्व—दोष धातु-मलतत्व। प्रकृति और वैकृत वातादि के स्वरूप, स्थान, लक्षण और दूष्य लक्षण।

(ख) शरीर परिचय—कोष और जीव सामग्री तथा कोषवस्तु, धातु (Tissues) अस्थि उपास्थि-सुक्ति (Gartilage), नाड़ी (Nerve) प्रकार, उनके कार्य तथा उनका मांसपेशी से सम्वन्ध, मांसपेशी और उनकी भौतिक रचना, संकोच तथा विस्तार।

(ग) रक्त संवहनक्रिया—रक्तवाहक संस्थान, हृदय का कार्य, हृत्कार्य-चक्र और उसके भिन्न-भिन्न भाग, उनके कार्य, समय, हृदय का शब्द, रक्तपरिभ्रमण, रक्तभार (Blood Pressure) हृदय की नाड़ियाँ, रक्तसंवाहन और फुफ्फुस का सम्बन्ध।

(घ) श्वासोच्छ्वासक्रिया—फुफ्फुस, श्वास प्रणाली तथा उसकी रचना, श्वास कर्म, श्वासजनित वक्षगति, वायु और रक्त की गैसों का परिवर्तन, श्वास का कारण, कृत्रिम श्वास आदि।

(ङ) अन्न विपाक-क्रिया विज्ञान—पाचक संस्थान, आहार अवयव, भोजन पदार्थ का संगठन, पाचकरस तथा उसकी उत्पत्ति और क्रिया, पित्त, आहार का आंतों में शोषण, आमाशय और आंतों की गति।

(च) मलविज्ञान—मल, मूत्र और स्वेदोत्पत्ति तथा निगर्भ प्रणाली और उनके कार्य, उनकी मात्रा, संगठन, उत्पत्ति और उनके स्वाभाविक तथा अस्वाभाविक अवयव आदि।

(छ) नाड़ीमंडल— (Nervous System) वृहद्मस्तिष्क, लघु मस्तिष्क, सुषुम्ना तथा नाड़ियों के क्रम, उनके केन्द्र, स्वतन्त्र नाड़ी मंडल आदि का साधारण ज्ञान।

(ज) प्रजननक्रियाविज्ञान—स्त्री पुरुषों की प्रजनन इंद्रियों की बनावट और उनकी क्रियाओं का वर्णन, शुक्रार्तव आदि का वर्णन।

(झ) यकृत-प्लीहा—धातु, आमाशय, आंत, वृक्क, मांसपेशी, नाड़ीसूत्र, अण्डकोश तथा पंच कर्मेन्द्रिय एवं पंचकर्मेन्द्रियों की रचना और उनके कार्यों का विवरण।

(ञ) रक्त बनना—रक्त रंजन, रक्तकणों की गणना, लाल और श्वेत रक्तकण, रक्त-परीक्षा, मूत्र परीक्षा, कफ परीक्षा।

(ट) रस ग्रन्थियों का वर्णन।

सहायक-ग्रन्थ—

१. चरक संहिता—सूत्रस्थान अध्याय १, १२, १७, १८, २०· शरीरस्थान अध्याय ६ और ७, विमान स्थान अध्याय ५।

२. सुश्रुत संहिता—सूत्रस्थानं १४, १५ और २१ निदानस्थान, अध्याय १।

३. शरीरक्रिया—विज्ञान—रणजीतराय आयुर्वेदालंकार (आयुर्वेद कालेज, बरली, वम्बई)

मानव शरीर रहस्य—मुकुन्दस्वरूप वर्मा (राजा राजकुमार प्रेस, लखनऊ)

अगद तंत्र

(क) अन्नपान रक्षा विधि—वाग्भट सूत्रस्थान अध्याय ७ और सुश्रुत-कल्प स्थान अध्याय १।

(ख) त्रिविधि विषविज्ञान—स्थावर विष—अहिफेन, भांग, गांजा, धतूर, वत्सनाभ, विषतिन्दुक, करवीर, फेनाश्म, हरिताल, मैनसिल, ताम्र, पारद नीलांजन, सीसा, कांच, हीरा आदि का ज्ञान। जंगम विष—सर्प, बिच्छू, बर्रे, लता, कनखजूरा, पागल कुत्ता, पागल सियार, मकड़ी, छिपकली, मूषिक, विषखपरा, आदि विषाक्त जीवों के विष की पहिचान और चिकित्सा, दूषी विष आदि का ज्ञान और चिकित्सा, विषों का वर्गी-

करण तथा शरीर पर उनकी क्रिया, धातु तथा वनस्पति सम्बन्धी अम्ल, दाहक, क्षार आदि का ज्ञान और चिकित्सा।

(ग) गरविष, दूषीविष, द्रावक विष, वाष्पविष और धूम्र विष का ज्ञान और चिकित्सा।

सहायक-ग्रन्थ—

अष्टांगहृदय—उत्तर तन्त्र, अध्याय ३५, ३६, ३७, ३८
चरक संहिता—चिकित्सा स्थान—अध्याय २३
सुश्रुत संहिता—कल्पस्थान, अध्याय २, ३, ४, ५, ६, ७, ८

व्यवहारायुर्वेद

स्वाभाविक तथा अस्वाभाविक मृत्यु, दुर्घटनाएँ, आत्महत्या, पर-हत्या, मृत्यु के लक्षण, मृत्युत्तर संकोच, श्वासावरोध-जनित मृत्यु, अस्त्राघात प्रभृति सद्योव्रण और आघात के प्रकार भेद, कारण भेद लक्षण, गर्भ लक्षण, प्रसव, भ्रूणहत्या, शिशुहत्या, क्षतों के लक्षण—आत्मकृत तथा परकृत, जल में डूबने या डुबाने के कारण होने वाली मृत्यु के लक्षण।

नोट—इसमें ५० गुणांक शरीरक्रियाविज्ञान में २५ अगदतन्त्र और २५ व्यवहारायुर्वेद में रहेंगे।

सहायक-ग्रन्थ—

व्यवहार आयुर्वेद और विषविज्ञान—युगुलकिशोर गुप्त (चौखम्भा संस्कृत सीरीज, काशी)

प्रश्नपत्र ४—शल्यतंत्र

(क) परिभाषा—शल्य शब्द की निरुक्ति शल्यतन्त्र की प्रधानता, प्रत्यय आगम, अनुमान-उपमान प्रमाणों से शल्यतन्त्र की उपादेयता, शल्य का लक्षण, शल्य के भेद, शरीरशल्य, आगन्तुक शल्य आदि का ज्ञान।

(ख) यन्त्र परिचय—यन्त्र का अर्थ और परिभाषा, यन्त्र लक्षण, यन्त्रों की संख्या, प्रधान यंत्रों का वर्णन, यन्त्र निर्माण की धातु, यन्त्रों का

आकार, यन्त्रों के दोष, यन्त्र कर्म, यन्त्रभेद, स्वस्तिक यन्त्रों का सामान्य लक्षण (सिंहमुख, व्याघ्रमुख, वृकमुख, नरक्षु मुख, इक्षमुख, द्वीपि मुख, मार्जार मुख, शृगाल मुख, मृगेवीरुक मुख, काक मुख, कंकमुख, कुरर मुख, चाषमुख, भाषमुख, शशधाग्रमुख, उल्लूकमुख, चिल्लमुख, श्येनमुख, गृद्ध मुख, क्रौंचमुख, भृंगराज मुख, अंजलि मुख, कर्णाविभंजन मुख, नन्दीमुख आदि) स्वस्तिक यन्त्रों का परिचय और स्वस्तिक यन्त्रों का विषय भेद और आधुनिक एलोपैथी के यन्त्रों का तुलनात्मक ज्ञान।

सन्दैश यन्त्रों का वर्णन (सनिग्रह, अनिग्रह, लघुसंदेश, मुचुँडी, तानयन्त्र, नाड़ीयन्त्र, भकन्दर यन्त्र आदि का आकार और भेद वर्णन, एलौपैथी के यन्त्रों का तुलनात्मक ज्ञान, शमीयन्त्र, व्रणयन्त्र, वस्तियन्त्र, व्रणयन्त्र आदि का ज्ञान।

(घ) नलिका वर्णन, नलिका प्रमाण, प्रमाण भेद, भेदों सहित वस्ति यंत्रों का वर्णन, दकोदह नाड़ी यन्त्र, धूपयन्त्र, विरुद्ध प्रकाश नाड़ी यन्त्र, सन्निद्ध गुर यन्त्र, शृंगयन्त्र, काठशल्ययन्त्र, शल्यनिर्घा-तिनीयन्त्र, नाड़ी घ्राणार्बुदयन्त्र, योनिव्रणेक्षण यन्त्र, अंगुलित्राणकयन्त्र, घटीयन्त्र, शलाकायन्त्र, एषणी यन्त्र, फणमुख शलाका, सर्पशर पंच मुख, शरवड़िश शलाका, मसूर दाल शलाका, तूलवेस्टनी शलाका, वायु प्रवेशिनी शलाका, वासा प्रवेशन शलाका, कर्ण शलाका, क्षारौषधिपातिनी शलाका, जाम्बओष्ठ शलाका, नाशपर्श शलाका, अंजन शलाका, मूत्रमार्ग विशोधिनी शलाका, अन्त्र वृद्धि शलाका, गर्भ शंकु, अश्यरी यन्त्र, दन्तपातन यन्त्र, कर्णशोधन यन्त्र, कंकमुख आदि का वर्णन, उपयन्त्रों के नाम, अनुयन्त्रों के नाम आदि का विवरण और आधुनिक शास्त्रानुसार तुलनात्मक ज्ञान।

(ङ) शस्त्र वर्णन, शस्त्र लक्षण, शस्त्र भेद, शस्त्रों के आकार, मण्डलाग्र शस्त्र, करपत्र, वृद्धिपत्र, नखशस्त्र, मुद्धिका, उत्पल, अर्धपाश, सूची शस्त्र, कुशपत्र, आरीमुख, शरीरि मुख, अन्तर्मुख, त्रिकूर्चक, कुठारिका, ब्रीहिमुख, आराशस्त्र, वेतसपत्र, वडिश, दन्तशंकु, दन्तलेखनक, एपणी, सर्पाख्य,

लिंगनाशवेधन, कर्तरी शस्त्र, सूचीकूर्च, खजशस्त्र, कर्ण वेधनी सूची आदि का परिचय, आधुनिक शस्त्रों के तुलनात्मक ज्ञान सहित।

(च) शस्त्रकर्म—शल्याहरण विधि का ज्ञान, छेद्यकर्म, भेद्यकर्म, लेखन कर्म, वेध्यकर्म, एष्य कर्म, आहार्य कर्म, विस्राव्य कर्म, सीव्य कर्म, शस्त्र कर्म सिद्धान्त, सम्यक् शस्त्रकर्म, शस्त्रदोष, शस्त्रधार, शस्त्रपायना, क्षार पायना, उदक पायना, तैल पायना, धारतेज करना, धार परीक्षा, शस्त्र ग्रहण विधि, अनुशस्त्र वर्णन, पूर्व कर्म वर्णन, प्रधानकर्म वर्णन, पश्चात् कर्म वर्णन, केशिका और कवलिका वर्णन, व्रणोपासन, क्षालन विधि, सीवन विधि, व्रणसंरोहण, आहार-विहार, आलेप विधान, शल्योद्धरण, विमोहन आदि का ज्ञान।

(छ) बन्धन परिचय—बन्धन की व्युत्पत्ति, व्रण बन्धन के द्रव्य, बन्धन भेद, कोश-दाम-स्वस्तिक-अनुवेल्लित-प्रतोली-मण्डल, स्थगिका-यमक-खट्वा-चीन-विविन्ध, वितान-गोकणा-पंचांगी, छिन्न नासिका तथा छिन्न ओष्ठ बन्धन आदि बन्धनों का परिचय, सामान्य विधि, बन्धन प्रकार, गाढ़ बन्धन, शिथिल बन्धन, समबन्धन, दोष भेद बन्धन, बन्धन खोलने का समय, अनुकूल बन्धन, बन्धन न बांधने से हानि, अवन्ध्य व्रण आदि का परिचय।

(ज) जलौकावचकरण—जलौका वर्णन, जलौका भेद, सविष जलौका वर्णन, सविष जलौका भेद और उनका वर्णन, सविष जलौका देश लक्षण, चिकित्सा सहित निर्विष जलौका वर्णन, उनके भेद, उनके क्षेत्र, स्त्री-पुरुष जाति भेद, उनके पकड़ने और पालने की विधि, दूषित जोड़े, रक्त से मतवाली जोंक, जलौका शुद्धि, जलौकावचरण योग्य रोगी, जलौका प्रयोग विधि, हेतु, काल, जलौका चयन, दुर्वान्ता के लक्षण, अतिवाला, पुत्रवीर प्रयोग, जलौका देश चिकित्सा आदि जलौकावचरण सम्बन्धी ज्ञान।

(झ) सिराव्यध विधि—शुद्ध रक्त और अशुद्ध रक्त का लक्षण, सिरामोक्षण योग्य रोग और रोगी, सिराव्यध निषेध, भिन्न भिन्न रोगों और

स्थानों में सिराव्यध प्रकार और विधि, सिराव्यधोपशस्त्रादि, सिराव्यध योग्य काल, अयोग्य काल, सम्यक बिद्ध लक्षण, रक्त स्राव का प्रमाण, अतिसुख से हानि, दुष्ट व्यध-दुर्विद्धा-अतिविद्धा-कुञ्चिना-अप्रस्तुक्त आदि के लक्षण और चिकित्सा, यूनानी विधि का ज्ञान आदि श्रृंगी प्रयोग, अलावू प्रयोग, प्रच्छन विधि तथा क्षार प्रयोग विधि का सहेतुक ज्ञान।

(ञ) सामान्य व्रण, व्रण की अवस्थाएँ, लक्षण और चिकित्सा, कुशाबन्धन, व्रण शोधन, नाड़ व्रण अर्बुद्ध, पूयसञ्चार विद्रधि, अर्बुद, ग्रन्थि, गण्डमाला, अपची आदि की रचना, लक्षण और चिकित्सा, क्षतज विसर्प, धनुर्वात, फिरंग, मूत्रमेह, क्षयव्रण आदि शस्त्र-चिकित्सा योग्य रोगों का चिकित्सोपचार, आलेपन, बन्धन व्रणितोपासन आदि विषयों का ज्ञान।

(ट) स्तब्धता, अस्थिभग्न और उसके प्रचार, अक्षक, प्रगण्डास्थि, वाहास्थि, उर्वस्थि, जंघास्थि, जान्वस्थि, हृन्वस्थि, पादस्थि, करास्थि, अंगुल्यस्थि आदि की चिकित्सा तथा अस्थि भग्न चिकित्सा के साधारण नियम अक्षिकास्थि, बहिःप्रकोष्ठास्थि, अंतः प्रकोष्ठास्थि के भग्न का विशेष ज्ञान और उपाय।

(ठ) हृनुसन्धि, मांस फलक सन्धि, कर्पूर, मणिबन्ध, अंगुष्ठ, वक्षण, जानु, गुल्फ, सन्धि विवर्त, सन्धिशोथ, अस्थिशोध, अस्थिमज्जा-शोथ आदि का ज्ञान।

(ड) रक्तस्राव, मूत्रावरोध, मूत्रकृच्छ, मूत्राघात, मूत्राश्मरी, वृक्काश्मरी, वद्धांत्र, आँत परिशिष्टशोथ, आंत्रवृद्धि, अंड वृद्धि, अर्श, भगंदर, मूत्रमार्ग संकिरण, यकृत विद्रधि आदि का ज्ञान और चिकित्सा।

(ढ) इन्जेकशन सम्बन्धी साधारण ज्ञान।

(ण) व्रणबन्धन या पट्टियां—शिवशरण वर्मा (धन्वतरि मंडल)

सहायक-ग्रन्थ—

१—सौश्रुती— रमानाथ द्विवेदी (चौखम्भा संस्कृत सिरीज, काशी)

२—प्राच्यशल्य तन्त्र—बालकराम शुक्ल (राकेश कार्यालय, वरालोकपुर, इटावा)

४—सुश्रुत सूत्रस्थान, अध्याय ५, ७, ८, ९, १०, २५, २६, २७

वाग्भट सूत्रस्थान, अध्याय २५, २६ और २७ तथा नव्यतंत्रों का आवश्यक ज्ञान।

सुश्रुत सूत्रस्थान, अध्याय ११, १२, १३, १६

वाग्भट सूत्रस्थान, अध्याय ३०

६—सुश्रुत सूत्रस्थान अध्याय १७, १८, १९, २२, २३, २४, २८

निदान स्थान अध्याय २, ३, ४, ७, ६, १०, ११, १२, १५ का शस्त्र कर्म योग भाग, शरीरस्थान अध्याय ८, चिकित्सास्थान अध्याय १, २, ३, ४, ७, ८, १६, १७, १८, १९

वाग्भट चिकित्सा स्थान, अध्याय २० उत्तरस्थान अध्याय २७, २८ २९, ३०

७—इंजेक्शन प्रकाश—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास परीक्षा

१—रोगी देख कर निदान और चिकित्सा निर्णय	२५
२—पदार्थ विज्ञान	१०
३—द्रव्य विज्ञान	१०
४—आधुनिक रसायन शास्त्र	१०
५—शरीर क्रिया विज्ञान	१०
६—अगदतन्त्र और व्यवहार आयुर्वेद	१०
७—शल्यतन्त्र-यन्त्रशस्त्र परिचय	२५
	योग १०० अंक

इस परीक्षा में रोगी, प्रत्यक्ष द्रव्य, नक्शे, नमूने (माडल) और प्रश्न का उपयोग होगा।

आयुर्वेद

द्वितीय खण्ड

इस विषय में ४ प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षार्थी को मौखिक परीक्षा भी देनी होगी।

प्रश्नपत्र १—शालाक्य तन्त्र—उर्ध्वांग चिकित्सा

(क) मुख रोग विज्ञान—मुख, ओंठ, दांत, जिह्वा, तालु, अलिजिह्वा आदि की बनावट, ओष्ठरोग, मुखमंडल के वाह्य रोग, कंठ रोग, मुख पाक, मुखदुर्गन्धि, गलगंड, दंत-मूलरोग, दंतरोग, लालाग्रन्थि विकार, मुख के अर्बुद, कैंसर, पायरिया, रोहिणी, अलिजिह्वा, टानसिल आदि विकार, सवंसर आदि के निदान-पूर्व रूप-लक्षण-सम्प्राप्ति-साध्यासाध्यत्व चिकित्सा और पथ्यापथ्य सहित तुलनात्मक ज्ञान। कंवल—गंडूष प्रति-सारण मंजन आदि विधि और मुखरोगोपयोगी यंत्रशस्त्रों का उपयोग सहित ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

चरक—चिकित्सास्थान अध्याय २६

वाग्भट—उत्तरस्थान २१ और २२ अध्याय

मुख रोग विज्ञान—(सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ख) कर्णरोग विज्ञान—कान की बाहरी और भीतरी बनावट, बाह्य कर्ण, मध्यकर्ण और अन्तःकर्ण के श्रुतिसुरंग, कर्णास्थि, श्रुतिशम्बूक, श्रुतिपटह, पटह पूरणिका धरणक, अंकुशक, मुदगरक, उत्तरसोपानिका, मध्यसोपानिका, अधर सोपानिका, श्रुति नाड़ी आदि अंग-उपांगों का विवरण, कर्णरोग संख्या भेद, कर्णशूल, कर्णशोथ, कर्णनाद, कर्णक्ष्वठ, कर्णबाधिर्य, कर्णस्राव, कर्णकंडू, कर्णगूथक, कर्णप्रतिनाह, कृमिकणक, कर्णशल्य, कर्ण विद्रधि कर्णपाक, पूतिकर्णक, कर्णार्बुद, कर्णार्शकर्ण, रुधिर स्राव, कुचिकर्णक, कर्णपिप्पली, विदारिका, कर्णमूल, शब्द उत्पात, शब्द असहिष्णुता, कर्ण-भंग, कर्णपाली के रोग, कर्णपाली शोष, तंत्रका परिपोटक, उत्पात, उन्मथ,

दु:ख-वर्धन, परिलेहि पाली वर्धन, लालाग्रन्थि व्याधि, ग्रन्थिशोथ, कर्ण-पाया, रक्तार्बुद, कर्णकुहरपीड़ा, मध्यकर्ण पीड़ा, अन्त:कर्ण पीड़ा, ग्रन्थि-अर्बुद, श्रावावरोध की निदान-सहित चिकित्सा, कर्णरोग पथ्यापथ्य, जलौका, शृंगी, तुम्बी, घटियंत्र, सिरामोक्षण, क्षारकर्म, अग्नि कर्म और कर्णरोगोपयोगी यंत्रशस्त्रों का परिचय और उपयोग सहित तुलनात्मक ज्ञान।

सहायक-ग्रन्थ—

सुश्रुत—उत्तर तंत्र अध्याय २०, २१

चरक—चिकित्सा स्थान अध्याय २६

वाग्भट्ट—उत्तरस्थान अध्याय १७ और १८

कर्णरोग विज्ञान (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(ग) नासारोग विज्ञान—

नाक की बनावट, नासारंध्र, नासागुहा, नासा की श्लैष्मिककला, श्वासमार्ग, घ्राणेन्द्रिय के अंग-उपांग आदि का परिचय, नाक के रोग, प्रतिश्याय, पीनस, अपीनस, अनीवस, पुविनास, नासापाक, नासापूय, नासाशोणित, क्षवथु, भ्रंशथु, दीप्ति, प्रतिनाह, नासावरोध, परिस्रव नासाशोष, नासार्बुद, नासार्श, नासाशोथ, रक्तपित्त, भृकुटि तोद, नासा पिडिका, नासावरोध, गन्धविकृति, नासा-कृमि, नासाभंग, नासासंधान, नासा कडू, नासाशल्य, नाकड़ा, नासाविकृति सम्बन्धी खांसी, कुकुर खांसी, श्वास, क्षय, शोथ, ब्रोंकाइटिज, इन्फ्लुएन्जा, न्यूमोनिया, टांसलाइटीज, एडिनाइड्स, कण्ठप्रदाह, नासाभेद, क्षयजनासाप्रदाह, वाह्य नासिका व्याधि, नाक का नासूर, नाक के घाव आदि के निदान, लक्षण, सम्प्राप्ति आदि और चिकित्सा-औषधि प्रयोग, साध्यासाध्य ज्ञान, पथ्यापथ्य और नासारोगोक्त यंत्र-शस्त्रों का परिचय, शिरोरेचन, नस्य शिरोवस्ति आदि का ज्ञान। यथाशक्य यूनानी और एलोपेथी ज्ञान से तुलनात्मक ज्ञान सहित।

सहायक-ग्रन्थ—

सुश्रुत—उत्तरतंत्र अध्याय २२, २३, २४

चरक—चिकित्सास्थान अध्याय २६

वाग्भट्ट—उत्तरस्थान अध्याय १९ और २०

नासारोग विज्ञान (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(घ) नेत्ररोग विज्ञान—

नेत्रों की बनावट, वर्त्म, सन्धि सितासित, दृष्टि शक्ति कांच आदि का परिचय, चर्मरोग, संधि सितासित रोग, दृष्टिरोग, लिंगनाश, अधिमन्थ, हताधिगन्ध, अन्यतोवात, नेत्रजिह्म, अभिष्यन्द, शुकाक्षिपाक, नेत्रशोध, अम्लोषित आदि रोगों की निदान-सम्प्राप्ति और चिकित्सा, साध्यासाध्य ज्ञान, पथ्यापथ्य तथा नेत्र रोगोपयोगी आश्चोतन स्वेद, नेत्र तर्पण, लेप अंजन, वर्ति आदि की प्रयोग विधि एवं नेत्र रोगोक्त यंत्र-शस्त्रादि का परिचय, शस्त्रक्रिया सम्बन्धी आवश्यक ज्ञान सहित।

सहायक-ग्रन्थ—

सुश्रुत—उत्तरतंत्र—अध्याय—१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९

वाग्भट—उत्तरस्थान अध्याय १३, १४, १५, १६

चरक—चिकित्सास्थान अध्याय २६

नेत्ररोगों की अचूक चिकित्सा—महेन्द्रनाथ पाण्डेय (महेन्द्र रसायनशाला, प्रयाग)

(ङ) शिरोरोग विज्ञान—

शिर, कर्पर, ललाट, सीमन्त, शिरःपृष्ठास्थि, हनुकूट, अनैच्छिक मांसपेशी, केश, मेरुदण्ड, सुषुम्ना, इडा, पिंगला, सुशुम्नाशीर्षक नाड़ी मण्डल, पेशीनियमन, नाड़ी तन्त्र, तन्तु सौर मंडल, मणिपूरक, नाड़ीकन्दाणु, वृहत् मस्तिष्क, मध्यमस्तिष्क, धर्मिल आदि का परिचय। वातज-पित्तज कफज-त्रिदोषज रक्तज क्षयजनितशिरोरोग, कृमिज शिरोरोग, शंखक, सूर्यावर्त्त, विपर्यय उपशीर्षक, अरुषिका, दारुणक, इन्द्रलुप्त, पलित, खलित, केशरोग आदि के निदान-लक्षण-सम्प्राप्ति और चिकित्सा, अधिविभेदक, अनन्तवात, शिरःकम्प, मनोविघातज और आगन्तुक शिरःशूल, आमाशयज शिरोवेदना, उष्णताजन्य शीतजन्य शिरोवेदना, आहारजन्य शिरोवेदना, वाष्पजनित

तथा आघातज शिरोवेदना, गर्भाशयजन्य शिरोवेदना, वृक्क प्लीहा-यकृत आमाशयावरण-हृदयावरण-पृष्ठ, वंशशाखाजन्य-रक्ताल्पताजन्य-गन्धज-विषय आदि कारण जन्य शिरोवेदना, संवेदनात्मक, सम्भोगज, नाड़ी-तन्त्रात्मक, मद्यपान जनित नियतकालिकतान्धज-विषज और मस्तिष्क सम्बन्धी शिरोरोग, वाह्य शिरोरोग की निदान-सम्प्राप्ति सहित चिकित्सा, पथ्यापथ्य तथा वात-विधान सम्बन्धी शिरोविकार, रक्त विक्षेप (ब्लडप्रेशर) और उन्निद्र रोग आदि का निदान-पूर्वरूप-लक्षण-उपशय-सम्प्राप्ति-साध्यासाध्यत्व, अरिष्ट लक्षण, चिकित्सा, पथ्यापथ्य आदि का ज्ञान तथा यथासम्भव यूनानी और एलोपैथिक के तुलनात्मक ज्ञान सहित परिचय।

सहायक-ग्रन्थ—

सुश्रुत—उत्तरतन्त्र अध्याय २५, २६

चरक—सूत्रस्थान अध्याय १७, चिकित्सास्थान अध्याय २६

वाग्भट्ट—उत्तरस्थान अध्याय १३, १४

शिरोरोग विज्ञान (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

(च) चिकित्सोपयोगी ऊर्ध्वांग चिकित्सान्तर्गत नस्य धूम्रापान गण्डूष, आच्योतन, तर्पण, शस्त्रकर्म उपयोगी यन्त्र आदि का ज्ञान।

(छ) चरक संहिता चिकित्सास्थान अध्याय २६, सुश्रुत सूत्र स्थान अध्याय ६, निदानस्थान अध्याय १६, चिकित्सास्थान अध्याय २२, २४। उत्तरतंत्र, अध्याय १ से २६ तक। वाग्भट उत्तरस्थान, अध्याय ८ से २८ तक।

(ज) सुश्रुत चिकित्सास्थान अध्याय ४०, उत्तरतंत्र अध्याय १८, वाग्भट सूत्रस्थान अध्याय २०, २१, २२, २३, २५।

संक्षिप्त शल्यविज्ञान—मुकुन्दस्वरूप वर्मा

शल्यतंत्र दोनों भाग, बालकराम शुक्ल ("राकेश" कार्यालय, बरा-लोकपुर, इटावा)

प्रश्नपत्र २—प्रसूतितन्त्र और कौमार भृत्य इत्यादि

(क) शुद्ध वीर्य और शुद्ध रज की पहिचान, गर्भ स्थापन, गर्भवती के लक्षण, गर्भवृद्धि का क्रम, मासानुक्रम से गर्भवती की चिकित्सा।

(ख) बालसंगोपन, बालकों के रोग, बाल-यकृत, बाल-कोष, पसुली के रोग आदि बालकों के रोगों का निदान और चिकित्सा।

(ग) प्रसूतितंत्र और स्त्री रोग विज्ञान, रजोदोष, प्रदर योनिरोग, गर्भस्राव, गर्भिणी रोग, योषापस्मार, (हिस्टीरिया अपतंत्रक) आदि का विज्ञान, चिकित्सा सहित।

(घ) निम्नलिखित विषयों का पूर्वी और पश्चिमी मतानुसार ज्ञान।

१—Asepis in Midwifery

(क) प्रसूति में कृमि-विहीनता, वस्तिगह्र और उसके माप, डिम्बकी वृद्धि, गर्भकाल, कमल, भ्रूण के रक्तसंचार आदि का वर्णन।

(ख) भ्रूण के लक्षण, भ्रूण के कपाल का व्यास, गर्भ के लक्षण और गर्भ का निदान।

(ग) प्रसूति और उसका क्रम

(घ) साधारण प्रसूति का प्रबंध और चिकित्सा

(ङ) मूढ़गर्भ और उसकी चिकित्सा

२—Midwifery Forceps

(क) गर्भ का आकर्षण यन्त्र और उसकी प्रयोगविधि .

३—Asyphxia Neonatorum

(क) नवजात शिशु का श्वासावरोध और उसकी चिकित्सा

(ख) शिशु के अतिसार तथा कामला और यकृत का ज्ञान

४— Induction of Labor

(स) गर्भपात कराने की विधि और प्रयोग दशाएं

पाठ्य-ग्रन्थ—

सुश्रुत—शरीर स्थान

वाग्भट्ट—उत्तरस्थान ३, ४, ५ शरीर स्थान १, २

कौमार भृत्यम्—रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी (चौखंभा संस्कृत सिरीज, काशी)

महिला जीवन (उपयोगी अंश)—सरोजिनी देवी वैद्या, मेरठ

प्रसूति शास्त्र—रामदयाल कपूर (गंगा पुस्तकमाला लखनऊ)

प्रश्नपत्र ३—मानस रोग-विज्ञान

बुद्धि मन, आत्मा, मानसिकदोष और मानसिक रोगों का निदान, पूर्वरूप, लक्षण-उपशय-सम्प्राप्ति तथा चिकित्सा एवं पथ्यापथ्य सहित-विवरण—

(क) प्रमाण-विज्ञान—प्रमाण, एषणा, ज्ञान, प्रभा, अप्रभा, स्मृति कारण, आप्तोपदेश, शब्द-प्रमाण, प्रत्यक्ष-प्रमाण, अनुमान युक्ति, उपमान, अर्थापत्ति आदि का ज्ञान।

(ख) पुरुष निरूपण—आत्मा, परमात्मा, जीवात्मा, चिकित्सा-शास्त्रोपयुक्त पुरुष (कर्मपुरुष, राशि पुरुष, लोकपुरुष) निर्गुण सगुण आत्मा आदि का निरूपण, देहातिरिक्त आत्मा का सद्भाव, आत्मा का अनादित्व, साक्षित्व, कर्तृत्व, भोक्तृत्व, अव्यक्त शब्द तथा उसके विविध अर्थ, आत्मा का भूतों के साथ सम्बन्ध, एकत्व, अनेकत्व, सर्वासर्वजगत्व, पुरुष संयोग से प्रकृति में चैतन्य आदि।

(ग) मनोनिरूपण—मन की परिभाषा, मन का एकत्व-अनेकत्व, अणुत्व, व्यापकत्व, मन का इंद्रियों के साथ सम्बन्ध, ज्ञान में मन ही कारण है, मन भी इन्द्रिय है, इन्द्रियां और उनकी संख्या तथा कार्य, अहंकार तथा महत्व के भेद तथा कार्य, बुद्धि का कार्य भेद, अन्तःकरण की वृत्तियां, वाह्य तथा आभ्यन्तर वृत्तियों की युगपत तथा क्रमिक उत्पत्ति। इंन्द्रियों की संख्या, इन्द्रियों के विषय, इन्द्रियों का नियत विषय ग्रहण में कारण, इन्द्रियों में ज्ञानभाव, विशेष्या-विशेष निरूपण, मनोविज्ञानोक्त प्रारम्भिक ज्ञान, एषणाओं का वर्णन, प्रत्यक्ष अनुमान आदि का निरूपण।

(घ) मानसिक दोष वर्णन, सत्व-रज-तम गुणवर्णन, क्रियाविचार, प्रज्ञापराध, काल-कर्म-सम्प्राप्ति, वेदना का अनुभव, कर्म संयोग-वियोग, स्मृति, मानसिक रोग विज्ञान, मानसिक क्रिया विचार, चित्त-भ्रान्ति, चित्तोद्वेग, निद्रा, स्वप्न, निद्रानाश, दिवास्वप्न, तन्द्रा, जृम्भा, क्लम, आलस्य, उत्क्लेश, ग्लानि, गौरव आदि का विवरण।

(ङ) कम्प, अपतानक, अपतंत्रक ताण्डव रोग, उन्माद, वातोन्माद, पित्तोन्माद, कफोन्माद, त्रिदोष-उन्माद, शोकजउन्माद, विषजन्य उन्माद, अध्यात्मोन्माद, जड़ोन्माद, भ्रमोन्माद, नैराश्योन्माद, प्रलापोन्माद, उदरोन्माद, यौवनोन्माद, स्मरोन्माद, गर्भोन्माद, सूतिकोन्माद, रजोनिरोधक उन्माद, वार्धक्योन्माद, क्षिप्रोन्माद, औपसर्गिक उन्माद, नैतिकोन्माद, सामयिकउन्माद, कम्पोन्माद, क्षयोन्माद, सन्धिकोन्माद, आमवातीय उन्माद, कुष्ठोन्माद, अनशनोन्माद, ज्वरोन्माद, रक्ताल्पोन्माद, ज्वरान्तोन्माद, माईक्सिडीयाजनित उन्माद, औपदंशिक उन्माद, बुद्धिभ्रंश, मन्थरोन्माद, आघातोन्माद, संवेदनात्मक उन्माद, अवसादोन्माद, इच्छा ह्रासोन्माद, विधुरोन्माद, अपस्मार, भ्रम, मद मूर्छा, सन्यास, तन्द्रा, मदात्य, ध्वंसक, विटक्षप, अंशुघात' वृक्कापस्मार, योषापस्मार, हिस्टीरिया, नाड़ीदौर्बल्य (न्यूरेस्थेनिया) आदि का निदान-पूर्वरूप-रूप उपशय सम्प्राप्ति, साध्यासाध्यत्व, चिकित्सा उपचार, पथ्यापथ्य, अरिष्ट लक्षण आदि का ज्ञान।

(च) आगन्तुक ग्रहोन्माद, शकुनी स्कन्दादि ग्रहों का निदान लक्षण आदि, चिकित्सा-पथ्यापथ्य, उपचार, शांति आदि ज्ञान सहित।

सहायक-ग्रन्थ—

प्रमाद विज्ञान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

पुरुष विज्ञान का आयुर्वेदिक पुरुष वर्णन (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

मानसिक रोग विज्ञान—जगन्नाथप्रसाद शुक्ल (सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग)

चरक—सूत्र स्थान अध्याय ६, ८, ११, २४
चरक—निदान स्थान अध्याय ७, ८
चरक—विमान स्थान अध्याय ६
चरक—शरीर स्थान अध्याय १, २, ५
चरक—चिकित्सा स्थान अध्याय ९, १०, २४
सुश्रुत—शरीर स्थान अध्याय १ और ४
उत्तरतन्त्र—अध्याय ४६, ४७
मानसोपचार—डाक्टर गोपाल भास्कर गडफुले

प्रश्नपत्र ४—आयुर्वेद का इतिहास

(१) आयुर्वेद का इतिहास
(२) आयुर्वेद का इतिहास और उसके क्रम-विकास का ज्ञान
(३) आयुर्वेद की उन्नति के उपाय
(४) आयुर्वेदिक चिकित्सकों के लिए जानने योग्य उपयोगी बातें
(५) शल्य चिकित्सा और शल्यशास्त्र का इतिहास
(६) कीटाणु सम्बन्धी इतिहास
(७) आयुर्वेद के प्रवर्त्तक और प्रचारक आचार्य
(८) आयुर्वेदिक पत्रों का इतिहास और आयुर्वेदोन्नति सम्बन्धी आन्दोलन का परिचय
(९) रसशास्त्र का इतिहास तथा उसके प्रवर्त्तक और उत्पादक आचार्य

सहायक-ग्रन्थ—

१—आयुर्वेद मीमांसा—सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग
२—भारतीय रसायन शास्त्र—सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग
३—भारतीय रसशास्त्र—सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग
४—आयुर्वेदिक पत्रों का इतिहास—सुधानिधि कार्यालय, प्रयाग
५—भारतीय जीवाणु विज्ञान—रघुवीरशरण शर्मा, बुलन्दशहर

६—आयुर्वेद का इतिहास—महेन्द्रनाथ शास्त्री (हिन्दी ज्ञान मन्दिर, २९ चर्च गेट स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई)

७—आयुर्वेद का इतिहास—अत्रिदेव विद्यालंकार (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

नोट—चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट, हारीत संहिता, भाव प्रकाश और रसरत्नसमुच्चय के आरम्भ के उपयोगी अंश।

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास

प्रत्यक्ष कर्माभ्यास में १०० अंक होंगे।

१—रोगी परीक्षा	३०
२—चिकित्सा, पथ्यापथ्य निर्णय	१५
३—यन्त्रशास्त्र परिचय	२०
४—प्रश्न	३५
	योग—१०० अंक

गणित

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रश्नपत्र हिन्दी में होंगे। उत्तर भी हिन्दी में देने होंगे। अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों की हिन्दी सुखदेव पांडेय द्वारा सम्पादित हिन्दी वैज्ञानिक शब्दावली, गणित-विज्ञान (नागरी प्र० स० काशी) के अनुसार रहनी चाहिए।

जिन प्रश्नपत्रों में पाठ्यग्रंथ नहीं लिखे गए हैं उनका विषय किसी अंग्रेजी या हिन्दी पुस्तक से अध्ययन किया जा सकता है।

प्रश्नपत्र १—बीजगणित और त्रिकोणमिति

इनइक्वालिटी, कनवर्जेन्स आफ सीरीज, कन्टिन्यूड फैकशन्स, डिटरमिनेन्टस, दि मॉवयर्स थ्योरम, सम्मेशन आफ सीरीज, एक्सपैन्शस, हाइपरबोलिक फंक्शंस्।

चेंज आफ वेरिएबिलस् एण्ड एन आर्डर आफ इन्टेग्रेशन, मल्टिप्ल इन्टेग्रल्स विद सिम्पल ऐप्लिकेशंस, ग्रीन्स थियोरम, यूज आफ फोरियर्स सीरीज, यूनीफार्म कन्वर्जेन्स् एण्ड टर्म वाई टर्म डिफरेंन्सिएशन एण्ड इन्टेग्रेशन आफ सीरीज।

प्रश्नपत्र २—चलन-कलन और चलराशि कलन

रेशनल एण्ड इरशनल नम्बर्स, सीक्वेन्सेज एण्ड लिमिट्स, ए फंक्सन्स कंटिन्यूइटी, डिफरेन्सिबिलिटी, दि मीन वैल्यू थियोरम्, टेलर्स थियोरम्, मैक्सिम ऐण्ड मिनिमा आफ फंक्शस् आफ टू ऑर मोर वेरिएबिलस्, चेंज आफ वेरिएबिलस्, मीमान्स डेफिनिट इंटेग्रल, मीन वैल्यू थियोरम्स, इम्प्रोपर इन्टेग्रल्स, डेफिनिट इंटेग्रल्स इनक्लूडिंग बीटा एण्ड गामा फंक्शन्स।

प्रश्नपत्र ३—अवकल समीकरण

जैसा मरेज डिफरेन्शियल इक्वेशन्स में दिया है। (प्रारंभिक अध्यायों के लिए, गोरखप्रसाद : 'अवकल समीकरण' (पोथीशाला, इलाहाबाद) से सहायता ली जा सकती है।)

प्रश्नपत्र ४—समीकरण सिद्धान्त

बर्नसाइड एण्ड पैन्टन थियरी आफ इक्वेशन्स भाग १ और सुधाकर द्विवेदी : समीकरण मीमांसा (विज्ञान परिषद्, प्रयाग)

गणित

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—त्रिविस्तारीय वैश्लेषिक ज्यामिति रेखा

प्लेन, स्ट्रेट लाइन, कोनिकॉइड्स।

प्रश्नपत्र २–स्थिति विज्ञान और द्रवस्थिति विज्ञान

वर्चूअल वर्क, स्टेबिलिटी, स्ट्रेन्स इन टू डाइमेन्शन्स, फोर्सेज इनथ्री डाइमेन्शन्स, सेन्टर्स आफ ग्रैविटी, ऐट्रेक्शन्स एण्ड पोटेंशियल्स आफ राड्स, डिस्कस, स्फियर्स एण्ड सरकुलर सिलिन्डर्स एलूइड प्रेशर, सेन्टर्स आफ प्रेशर इक्विलिब्रियम् आफ फ्लोटिंग बाडीज, प्रॉपर्टीज आफ गेसेज, डिटरमिनेशन् आफ हाइट्स बाइ बैरोमीटर, सिम्पल मशीन्स

प्रश्नपत्र ३—गति विज्ञान

मोशन आफ ए पार्टकल इन रिजिस्टिंग मीडियम, होडोग्राफ, सेन्ट्रल, औरबिट्स एण्ड कोन्सट्रेण्ड मोशन, रिजिड डाइनेमिक्स, मोमेंट्स आफ इनर्शिया, डी, एलम्बऐस् प्रिन्सिपल ऐण्ड मोशन इन टू डाइमेन्सन्स्।

प्रश्नपत्र ४—ज्योतिष और गोलीय त्रिकोण मिति

एलिमेन्टरी स्फेरिकल ट्रिग्नोमेटरी, आर्डिनरी ऐस्ट्रोनामिकल प्रॉवलम्स्, ट्वाइलाइट, प्लनेटरी मोशन, रिफक्शन, पैरेलैक्स, ऐबेरेशन, प्रीसेशन, न्यूटेशन, एक्लिपसेज।

विज्ञान

विज्ञान के दो भाग होंगे (अ) भौतिक विज्ञान और (ब) रसायन। प्रत्येक भाग में दो खण्ड और प्रत्येक खण्ड में चार-चार प्रश्नपत्र होंगे।

भौतिक विज्ञान

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—पदार्थों के गुण

गुरुत्वाकर्षण का नियम, गोलों और गोल शंखों के भीतरी और बाहरी बिन्दु पर आकर्षण, गोल चक्ती का आकर्षण, अवस्था की परिभाषा और साधारण चीजों की अवस्था निकालना, समान अवस्था के पृष्ठ और शक्ति

रेखायें, लचक की परिभाषा, हुक का नियम, यंग का लचक-गणक निकालना, मात्रा का घूर्ण और वृत्त का अर्धव्यास, बेलन और गोले की मात्रा का घूर्ण किसी अक्षघूर्ण पर निकालना, वायल का नियम, वायुपम्प लटकन का झूलन।

प्रश्नपत्र २—ध्वनि विज्ञान

ध्वनि-तरंग, ध्वनि का वेग, घनत्व और लचक के साथ वेग का सम्बन्ध, डोप्लर का सिद्धान्त, ध्वनि का परिवर्तन और आवर्जन, स्वरों की लहर-लम्बाई और संख्या का निकालना, शब्द-लहरों का संकट, वायु स्तम्भ और तारों का झूलन, मिश्रित ध्वनियों के विश्लेषण की प्रयोगात्मक विधियाँ,

लसेचू चित्र संघट के प्रश्नों में $\left(\text{रा} = \text{अ कोज्या} \frac{\text{२ग}}{\text{ल}} \text{ब स य}\right)$ समीकरण का उपयोग।

प्रश्नपत्र ३—ताप

तापमापकों का बनाना, लम्ब-प्रसार गुणक और इसका तापक्रम से सम्बन्ध, ताप की इकाई, क्लारी माप के प्रयोग, आपेक्षिक ताप, गुप्तताप, वाष्प दबाव और उसका निकालना, विकीर्ण का ताप और इसका परावर्तन, आवर्जन, शोषण विसर्जन, चालकता—सूचक चित्र, करानी का ताप इंजिन, ताप को काम में परिवर्तन करने के प्रथम और द्वितीय नियम, टामसन का तापक्रम, क्रम का माप, काम और माप में सम्बन्ध।

प्रश्नपत्र ४—प्रकाश

प्रकाश का वेग निकालना, आवर्जन और परावर्तन सम्बन्धी साधारण सूत्र, दर्पण, विस्तरण, किरण चित्र, नीरंग तालों का बनाना, प्रकाश का लहर सिद्धांत, प्रकाश का सीधा चलाव, परावर्तन और आवर्जन के नियमों को लहर सिद्धान्त द्वारा सिद्ध करना, न्यूटन की कुण्डलियां और पतले पत्तों के रंग, वर्त्तन, एकाक्षी रवों में द्वयावर्जन, सीधी वृत्तीय और दीर्घ वृत्त

दिकप्रधानता, दिक्प्रधान प्रकाश का संघट, दिक्प्रधानता के तल का घुमाव।

विज्ञान

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—चुम्बकत्व

चुम्बकत्व—चुम्बकीय शक्ति की रेखाएँ खींचने की विधियां, चुम्बकीय अवस्था, चौड़ाई और लम्बाई में रखे हुए चुम्बकों का पारस्परिक प्रभाव, चुम्बकीय घूर्ण निकालना, पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति का क्षितिज, अवयव और झुकाव, चुम्बकीय आवेश, प्रवेशता, द्विष चुम्बकत्व, लौह् चुम्बकत्व।

प्रश्नपत्र २—विद्युत्

विद्युत निराकरण के नियमों के प्रमाण। माध्यमिक संख्या, टामसन-चतुर्थांश अनिरपेक्ष, अवस्था मापक साधारण पिण्डों की अवस्था, समाई और सामर्थ्य का निकालना, घर्षण और उपपादन मशीनें, विद्युत धारा, धारामापक बाधाओं का निकालना, ओह्म का नियम, जल का नियम, बैट-रियों की विद्युत् संचालक शक्ति और भीतरी बाधा का निकालना।

ह्वीट स्टोन का जाल, विद्युत् विश्लेषण और विद्युत् रासायनिक तुल्यांक चुम्बकत्व, उपपादित धारायें, पारस्परिक आदेश, और स्वनाश रुह्म कार्फ का आवेश, स्थिर विद्युत् परिभाषाएँ।

प्रश्नपत्र ३—गैसों में विद्युत प्रवाह

गैसों में विद्युत् प्रवाह, ऋणोंद किरणें, धन किरणें, रौंजनी किरणें, एलफा, बीटा, और गामा किरणें, रेडियम (रेश्मिम), बेतार समाचार, आकाशवाणी।

प्रश्नपत्र ४—निबन्ध

रसायन

प्रथम खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र १—भौतिक रसायन

सालिड, लिक्विड ऐंड गैसियस स्टेट्स आव् ऐग्रीग्रेशन इन्क्ल्यूडिंग क्रिस्टल्स एन्ड एक्सरे, फेजरूल, इलेक्टो केमिस्ट्री।

प्रश्नपत्र २

एलीमेंटरी थार्मोडाइनेमिक्स ऐंड क्वान्टम थियरी, एटामिक एंड मोलाक्यूलर स्ट्रक्चर, न्यूक्लियस, फिजिकल प्रापर्टीज एंड केमिकल काँस्टीट्यूशन।

प्रश्नपत्र १ और २ के पाठ्यग्रन्थ

फिजिकल केमिस्ट्री भाग १—२—टेलर

फिजिकल केमिस्ट्री भाग १—२ और ३—लुइस

प्रकाश रसायन—वा० वि० भागवत

प्रश्नपत्र ३

इनार्गेनिक केमेस्ट्री आव कामन एलीमेट्स एंड कम्पाउन्डस, मेटलर्जी

प्रश्नपत्र ४

रेयर एलीमेन्टस एंड कम्पाउन्डस्, आइसोमेरिज्म एंड काँस्टीटयूशनल प्राब्लेम्स

प्रश्नपत्र ३ और ४ के सहायक-ग्रन्थ—

सामान्य रसायन शास्त्र, डा० सत्यप्रकाश (भारती भण्डार, प्रयाग)

टेक्स्ट बुक ऑफ इन औरगेनिक केमिस्ट्री—पार्टिंगटन

रीसेन्ट एडवान्स इन औरगैनिक केमिस्ट्री—स्टेवर्ट

केमिस्ट्री ऑफ रेयर एलिमेन्टस्—हौपटेन

रसायन

द्वितीय खण्ड

इस विषय में चार प्रश्नपत्र होंगे।

प्रश्नपत्र—१

आर्गेनिक—एलीफैटिक, ऐरोमैटिक, तथा हौटेरो साइक्लिक।

प्रश्नपत्र—२

सिंपल टर्पी, कैम्फर, सिंपल ऐक्लेलाइड, कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन्स, डाइज एण्ड ड्रग्ज

प्रश्नपत्र १ और २ के सहायक-ग्रन्थ—

कार्वनिक रसायन—सत्यप्रकाश

ओरगेनिक केमिस्ट्री भाग १–२ और ३—कोहेन

रीसेंट एडवान्सेज इन औरगेनिक केमिस्ट्री—स्टेवर्ट

प्रश्नपत्र ३—भारतीय रसायन

हिन्दू केमिस्ट्री—पी० सी० राय

प्रश्नपत्र ४—रसायन का इतिहास

अध्याय ११

लिपिक परीक्षा

इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रार्थी को निम्नलिखित परीक्षाओं में से किसी परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(क) हिन्दी विश्वविद्यालय की प्रथमा परीक्षा या उसकी समकक्ष कोई परीक्षा।

(ख) किसी सरकारी शिक्षा बोर्ड या विश्वविद्यालय की हाईस्कूल परीक्षा अथवा उसकी समकक्ष कोई परीक्षा।

इस परीक्षा में १००,१०० अंकों के चार प्रश्नपत्र होंगे। साहित्य संबंधी प्रश्नपत्र के दो खंड होंगे, जिनमें से प्रत्येक ५०–५० अंकों का होगा।

परीक्षा की तीन श्रेणियां होंगी। प्रथम ६० प्रतिशत या उससे अधिक, द्वितीय ४५ प्रतिशत या उससे अधिक और तृतीय ३३ प्रतिशत या इससे अधिक प्राप्तांकों की होगी।

प्रत्येक दिन दो प्रश्नपत्र होंगे।

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र १—(क) हिन्दी साहित्य

हिन्दी साहित्य का इतिहास, गद्य और पद्य का अर्वाचीन विकास, विविध शैलियां, प्रमुख आधुनिक लेखकों की रचनाओं का सामान्य ज्ञान तथा साहित्य की प्रगति का परिचय।

हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

हिन्दी साहित्य की भूमिका—हजारीप्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रंथ रत्न कार्यालय, बम्बई)

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास—चतुरसेन शास्त्री (गौतम बुक डिपो, दिल्ली)

अच्छी हिन्दी—रामचन्द्र वर्मा (साहित्य रत्नमाला, २० धर्मकूप, काशी)

अच्छी हिन्दी—किशोरीदास वाजपेयी (हिमालय एजेंसी, कनखल)

हिन्दी प्रयोग—रामचन्द्र वर्मा (साहित्य रत्नमाला २० धर्मकूप, काशी)

(ख) निबन्ध

सहायक-ग्रन्थ—

आधुनिक निबन्ध—रामप्रसाद किचलू और केशनी प्रसाद चौरसिया (राजकिशोर प्रकाशन, इलाहाबाद)

प्रवंध प्रदीप—भटनागर (ग्रांड बुकडिपो, इलाहाबाद)

निवंध रचना तथा संक्षिप्त लेखन—मनवोधन लाल (यूनिवर्सल प्रेस, प्रयाग)

निबंध कला—राजेन्द्र सिंह गौड़ (साधना सदन प्रयाग)

प्रश्नपत्र २—कार्यालय कार्य सम्पन्न विधि

इसके लिये निम्नलिखित विषयों का ज्ञान होना आवश्यक है।

१ सरकारी कर्मचारी गण तथा अन्य कर्मचारी गण के आचरण-नियम, २ प्रतिदिन की डाक प्राप्ति, ३ डाक पंजी, ४ आगत और निर्गत पंजी, ५ संचिका पंजी, (फाइल रजिस्टर) ६ संचिका पंजी की अकारादि क्रम सूची, ७ प्रकीर्ण पंजी, (मिसलेनियस रजिस्टर) ८ पत्र वाहक पुस्तिका ९ तार पंजी, १० प्रेस पंजी, ११ संचिका क्रम प्रबन्ध, १२ संदर्भीकरण

(रिफरेंसिंग) १३ अभिलेख पालन (रिकार्ड कीपिंग), १४ पत्र तथा तार आदि का निर्गतिकरण, १५ पत्रालय—टिकटों आदि का हिसाब रखना और जांचना, १६ पुस्तकालय व्यवस्था, १७ पुस्तक अर्चना १८ आज्ञापत्र निर्गत पश्चात् वाद वर्गीकरण, १९ प्रतीक्षावाले वाद (केसेज) २० अभिलेखन (रिकार्डिंग), २१ आवश्यक नष्टीकरण (वीडिंग), २२ मुद्रण, २३ विभागीय विवरण का प्रत्यावर्तन, २४ प्रतीक्षा वाले वादों की पंजी, २५ वार्षिक विवरण, २६ साधारण संरक्षी संचिका (जनरल गार्ड फाइल), २७ रंगीन नाम पत्रों पत्रकों का प्रयोग, २८ स्मृति पत्र, २९ दूर भाषा आह्वान (ट्रंक टेलीफोन काल्स), ३० कागद के प्रयोग में मित-व्ययिता, ३१ अर्द्धशासकीय पत्र व्यवहार का प्रयोग, ३२ याचना पत्र तथा परिवाद (शिकायतें) ३३ महत्वपूर्ण सरकारी आदेश और ३४ हिसाब रखना तथा जांचना (एकाउन्टेंन्सी)

प्रश्नपत्र ३—संक्षिप्त लेखन (प्रेसी राइटिंग)

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दी संक्षिप्त लेखन—रामप्रसाद किचलू (राजकिशोर प्रकाशन, इलाहाबाद)

प्रश्नपत्र ४—आलेखन (ड्राफटिंग)

सहायक-ग्रन्थ—

हिन्दी आलेखन—रामप्रसाद किचलू (राजकिशोर प्रकाशन, इला-हाबाद)

अध्याय १२

साहित्य प्रवेशिका परीक्षा

परीक्षा परामर्श समिति के निर्णय के अनुसार प्रथमा परीक्षा के पूर्व साहित्य प्रवेशिका परीक्षा चलाने के लिए पाठ्यक्रम-समिति पाठ्यक्रम का निर्णय करेगी। यह परीक्षा शीघ्र ही चालू होगी

अध्याय १३

साहित्य महोपाध्याय परीक्षा के नियम

योग्यता

१. साहित्य महोपाध्याय परीक्षा के लिए केवल वे ही व्यक्ति योग्य समझे जायेंगे जिन्होंने हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयाग की उत्तमा परीक्षा या संसार के किसी मान्य विश्वविद्यालय की एम० ए० अथवा उसके समकक्ष कोई परीक्षा उत्तीर्ण की हो या जिसे हिन्दी विश्वविद्यालय-परिषद् इस योग्य समझे।

२. जिस विषय में हिन्दी विश्वविद्यालय की उत्तमा परीक्षा या एम० ए० परीक्षा उत्तीर्ण की गई हो उस विषय से सम्बद्ध विषय पर ही साहित्य महोपाध्याय परीक्षा के लिए प्रबन्ध प्रस्तुत करने की आज्ञा दी जायगी।

आवेदन पत्र तथा प्रारम्भिक उपचार

३. साहित्य महोपाध्याय परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी को प्रतिवर्ष १ अगस्त तक छपा हुआ आवेदनपत्र, जिसका मूल्य १) है, भरकर भेजना होगा। उसके साथ प्रस्तावित प्रबन्ध का योजना-सूत्र तथा निर्देशक का नाम उनकी स्वीकृति के साथ देना होगा। निर्देशक वही सज्जन हो सकेंगे जो किसी विश्वविद्यालय में तद्विषयक विभाग के प्राध्यापक अथवा ऐसे विशिष्ट विद्वान हों जिन्हें परीक्षा-समिति मान्य कर ले।

प्रबन्ध का योजना-सूत्र और स्वीकृति

४. आवेदन पत्र स्वीकार करने के लिए प्रतिवर्ष परीक्षा-समिति १५ अगस्त तक तीन ऐसे विद्वानों की 'कुशल-समिति' निर्धारित करेगी जो एक

मास के भीतर प्रबन्ध के योजना-सूत्र पर विचार करके अपनी स्वीकृति या अस्वीकृति देगी। यदि कुशल-समिति ने योजना-सूत्र स्वीकार कर लिया हो तो प्रार्थी को निबन्ध लिखने की अनुमति दे दी जायगी।

शुल्क

५. परीक्षा शुल्क—५० रु०, आवेदनपत्र के साथ देना होगा। और ५० रु० योजना-सूत्र स्वीकार हो जाने पर।

६. प्रबन्ध का योजना-सूत्र अस्वीकार हो जाने पर ३० रु० परीक्षार्थी को लौटा दिया जायगा।

प्रबन्ध-प्रेषण

७. कुशल-समिति द्वारा प्रबन्ध का योजना-सूत्र स्वीकार हो जाने की सूचना मिलते ही परीक्षार्थी अपना प्रबन्ध लिखना प्रारंभ कर सकता है, किन्तु वह अपना प्रबन्ध परीक्षा के लिए कार्यालय में तभी भेज सकता है जब उसे उत्तमा अथवा एम० ए० परीक्षा उत्तीर्ण हुए कम से कम दो वर्ष (चौबीस मास) व्यतीत हो गये हों। जिन विशिष्ट व्यक्तियों को विश्व-विद्यालय-परिषद् ने 'साहित्य महोपाध्याय' परीक्षा में बैठने की स्वीकृति दे दी हो उनके लिए समय का प्रतिबन्ध नहीं होगा।

परीक्षकों की नियुक्ति

८. प्रबन्ध के परीक्षकों की नियुक्ति परीक्षामंत्री, अध्यक्ष (जब तक कुलपति की नियुक्ति न हो) तथा प्रबन्ध के योजना-सूत्र को स्वीकार करने वाली 'कुशल-समिति' के एक सदस्य की सम्मिलित सम्मति से होगी।

९. साहित्य-महोपाध्याय परीक्षा का प्रबन्ध निम्नलिखित प्रकारों में से किसी एक प्रकार का होना चाहिए—

(अ) मौलिक शास्त्रीय ग्रन्थ

(आ) किसी विशिष्ट ग्रन्थ का सटिप्पण तथा समीक्षात्मक संपादन

(इ) नई खोज

(ई) किन्हीं सिद्धान्तों तथा तथ्यों का खंडन करके नये सिद्धान्तों तथा तथ्यों की स्थापना।

१०. साहित्य-महोपाध्याय उपाधि के लिए प्रस्तुत प्रबन्ध नागरी लिपि और हिन्दी भाषा में हाथ से लिखा हुआ, टंकित किया हुआ या मुद्रित हो, किन्तु वह प्रकाशित नहीं होना चाहिए। प्रबन्ध की तीन प्रतियां परीक्षार्थी को भेजनी होंगी।

मौखिक परीक्षा

११. लिखित प्रबन्ध की परीक्षा के पश्चात् परीक्षार्थी की मौखिक परीक्षा होगी। इसके लिए तीन परीक्षक नियुक्त किए जायंगे जो प्रश्नोत्तर द्वारा परीक्षण करके अंक देंगे। मौखिक परीक्षा में तीनों परीक्षकों का अंक-योग ७० प्रतिशत या उससे ऊपर होने पर ही परीक्षार्थी साहित्य महोपाध्याय के योग्य समझा जायगा।

१२. केवल वही प्रबन्ध साहित्य महोपाध्याय पद के लिए योग्य समझा जायगा जो परीक्षकों के बहुमत से श्रेष्ठ समझा गया हो।

१३. जो मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होगा वह अनुत्तीर्ण समझा जायगा।

उपाधि की योग्यता

१४. परीक्षकों के पास से प्रबन्ध लौट आने पर उसकी एक प्रति परीक्षार्थी को लौटा दी जायगी, शेष सम्मेलन के संग्रहालय में रहेगी। प्रबन्ध को छापने का पूर्ण अधिकार सम्मेलन को होगा और यदि विश्व-विद्यालय परिषद् आज्ञा दे तो परीक्षार्थी स्वयं भी छपवा सकता है।

अध्याय १४

पदक सम्बन्धी नियम

१. सम्मेलन की ओर से तीन प्रकार के पदक दिए जा सकेंगे— स्वर्ण, स्वर्ण-लिप्त, रौप्य।

२. जो सज्जन या संस्थाएं अपने या अपने किसी सम्बन्धी के नाम पर कोई पदक निरन्तर चलाना चाहें उन्हें स्वर्ण पदक के लिए २५००) स्वर्णलिप्त के लिए ५००) तथा रौप्य के लिए २५०) एक बार सम्मेलन को समर्पित कर देने होंगे। इसके व्याज से प्रतिवर्ष पदक दिया जा सकेगा।

३. यदि कोई सज्जन या संस्था किसी नगर, ग्राम, प्रान्त अथवा देश विशेष से सम्मेलन की परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले उस नगर, ग्राम, प्रान्त अथवा देश विशेष के छात्रों में से किसी या किन्हीं परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय को पदक देना चाहें तो ऊपर निर्दिष्ट नियम के अनुसार उनसे द्रव्य प्राप्त करके सम्मेलन पदक देने की व्यवस्था कर सकेगा।

४. जो सज्जन कुछ वर्षों के लिए पदक देना चाहे वे उतने वर्षों के लिए दिए जाने वाले पदकों का या तो मूल्य समर्पित कर दें, अथवा प्रतिवर्ष उस वर्ष के परीक्षाफल के प्रकाशन के पूर्व ही सम्मेलन कार्यालय को पदक बनवा कर देते रहें।

५. जिन परीक्षाओं के लिए प्रथम पदक प्राप्त नहीं है या नहीं होंगे उनके लिए द्वितीय तथा तृतीय पदक नहीं स्वीकृत होंगे। इसी प्रकार जिनके लिए द्वितीय पदक प्राप्त नहीं है उनके लिए तृतीय पदक स्वीकृत नहीं होंगे।

६. किसी जाति, धर्म, वर्ग या सम्प्रदाय के प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले छात्रों के लिए पदक स्वीकार नहीं होंगे।

पदक सूची

परीक्षाओं के परीक्षा फल के अनुसार निम्नलिखित पदक प्रदान किये जायेंगे।

उत्तमा परीक्षा

श्रीधर पदक (स्वर्ण)—सम्पूर्ण उत्तमा परीक्षा में हिन्दी साहित्य विषय लेकर सर्व प्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल पदक (स्वर्ण लिप्त)—आयुर्वेद विषय लेकर आयुर्वेदरत्न में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

मध्यमा परीक्षा

भट्ट पदक (स्वर्ण)—सम्पूर्ण मध्यमा परीक्षा में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

जैनपदक (स्वर्ण)—मध्यमा के साहित्य में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

पंडित बलरामजी दुबे पदक (रौप्य)—मध्यमा के अर्थशास्त्र मैं सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

श्रीमती भगवान देवी बाजोरिया पदक (स्वर्ण)—मध्यमा परीक्षा में सर्वप्रथम उत्तीर्ण महिला को।

दिनेश पदक (रौप्य)—बम्बई प्रान्त से मध्यमा परीक्षा में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

श्रीत्रिलोकीनाथ वर्मा पदक (रौप्य)—मध्यमा परीक्षा के विज्ञान विषय में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

प्रथमा परीक्षा

पूर्ण पदक (स्वर्ण)—सम्पूर्ण प्रथमा परीक्षा में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

दिनेश पदक (रौप्य)—बम्बई प्रान्त के प्रथमा परीक्षा में सर्वप्रथम उत्तीर्ण परीक्षार्थी को।

अध्याय १५

सम्मेलन के हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की मान्यता

१. मध्यभारत की माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने प्रथमा तथा मध्यमा परीक्षायें उत्तीर्ण हो जाने पर अपनी हाई स्कूल की परीक्षा में केवल अंग्रेजी में परीक्षा देने और उसमें सफल होने पर एफ० ए० परीक्षा देने की मान्यता दी है।

२. सब विषयों या केवल अंग्रेजी में इण्टरमिडियेट परीक्षा उत्तीर्ण साहित्यरत्न उपाधिकारी अध्यापक और महिलायें आगरा विश्वविद्यालय की बी० ए० परीक्षा में साधारण अंग्रेजी तथा एक अन्य विषय लेकर सम्मिलित हो सकते हैं। बी० ए० की ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के पश्चात् वे इस विश्वविद्यालय की एम० ए० परीक्षा हिन्दी लेकर दे सकते हैं।

३. राजपूताना विश्वविद्यालय ने भी सम्मेलन के स्नातकों को वही सुविधायें प्रदान की हैं जो आगरा युनिवर्सिटी ने दी है।

इसके अतिरिक्त राजपूताना विश्वविद्यालय ने उन परीक्षार्थियों को जो सम्मेलन की साहित्य रत्न परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के पश्चात् अंग्रेजी तथा किसी एक अन्य विषय में बी० ए० उत्तीर्ण कर लेते है, अपने विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट अध्ययन का अधिकारी माना है। यदि वे हिन्दी विषय ले कर परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं तो एम० ओ० एल० उपाधि के अधिकारी होते हैं और यदि वे किसी अन्य विषय में परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं तो एम० ए० उपाधि के अधिकारी होते हैं।

४. प्रयाग विश्वविद्यालय ने भी बी० ए० में अंग्रेजी पढ़ने का अधिकार साहित्यरत्नों को दिया है।

५. उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने बी० ए० तथा एम-ए० पास "साहित्यरत्न" उपाधिधारियों को क्रमशः हाईस्कूल तथा इन्टरमीडिएट कक्षाओं के हिन्दी अध्यापक बनने के योग्य माना है।

६. उत्तर प्रदेशीय पब्लिक सरविस कमीशन ने पंचायत विभाग के इन्सपेक्टर पद के लिए विशारद उपाधिधारियों को इन्टरमिडिएट परीक्षा उत्तीर्ण उम्मेदवारों के समकक्ष माना है, अर्थात् विशारद परीक्षा उत्तीर्ण व्यक्ति पंचायत विभाग के इंस्पेक्टर पद के लिए प्रार्थनापत्र दे सकता है।

७. बिहार राज्य की सरकार ने सरकारी नौकरियों के लिए १९४७ ई० तक के विशारद को इन्टरमीडिएट के समकक्ष और साहित्यरत्न को बी० ए० के समकक्ष माना है। पुनर्विचार हो रहा है।

८. मध्यप्रदेश की सरकार ने अपने यहां के शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह आदेश दिया है कि जो व्यक्ति हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयाग की परीक्षों में उत्तीर्ण हुए हैं उनका भी ध्यान हिन्दी पाठशालाओं में हिन्दी शिक्षकों की नियुक्ति करते समय या उनको वेतन-वृद्धि देते समय रखा जाय।

९. साहित्यरत्न उपाधिधारी स्नातकों को ग्रेजुएट लोगों की ओर से विधान परिषद् में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार है।

१०. आयुर्वेदरत्न को उत्तर प्रदेश का इंडियन मेडिकल बोर्ड रजिस्टर्ड वैद्य हो जाने का अधिकार देता है। यही अधिकार वैद्य विशारद की परीक्षा उत्तीर्ण होने के पांच वर्ष पश्चात् मिलता है।

११. राजपूताना मेडिसन बोर्ड की ओर से आयुर्वेदरत्न को रजिस्टर्ड होने का अधिकार प्राप्त है।

१२. आयुर्वेदरत्न के निबन्धन की ऐसी ही मान्यता बिहार राज्य के अधिकारियों से भी प्राप्त है।

१३. मैसूर सरकार ने मध्यमा (विशारद) उत्तीर्ण लोगों को हाई स्कूलों में हिन्दी के अध्यापक बनने की मान्यता दी है।

अन्य मान्यताओं के लिए केन्द्रीय सरकार तथा राज्यों के अधिकारियों से पत्र व्यवहार हो रहा है।

रजिस्ट्रार
हिन्दी विश्वविद्यालय
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा प्रकाशित

हिन्दी विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की पाठ्य-पुस्तकें

उत्तमा (साहित्यरत्न)

१. आधुनिक कवि भाग १, २॥)
श्रीमती महादेवी वर्मा, एम०ए०
२. आधुनिक कवि भाग २ २॥)
श्री सुमित्रानन्दन पंत
३. आधुनिक कवि भाग ३ २॥)
रामकुमार वर्मा
४. सामान्य भाषा विज्ञान ६)
लेखक—डा० बाबूराम सक्सेना
५. मीराँबाई १॥)
लेखक—डा० श्रीकृष्ण लाल
६. अष्टछाप और वल्लभ-सम्प्रदाय २०)
लेखक—डा० दीनदयाल गुप्त
७. मीराँबाई की पदावली ३)
संपादक—श्री परशराम चतुर्वेदी एम० ए०
८. डिंगल में वीररस ३)
संपादक—श्री मोतीलाल मेनारिया, एम० ए०
९ अनुरागबांसुरी १॥)
संपादक—श्री चन्द्रबली पांडेय एम० ए०
१०. विवेचना ४)
लेखक—श्री इलाचन्द्र जोशी
११. कबीर संग्रह १)
संपादक—श्री सीताराम चतुर्वेदी
१२. सूफी काव्य संग्रह ३)
संपादक—श्री परशुराम चतुर्वेदी
१३. बंगला साहित्य की कथा १॥)
अनुवादक—श्री भोलानाथ शर्मा एम० ए०
१४. राजस्थानी भाषा और साहित्य ६)
लेखक—श्री मोतीलाल मेनारिया
१५. राजनीति के सिद्धान्त ८)
लेखक—डा० महादेवप्रसाद शर्मा
१६. आयुर्वेद का इतिहास ३॥)
लेखक—श्री अत्रिदेव विद्यालंकार
१७. भारतीय ग्राम अर्थशास्त्र ७)
लेखक—श्री शंकरसहाय सक्सेना
१८. एकता—श्री चन्द्रबली पाण्डे

मध्यमा (विशारद)

१. कौटिल्य की शासनपद्धति २)
लेखक—श्री भगवानदास केला
२. हिन्दूराज्य शास्त्र ५)
लेखक—श्री अम्बिकाप्रसाद बाजपेयी
३. आधुनिक काव्य संग्रह १॥)

संपादक—डा० रामकुमार वर्मा

नागरी अंक और अक्षर ।=)
लेखकगण—श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा और श्री केशवदेव मिश्र

समाचार-पत्र शब्दकोश १।।।)
संपादक—डा० सत्यप्रकाश

बीसवीं सदी की राजनीतिक विचारधाराएँ १।।)
लेखक—श्री गुर्ती सुब्रह्मण्य एम० ए०

सरल शरीर विज्ञान १।।)
संपादक—श्री नारायण दास बाजोरिया और श्री गंगाप्रसाद

भौतिका

भट्ट निबन्धावली भाग १ १।।)
संपादक—श्री देवीदत्त शुक्ल और श्री धनञ्जय भट्ट

ब्रजमाधुरीसार ४)
संपादक—श्री वियोगी हरि

तुलसी संग्रह १)
संपादक—डा० माताप्रसाद गुप्त

ठोस ज्यामिति १।।)
लेखक—डा० ब्रजमोहन

चलराशि कलन ४)
लेखक—श्री हरिश्चन्द्र गुप्त एम०एस-सी०

संक्षिप्त अलंकार मंजरी २)
लेखक—श्री कन्हैयालाल पोद्दार

१४. अकबर की राज्य व्यवस्था २।।)
लेखक—श्री शेषमणि त्रिपाठी "साहित्यरत्न"

१५. शकुन्तला नाटक १।।)
अनुवादक—राजा लक्ष्मणसिंह

१६. हिन्दी साहित्य समीक्षा २।।)
संपादक—श्री गुर्ती सुब्रह्मण्य एम० ए०

१७. ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार २।।)
लेखक—श्री व्यौहार राजेन्द्रसिंह

१८. हिन्दी गद्य निर्माण १।।।)
लेखक—श्री लक्ष्मीधर बाजपेयी

१९. सच्च संगहो १)
संपादक—श्री भदन्त आनन्द कौसल्यायन

२०. गांवों की समस्याएँ १)
लेखकगण—श्री शंकरसहाय सक्सेना, एम०ए०, एम०काम० और श्री प्रेमनारायण माथुर, एम० ए० बी० काम०

२१. हिन्दी गद्य पारिजात १।।।)
संपादक—श्री प्रेमनारायण शुक्ल

२२. हिन्दी कहानी संग्रह ।।
संपादक—श्री भगवतीप्रसाद वाजपेयी

२३. श्री शंकराचार्य का आचार दर्शन ५)
लेखक—डा० रामानन्द तिवारी शास्त्री

प्रथमा

१. कृषि प्रवेशिका १।)
लेखक—श्री शीतलप्रसाद तिवारी 'विशारद'

२. प्रारंभिक रसायन १॥)
लेखक—श्री अमीचन्द विद्यालंकार

३. काव्य संग्रह भाग १ १॥।)
संकलनकर्ता एवं संपादक—श्री करुणापति त्रिपाठी एम० ए० 'साहित्याचार्य'

४. काव्य संग्रह भाग २ २॥)
संकलनकर्ता एवं संपादक—श्री रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' एम० ए०

५. हिन्दी साहित्य परिचय २)
लेखक—श्री रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' एम० ए०

६. काव्यांगकल्पद्रुम ॥।)
लेखक—श्री प्रभात मिश्र शास्त्री 'साहित्याचार्य'

७. साहित्य प्रवेश २)
संपादक—श्री ज्योतिप्रसाद मिश्र 'निर्मल'

८. रचना तथा व्याकरण १॥।)
लेखक—श्री चन्द्रमौलि सुकुल एम० ए०

९. हिन्दी भाषासार १॥)
संग्रहकर्ता—लाला भगवानदीन तथा रामदास गौड़

१०. सम्मेलन निबन्धमाला १॥)
श्री गिरिजादत्त शुक्ल 'गिरीश'

११. चित्रकला १)
लेखक—डॉ० अवधउपाध्याय

हिन्दी साहित्य सम्मेलन के महत्वपूर्ण प्रकाशन

आलोचना साहित्य

१. आचार्य सायण और माधव ६)
लेखक—श्री बलदेव उपाध्याय

२. तुलसी-दर्शन ५)
लेखक—डा० बलदेवप्रसाद मिश्र

३. गोरखबानी ६)
संपादक—डा० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

४. एकता ३)
लेखक—श्री चन्द्रबली पाण्डेय

५. हिन्दी काव्य में प्रकृतिचित्रण ९)
लेखिका—डा० किरण कुमारी गुप्त

६. राजस्थानी भाषा और साहित्य ६)
लेखक—श्री मोतीलाल मेनारिया

७. पालि साहित्य का इतिहास १०)
लेखक—श्री भरतसिंह उपाध्याय

८. ज्योति-विहग ५)
लेखक—श्री शांतिप्रिय द्विवेदी

९. अनुशीलन १॥)
लेखक—श्री शिवनाथ एम० ए०

१०. अंग्रेजी साहित्य का इतिहास ३)
लेखक—डा० एस० पी० खत्री

११. आदर्शनगर व्यवस्था १०)
अनुवादक—श्री भोलानाथ शर्मा

१२. प्रेमघन सर्वस्व भाग १, २, ६)१०)
संपादक—श्री प्रभाकरेश्वर प्रसाद उपाध्याय, श्री दिनेशनारायण उपाध्याय, एम०ए०, सा०र०

१३. विचार विमर्श ३॥)
लेखक—श्री चन्द्रबली पाण्डेय

१४. आन्ध्रदेश के कबीर—श्री वेमना १॥)
लेखक—श्री राममूर्ति 'रेणु'

लोक साहित्य

१. भोजपुरी ग्रामगीत भाग १, २ ६), ११)
संपादक—डा० कृष्णदेव उपाध्याय

२. भोजपुरी लोकगीत में करुणरस ६)
लेखक—श्री दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह

३. राजस्थानी लोकगीत २)
लेखक—श्री सूर्यकरन पारीक

४. मैथिली लोकगीत ५)
संपादक—श्री रामइकबाल सिंह 'राकेश'

काव्य साहित्य

१. आधुनिक कविमाला—
श्रीमती महादेवी वर्मा २॥)
श्री सुमित्रानन्दन पंत २॥)
डा० रामकुमार वर्मा २॥)
ठा० गोपालशरण सिंह २॥)
श्री अयोध्यासिंह उपाध्याय २॥)

२. शैवाल ३)
लेखक—स्व० श्री रमाशंकर शुक्ल 'हृदय'

३. देव शब्द रसायन २॥)
संपादक—स्व० श्री जानकीनाथ सिंह 'मनोज'

४. काव्य कला निधि ३॥)
संपादक—श्री सत्यजीवन वर्मा

५. शिशुपालवध महाकाव्य ८)
अनु०—श्री रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री

अनूदित एवं धार्मिक

१. मत्स्य पुराण २०)
अनु०—श्री रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री

२. जातक (छ भागों में)
७॥), ७॥), १०), ८), ८), और ११)
अनुवादक—श्री भदन्त आनन्द कौसल्यायन

३. वायुपुराण १२)
अनु०—श्री रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री

४. महावंश ४॥)
अनु०—श्री भदन्त आनन्द कौसल्यायन

५. भास के तीन नाटक ॥)
अनु०—स्व० श्री हरदयाल सिंह

६. नागानन्द ॥)
७. रत्नावली ॥)
८. प्रियदर्शिका ॥)
अनुवादक—श्री गंगाधर इन्दूरकर

९. ऐतरेय ब्राह्मण ५)
अनु०—श्री गंगाप्रसाद उपाध्याय

१०. पुराणों में गंगा ३॥)
संकलनकर्ता—श्री रामप्रताप त्रिपाठी, शास्त्री

११. हमारा धर्म और उसकी वैज्ञानिक रूपरेखा ३)
लेखक—श्रीनारायण सिंह वकील

१२. मनुष्य जीवन का लक्ष्य १॥)
लेखक—श्री रामावतार विद्या-भास्कर

१३. भारतीय संस्कृति १॥)
लेखक—श्री गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी

१४. तपोभूमि १०)
लेखक—श्री रामगोपाल मिश्र

१५. रश्मिमाला ३॥।)
लेखक—डा० मंगलदेव शास्त्री

राजनीति, गणित और विज्ञान सम्बन्धी प्रकाशन

१. द्रव्यशास्त्र २।)
लेखक—श्री मुरलीधर जोशी

२. सापेक्ष्यवाद १॥)
लेखक—डा० अवध उपाध्याय

३. चित्रकला १)
लेखक—डा० अवध उपाध्याय

४. सृष्टि की कथा १॥)
लेखक—डा० सत्यप्रकाश

५. भैषज्य कल्पना १॥।)
लेखक—श्री अत्रिदेव गुप्त 'भिषगरत्न'

६. बीजगणित ३॥)
लेखक—डा० झम्मनलाल शर्मा

७. गतिविज्ञान ३॥)
लेखक—डा० पी० डी० शुक्ल

८. कला विज्ञान १।)
लेखक—डा० हरद्वारीलाल शर्मा

९. शास्त्री
सरल नागरिक शास्त्र ५)
लेखक—श्री भगवानदास केला

परिभाषा निर्माण

१. शासन शब्दकोष १५)
संपादक—महापण्डित राहुल सांकृत्यायन

२. प्रत्यक्ष शरीर कोश ८)
संपादक—श्री एस०सी० सेनगुप्त

३. जीव रसायन कोश ६)
संपादक—डा० ब्रजकिशोर मालवीय

४. भूतत्वविज्ञान कोश २॥)
संपादक—श्री एस० सी० सेन-गुप्त

५. चिकित्साविज्ञान कोश ७॥)
संपादक—श्री एस०सी० सेनगुप्त

हिन्दी साहित्य-सम्मेलन, प्रयाग

हिन्दी विश्वविद्यालय

हिन्दी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में स्वीकृत पुस्तकें निम्नलिखित पुस्तक विक्रेताओं में से किसी के यहां से मँगाई जा सकती हैं—

१. अलीगढ़—भारत प्रकाशन मंदिर, बुकसेलर, सुभाष रोड, अलीगढ़।

२. आगरा—विनोद पुस्तक मंदिर, हास्पिटल रोड, आगरा।

३. इलाहाबाद—गुप्ता पुस्तक भंडार, २९ हिवेट रोड, इलाहाबाद—३

४. इलाहाबाद—रामनारायणलाल, पुस्तक प्रकाशक, कटरा, इलाहाबाद।

५. इलाहाबाद—विश्वविद्यालय परीक्षा बुक डिपो, जीरो रोड, इलाहाबाद—३

६. इलाहाबाद—साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, ९३ जीरो रोड, इलाहाबाद।

७. जबलपुर—सुषमा साहित्य मन्दिर, जवाहरगंज, जबलपुर।

८. जयपुर—अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपौलिया बाजार, जयपुर।

९. दिल्ली—रीगल बुकडिपो, पुस्तक प्रकाशक तथा विक्रेता, नई सड़क, दिल्ली ६।

१०. दिल्ली, बम्बई, इलाहाबाद, पटना, मद्रास—राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०—, दिल्ली, बम्बई, इलाहाबाद, पटना, मद्रास।

११. बनारस—चौखंभा विद्याभवन, बनारस चौक, वाराणसी।

१२. लश्कर—किताबघर, साहित्य प्रकाशन मंदिर, हाईकोर्टरोड, लश्कर।

१३. वर्धा—राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा।

१४. गुजरात प्रान्तीय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, कालूपुर, खजूरी की पोल अहमदाबाद दक्षिण।

१५. हैदराबाद—हिन्दी प्रचार सभा, हिन्दी भवन, नामपल्ली रोड, हैदराबाद दक्षिण।